

The Gazette of

प्राधिकार सं प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17]

मई बिस्ली, शनिवार, अप्रैल 28, 1984 (वैशाख 8, 1906)

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 28, 1984 (VAISAKHA 8, 1906)

हस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

WITH III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 13 मार्च 1984

सं० ए-32013/2/83-प्रशा०-11(1)—इस कार्यालय की सम संख्य क अधिसूचना दिनोक 19 अक्तूबर, 1983 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ० एवं सां०) श्रीमती राजकुमारी आनन्द को 15-1-1984 से 14-4-1984 तक तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (ग्रुप क' रु० 700-1300) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

2. अनुसंधान अधिकारी के पद पर श्रीमती राजकुमारी आनन्य की नियुक्ति पूर्णत: तदर्थ आधार पर है ग्रीर इससे इन्हें उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अथवा चरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

मं० ए० 32013/2/83-प्रशा०-II (I)——अध्यक्ष, संघ लोक सेवा भाषोग एतद्द्वारा कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ० एवं सां०) श्री राम सिंह, (अनु० जा०), को 12-1-84 से 14-4-84 तक अथवा आगामी आवेगों, तक, जो भी पहले हो, 1--36 GI/84

संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुसंघान अधिकारी (ग्रुप क---- कः 700-1300) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. अनुसंधान अधिकारी के पद पर श्री राम सिंह की नियुक्ति पूर्णत: नदर्थ आधार पर है श्रीर इससे इन्हें उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अथवा वरिष्टता का कोई हक नहीं मिलेगा।

के० बी० मैथ्यू अनुभाग अधिकारी कृत अध्यक्ष संघलोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 मार्च 1984

सं० ए० 19014/11/80-प्रशा०-1----राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद् की रीडर श्रीर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सम्प्रति कार्यरत उप मिषव डा० (श्रीमती) शारदाम्या राव की सेवाएं 19-3-1984 (अपराह्न) मे राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद, को सौंपी जाती हैं।

ए० जे० बजाज उप-सचिव (प्रणा०)

(9069)

नई बिरुली-110011, दिनांक 7 मार्च 1984

सं० ए० 32014/1/84-प्रणा० III(I)--राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सवा आयोग के कार्यालय में निम्निलखित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ अधार पर के०से०से० के संवर्ग के अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:---

将 0	नाम	पदोश्रप्ति की अवधि
सं०		
	(सर्वर्श्री)	
1.	ए० के ० शर्मा	13-2-84 से
	•	15-7-84 त न
2.	भगवती चरण	⊸वं हीं—
3.	एस० के० बंसल	⊸वहीं—
4.	एस० के० अवस्थी	-वर्ह ी
5.	श्रोम वीर सिंह (अनु०जा०)	−वही
6.	एस० एल० कुमार	13-2-84 से
		29-3-84 有軒
5.	एस० एम० सहगल	13-2-84 से
		292-84 तक
8.	िलिप जॉन	12-1-84 से
		12-2-84 तक
		भौर 14-2-84 से
		29-3-84 哲称
9.	ए० एस० जाट	12-1-84 से
		12-2-84 荷布
		भौर 14-2-84 से
		29-3-84 तक
10.	एम० एल० वासुदेव	19-1-84 ₹
		2-2-84 日午
		भौर 14-2-84 से
		31-3-84 市事
11.	सी० एल० भट्ट	13-2-84 से
		29-3-84 荷布
12.	ग्रबङ्ग राय	20-2-84 से
,		29→3-84 तक

दिनोंक 9 मार्च 1984

ग्द्ध पत्र

सं० ए० 35014/2/80-प्रशा०- ()—इस कायालय की सम संख्यक अधिमूचनाश्रों दिनांक 16 सितम्बर, 1983 श्रोर 26 नवम्बर, 1983 का आंशिक संशोधन करते हुए श्री ए० के० शर्मी की तदर्थ नियुक्ति अवधि को अब निम्न प्रकार से पढ़ा आए:

> (i) "1-9-83 से 30-11-83 के स्थान पर — 1-9-83 से 30-9-83 तक, 13-10-83 से 26-11-83 तक, भौर 28-11-83 से 30-11-83 तक"

(ii) ''1-12-83 सें 29-2-84 तक **के स्थान पर** 1-12-83 से 28-12-83 तक ग्रीर 30-12-83 से 29-2-84 तक''

सं० प० 35014/2/80-प्रणा०-II(ii)—इस कार्यालय की सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 26-11-83 के अनुक्रम में सिंघव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा श्री एम० पी० माथुर, क० लेखा अधिकारी की 1-3-84 से 31-5-84 तक तीन मास की अग्रेतर अवधि के लिये अथवा नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानायन्त रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० ए 35014/2/80-प्रणा०-II(iii)—-सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एसद् द्वारा निम्निलिखित अधिकारियों को 1-3-84 से 31-5-84 सक तीन मास की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करतें हैं।

ऋम० नाम व पदनाम सं०

- 1. श्री सुदर्शन कुमार, अनुभाग अधिकारी (के० स० से० संवर्ग)।
- 2. श्री बी० सीं० काजलां, अनुभाग अधिकारी (के० स० से० संवर्ग)।
- श्री ए० के० शर्मा, अनुभाग अधिकारी (के० स० स० संवर्ग) ।
- 2. उपर्युक्त अधिकारी लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रति नियुक्ति पर रहेंगे, और उनका वेतन समय समय पर यथासंशोधित विक्त मंद्राक्षय, व्यय विभाग के का॰ ज्ञा॰ सं० एफ॰ (ii) ई-III (ख)/75, विनोक, 7-11-75 में सन्तिहित अनुवेशों की मंत्रों के अनुसार विनियमित होगा।

एमं० पीं० जैन अवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनोक 10 अप्रैल 1984

सं० 2/17/83-प्रशासन--केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्-द्वारा रेलवे बोर्ड के अनुभाग अधिकारी श्री के० के० अग्रवाल को केन्द्रीय संतर्कता आयोग में प्रतिनियुक्ति पर अनुभाग अधिकारी के पद पर दिनांक 31 मार्च, 1984 (अपराह्म) से, अगले आदिश तक, ए० 650-1200 के वेतनमान पर नियुक्त करते हैं।

> ॐष्ण लाल मल्होद्रा भवर संचिव . कृते केन्द्रीय सत्तर्कता आयोग

गृह मन्त्रालय

कार्मिक एवं प्रशासिक सुधार किभाग केन्द्रीय अन्येषण ब्यूरा

नई दिल्ली, दिनांग 5 अप्रैल 1984

सं० एष/2/73-प्रणासन-5—निवर्तन होने पर, श्री एष० सी० तनेजा, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सा० अ० स्कन्ध, विस्ली णाखा ने, विनाक 31 मार्च, 1984 के अपराह्म से पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, के पद का कार्यभार स्थाग विया।

दिनांक 7 अप्रैल 1984

सं० हीं- | 7 4-प्रशासन-5--श्री हीं। आर० धास, अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय, न्याय-वैधक विज्ञान, प्रयोगणाला, केन्द्रीय, अन्वेषण ब्यूरी, नई दिल्ली की सेवाएं दिनांक 31 भार्च, 1984 के अपराह्म से गृह मंत्रालय को सौंप दी गई है।

विनोक 9 अप्रैल 1984

सं० के०-1/73-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से श्री के० शौर्या, वरिष्ठ लोग अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो को विनांक 31-3-84 के पूर्वाह्म से 31-5-84 अथवा नियमित नियुक्ति होने, जो भी पहले घटित हो, तक के लिये तदर्थ ग्राधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, में स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1984

सं० ओ० क्षे०-173/69-स्था०---राष्ट्रपति के० रि० पु० बल के श्री टी० एस० बहाद को प्रवरण कोटि (सेले क्शन ग्रेड) कमान्डेट, के पद पर अस्थाई रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

इन्होंने, दिनांक 20-3-1984 (पूर्वाह्म) से अपना कार्य-भार संभाल लिया है।

दिनांक 31 मार्च, 1984 शुद्धि-पत्न

सं० पी० सात०1/81-स्थापना-र-भाग-बाई—इस महा-निवेशालय के अधिसूचना संख्या पी० सात-1/81- स्थापना-भाग-बाई, विनांक 16-3-1983 के संबर्भ में ।

2. श्री राजेन्द्र सिंह (कम संख्या 45), के पुलिस उप-अधीक्षक पद का कार्यभार संभालने की तिथि '6-11-81 (अपराह्म), का संगोधन करके पहें 25-10-81'।

सं० ओ० क्षे० 1802/83-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर सिमीर कुमार चक्रावर्ती, जनरल ड्यूटी आफीसर ग्रेड-II (डि० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) का त्यागपत दिनांक 14 सितम्बर, 1984 अपराह्म से सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

विनांक 2 अप्रैल, 1984

सं अो० को ० 1897/84 स्थापना — राष्ट्रपति जी ने जाकटर राजेन्द्र कुमार जनरल इ्यूटी आफीसर ग्रेड-II (डि० एस० पी० कम्पनी कमान्डर) का त्यागपत्र दिनांक 30 जनवरी 1004 अपराह्म से सहषं स्थीकार कर लिया है।

दिनांक 3 अप्रैल 1984

सं० ओ० को ० 1940/84 स्था० — राष्ट्रपति जी श्री पी० एन० माघो, जोकि विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्राल , नई दिल्ली में अधिकारी है, को तवर्थ/डेपुटेशन के श्राधार पर छ: माह की अवधि यानियमित स्यानापन्न तक जोभी पहले हो, समु० सहायक, निर्देशक (विधि), के पद पर महानिदेशालय के० रि० पु० बल० में सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

2. श्री माधी ने संयु० सहायक निर्देशक (विधि) के० रि० पु० बलका कार्यभार दिनांक 28-3-1984 (पूर्वाह्न) से ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 4 अप्रैल 1984

सं० ओ० क्षे० 1035/72-स्था० — श्री सी० एम० बक्सी सहायक कमांडेन्ट, के० रि० पु० बल, को अन्डमान और निकोबार प्रशासन, में ले० गवर्नर के सुरक्षा अधिकारी कम ए० डी० सी० के पद पर, प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप उनकी सेवाएं 27-2-84 (पूर्वाह्न) अन्डमान और निकोबार प्रशासन को सींपी जाती हैं।

ए० के० सूरी सहायक निर्वेशक (स्था०)

भारतके महारजिस्ट्रारका कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 अप्रैल, 1984

सं 0 10/5/83-प्रणा० — इस कार्यालय की तारीख 14-9-83 की सम संख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति श्री के बार व उन्नी, उप निवेशक (प्रोग्राम) को नई दिल्ली में भारत के महा-राजिस्ट्रार के कार्यालय में संयुक्त निवेशक (प्रोग्राम) के पद पर तवर्ष नियुक्त की अवधि को विद्यमान गती पर तारीख 30-4-1984 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री उन्नी का मुख्यालय नई विल्ली में होगा।,

दिनांक 6 अप्रैल 1984

सं० 25/12/73-आर० जी० (प्रणा०-1)--राष्ट्रपति, असम सिविल सेवा के अधिकारी और असम, गोहार्टी, में जन-गणना कार्य निदेशक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक जन गणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री ए० के० बरकाकोटी को तारीख 29 फरवरी, 1984 के अपराक्ष से असम सरकार को सहुर्ष प्रत्यावतित करते हैं।

सं 11/8/80-प्रणा०-I(खण्ड-II)---राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविलि सेवा के अधिकारी और महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री एम० एम० सांख्ये को तारीख 29 फरवरी, 1984 के अपराह्म से महाराष्ट्र सरकार को संहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं।

> वी० एस० बर्मा भारत के महा रजिस्ट्रार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालल रक्षा लेखा महानियर्मक नई दिल्ली-110066, दिनांक 6 अप्रैल 1984

सं० प्रशा०/1/1402/4/जिल्द-II---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ सभयमान (रुपये 1100-50-1600) में स्थानापन के रूप में कार्य करने के लिये उनके नामों के समक्ष दर्शीई गई तारीखों से, आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करने हैं:---

ऋ० सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री आर० के० आनन्द	12-7-1983
2.	श्री एस० एन० मिश्रा	21-11-1983
3.	श्री एस० एस० मोहन्ती	14-1-1984
4.	श्री अर्दिन्द आर० कौणल	12-12-1983
5.	श्री एस० एल० समिला	12-7-1983
6.	श्रीमती रंजना शिवशंकर	28-1-1984
7.	कुमारी एस० तिवारी	24-11-1983
8.	श्री विलोक चन्द	14-7-1983
9.	श्री परस राम	28-11-1983
10.	श्री प्रेम लॉल	14-11-1983
11.	श्री पी० पैरिया स्वामी	20-8-1983
12.	श्री एम० कृष्णामूर्ति	15-10-1983
13.	श्रीपी० डी० मक्कड़	21-9-1983

वी० एस० जफा रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक

रक्षा मैतालय

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

म द्धि पुत्र

सं० 9/84/ए/ई-1 (एन० जि०) — इस कार्यालय के राजपत अधिसूचना संख्या 8/84/ए/ई-1 (एन०जी०), विनांक 23-3-84 के अन्तर्गत सर्वे श्री पी० सी० चौधुरी, बी०पी० गौड़, तथा नारायण चन्व विश्वास, सहायक स्टाफ अफसर पद की प्रोन्नति के सम्बन्ध में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:

1. की जगह : दिनांक 30-1-84 से आगामी आदेण े होने तक पढ़ा जाए : दिनांक 16-3-84 से आगामी आदेश होने तक

2. की जगह : श्री बी०पी० गौर पढ़ा जाए : श्री बी०पी० गौड़

उपरोक्त राज पन्न अधिसूचना के पैरा 3 को भी निकाल दिया जाता है।

> डी० आर० अय्यर डी०डी०जी०/फार्मिक, कुले महा निदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आईनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकता-700016, दिमांक 2 अप्रैल 1984

सं० 18/जी/84—-श्री अशोक नागपाल, उप महाप्रवन्धक (मौलिक एवं स्थायी निर्माण प्रबन्धक) दिनांक 29 फरवरी, 1984 (प्रप्राह्म) से स्वेच्छा पूर्वक, सेवा से अवकाश ग्रहण किया।

दिनांश 5 अप्रल 1984

णुजि-पत

मं० 636/ए/जी—आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड, की गजट अधिसूचना संख्या 51/जी/83, दिनांक 30-11-83 में निम्नांविह संगोधन किये जाते हैं।

1. ऋमसंख्या 3 के सामने "नाम" के कालम के नीचे

की जगहः विनय निवसारकर

पद्गा आए : विनय पदमाकर नियसारकर

 कम संख्या 6 के सामने "कार्यग्रहण की तारीख" कालम के नीचे

की जगह : 06-08-1983

पदा जाए . 27-07-1983

बी०के० मेहता निदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग 6)

नई विल्ली, विनांक 31 मार्च 1984

सं० ए०-32013/14/82-प्र० 6—राष्ट्रपति जी, श्रीपी० एक० मिलर को, [जो पहले ही दिनांक 31-10-1983 से भारतीय निरीक्षण सेवा (वस्त्र शाखा) के उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) ग्रेड-प्र के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं] दिनांक 13-3-1984 से आगामी आदेश जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (वस्त्र णाखा) (ग्रुप "ए") के उप

निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) ग्रेड II के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) भारतीय निरीक्षण सेवा वस्त्र गाखा का ग्रेड-II) के पद पर श्री मिलर की नियुक्ति विल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन सिविल रिट याचिका संख्या 1457/81, 1973/81 तथा 1590/81, में तीन एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83, तथा 69/83 के निर्णय के अधीन है ।

[प्रशासन धनुभाग ए-I]

सं० ए-1/2(353) 8—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधि-कारियों को, जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, दिनांक 21-3-1984 से नियमित आधार पर स्थानापन्न उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-II) के प्रद पर नियुक्त करते हैं:—

- া श्री ओ०पी० गर्मा
- 2. श्री के० के० चक्रदर्ती
- 3. श्री अर्जुन देय
- 4. श्री मोहम्मद य्नुम

ूएम० एल० रिझावन उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, दिनांक 1984

सं० 2235-बी/ए-19012(एल० एस०)/83-19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री लर्रासह
खेंगला, के प्रणासनिक अधिकारों के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण में वेतन, नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०
रो०-35---5-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के
वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेण होने तथ
21-2-1984 के पूर्वाह्न में नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान व्यूरो नागपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1984

सं० ए-19011(23)/78-स्था० ए--श्री ओ० पी० सम्बदेय, स्थायी क्षेत्रीय खान नियन्त्रक, भारतीय खान ब्यूरो, ने दिनांक 27-2-84 (अपराह्न) से उपरोक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है और प्रतिनियुक्ति के आधार पर योजना आयोग, नई दिल्ली में संयुक्त सलाहकार (खनिज) का पदभार दिनांक 5-3-1984 पूर्वाह्न में ग्रहण कर निया है।

दिनांक 9 अप्रैल 1984

मं० ए-19011(237)/78-स्था०-ए--संघ लोक संवा आयोग की सिफारिश पर श्री डी० जी० पी० राजू को दिनांक 30-3-1984 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो, में स्थानापन्न वरिष्ठ खानन भूदिजानों के पद पर नियुक्त किया गया है।

> आभाराम कप्प्पप वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी भारतीय खान ब्युरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून-248001, दिनांक 4 अप्रैल 1984

सं० सी-6053/718-ए--श्री आर० एन० शर्मा, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, पिष्ममोत्तर सक्लि, वण्डीगढ़ को उनकी अपनी प्रार्थना पर, दिनांक 3-3-1984 (अपराह्म) से अधीक्षक, महासबेक्षक कार्यालय के पद पर वेहरादून में पदावन्नत किया जाता है।

गिरोण चन्द्र अग्रवाल मेजर जनरल, भारत के महा सर्वेक्षक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 4 मार्च 1984

सं० एफ० 9-1/82 स्था०-7324-वरिष्ठ प्राणि-विज्ञान सहायक इंडा० मदन लाल नारंग को उत्तरी प्रादेशिक गाखा, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, देहरादून में र० 650-1200 के वेतनमान में सहायक प्राणिविज्ञानी (समूह ख) के पद पर 9-12-83 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेण तक श्रस्थायी रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया गया।

मं ० एफ ० 2-16/83-स्था०-/7329---भारतीय प्राणि सर्वेक्षण में निम्निलिखित व्यक्तियों को सहायक प्राणिन विज्ञानी (समूह ख) के पद पर ६० 650-1200 के वेतनमान में उनके नाम के सामने श्रांकित तिथि से उल्लिखित स्टेशनों में अगले श्रादेश तक श्रस्थायी रूप में नियक्त किया गया।

ऋम सं०	नाम व पद	तिथि	स्टेश	न
I	2	3		4
1	डा० डी० बी० वस्तवाडे	4-184 (पूर्वाह्म)	पश्चमी शाखा, प्राणि पूना।	क्षेत्री य भारतीय सर्वेक्षण

1	2	3	3
2	डा० राम सेबक	21-1-84	मरु क्षेत्रीय गाखा
		(पूर्वाह्न)	भारतीय प्राणि
			सर्वेक्षण, जोघपुर
3	डा० एमं० एल० नारंग	31-1-84	उत्तरी क्षेत्रीय
		(पूर्वाह्म)	शाखा, भारतीय
			प्राणि सर्वेक्षण
			देहरादून ।
4	श्री जे० पी० सप्ति	21-2-84	पूर्वी क्षेत्रीय शाख
	•	(पूर्वाह्र)	भारतीय प्राणि
		,	सर्वेक्षण शिलाग
5	श्री राम प्रसाद बर्मन	1-2-84	मुख्यालय, भार
		(पूर्वाह्र)	तीय प्राणि सर्वेक्षण
		, ,	कलकरता ।
6	डा० प्रणवेश मुखोपाब	16-3-84	म ख्यालय, भार
	ध्याय	(पूर्वाह्र)	तीय प्राणि सर्वे
		•	क्षण, कलकत्ता

डा० बी० के० टिकावर निदेशक

सूचना भीर प्रसारणः मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-40006, विताः क 5 अप्रेल 1984

सं० ए०-32014/3/81-ई० 1(ब्रार०सी०)——विभागीय पदोक्षति समिति की सिफारिश से, सक्षम ब्रधिकारी एतद् द्वारा श्री वी० पी० मरमार, स्थायी कैमरामैन फिल्म प्रभाग, अम्बई को 2 श्रप्रैल, 1984 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रावेश जारी होने तक स्थाना-पन्न मुख्य कैमरामैन के पद पर उसी कार्यालय में नियुक्ति करते हैं। उन्हें र० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन-मान में र० 1040 प्रतिमाह बेतन मिलेगा।

श्चार० पी० मरमार सहायक प्रकासकीय श्र**थिका**री कृते प्रणासन निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

(स्टोर 1 म्रनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 3 ग्रप्रैल 1984

सं० ए० 19012/17/79-स्टोर-1—सेवा निवर्तन की आयु के हो जाने पर श्री श्रार० राजाराम, सहायक डिपो मैनेजर, सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, बम्बई से 29 फरवरी, 1984 ग्रपराक्ष को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए०-19012/2/84-स्टोर-1—स्वास्थ्य सेवा महा-निवेशक ने श्री के० रामलिंगम लेखा श्रीधकारी, नियंत्रक' कार्यालय रक्षा लेखा (सी० ग्रार० एस०) दक्षिण, मब्रास-18 को 13 मार्च, 1984 पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मब्रास में लेखा श्रीधकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति श्राधार पर नियुक्त किया है।

> भ्रार० सी० गुलाटी उप निवेशक प्रशासन (स्टोर-1)

नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रप्रैल 1984

सं० ए०-39013/1/84-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० श्याम लाल, दन्त-शत्य चिकित्सक, सफदर- -जंग अस्पताल, नई दिल्ली का त्यागपत्र 16 अवनरी, 1984 के प्रपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

> पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशोसन (सी० एण्ड बी०)

नई दिल्ली, दिनाक 9 अप्रैल 1984

शुद्धि पत्र

सं० ए--19020/20/80-एम०एम०--इस निवेशालय के 7 मार्च, 1984 की अधिसूचना संख्या ए०-19020/20/80-एडिमन-1-एम०एच० की तीसरी "पंक्ति में कृपया 5दिसम्बर,1983 अपराह्म के स्थान पर "5 दिसन्बर,1983 पूर्वीह्म" पढा जाये।

सं० ए० 19026/7/80-प्रशासन 1/एम० एच०—स्यास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जे० पी० मिरतल को डा० राम मनोहर लोहिया घरपताल, नई विल्ली में 2 मार्च, 1984 से घागामी श्रादेश तक प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त कर दिया है।

> पी० के० घई, उप निदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०-2) कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

परमाणुं ऊर्जा विभाग ऋय श्रीर भंडार निदेशालय बम्बई-400001, विनांक 28 मार्च 1984

सं० डी०-पी०एस०/घ०-81/स्था०/6786-परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भन्डार निवेशालय के निवेशक ने विद्यत् परि-योजना अभियांत्रिकी प्रभाग की स्थायी हिन्दी सहायक श्रीमती मन्दाकिनी सूर्य प्रकाश श्रनमववार को क० 650-30-740-35-810 दरो-35-880-40-1000-दरो-40-1200 के वेसनमान में तारीख 27-3-1984 (पूर्वाह्म) से श्रगक्षे आदेश होने तक के लिए इसी निदेशालय में स्थानापक्ष रूप से हिन्दी ग्रक्षिकारी नियुक्त किया है

> पी० गोफ्लनं----प्रणासनिक अधिकारी

मद्रास प्ररमाणु विद्यत् परियोजना

कलपाक्कम-6**६**3102, विनांक 4 भ्रप्रेस 1984

सं० एम० ए० पी० पी०/18(136)/83-भर्ती— परियोजना निदेशक, मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना, श्री एम० एस० इस्वरन् श्रर्धस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'ए' एवम् स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी' को वैज्ञानिक श्रिधकारी/श्रिभयन्ता एस० बी० के पद पर श्रस्थायी रूप से प्र० एवम् स ग्रुप में विनाक 1 फरवरी, 1984 पू० से ग्रागामी श्रादेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> वी० के० सन्तानम् प्रशासनिक भ्रधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराक्षाय-500016, दिनांक 7 भ्राप्रैल 1984

सं० प० खा० प्र०-8/(1)/81-भर्ती—निवेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद् द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक सुरक्षा प्रधिकारी श्री एम० एस० विश्वानाथम् को उसी प्रभाग में श्री एस० के० सराफ, सुरक्षा प्रधिकारी जिन्हें राष्ट्रीय ग्राग्न सेवा महाविद्यालय, नागपुर में प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियक्त किया गया है, के स्थान पर 26-3-1984 के पूर्वाह्म से लेकर 5-5-1984 के श्रापराह्म तक बिल्कुल ग्रस्थायी रूप से सुरक्षा ग्राधिकारी नियक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे, वरिष्ठ प्रणासमें ऐवें लेखा ग्रक्षिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च 1984

सं० ए० 32014/1/83-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री कें० कुप्पूस्वामी, चार्जमेन को दिनांक 27 फरवरी, 1984 (पूर्वाह्म) से और अन्य आदेश होने तक पदोश्नति पर सहायक विद्युत् और यांतिक अधिकारी के ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया है।

 श्री के० कुप्पू स्वामी को विद्युत् और यांतिक कार्यालय मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास में तैनात किया गया है।

सं० ए०-38013/2/83-ई० डब्ल्यू०--क्षेत्रीय निदेशक मद्रास के कार्यालय के श्री एन० मुबहमणियन, विद्युत एवं यांत्रिक, अधिकारी विनांक 31 जनवरी, 1984 से निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> बि० भौमिक सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद शुरुक समाहर्तालय

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1984

मं० 1/84/——निम्नलिखित निरीक्षकों (प्रवर श्रेणी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" वेसनमान रु० 650-30-740-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के पद पर पदीश्रति होने पर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने विए गए स्थान तथा तारीखं को ग्रहण कर लिया है।

* ऋम सं०	नाम	स्थान का नाम जहां पर कार्य- भार ग्रहण किया	सार्यभार ग्रहण करने की तारीख
ŧ	. वंश्री		
1.	बी० आर० यादव	कानपुर-II, प्रखण्ड	31-3-83
2.	एस० के० माथुर	मुख्यालय कानपुर	1-8-83
3.	आर० बी० गुप्ता	अलीगढ़, प्र ख ण्ड	3-8-83
4.	जे० पी० श्रीवास्तव	कानपुर-I, प्र ख ण्ड	1-9-83
5.	ए० ऐस० श्रीबास्तव	मुख्यालय, का नपु र	2-9-83
6.	के० बी० लाल	मुख्यालय, कानपुर	12-9-83
7.	तोता राम	मथुरा (अलीगढ़ प्रखण्ड)	23-9-83
8.	के० एन० सिंह	परिखाबाद प्रखण्ड	26-9-83
9.	एस० एम० टन्ड न	बरेली मंडल	13-10-83
10.	एम० एल० सक्सेना	मथुरा रिफ़ाइनरी (अलीगढ़ प्रखण्ड)	14-10-83

सं० 2/84—निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क ने प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/लिखा परीक्षक केन्द्रीय उत्पाव गुल्क वर्ग "ख" वेसनमान ए० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के पद पर तदर्थ रूप में पदीक्षक होने पर, उनके नाम के सामने दिए गए स्थान तथा तारीख को प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/लिखा परीक्षक के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया।

कभ सं०	नाम	स्थानका नाम जहांपरकार्यभार ग्रहलं किया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
;	सर्वश्री		
1.	आई० एस० महेन्द्र	सोतापुर प्रखण्ड	16-5-83
2.	तिलं ग सिंह	कानपुर-II, प्रखण्ड	t-12-83
3,	विमलं कुमारं राहा	सीतापुर प्रेखण्ड	19-12-83

सं० 3/84~~इस समाहर्सालय के निम्निशिक्षत वर्ग "खं" अधिकारी अधिवर्षता की आयु पर उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं :—

ऋम सं०	अधिकारी का नाम व पद		दिनाक
	गर्वश्री आर० छी० सक्सेना,.	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक,	30-4-83
2.	एम० यू० खान,	सीतापुर मंडल । अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क,	30-6-83
3.	आर० पी० कपूर,	कानपुर-II मंडल अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क	31-7-83
4.	. जे० डी० मिश्रा;	बरेली मंडल अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद	30-9-83
5.	जी०पी० मल;	शुल्क, मथुरा (अलीगढ़ मंडल) अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सीतापुर मंडल।	30-11-83

सं० 4/84---इस समाहर्तालय के निम्नलिखित वर्ग "ख" प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुक्क को अधिवर्षता की आयु पर उनके नाम के सामने दो गयी तारीख से सरकारी सेवा से निवृत्तहो गए हैं।

कम सं०	अधिकारी का नाम	सेवा निवृत होने की तारीख
	सर्वश्री	
1	पी० एन० श्रीवास्तव	31-3-83
· 2	ए० के० कार	31-10-83
3	आई० एस० महेन्द्र	3 0- 1 1-8 3
		जी० एस० मैंगी,
		समाहर्ता

नौबहुन और परिवहन मंद्रालय

नौबहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 5 अप्रैल, 1984

सं ०-1 एस० एच० (1)/82 (क)---संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री के० ए० सिमोन को 31-10-1983 (पूर्वात्त) से आगामी आदेशों तक जल परिवहन विभाग, कोचीन में अस्थायी लौर पर इंजीनियर और पोत सर्वेशक नियुक्त करते हैं।

मं० 2-एस० एच०(1)/82---संघ लोक सेवा आयोग की सिकारिश पर राष्ट्रपति श्री टी० बी० एस० सरमा को 31-10-83 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक जल परिवहन विभाग, धुतिको-रिन में अस्थाई तौर पर इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० घोष, नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीवाबाद, दिनांक 6 ग्रप्रैल 1984

सं० 3-689/84-मु० जल भू० (स्था०) --श्री ग्रशोक कुमार जैन को केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में रु० 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में साधारण केन्द्रीय सेवा समूह ख (राजपतित) में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर ग्रस्थायी श्राधार पर 6-3-1984 (पूर्वाह) से ग्रगले श्रावेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

बी० पी० सी० सिन्हा, मुख्य जल भूविज्ञानी तथा सदस्य

मध्यं रेलवे, प्रधान कार्यालय

कार्मिक शाखा

बम्बई जी० टी०, दिनांक 27 फरवरी 1984

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/1/पी०--निम्निलिखित भ्रधिकारियों को उनके सामने दिखायी गयी तारीख से वरिष्ठ वेतनमान श्रेणी में स्थायी किया गया :--

ऋम सं०	नाम	जिस तारीख से स्थायी किया गया है
 स	र्वश्री	
1.	ग्रार० भार० पिटो	01-01-1976
2.	एम ० बी० रामचंद्र न	01-01-1976
3.	स्रो० पी० टन्डन	07-06-1976
4.	र्के० एम० उडूपा	11-04-1977
5.	बी० नागराज शर्मा	11-04-1977
6-	पी० एम० मोघे	08-06-1979
7.	वी० डी० बढ़ावकर	03-03-1980
8.	ग्रो० पी० मिश्रा	03-03-1980
9.	एन० यू० बी० यू० वर्मा	30-05-1980
10.	के० एस० रामचंद्रन	06-06-1980
11.	एल० एन० झारिया	09-06-1980

के**० बालचंद्र**न कृते महाप्र**बं**धक पूर्ति मंत्रालय

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकेसा-27, दिनांक 5 अप्रैल 1984

सं० जी० 318/ए०—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता श्री के० एल० घोष, श्राशुलिपिक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता महानिदेशक के वैयक्तिक महायक के रूप में तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि इसी कार्यालय में पुनः 6 महीने की श्रवधि के लिये बढ़ाते हैं जो कि दिनांक 9-3-84 श्रपराह्य से कार्यकर होगा।

जी० सी० दास सहायक निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग, कम्पनी विधि बोडं

कम्पनी अधिनियम, 1956 तथा डाऊन टाऊन मोटरस प्राइवेट लिमिटेड के बारे में।

श्रीनगर, दिनांक 29 मार्च, 1984

सं० जी०/स्टैट०/560/312—कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 उप-धारा (5) के श्रन्तर्गत यह नोटिस दिया जाता है कि उपर्युक्त तिथि से डाऊन टाखन मोटरस प्रोईवेट लिमिटेड का नाम कम्पनी रजिस्टर से काटा जाता है श्रीर ग्रायुक्त कम्पनी का विघटन किया जाता है।

कम्पनी ग्रक्षिनियम, 1956 तथा सामा प्रोडक्टस प्राईवेट लिमिटेड के बारे में।

श्रीनगर, दिनांक 29 मार्च, 1984

सं० जी० ०/560/313—कम्पनी ग्रिधिनियम की धारा 560 उपधारा (5) के श्रन्तर्गत यह नोटिस दिया जाता है कि सामा प्रोडेक्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम उपर्युक्त तिथि से कम्पनी रिजस्टर से काटा जाता है कि तथा श्रायुक्त कम्पनी का विघटन किया जाता है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 तथा मरीना फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड के बारे में।

श्रीनगर, दिनांक 29 मार्च, 1984

सं० जी०/स्टेट/560/342/48—कम्पनी श्रधिनियम, की धारा 560 उपधारा (5) के श्रन्तर्गत यह नोटिस दिया जाता है कि उपर्युक्त तिथि से मरीना फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम कम्पनी रजिस्टर से काटा जाता है और श्रायुक्त कम्पनी का विघटन किया जाता है।

जी० श्रार० भाटिया कम्पनी रजिस्ट्रार, जम्मू एवं काश्मीर, श्रीनगर कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं राज गोयल फिल्म्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1984

मं० 674/16503/560(3)—-कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवमान पर राज गोयल फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिष्त न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

् श्रो० पी० जैन कम्पनियों का ग्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बस्बई

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 ग्रीर केराला बेवेरेझस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 3126/लिक्बिंग / 560(3) / 84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की द्वारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर केरेला बेबेरे प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्तित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

के० पंचापाकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

श्रायकर भ्रपीलीय श्रधिकरण

बम्बई, दिनांक 29 मार्च, 1984

सं० एफ० 71/ए०डी०/ए०टी०/84-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 255 की उपधारा (5) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर (श्र्यीलोय अधिकरण) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए, आयकर अपीलोय अधिकरण एतद् द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं :--

- ये नियम श्रायकर (श्रिपीलीय श्रिधकरण) संगोधन
 नियम, 1984 कहे जायेंगे ।
- 2. ये 1 श्रप्रैल, 1984 से लागू होंगे।
- 3. श्रायकर (श्रपीलीय श्रधिकरण) नियम 1963 के नियम 9 (1) में निम्निलिखित प्रतिस्वापित कोजिए:— "प्रत्येक श्रपील मेमों, तीन प्रतियां में होगा श्रौर इसके साथ उस ग्रादेश के विरुद्ध जिसकी श्रोल को गयो है, उसकी दो प्रतिलिपि (उनमें से एक सत्यापित प्रतिलिपि होनी चाहिए) संलग्न की जायें । इसके श्रलावा श्रायकर श्रधिकारी के श्रादेश को दो प्रतिलिपि

भौर प्रथम अपीलीय अधिकारी को प्रस्तुत अपील का आधार की दो प्रतिलिपि और यदि उपरोक्त अपीलीय अधिकारी के समक्ष तथ्यों का विवरण प्रस्तत किया होवें तो उसकी दो प्रतिलिणि भी संज्ञान की जात ।

4. नियम 9 का उपनियम (1) के बाद नवा उम नियम (2) जोड़ा जाये और वर्तमान नियम (2) को उपनियम संख्या (3) पढ़ा जाये :>

उपनियम 2 को इस प्रकार पढ़ा जाये:

- (क) शास्ति ब्रादेश के विरुद्ध श्रपील के संबंध में, ब्रपील मेमो के साथ निर्धारित ब्रादेश की दो प्रतिलिपि भी संलग्न की जाये,
- (ख) धारा 143(3) के साथ पठित धारा 144-ती के अपील के संबंध में, अपील मेमों के साथ निर्धारण आदेश के मसौदे की दो प्रतिलिपि और सहायक आयकर आयकर आयक्त (निरीक्षण) की धारा 144 वी के अन्तर्गत जारी निदेश की दो प्रतिलिपि भी संलग्न की जाये।
- (ग) धारा 143(3) के साथ पठित धारा 144 ए के अपील के संबंध में, अपील मेमों के साथ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) की धारा 144 ए के निदेश की दो प्रतिलिपि भी संलप्न की जाय, और
- (घ) घारा 143 के साथ पठित 1,47 के ग्रापील के संबंध में, ग्रापील मेमों के साथ यदि कोई मूल निर्धारण ग्रादेश होवे तो उसकी दो प्रतिलिपि भी संलग्न की जाय।
- 5. वर्तमान नियम 17 और 18 के बीच में निम्नेलिखित भ्रन्तःस्थापित किया जाये, जो नियम 17 ए नामतः होगा, मेम्बरी और पक्षकारों के प्रतिनिधियों का वेष :
 - (क) गर्मी में : मेम्बरों का बेष इस प्रकार होगा, सफेद पैंट, काला कोट और काली टाई या बटनवाला काला कोट।

सर्दी में : सफेद पैंट के स्थान में पट्टीवाला या काला पैंट पहना जाय। स्त्री मेम्बरों का वेष, सफेद साड़ी पर काला कोट या अन्य सफेद वेष।

(ख) पक्षकारों के अधिकृत प्रतिनिधियों ना नेप (निर्धारिती के रिश्नेतदार या उसके नियमित कर्मचारियों को छोड़कर) फार विभानीय प्रतिनिधियों का देप उनके वृत्ति में निर्धारित वेष होगा या टाई सहित पैट कोट या बटनवाला कोट मा राष्ट्रीय देख अर्थात् वडनवाला जम्मा कोट के नीवे <mark>धोती या चूड़ीदार</mark> पायजामा ।

यदि कोट का रंग काता होने तो और भी अच्छा होगा। सरी बरिका परिचिति का देव, उनके वृत्ति में दिवीति। वेद होता का उनी प्रकार का उचित देख, सौर

- (ग) अधिकरण में जानेवाले सभी व्यक्तियों का वेष उचित होना चाहिए ।
- 6. नियम 49 में निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाय,
 - 49. सत्वातिन प्रतिविधि की शुरक दर
- मत्यापित प्रतिजिपि का गुक्क इस प्रकार वसूल किया जाय ।

 - (ख) प्रत्येक ग्रतिरित्त 100 भव्दों या इसके किसी भाग के लिए 50 पैं०
- 2. वर्तमान में लागू नियम या निर्देश जिनके अन्तर्गत सत्यापित प्रतिलिशि नियुक्त में जानों है और उपनियम (3) के मामलों को छोड़कर, तुरक आंगी गयी मकाविन प्रतिलिपि का णुक्क उपघारा (1) में निर्धारित शुक्क का दोगुना होगा। ऐसे प्रकरणों में जिस कर्मचारी ने प्रतिविधि टाइप किया होगा। उसे शुक्क का 50 प्रतिशत दिया जायेगा।
- 3. यदि कोई पत्रकार किया आशुजिपिक द्वारा लिखा लि गए गवाही की एक प्रति तुरन्त देने के लिए आवेदन करें तो उपधारा (1) में निर्धारित शुक्क का 2 गुन्म शुक्क वसूज किया जावेगा इस प्रकार के मामलों में, उपधारा (1) में निर्धारित शुक्क का आधार आशुलिपिक को तिया जावेगा।
- 4. यदि किसी टैक्स पितका का प्रकाशक, ग्रिधिकरण के ग्रादेश को ग्रपनी पित्रका में प्रकाशित करने के लिए फोटी स्टेट प्रतिलिपि चाहता है, तो उसका शुल्क रु० 1.25 प्रति पेज वसूल किया जाय ।
- सन्यापित प्रतिलिपि और फोटो स्टेट प्रतिलिपि का शुल्क
 पहुले नगद में वसूल किया जाय ।

 जिम्मीय स्वित्रस्य के अलीप कि ।

 जिम्मीय स्वित्रस्य के अलीप कि ।

 असिनीय स्वित्रस्य के अलीप कि ।

 जिम्मीय स्वित्रस्य के अलीप कि ।

 असिनीय स्वित्रस्य के असिनीय कि ।

 असिनीय स्वित्रस्य के असिनीय कि ।

 असिनीय स्वित्रस्य कि ।

 असिनीय स्वित्रस्य के असिनीय कि ।

 असिनीय स्वित्रस्य के ।

 असिनीय स्वित्रस्य स्वित्रस्य के ।

 असिनीय स्वित्रस्य स्वत्रस्य स्वित्रस्य स्वित्रस्य स्वित्य स्वत्य स्वित्रस्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वित्रस्य स्वत्य स्व

लीव पीव दाजपेयी, पंजीकार ग्रायकर प्रपीलीय ग्रुधिकरण वस्त्रई प्ररूप बाईं टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहस्यक आयदार आयुक्त, (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 मार्च 84

निदेश नं०/एँ० पी॰ नं० 5286—अत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा धनुमूची वें तिखा है तथा जो जम्सी पनवानी प्रतिष्ठा में नियत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर प्रभेट्य में वर्षित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यीलय, भटिण्डा में खिल्ह्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई 83

को पूर्वीकेत सम्पतित के लीवत वाबार मुला है अप के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई हैं और मूजें यह जिल्हार करने का कारण है कि स्थापनीत नम्मीता का उत्तित अपार मृत्य, उसके दश्यमान प्रात्मात हैं, एस स्थामन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के यीच एमें अन्तर्भ के तिस्प निर्माण का प्रतिफल, निम्नोलिंगित उद्देश्य से उन्त अन्तर्भ लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, लियान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री जगजीत सिंह, पुत मुख्तयार कौर पुत्नी जैमल सिंह, गांव जस्सी पनवाली, तह० भटिण्डा,

(अन्तरक)

(2) श्री बलविन्द्र सिंह, सुखमन्दर सिंह सुपुत्रं अमर सिंह, गांव जस्सीपनवाली, भटिण्डा.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस रुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है रे 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित- दद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारी अधोहस्ताक्षरी के गरण व्यक्ति में किए जा सकीये।

भिष्यंकरण: --इस्सी अयुक्त बब्दों और पतों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित दी, वर्ज़ अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसािक विलेख नं० 2003 दिनांक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-3-84.

मोहर:

प्रकृष बाइ ुटी, इन्.; एस्.=--=-

बायकर अधितिस्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के स्पीत स्पना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर दिनांक 19 मार्च 84

निदेश नं०/ऐ० पी०्नं० 5287--अत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो बलहार बुजू भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इस से उपाधद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तिरीख जुलाई 83

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिचित के वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) मृत्तरण से हुई किसी नाय की वायत, उक्त अधिनियम के मृथीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुनिधा के सिए; बॉड/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित काकितयों, अर्थात् :--- (1) श्री सुखदेव सिंह, गुरद्वारा सिंह, सुपुत्र गुरदेव सिंह, गांव मेहमां स्वास, भटिण्डा,

(अन्तरक)

(2) श्री जगस सिंह पुत्र गुर दिसा, गांव बलहार बुजू, भटिण्डा,

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंच में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्मित्त में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख न० 2054 दिनाक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्घर,

तारीख: 19-3-84.

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 19 मार्च 84

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5288—अत: मुझे, जे० एन० गिरधर,

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 83

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की वाबत, उक्त विभिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक की स्थित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और∕या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए।

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अर्जुन सिंह पुत्र फूनन सिंह, पता एस० आर०, भटिण्डा.

(अन्तरक)

(2) श्री हरदयाल सिंह, पुत्र गण्डा सिंह, गांव जस्सी पानवाली, भटिण्डा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबूर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षारी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूचीं

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2109 दिनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्द्यर

तारी**ख**: 19-3-84.

मोहर ।

25m my 2 mg 64 . ---

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धार्य -369व (1) के मधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 19 मार्च 84

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5289—अत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पर्वतिष्ठ (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्ति वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं जैसा कि अनुसूची भें लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 83 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिल्हा बाज्यर मुख्ये क

को पूर्वोक्त संपरित के शिवत बाजार मूल्य में अन के प्रकार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मून्से यह विश्वास करने को कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एने अन्तर्भ के किए अये पार्टी प्रतिस्ते , निम्निसिबित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ विश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है,:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन के देने के अन्तरक हैं दायिस्य में अभी करते था अनर अक्षे सुविधा के लिए, औरांगा
- (ख) ऐसी जना आय के किसी हैं। या प्रस्थ आस्तिया की, जिन्हें कारतिर आय हर बांधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर आधिनयम, या धनकर अजिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अस्तिर्ध अस्तिर्ध अस्ति वार्ष अस्ति नहीं किया स्था या किया स्था अस्ति भा क्रिया स्था या क्रिया स्था अस्ति स्था क्रिया स्था व्या क्रिया स्था क्रिय स्था स्था क्रिया स्था क्रिया स्था क्रिया स्था क्रिया स्था क्रिय

जतः वृंब, उस्त विभागम्य की भारा 269-म के जनसरण मों, मों, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन े निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः स (1) श्री करनैल सिंह, सरवन सिंह, सुपुत जलौर सिंह, गांव बलहार बिन्जू, नजदीक जी० एन० ए०, भटिण्डा,

(अन्तरक)

(2) भी रूप सिंह, अजैयब सिंह, नैयब सिंह, हाकम सिंह पुत श्री लूरा सिंह, गांव बलहार बिन्जू भटिण्डा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कॉई भी बाक्षेप्र:---

- ्राह्म एक एक एक प्रत्यक्त है ज्ञालन की तारींब से 45 दिन की स्वाध था तत्वम्बन्धी ज्यक्तियों पर क्षणा की की प्रविध, जो भी अबहि बाई में गयाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसे व्यक्ति होरा :
 - (ल) इस शूपना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनते स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए के उन्हों :

स्पब्दाक्षरपः --इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदी का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2137 दिनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जें० एल० गिरघर. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-3-84.

मोहर:

प्रारूप बाइं.टी त्एन . एस . .----

बायकर अधिनियंस, 1961 (1961 को 43) की विश्व प्रशास १८० मा (1) के वर्शन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जानन्धर दिनांक 19 मार्च 84

निदेश नं /ऐं० पी० नं० 5290 जन: मझे, जं० एल पिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ से अधिक है

भौर जिसकी सं० ज़ैसा अनुसूची में लिखा है
तथा जो जस्सी पानवाली भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबंद अनुसूची में भौर पूर्णक्ष से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुनाई 83

प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एने इन्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिकात से विश्वास विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एने इन्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिकात से विधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नितिकात उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिक्ति में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनगम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय वास्केर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त दिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना नाहिए था. दिस्सने में मविधा के लिए।

अतः अवः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरैंग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री नन्द सिंह, पुत्र बिंशन सिंह, गांव जस्सी पनवाली, भटिण्डा,

(अन्तरक)

(2) श्री शगवान दास, गदन लाल, सुपुत्र श्री किशन चन्द, पता एस० आरं० भटिण्डा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकरें।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2175 दिनांक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जें० एल० गिर्धर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जानन्धर

तारीख: 19-3-84. मोहर प्रकप धाई• टो॰ एन• एम॰---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के श्रधीन तुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 19 मार्च 84 निवेश नं०/एँ० पी० नं० 5291---अस:, मुझे, जें० एल० गिरधर

मायकर मंधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त मंधितियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के मंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 83

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भराः अन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग कें, ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कथीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् ह (1) श्री तारा सिंह पुत्र केकर सिंह, कोठी कामाके सामने, एन० एक० एल० भटिण्डा,

(अन्तरक)

(2) श्री कवर राजपाल सिंह, पुत्र बलदेव सिंह, एडवोकेट सिविल कोर्ट, भटिण्डा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पर्वदेशिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2204 दिनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 19-3-84.

मोहर 🛭

प्रकप बाइं.टी.एन.एत्.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

गारत बरकार

कार्यालयं, सहायक भायकर् आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 मार्च 84

निदेश नं०/ऐ.० पी० नं० 5292—अत: मुझें, खे० एल० गिरधर.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं ज जैसा प्रमुस्ची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार जलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ततः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६— 3—36 GI/84 (1) श्री तारा सिंह पुत्र केकर सिंह, कोठी सामाके सामने, एन० एफ० एल० भटिण्डा,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरण सिगला, पत्नी आर० आर० किंगला, गांव राजगढ़ कुब्बा,

(अन्तरिती)

की वह तुमना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की बनीं भा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की बनीं , जो भी बनीं कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकती।

स्वाचीकरणः — यसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, जो उकत अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2205 दिनांक जुलाई 03 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 19-3-84

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिलांक 19 मार्च 84

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5293---ध्रत: मुझे, जे० एस० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन अपने आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या जैसा अनसूची में लिखा है तथा जो गांज जस्सी पनदाली भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावश्व अनुसुर्वः में श्रीर रूणं रूप में विणित है), रजिस्ट्रा-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 83.

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती रितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

भतः अवत अभिनियम की धारा 269-ग के अवसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोसिखित व्यक्तियो, अधीर १ -- (1) श्री गर्जन सिंह, पुत्र हरनाम सिंह, गांय जस्सी पनवाली, भटिण्डा,

(भन्तरक)

(2) श्री इन्द्र सिंह, प्रीतम सिंह, तेज सिंह, जगदेव सिंह, सुपुत्र साजन सिंह, मुखनन्त सिंह मखन सिंह, गुरदीप सिंह, जगतीत सिंह, पुन्न जीगिन्द्र सिंह, गोघ जस्सी पनवाली, भटिण्डा,

(धन्तरिती)

का यह भूषा पराणे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करके सूर्ण ।

उक्त सम्पत्तिः के वर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड भी आक्षेप :--**

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विशिष्ठ में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इएको प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त करिश्वित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 2286 दिनांक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे॰ एक॰ गिरधर **रखय धाधिकारी** सहायक **आयक्तर जायक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19--3-84.

माहुरु 🤫

प्ररूप जाई. टी. एन. एसं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दितांक 19 में।च 84

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5294—अत: मुझे, जे० एस**ं** गिरघर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

मौर जिसकी संख्या जैहा अनुसूची में लिखा है)
तथा जो जस्सी प्नवाली भटिण्डा में स्थित है (और इससे
उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुख्तयार सिंह पुत्र उजागर सिंह, गांव जस्सी पनवाली, भटिण्डा,

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह, गुरजन्त सिंह, गुरचरन सिंह, मुरदर्शन सिंह, सुयुव्र श्री बलवन्त सिंह, गांव जस्सी पनवाली जिला भटिण्डा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क् में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2327 दिनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-3-84

मोहर 🛭 🧨

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

कायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 19 मार्च 84

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5295—अत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 83

को प्वेंक्ति सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्परित का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहं प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरें, या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

(1) श्री तरसेम कुमार पुत्र हरो सिंह, गोल्ड स्मिथ डबवाली, जिला सिरसा,

(अन्तरक)

- (2) श्री प्रवीत सिंह पुत्र जगजीत सिंह, गांव ठिप्पनकली, सहसील फाजिल्का,
 - प्रधेरा सिंह पुत्र गेंदा सिंह, गौव बाम,
 - जसबीर कौर पुत्री राजिन्द्र सिंह, गांव ठिप्पनवाली,
 - 4. तेजिन्द्र सिंह पुत्र सूरत सिंह, गांव पट्टी जिला अमृतसर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांसी हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्ति रण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमािक विलेख नं० 2341 दिनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० ए ल० **गिरधर** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 19-3-84.

मोहर 🖫

प्रकल बाह्". टी. एन. एस. ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर दिनांक 19 मार्च 84

निवेश नं ं/ऐ० पी० नं० 5296—अत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो गिंस पट्टी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) भीर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा का सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बलबीर सिंह पुत्र वरियाम सिंह, गिल पट्टी, जिला भटिण्डा,

(अन्तरक)

(2) श्री जगसीर सिंह, लखबीर सिंह, मुपुत्र श्री जंग सिंह, गांव गिल पट्टी, जिला भटिण्डा,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यगाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि पाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी कन्यं व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लास किसीन में विज्ञा जा सकती।

स्मब्हीकरणः -- इसमाँ प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 2571 दिनांक जुलाई 83 की रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-3-84

Fig. 1

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 12 मार्च 84

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5263—अत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

व्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार पूर्व 25,000/- के शिक्षक है

- प्रोर जिसकी सं जैमा अनुसूची में लिखा है)
 तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रांद इसेसे उपाबड़ अनुसूची
 में ग्रोर पूर्णस्य में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, ता जुलाई 83
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्या के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित शालार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखदर
 प्रतिमत से श्रीधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौत अन्तरिती
 (अन्तरितिणों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उद्या अन्तरण जिल्हित में बालारिक
 कथ निम्नलिखित उद्देश्य में उद्या अन्तरण जिल्हित में बालारिक
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त नियम के भ्रष्टोन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/ज
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री राकेश पुजारा पुत्र चरण दास,
मुख्तयार खास आफ नरिन्द्र कुमार,
चन्द्र पुत्र रोणन लाल,
वासी मकान नं० 10, नवा विजय नगर,
जालन्धर मुख्तयारे-आम,
आफ साधू सिंह पुत्र आत्मा सिंह,
र्जा० आर० 88, कोर्ट,
लखपर राय पटेल चौक,
जालन्धर,

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक गुप्ता पुत्र चन्द्र गुप्ता, वासी 105, शहीद उद्यम सिंह नगर, जालन्धर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूत्रा क्ति सम्पत्ति के वर्जन के सिष्ट् कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) ६६ स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, वां सम्बद्ध अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसची

सम्पनि तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2509 दिनांक. जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12−3−84

मोहर:

ब्रस्प आहाँ, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . प्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 34

निदेश नं /ए० पी० नं ० 5264--यतः मुझे, जे० एल०

गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/-रत. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या (जैसाकि भ्रन्यूची में लिखाहै) तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजि-स्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास **करने का कारण है कि यथाप्**र्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मुख्य, उसके परयमान प्रतिकाल से, एसे पर्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नलिश्वित उत्दोषय से उस्त अन्तरण सिश्वित में बास्तविक पंसे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की नानत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के क्षायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी अग्रथ या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धन-कर क्राधिनियम, 1957 (1957 का 27)** को प्रयोजनार्थ अन्ति रती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाले में स्थिभाके लिए;

बत: बब उक्त अभिनियम की भारा 269-गर्क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-घ की उपधार्य (1) ने जभीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

 श्री संजय शर्मा पुत्र कस्तूरी लाल मुख्तयार. खार प्राफ नरिन्द्र कुमार चन्द्र पुत्र रोशन लाल वाकास मकान नं० 10नवां विजय नगर, जालन्धल मिक्तियार ग्राम श्राफ साधु सिंह पुत्र श्रात्मा सिंह 88 कोट लखपत राय पटेल चौक, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

2. डा॰ एस० एल० चावला पूत दयाल चन्द चावला श्रीर श्रीमती कृष्णा चावला पत्नी डा० एस० एल० चावला वासी 24-विजय नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचभा जारी करके पुर्वोक्स सम्परित को वर्जन को निवस कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की जनिथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविभि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ल से** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प**त्ति में हितबवध** किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाड निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का. निधनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, .वही अर्थहोगा जो उत्स[े] अध्याय में विया गया है।

ननस्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2568 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जो जालन्धर में लिखा है ।

> जे० एल० किरधर सक्षय प्राधिकारी सहायक ग्रावकर शावक्त (निरीक्षक) श्रजँन रेंज, जालम्बर

विनांक 12-3-84 मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जाजन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 84

निदेश सं० ए० पी० नं० 6265—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसर्मी इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहुए एक हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रहा. से अधिक ए

श्रीर जिसकी संख्या जैसा कि श्रनुसूची थें जिल्ला है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय. जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार राज्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्प्रीत का उचित बाजार मृत्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृज्ञारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाजिए था. जिल्ला से स्विधा के लिए;

कतः कव, उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विकरीयकि व्यक्तियों, अर्थान :--- श्री कमबेग पुजारा पुत्र चरण दास
मख्तयार खास श्राफ नरिन्द्र कुमार चन्द्र पुर केशव लाल
वासी मकान र्नं ० 10 नवां विजय नगर, जालन्धर
मुख्तयार ग्राम ग्राफ साधु सिंह पुत्र ग्रारमा सिंह
डी० ग्रार० 88 कोट लखपत राय पटेल चौक,
जालन्धर।

(अन्तरक)

 डा० ध्रशोक गुप्ता पुत्र चन्द्र गुप्ता वासी 105 शहीद उधम सिंह नगर, जालन्धर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवर्षहर्या करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में निप्त दा नकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हमेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2741 दिनांक जुलाई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर स्थम प्राधिकारी तहाबक श्रावकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-84

मोहर :

प्रकृष काई. टी. एव. एस. -------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

बारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (नि<u>र</u>क्षिण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 12 मार्च 84

निवेश नं०/ऐ पी० नं० 5266—यतः मुझे जे० एल० गिरश्चर्

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 25,000/- रा. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि मनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिष् अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रति-क्स निम्मलिबित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिबित में बास्त्रिक कप से किथत नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में मृतिया के निए;

कतः अव, उकतं अधिनियमं की धारा 269-वं के अनुसरकं मों., मीं, उकतं अधिनियमं की धारा 269-वं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) तात प्रसरकीत मोगल पुत मुलवन्त राय
मुख्तयार खाम ग्राफ नरिन्दर कुमार चन्द्र
पुत रोशन लाल मकान वासी नं 0 10 नवा विजय
नगर जालन्धर मुख्तयार ग्राम ग्राफ साधु सिह्
पुत्र ग्रारमा सिंह वासी डी ग्रार० 88 कोट
लाजपन गय पटेल चोक जालन्धर

(अन्तरक)

(2) डा॰ एस॰ एल॰ चावला पुत दयाल चन्द श्रीर श्रीमती कृष्णा चावला पत्नी डा॰ एस॰ एल॰ चावला वासी 24 विजय नगर जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के धर्चन के कियू कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाभ के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ, अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 2775 विनांक जलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रेधिंकारी जालन्धर लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख :- 12-3-84 मोहर : प्रस्यु आई. टी. एन्. एस., - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 84

निदेश नं० /ऐ० पी० नं०5267— श्रतः मुझे जं० एन० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, ,1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास काने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिनक रूप में जिथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---

(1) श्री नरेश पुजारा पुत्र चरण दास यासी निवासी क्यू-102, पक्का भःग जालन्धर जमुख्तयार रक्क धाफ नरिन्द्र कुमार चन्द्र पुत्र रोशन लाल वासी मकान नं० 10 नवा जिजय नगर जालन्धर मुख्तयार पाल श्राफ साधु सिह पुत्र श्रात्मा सिह श्री० श्रार० 88 लाजपत राय पटेल चौक जालन्धर

(अन्तरक)

(2) डा॰ ग्रशोक गप्त पुत्र चन्द्र गुप्ता वासी 105 शहीद उद्यन, सिंह नगर; जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इता हुता हु
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2834 दिनांक जुलाई 83 को राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है

> जे०एल०गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रैंज, जालन्धर

तारीखा : 12−4−84

मोद्दर :

प्ररूप<u>.</u> वार्<u>.</u> टी. एन , एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 83

निदेश नं० ऐ० पी० नं०5268—स्वतः मुझ्से जे०एल०

गिरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 83

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण निवित् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री यशपाल पुत्र मोहन लाल,

मख्तयार खास ग्राफ नरिन्द्र कुमार चन्द्र
पुत्र रोशन लाल
वासी मकान नं० 10 नबा विजय नगर
जालन्धर
मुख्तयकर ग्राफ साधु सिंह पुत्र ग्राहमा सिंह
डी० श्रार० 88 कोट लखपत राम पटेल चौक
जालन्धर

(म्रन्तरक)

(2) श्री डा॰ एस॰ एल॰ चावला पुत्र दयाल चन्द्र ग्रीर श्रीमति कृष्णा चावला पत्नी डा॰ एस॰ एल॰ चावला वासी 24 जिवय नगर, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों ।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस्य व

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2639 दिनांक जलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 12-3-84

मोहर 🛭

प्रकृष बाह् ा टी. एन् , एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-का (1) के मुधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याल्य, सहायक गायकर भागृक्तु (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर ,िदनांक 12 मार्च 84

तिर्देश नं०/ए० पी० नं० 5269—यतः मझे जे० एल० गिरधर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भ्रीर इससे उपबाद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याक्षय जालन्धर में रजि-स्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक जलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबित उद्देषियों से उक्त अन्तरण कि बित को बास्तविक कर से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी आयं की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जारितयों को जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कशमीरी लाल पुत्र ग्रमर सिंह ग्रालीयास बाबा सिंह बासी डक्स्यू० एन० 237 बस्ती दाविशमन्दा जालन्धर

़ (मन्तरक)

(2) श्री कश्मीरी लाल मेहताब राम गुलाब चन्द हीरा लाल 'सपुन्न मलूक चन्द वासी डक्स्यू० एन० 152, वस्ती दाविशमन्दा जालन्धर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी मृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

सन्त्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2703 किनांक जलाई 83 की रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जेज रेंज जालन्घर

तारीख: 12-3-84

माहर:

प्रस्प आहें.टी.एन.एस.------

नाय्कर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के नुभीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनाकं 14 मार्च 84

निदेश नं ० 5270--श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या (जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भिटन्बा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) जन्तरण से हुए किसी जाय की नावत उक्त अधि-नियम के वधील कार्य दोने के बन्तरफ के वासिएव में कभी कारने वा उससे बचने में सुविधा के मिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाव या किसी घन था अन्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से जिए?

जतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् श्री बलब दास पुत्र श्री राम मुख्तयारे ग्राम ग्राफ मदन लाल पुत्र श्री मरारी लाल पता मकान र्न० 2083, सी०-3, बिरला मिल्ज कालोनी, भटिल्डा ।

(भ्रन्तरक)

 शंभु नाथ नवेतिया पुत्र श्री नागर मल नवेतिया, कीयला एजेन्ट, मकान नं० 2083-सी०-3, बिर्रला मिल्ज, कालोनी, भटिन्डा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर सं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्या संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपण के प्रकाशन की तारीब र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के शास जिबित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत् विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस बच्चाय में दिया गया है।

बन्द्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2009, दिनांक जुलाई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० **गिरध**र सक्षम **प्राधिका**री सहायक ग्राकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-3-84

भोहर 🛭

प्रकृष् नाष्ट्रं टी. एव. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सुरकार

. कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 14 मार्च 84

निदेश नं० 5271--श्रतः मझे, जे० एल० गिरधर

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्ते इसमें इसमें पश्चात 'उन्दं मिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचितः नाबार न्स्व 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या (जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो भटिन्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई, 1983

को पृथाियस सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और जंतरक (जंतरकों) और जंतरितीं (जन्तरितियों) के बीज एसे जन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई फिसी जान की नायत, उन्ह जिमित्सम के जभीत कार दोने के अन्तरक के बाहियल में कभी करने या सससे बचने में सुनिधा के लिए; बारि/बा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त निभिनियम, या भग-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

नतः नन, उस्त निधिनियम की भारा 269-ग की निमेरण भी, भी, उक्त निधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की जधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री बल्ब दांस पुत्र श्री राम मुख्तयारे-ग्राम ग्राफ श्री मदन लाल पुत्र मुरारी लाल पता मकान नं० 2083— सी-3. बिरला मिल कालोनी, भटिन्डा।

(अन्तरक)

 श्रीमती रुक्मिणी देवी पत्नी शंभु नाथ नवेतिया, मकान नं ० 2083-सी-3, बिरला मिल कालोनी, भटिन्डा।

(भ्रन्तरितीः)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसक्द्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे!

स्वकाश्वरणः ---इसमें प्रयुक्त स्थां और पदों का, भो जनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 2042, विनांक जुलाई, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> र्जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जालन्धर

ता**रीख** : 14~3~84

मोहार 🖫

प्ररूप बाह्र^१. टी. एन <u>-</u> एस. ------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभूना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5272—यतः मझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु: से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं (जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निचित उच्चेश्य से उकत अन्तरण निम्निचित उच्चेश्य से उकत अन्तरण निम्निस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मैं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/था
- (स) एसी किसी आय आ किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
- (1922 को 11) या उन्नेत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात — (1) श्री तेहल सिंह, करतार सिंह सुपुत्र लाल सिंह, श्री मधर सिंह, गुरबचन सिंह पुत्र जगीर सिंह, श्री निर्मेल सिंह पुत्र श्री मुख्तयार सिंह, पता एस० ग्रार० भटिण्डा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भजीत सिंह पुत्र मुकन्द सिंह, मुकन्द सिंह पुत्र केहर सिंह, गांव सुखना ग्रदूल ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह ध्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्मतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सवधी क्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे

स्पत्तर्थ :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुसुधी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2387 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),** श्र**र्जन**ेरेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-3-1984

ब्रोहर् 🛮

प्रकल नाइर्. थी. एन. एत. - - - ----

नामकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5273—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर मिंपियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवास 'उनत मिंपियम' कहा गया है), की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से मिंधक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्चित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था. छिपाने भे सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रीतम सिंह पुत्र कृपाल सिंह, कोटी ग्रमरपुरा, जोगानन्द रोड़ भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

.(2) श्रीमती राकेण देवी गोयल पत्नी भानदास गोयल, पता एस० श्रार० भटिण्डा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व रं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरण --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होता, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अमसर्ची :

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 2124 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल्० गिरधर, सक्षम अधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, जालन्धर

दिनोक: 14-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन मूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1.1 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5274—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने गें स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिकित न्यक्तियों, कर्धात् :---

5-36 GI/84

(1) श्री प्रीतम सिंह पुत्र किरपाल सिंह, कोठी ग्रमरपुरा, जोगानन्द रोड़ भटिण्डा।

(भन्तरक)

(2) श्री केवल कृष्ण पुत्र मेहर चन्द, जेतू मण्डी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो करा इयिक्त यों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2129 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-3-1984

मोहर 🖰

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

बारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जाजन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं०/ए० पी० नं० 5275—यतः मुझे, जे० एन० गिरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मृत्य, 25.,000/- कु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिकात से मिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष से उक्त जन्तरण जिल्लिस के बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत उनक किय-नियम की वधीन कर दोनें के जन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उक्की बचने में कृतिभा को निए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन् या नम्य नास्तियाँ स्वो, जिन्हें भारतीय आयकर निभिन्नयम, 1922 (1922 का 1;) जा उक्त निभिन्नयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ क्निएती इवारा प्रकट नहीं फिया गया था वा किया जाना चाहिए था। कियाने में सुविधा के लिए;

अतः मग, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, सक्त मिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— (1) भी देस राज पुत्र शंकर दास, लोहा मंडी, फगवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल पुत्र देस राज, इंडस्ट्रियल एरिया 14-फगवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अनिध या तत्सम्बन्धी स्पत्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अनीध, जो भी अनीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनोंक्त स्पत्तियों में से किसी स्पत्ति हुनारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उपस स्थावर संपत्ति में दित-बद्द्रप्रकिसी अन्य अधिक दनाग अधाष्ट्रस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकरेंगे।

स्थळकिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके कि जिसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके कि जिसमें परिभाषित हैं, बही कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाह ।

नम्स्यी

सम्प्रस्ति तथा व्यक्ति जैसा कि क्लिख नं० 910 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्सा मधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम श्रिकारी, सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-3-1984

मोहार:

प्रकथ मार्ड, टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जातन्धर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5276—यतः मुझी, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हुं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुतेहरी, होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जुलाई 1983

को पूर्नोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतुरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया णया प्रतिफल कित निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) वन्तरण से हुइ किसी जान की नावत, उक्त विध-निवन के वधीय कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; बीह्√वा
- (च) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन अन्य अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री वतन सिंह, गांव हवेली पी० एस० माहिलपुर, जिला होणियारपुर जी० ए० आफ जगतार सिंह, उसका अपना लड़का।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चरण कौर पत्नी प्रीतम सिंह, कोर्ट रोड, होशियारपुर।

(अन्त रिती)

- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्षन के सिक्ष कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जत्रीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधिहस्ताक्षरों के पास किबित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीक रूण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम में अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलख नं 1594 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रोक्ती अधिकारी, होशियारपुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्थन रेंग, गानस्वर

दिनांक: 14-3-1984

मोहरू :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के म्पीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5277——यतः, मुझो, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सुतेहरी, होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उजित जाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की वावत जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वासित्व में कमी करने या उसने वचने में स्विधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के किए;

नतः श्रेन, उनतः सीधीनयमं की थाद्य 269-त के जन्तरभ नो, जो उनत सीधीनयमं की भारत 269-थ की उपभारत (1) के जधीन, निस्तिशित स्पीतत्यों, अर्थात् क्ष---

- (1) श्री वतन सिंह, गांव हवेली पी० एस० माहिलपुर, जिला होशिय(रपुर, जी० ए० आफ जगतार सिंह उसका अपना लड़का। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती चरण कौर पत्नी प्रीतम सिह, वासी कोर्ट रोड होशियारपुर, और श्री रिव णंकर पुत्र गुरचरण दास, बसी खुआजा, होशियारपुर।

(अन्तर्रितः)

- (3) जैसा कि उपर धं० 2 में है। (वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स भे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उच्या स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2535 विनाक अगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होणियारपुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-3-1984

मोहर 🖫

प्रक्म नाहाँ. दी. एन. एक.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वता

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० ए०पो० नं 5278----यत्:, मुझे, जे० एल० गिरध र बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त वृधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ते यह बिह्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम का बाबत, उक्त जिभितियम् के जधीन कर पने के जन्तरक के दामिल्य में कमी करने में उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसे किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोभनार्थ मंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना शाहिए था, धिपाने में सुविधा से सिए;

अतः अवः, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्तं अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री अंग्रेज सिंह पुत्र कपूर सिंह, वासी हजूरा कपूरा, कालोमी, नया रोज गार्डन भटिण्डा।

(अन्तरक)

- (2) श्री करता राम पुत्र राम रतन, वासी गांव पंजग्रेनकला तह्सील फरीदकोट। (अन्तरिसी)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वेविस सम्पत्ति की कर्णन को लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उबत सम्पर्शिक वर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों इर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्थव्हीकरण: ---इसमी प्रयुक्त शक्दी और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय मी दिया गया हाँ।

वन्त्यी

राम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2089 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में सिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 15~3~1984

मोहर 🛭

प्रकृष कार्ष. दौ. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व (1) के वधीन स्वना**

बारत स्रकार

भार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 मार्च 1984

निर्देश मुं० ए० पी० नं० 5279—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अभीन सक्षम प्राप्थिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- र. सं अभिक हैं

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया उति-कक्ष निक्तिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निष्टित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आणि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूजिभा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय अध्यक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या अम-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रशेषकार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविभा के लिए;

बतः वयः, सकतः वीधीययम की भारा 269-न के वनुसरक कों, कों, उत्थल अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के वधीन, निस्तिसिधित व्यक्तियों, सभीत् :--- (1) श्री अंग्रेज सिंहें पुंत्र कंपूर सिंह वासी हर्जूरी कंपूरा, कालोनी नया रीज गार्डन भटिण्डा।

(अन्तरक)

- (2) श्रो सेवक चन्द्र पुत्र करता राम, गांव पंजग्रेन कलां तहसील फरीदकोट।
- (3) जैसा कि ऊपर नं० में लिखा है।

(अन्तंरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)। को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मेरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के सूचपण में प्रकासन की तारीब से 45 विन की जबीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुंदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थानर संपत्ति में हित- व्यूप किसी नन्य व्यक्ति द्वारा नभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सूकानी।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

वर्ष्य

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2090 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रोमर्ता अधिकारी। भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरबर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज¦ जालन्धर

दिनांक : 15-3-1984

मोह्न दु

त्रक्स आई. टी. एन. एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269(व) (1) के अभीत मुचना

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी नं० 5280 – यतः सुझे, जे० एन० गिरधर. आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है सथा जो गाहकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983।

की पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गद्द है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिवित में बास्तिक रूप से कायत मुद्दी किया गया है:---

- (क) जन्तरण ले हुई किती शाव की वावत, उपत वृथिपियम् के ख्यीन कड़ दिने के अन्तरक के बायित्य् में कमी करने वा उबसे वचने में सुविधा के कुए; ब्रीट/मा
- (ब) ध्रेसे किसी बाय था किसी थन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा चे लिए हैं।

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अभीत्:--- (1) श्री सरवारी लाल, पाहकोट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जनक दुनारी पत्नी जुगल किशोर, शाहकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मैं रुचि रखता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त सम्पृति के मुर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वाध,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा की उस अध्यास में दिया ग्या है हैं।

बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं 1074 विनांक जुलाई 1983 को रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी शाइकोट में लिखा है।

> जै० एल० गिरस्नर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, आलन्द्यर

विनांक: 15-3-1984

मोहार 🗈

प्रस्प गाइ. टी. एन्. एस.--

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारक संड्रकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्ध्रर

जालन्ध्रर, दिनांक 15 मार्च 1984

निवेशसं० 5281--यत: मुझे, जे० एव० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित शाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अमुसूची में लिखा है तथा जो माहकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत है), रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, माहकोट में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उण्चित बाजार मृत्य सं कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वायमान प्रतिफल से, एसे द्वायमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिमित उद्देश्य से उथत अन्तरण सिम्बत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की जानतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अधने से सुविधा के सिए; और/वा
- (य) एसी किसी नायं या किसी धन या नत्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था था किया जाना चाहिए था कियान में स्विधा के लिए;

बत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—-- (1) श्री सरदारी लाल, बनवारी लाल, तिलक राज, सुपुत्र शादी राम, गांव शाहकोट।

(अन्तरकः)

(2) श्री जुगल किशोर पुत्र बनारसी दास, साहकोट।

(अन्त(रतीः)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत संपृत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी स्यक्तियों प्र सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः—इतमे प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जगुस्त्रज

समात्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1052 विमांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी, गाहकोट में लिखा है।

जे० एत० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 15-3-1984

मोह्य 🛭

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांबर 15 मार्च 1984

निर्देण सं० ए० पी० 5282 — यतः मुझे, जे० एन० गिरधर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक ही

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाम्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संसुधं किसी आयं की वासतः, उक्त अभिनियभं के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कमी करने वा उसते वचने में सुत्रिधा के के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को, जिल्ह भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रिया के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर् :--- (1) श्री राम चन्द पुत्र मानक चन्द, वासी 135/11, सेन्ट्रल टाऊन, जालन्धर ।

(अन्तरका)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र खान सिंह, वासी एन० एन० 375 गोपान नगर, जालन्धर।

(अन्तरिक्षी)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

स्त्रे वह बुचना जारी करके पृत्रों क्य सम्मरित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरि।

स्पव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2325 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आथक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 15-3-1984

मोहर 🛭

6-36 GI/84

प्ररूप अर्ड्ड. टी. एस. -----

बायकर जीधनियम, १९६१ (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश ए० पी० सं० 5283—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उनत अधिनयम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायिक से कभी कारने या उनमें बचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जल्लिकी द्यान प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्लियाने में स्विमा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण हों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्री राम चन्द पुत्र मानक चन्द, वासी 135/11, सेन्ट्रल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह पुत्र खान सिंह, वासी एन० एन० 375, गोपाल नगर. जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

. उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीन।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभौषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2686 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> ने० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

दिनांक: 15-3-1984

भोहरः

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

कार्यास्त्र , बद्दायक भागकर नातृक्त (हैनरीकाण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० 5284---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स सिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित् बाजार मृन्य 25,000/-रु. से जिथक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्षदेश से उक्त अन्तरण में लिखित बास्स- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सविभा के लिए; बीड्/बा
- (क्ष) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण अं", मैं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित श्यक्तियों. अधीत :--- (1) श्री राम चन्द पुत्र मानक चन्द, वासी 135/11, सेन्ट्रल टाऊन, जालन्धर ।

(अन्तरमा)

(2) श्री कुलदीप सिंह पुत्र खान सिंह, वासी एन० एन० 375, गोपाल नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा नं 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखसा है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालीप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकारी।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विभिन्नम के अभ्याय 20-क में परिशायित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अभ्याय में विद्या स्वा है।

भन्स्ची

सम्मत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3238 दिनांक अगस्त 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरंघर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जासन्धर

दिनांक: 15-3-1984

मोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्ध्रर जालन्ध्रर, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० 5285--यतः मुझ, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का ब्लारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीक्सी अधिकारी के कार्यालय जासन्धर में रिजस्ट्रीक्सण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफस के लिए कन्सरित की गई है और मून्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुए किसी नाय की वायत अवत अधि-निव्यू के व्यीन कर दोने के नणहरू के दायित्व में कती करने वा अव्यो वचने में बुनिया के निवे; और या/
- (च) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, № 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना लाहिए था, खिपाने में सुविभा के प्रिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्री शेर सिंह पुत्र भगवान सिंह.
 वासी कोठी नं० 3—ए, ग्रीन माडल टाऊन (मिट्ठापुर रोड़), जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सरूप कोहली पुत्र बाब राम कोहली, . और निर्मला रानी कोहली पत्नी राम सम्बंध कोहली, बासी 415 भोला सिंह नगर. जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षर। जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह स्वना बारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित ब्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया संसाह ।

बनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2354 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनानः: 15-3-1984

मोहर ा

प्ररूप आर्क्.टी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश मं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2359---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रहे. में अधिक है

और जिसकी संव प्लाट नंव 48 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृष्य सं उचत अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी कारने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; औद्द/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था मा विकास जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) श्री पी० एन० भटनागर, पुत्र हरी नारायण भटनागर, निवासी 48 संजय कालोनी, नेहरू नगर, जयपुर।

(अन्सरक)

(2) श्री राजेन्द्र णर्मा पुत्र श्री अमीलाल गर्मा, कुन्दीगरों के भरों का रास्ता. चौकड़ी घाटगेट, जयपुर ।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) ऋस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उत्तर अध्याय में दिया। गया हाँ।

मनसर्ची

क्लाट नं० 48 ए-3, संजय कालोनी, नेहरू नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1485 दिनांक 5-7-83 पर पंजीयड विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणत है।

> मो**ह**न सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 15-3-1984

भोहर ः

प्रकृष् नाइं.दी.एन्.एस्.------

नावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीत सुचना

भारत गुरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्वेश मं० राज०/सङ्गा० आ० अर्जन/2358—यतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000∕- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 48 ए-2 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 5 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित नाजार मृत्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में नास्तिक रूप से किया यया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन मा जन्य भास्तियों को चिन्हें भारतीय नायकर नीपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिंधनियम, या धन-कर निर्मानियम, या धन-कर निर्मानियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ क्लारियम, विद्या द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा का किया वाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के दिवा

अस उब उबस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात (1) श्री पी० एन० भटनागर,
पुत्र स्थ० श्री हरी नारायण जी नटनागर,
निवासी 48 संजय कालोनी,
बस्ती सीतारामपुरा, नेहक नगर,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरष कुमार पुत्र राजेन्द्र शर्मा नाक्षालिंग जरिए माता श्रीमती इन्दिरा कुमारी, निवासी कुन्दींगर भैरों का रास्ता, जथपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के निष्
कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीब से 30 दिन की जबिध, को भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्द्र संपत्ति में द्वित-ब्द्ध किसी बन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिहित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त सच्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिका गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं० 48 ए-2, बस्ती सीतारामपुरा, संजय कालोनी, नेहरू नगर, जयपुर जो उप पंजायक जयपुर द्वारा कम संख्या 1488 दिनांक 5-7-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

विनाब: 15-3-1984

योहर 🙎

गर्ग शर्द सी एन एस ------

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत १९५५খ (१) হ কেন্দ্ৰি শ্ৰহা

थाउँ च दलमङ

कार्यातय, सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अयपुर

> जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1984 संव राजवासकाव आव अर्जना2357

निर्देण मं० राज०/महा० आ० अर्जन/2357—स्वतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवसस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 48 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजिस्ट्रींकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 जुलाई 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपप्रमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनन अधिनियम, जा अन-कर अधिनियम, जा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा के निष्

शतः श्राम, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तित्यों, अधीत् हरू (1) श्री पी० एन० भटनागर, पुत्र स्थ० श्री हरी नारायण भटनागर, निवासी संजय कालोनी, नेहरू नगर, बस्ती सीतारामपुरा, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा कुमारी णर्मा पत्नी श्री राजेन्द्र णर्मा, निवासी गंगा गोपाल जी का मंदिर, गोबिन्द देवजी के मंदिर के पास, जयपुर !

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स स्थ्युप्ति के वर्षन के तिद् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को समझ विभिन्नियन, के बच्चाय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बच्चाय में दिया गया हैं।

मन्त्रकी

प्लाट नं० 48 का भाग जो मंजय कालोनी, नेहरू नगर, बस्ता सीतारामपुरा में स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1477 दिनांक 5-7-83 पर पंजीबद्ध विकय पव में और विस्त रूप में विवाणतृत है।

मोहन सिंह. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 15-3-1984

षाहरः

प्ररूप मार्चं.टी.एन.एस. ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश मं० राज०/महा० आ० अर्जन/2356--यतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव लाट नंव 11 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबढ़ अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 जुलाई 1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के उष्कित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अल्परित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष्ट, और/वा
- (च) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य जान्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या. धन-कर अधिनियम, या. धन-कर अधिनियम, विशेष को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा औ लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री विलीप सिंह पुत्र मन्दाता सिंह राजपूत. निवासी जमनालाल बजाज मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

(अन्सरक्)

(2) श्री ओमदस शर्मा पुत्र बीठ एसठ शर्मा, निवासी जाटने 10-11 देवी सदन, जमनालाल बजाज मार्ग, भी-रुकीम, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्तियत सम्परित के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवांका, जो उक्त अधिनिक्य के अध्याय 20-क में परिभक्षिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

वसम्ब

्लाट तं० 11. जमनालाल बजाज मार्ग, चीमू हाउस, जयपुर चो उपपंजियक, जयपुर द्वारा कम मंख्या 1521 दिनांक 5-7-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तुत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम, प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निर'क्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 14-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एसं. -----

जाय**कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-**ष** (1) की अधीन स्चना

भारत सःरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2355—-यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 10 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिश्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निशिक्त उद्विषय से उकत अंतरण जिल्लित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण वे हुई कि की जाय की बावत उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के बन्दरक के वाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; व्याद/वा
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :—

7-36 GI/84

(1) श्री रघुवीर सिंह पुत्र श्री मन्धाता सिंह राजपूर, निवासी जमनालाल बजाल मार्थ, जयपुर।

(अन्तरकः)

(2) श्री ओमदस गर्मा पुत्र बी० एस० शर्मा, निवासी प्लाट नं० 10-11, देवी सदन, जमनालाल बजाज मार्ग, चौमू हाउस, जयपुर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं 10, चीम हाउस, जमनालाल बजाज मार्ग, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर धारा कम संख्या : 1524 विनांक 5-7-83 पर पंजीबद विकथ पत्र में और विस्तृत रूप्यंति विवरणित्र हैं।

> मो**नहृत** सिंह, मक्षम प्राधिकारी, सहायक त्रायकर अध्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनाक: 14-3-1984

मोहर :

प्ररूप जार्द , टी. एन , एस , - = = - =-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुमृत

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नाम्यत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश मं० रा०/सहा० आ० अर्जन/2354—यसः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन संक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसका संव दुकान नंव पी-48 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्या में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 जलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उजित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, सं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हनुमान प्रसाद पुत्र क्यानारायण गोयल, मकान नं० 1658 ठठेरों का रास्ता, कौकड़ीमोदीखाना, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल किशोर धामानी एंड सन्स एच० य० एफ० निवासी ठाकुर सुमेर करण की गली, रामगंत्र बाजार, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वविहेंगा करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में. कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारः;
- (क) इस स्कान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

दुकान नं पान्48, थामार्ग का खुरी रामगंज बाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1609 दिनांक 2-7-83 पर पंजिबद विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> भोहन सिंह,, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्घन रेंज, अयुर

[÷] विनुकः ् 14-43--1984

माहर:

प्रस्प नार्', टी. एन्. एस्.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को मधीन सूचना

आरत् तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2353—स्यतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित साजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डी-4 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (भौर इससे उपागद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णकप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रवान प्रितिक को लए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, अक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के बिए; औट्ट/वा
- (स): एरेसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर क्षिपिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिर्दिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, कियाने में सृतिधा के सिए;

नतः नन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्नीनियत उपनित्यों, अर्थात् ६—- (1) श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र प्रताप सिंह, निवासी 572/6 राजापार्क, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मालीराम सोनी पुत्र भूराराम, निवासी पी० प्रजीतगढ़, तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाही सुरू कारता हुं।

उनत सम्पत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अपिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुमा हुँ।

वन्त्र्यी

म्लाट नं बी-4, प्रम्या बाड़ी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1598 दिनांक 21-7-83 पर पंजियद्ध विकय पत्र ० ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोह्न सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); श्रजन रेंज, जयपुर

विनांक: 14-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.,टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984 निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2352—यतः मुझे, न सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 984 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 21 जुलाई, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह शिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-िवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरंभ संहुर्घ किसी नाय की दाव्यं, जक्तं माँ, पित्रक में अभीत कर दोने के अन्तरंक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; शाँद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— (1) श्रीमती मुस्समात सायर घेगम, विष्ठवा श्री ग्रम्बुल जलील मुसलमान, मुस्समात रुकसाना ग्रादि निवासी सञ्जी मंडी, जोहरी बाजार, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद सलाम पुत्र हाजी मोहम्मद याकूब खां मुसलमान निवासी चौकड़ी तोपखाना, हुजुरी रास्ता ठाकुर गीजगढ़, मोहल्ला महांवतान, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पृतित को अर्थन के किए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और दवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं ० 984, ब्रिपोलिया बाजार, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1559 दिनांक 21 जुलाई, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजेन रेंज, जयपुर

दिमांक: 14-3-1984

मोहर

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.------

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2351—यतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ई-23 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपायद्ध धनुसूची मैं ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता धिषकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 5 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्निविति व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्री बहादुर सिंह राजपूत, निवासी मकान नं० 315, श्रादर्ण नगर, जयपुर।

(मन्तरक)

(2) श्री हीरालाल पुत्र श्री भूरालाल, निवासी तिजारा भवन, जिला जयपूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अक्षेष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

(पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वत्रवर्षी

प्लाट नं० ई-23; ग्रम्बा बाड़ी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1525 विनोक 5-7-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न० ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 14-3-1984

मोहर 🛭

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984 निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2350---यतः मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् जिस्त अधिनियम कहा गया है), की वारा 269-ख के नधीन सक्षम प्रशिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- राज्य है निथक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० सी-44 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का छारण है कि बभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमन प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तर्थण से हुइं किसी नाय की वावत , उक्त अर्ट्यभिनयम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी कहने या उससे अवने में सुविधा के लिए; अर्डिया
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विधिवयम, या धन-कर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए!)

(1) श्री संजय कुमार नाबालिंग जरिए पिता श्री बखतावरमल सिरोया नि, बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सामिती देवी, पत्नि श्री दामोदर लाल जी श्रग्रवाल, निवासी सी-44, श्रम्बा बाड़ी, जयपूर।

(श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्सि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्री

प्लाट मं० सी-44, ग्रम्था बाड़ी, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1601 दिनांक 21-7-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायु≆त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

ं जतः जयः, उक्त वर्षिणियमं की भारा 269-गं के जनुसरण कें, कें, उक्त वर्षिनियमं की भारा 269-थं की उपभारत (1) कें वर्षीन, निम्नलिधित व्यक्तिकेंक्कें, वर्षात् ३——

दिनांक: 14-3-1984

मोहर 🖺

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन. सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

ि निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2349——यतः मृझे, —— ←——

मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मृन्व 25,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी संव बी पोरशन है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22 जुलाई 1983।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में थास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुवारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के हैं हैए;

अतः अन्न, उत्तरं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उत्तरं अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अधीतः :——

(1) श्री किंशोरी रमण भार्गव, पुत्र आर० आर० भार्गव, सी/62, बापूनगर, जमपुर

(अन्तरक)

(2) श्री सुबोध कुमार जैन, एक प्रक यू० एफ० डी/275, बनीपार्क, जयपुर ।

(अन्तरिती)

न्त्रे वह सूचना चारी करके पृत्रोंनत बस्पत्ति के अर्थन के निह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

बी पोरतन पेजरिंग 140 वर्गगज स्थित यतीजी की बगीची, रामबाग रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1629 विमांक 22-7-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में भौर बिस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज, जयपूर

विनांक: 14-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर्

जयपुर, दिनांक 14 मार्चे 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2348—यतः मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं व्यक्तान नं 16 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिरट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविकं रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयदार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 द्या 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—

(1) श्री तोला शाम पुत्र स्वर्गीय श्री जेठानन्छ, निवासी प्लाट नं० 4, जनता कालोनी, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी परिन श्री बासुदेव, निवासी मकान नं० 9, गुरूनानक नगर, ताल कटोरा के पास, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

युकान नं ० 46, स्थित नेहरू बाजार, जयपुर जो उपपंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1667 दिनांक 22-7-83 परपंजीयद्व विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से वियरणत है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 14-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2347—यसः मुझे, मोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं बुकान नं 46 है तथा जो ज्यपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 22 जुलाई 1983 ।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसिक्त क्यक्तियों, अर्थात् :----

8-36 GI/84

(1) श्री तोलाराम पुत्र श्री जैठानन्द सिधी, नियासी प्लाट न० ४, जनगा कालोनी, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव पुत्र श्री जेटानन्द सिधी, निवासी सकान नं० 9, गुरूनानक नगर, तालकटोरा, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये जा सकरी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

बुकान नं 46, नेहरू बाजार जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1668 दिनांक 22-7-83 पर पंजीबढ़ विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर भायुक्त (निर्दाक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 14-3-1984

मोहर 🗈

प्रकृप आहे. टी. एन्. एस्. ------

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) को स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रयः, सहायक भागकार आयुक्त (रिरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देण सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2346—-अत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-ाउ संअधिक है

भीर जिसकी सं ज्लाट नं ० ए-2 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे अनुसूची में श्रौर पूर्ण इस्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1 अगस्त,

को पूर्वाकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत लिला निम्नितियां उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप भी किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से धुर्प फिसी बाध की बावत, जकत विभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिपा क लिए; बार/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन मा अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुरिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मीं, भीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीर, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री पारस चन्य व धर्मचन्य, पुत्र सुवरतचन्द उर्फ सुखलाल, निवासी वी वालों का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल लतीक पुत्र श्री रहीम बनाय, निवासी ए-2, दीपक मार्ग, मोतीडूंगरी रोड़, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को सह सुचना जारी करके पृवांकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां मुरू कारता हुं।

उक्त सम्मरित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिनसों में से किसी स्थित इवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विनं के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुस्वी

प्लाट नं ० ए-2, स्थित मोती डूंगरी रोड़, दीपक मार्ग, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1740 दिनांक 1 अगस्त, 1983 पर पंजीबङ विकथ पत्र में भौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अयपुर

विनांक: 14-3-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2345—यतः मुझे; मोहन सिंह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 22 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नितिसित उद्वदेय से उक्त संतरण निष्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरम से हुई किसी आम की बाबस, उक्स अधिनिम्म के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविभा के निए; बॉर/मा
- ्थ) एसी जिसी आये था किसी का या जन्य आस्तियों का जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उनत अधिनियम, या अनसर अधिनियम, या अनसर अधिनियम, या अनसर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना नाहिए था, शियाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्वित स्यक्तियों, अधीत हि—

(1) श्री मुकन्य सिंह,निवासी ग्राम सिरसा,जिला हिसार, हरियाणा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स गुलाबीनगर प्रोपर्टीज जरिए, भोगीदार श्री गिरीण चन्द्र श्रग्नवाल, पुत्र श्री हरीप्रसाद चौधरी, निवासी इंडस्ट्रोयल ऐरिया, प्लाट नं० 4, झोटवाला रोड़, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया ब्राया ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए ना सकेंगे।

स्पब्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

अनुसूची

नोहरा (मय दाल मिल व कोठरी के) स्थित बाई जी के मंदिर के पीछे, चौकड़ी तोपखाना हुजुरी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1642 दिनांक 22-7-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्षित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 14-3-1984

मोहुदु 🛭

प्रस्प . मार्च . टी . एन . एस . - - - -

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के कथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2344---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 22 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 21 जुलाई 1983।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि तित्त में बारतिथिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के सम्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बक्ते में सुविधा के सिए; बार्ड/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था िष्पाने में सुविधा के लिए;

जतः तम उक्त अधिनियम की भारा 269-न के जनसरन में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधित :---- (1) श्रीमती लक्ष्मी देवी परिन श्री हेमन दास जी, निवासी बी-34, सीकर हाउस, हाजी कालोनी, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्व अग्रवाल, पुत्र श्री रामचन्द्र जी अग्रवाल, निवासी मकान नं ० 1072, गोपालजी का रास्ता, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वीक्त** सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकरेंगे।

स्थव्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो जम अध्याय में दिया गमा है।

and the

युकान नं० 22, स्थित कटला पुरोहित जी (नया कटला) जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1582 दिनांक 21-7-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में भौर विस्तृत रूप से विविक्षित है।

> मीहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 14-3-1984

मोहार 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2343—यतः मुझे, भोहन सिंह.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ज्लाट नं 101 है तथा जो जीधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जीधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 14 जुलाई 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिल बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिकत में, ऐमें दृश्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिशास में अधिया है और जन्तरक (अन्तरको) श्रीर अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीचे ऐसे धन्तरक के लिए लय पाया गया प्रतिकल, निष्विधित्वन बहेश्य में जक्त अन्तरण विश्वित में बाह्तविक का समाधित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण, से हुव्दै किसी जाय की वावत , उक्छ जिभित्यम की अभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

काः भव, जनत विधितियम की धारा 269-ग के नतुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रीराम पुक्ष श्री बदरीवास श्रवकाल, जीव पीव एव मुकता राम पुत्र श्रीनेनू राम, सुधार जोगिड, 12 रोड़, सरदारपुरा, जौधपुर।

(भन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री रिखयचन्द स्रोसवाल छाजेड, 101, सैक्टर ए सैक्शन 4, मसूरिया, जौधपूर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समृस्ची

प्लाट नं० 101, सैक्टर एं, शास्त्री नगर, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा ऋग संख्या 127/2036 दिनांक 14-7-83 पर पंजिबद्ध विऋय पन्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 8-3-1984

मोहर:

प्ररूप. नाइं. टी. एन. एस्. - - - -

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भागुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनोक 8 मार्च 1984

निदेश सं० राज०/सहा० भा० भर्जन/2342---यतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 101 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर ० रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14 जुलाई 1983 ।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरूप से हुई किसी बाद की वादत्, सक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिभा के लिए; बौड/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: बज, उच्त गौधीनयम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नींलिकित व्यक्तियों, जथीत् क्— (1) श्री श्रीराम पुत्र श्री बदरीदास अग्रवात, जीव पीव एव मुकता राम पुत्र नेनूराम सुधार जाणिड, 12 वां रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री रीखनचन्द मोसवाल छाजेड सैक्टर ए, सैक्शन 4, मसूरिया, जीधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जविभ या तत्सम्बन्धी स्वित्सयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्सयों में से किसी ध्यमित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास निवित वें किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

प्लाट नं० 101, सैक्टर ए, शास्त्री नगर, जौधपुर जो उन पंजियक, जौधपुर द्वारा ऋम संख्या 73/2035 दिनांक 14 जुलाई, 1983 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रून से विवरणित है।

> मोहन सिंह; सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 8-3-1984

मोहु ुु ₿

प्ररूप आई, टी. एन. एस. - - -

आयकर आधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नयपुर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2340—यतः मुझे. मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको मं० लाट नं० 161 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोक्तनी अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 जुलाई 1983 ।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रविफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण निचित में अम्तिकल, मिम्निलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण निचित में आम्तिकल रूप में किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी किसं: ब्राय या निसी धन या अन्य धारिलमों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मदन सिंह सौलंकी पुत्र मोहन सिंह, डाक भार कालोनी, पलैट नं० 5, क्वार्टर नं० 1, सक्शन बी, शास्त्री नगर, जीधपुर ।

(अन्तरका)

(2) श्रीमती गकुन्तला परिन श्री शिवकरण, 2वा 51, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड क्वार्टर, जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अधिक या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिक, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों थे।

स्थव्दोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसर्ची

लाट नं० 161 का भाग, शांतिप्रिय गृह निर्माण सहकारी मिनित लिभिटेड, चीरगढ़ शास्त्री नगर, जौधपुर जो उप पंजीकय जौधपुर द्वारा कम संख्या 57/2019 दिनांक 13-7-83 पर पंजियद्व विकाय पत्र में और विस्तृत रूप में विवर्णित है।

> मो**ह**न सिंह, सक्षेम प्राधिकारी, सहाय रु आयकर आयुक्त (निरीक्षण), 'यर्जन रेंज, जयपूर

विनांक: 8-3-1984

मोहर :

त्रस्य आर्थः वी.एन एस . ------

गायभर **अभिनियम** 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2341—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 161 है तथा जो जौबपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने के कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण हिस्तित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरक से हुई किसी आय की बाबते., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के निए;

अतः, अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन सिंह सोलंकी पुत्र श्री मोहन सिंह, डाक तार कालीनी, फ्लैट नं० 5, क्वटिर नं० 1, सैक्शन बी, णास्त्रीनगर, जीधपुर।

(अन्तर्क)

(2) श्रीभनी रोता पहिन श्री दिनेशकुमार राय पुत 2 ख/51, त्रौपासनी हाउसिंग बोर्ड क्वार्टम, जौधपुर।

(अन्तरिती)

की यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त स्म्मति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

ज्यत संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर
 स्थाना की तामील से 30 दिन की खदिश, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य
 व्यक्तियों में से जिल्ली व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

िंग्लाट नं० 161 का भाग, शांनिप्रिय गृह निर्माण सहकारी समिति लि० चीरगढ़ रोड़, शास्त्री नगर, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 121/2020 दिनांक 13-7-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पक्ष में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सि. सक्षम प्राधिकारी सह।यक अ।यकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जयपर

दिनांच : 8-3-1984

माहर 🖫

अरूप भार्दे. टी. एन. एस.------

भायकर सींधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय**., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2339—यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० २ 6 है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्षभने में सुविधा के लिए; और/धा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरए में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सुधीर ढढा पुत्र श्री गोतमचन्द ओसवाल, निवासी जोहरी बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बनबीर सिंह पुत्र अय सिंह कुम्भट ओसवाल, निवासी बगाई जिला गुजरात, वर्तमान निवासी जौधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुः

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

्ताट नं० 26, पावर हाउस रोड़, जौधपुर जो उपपंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 97/2049 दिनोक 15 जुलाई, 1983 पर निजब तिकाय पत्र में और विस्तृत रूप में विवर्णात है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 7-3-1984

मोहर :

प्ररूप शार्ड . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्चे 1984

निर्देश सं० राज०/तहा० आ० अर्जन/2338——यतः मुझे, मोहन सिंह,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमा इसको परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 34 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (और इस. उपाकड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के लायालिय जौधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 जुलाई 1983

को पृशांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त मृत्यरण लिखित के वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइं किसी जाय की बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरिशी ख्वार प्रकट नहीं किया गया या किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती अकल कंवर भंडारी, पत्नि श्री महीपाल मंडारी, 22 विजय महल, डी-रोड, चर्च गेट, बम्बई-400020

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सुजाता प्रोपर्टीज प्रा**६वेट** लिभिटेड, डाईनर्स हाउस, सेकिन्ड फ्लोर, 50 वीर नारोमन रोड़, फोर्ट, बम्बई-400023।

(अन्तरिती)

को यह भूषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृताय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्ताट नं० 34, तखतगढ़, ई-सक्टर, शास्त्री नगर, जौधपुर जो उ। िग्य उ, जो ग्राँट द्वारा कम संख्या 35/1914 दिनांक 6-7-93 पर पंज बेद्ध तिकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपूर

विनांक: 7-3-1984

मोहर:

अक्ष बाई.टी एन एस.-----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

धारत सडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक, 7 मार्च 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2337—यतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लाट नं० 102 है तथा जो जौधपुर में स्थित हे, (और इसते उनाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रिजस्कर्ट्र, रंण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 जुलाई 1983

को पृथितिस संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रयमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथितिस सम्परित का उचित बाजार मृस्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जुनतुरुण से हुई किसी आयु की बानता, उक्त अगुभित्यत्र की अभीत कर दोने की जन्तर्क को दानित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुनिधा को सिए; बोट्/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान। चाहिए था, छिथाने में स्त्रिया के सिष्

(1) श्री अहमद पुत्र श्री महबूब खां, खानियों का मोहल्ला, नई सङ्क, जौधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री लांल सिंह, मोहन सिंह, नारायण सिंह, 102, मसूरिया 4-जी शास्त्री नगर, जीधपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्धन के चिष् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की जविष, जो भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नगृत्यी

प्लाट नं 102, मसूरिया 4 जी, जौधपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा ऋम संख्या 17/1850 दिनांक 4-7-83 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

श्रातः इति, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, २९, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अध्योत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

विनांक: 7-3-1984

मोहर 🕹

प्ररूप बार्ड टी., एन., एस.,-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सुम्मा

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्देश सं० राज् ०/सहा० आ० अर्जन/2336→—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान प्लाट नं० 12 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निचित्तित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की वादत उक्त बिधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी कर्म या उसते वचने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अव, उन्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुस्तरण में, में, उन्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो जानाराम पुत्र श्री बीरबलराम जाट, ग्राम मैसालो, तससील राजगढ़, जिला चुक ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दयावन्ती परिन श्री ताराचन्द द्वारा मैससं ताराचन्द जगदीश राय, हनुमानगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- ्क) इस स्भाग के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी-अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आवासीय मकान का भाग, प्लाट नं ० 12, सैक्टर 1, गवर्नमेंट होस्पिटल के पास, हनुमानगढ़ जो उप पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा कम संख्या 1625 दिनांक 29--7--83 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 7-3-1984

मोहर 🛭

प्रकट् बार्चाः टी., एन्., एव

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के स्थीन स्थान

गारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्वेश सं० राजा /सहा० आ० अर्जान/2335—अत. मुझे. मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं व्याट नं 12 है ब्या- जो हनुमानगढ़ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमू में भा और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 29 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत ज़क्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अप्रै/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनु- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म (1) श्री काना राम पुत्र श्री बीरबलराम जाट, ग्राम भैंसली, तहसील राजगढ़, जिला चुक ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती सीमा देवी पत्नि श्री जगदीश राय द्वारा मैसर्से ताराचन्द जगदीश राय, हनुमानगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताकरी के पास निवित में किए था सकरें।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वैषा हैं।

अनुसूची

जावासीय महान का भाग, प्लाट नं 12, सक्टर 1, गवर्नमेंट हास्पिटल के पास, हनुमानगढ़ जो उप पंजियक, हनुमानगढ़ द्वारा कम संख्या 1624 दिनांक 29-7-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तुत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

विनांक . 14-3-1984

मोहार 🖺

श्**वन्**ु बा**र्य**ु डी, एन्, एस, -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण् (1) के बभीव त्ण्ता

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश सं० ए०एस०मार०/83-84/309-यतः मुझे, सी० एस० काहलों, म्राई० म्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या एक जायदाद है तथा जो टी० पी० स्कीम नं० 53 अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से क्रिथित वहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तर्डण से हुई फिसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कार दोने से जस्तरक के दायित्व में कभी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविदा है विद्

नतः जय उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक भा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, जर्थात् ध--- (1) श्री केवल कुमार खन्ना पुत्र गंभु नाथ खुह सुनारियां भ्रमृतसर ।

(ब्रन्तरक)

- (2) श्री नरिन्दर पाल सिंह पुत्र सेवा सिंह 170/5 कटड़ा मित सिंह ग्रमृतसर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रश्लोहस्साक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के बिल्ली पा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील की 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संगप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्म स्थानत द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में विमा भूमा है।

वन्त्र्यी

एक जायदाद जो टी० पी० स्कीम नं० 53 धर्मृतसर में है जैसा सेलडीब नं० 5430/14-7-83 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी धर्मृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, श्राई० श्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक : 6-3-84 मोहर 🕽 प्रकृष् नाइं. दी. एन्. एस. ----

बायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के सभीन स्वना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ध्रमृतसर

श्रमतसर, विनांक 6 मार्च 1984

निदेश सं० ए०एस०न्नार०/83-84/310-यतः मुझे, सी० एस० काहलों, ग्राई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायबाद है तथा जो भ्रजीत नगर श्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनाक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ए'से दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है:—

- (क) वस्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उच्क विभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरण के दावित्य में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, हिष्पाने से सित्था के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थातु :- (1) श्री भारत कुमार पुत्र धनी राम वासी—श्रन्दर सुसतान विंड गेट श्रमृतसर ।

(अन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्जम् के सिएं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टींकरणः — इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁴।

जन्त्र्धी

एक जाय्दाद जो श्राबादी भ्रजीत नगर भ्रमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 5057/6-7-83 रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> सी० एस० काहलों, आई० म्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक : 6-3-1984

मोहर 🤋

प्ररूप बाइ . टी. एत . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर

ध्रमतसर, दिनांक 6 मार्च 1984

निवेश सं० ए०एस०आर०/83—84/311—यतः मझे, सी० एस० काहलों, धाई० आर० एस०

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो श्रजीत नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णेक्ष्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर वोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थंत्ः— (1) श्री सुनील कुमार पुत्र भारत कुमार वासी—-श्रन्दर सुलतान विक गेट ग्रम्तसर ।

(मन्सरक)

(2) रिवन्दर कौर पत्नी खुरिन्दर सिंह वासी---चौक मना सिंह श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो (बहु व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) ग्रोर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविध या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त अविकार में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो आबादी अजीत नगर अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 5071 दिनांक 6-7-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> सी० एस० काहलों, श्राई० ग्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक : 6-3-1984

मोहर 🖫

प्रस्प बाह्र . टी. एन. एस.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर ग्रम्तसर, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० ए०एस० प्रार० / 83 - 84 / 312 --- यतः मुझे, सी० एस० काहलों, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अपिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारंग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ?5,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो जी बटी बरोट श्रमृतसर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध भ्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :----

- (क) जम्तरण से हुई किसीजाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा केलिए; और∕ग
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियन्न की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

10-36 GI/84

(1) श्री वलवीर सिंह, पुत्र बलवन्त सिंह श्रम् ससर ।

(भ्रन्तरक

(2) श्रीमजेकुमार ग्रमृतसर। श्रव गली फाजिलका, फाजिलका जिला---फीरोजपूर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा अपर सं० 2 में कोई कि राएदार हो। (यह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भ्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवह है)

को यह स्थाना पारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पर्वाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो जी० टी० रोड, ग्रम्तसर में है जो सेल डीड नं० 2633/27-7-83 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रमतसर में दर्जहै।

> मी० एम० काहलों, भ्राई० भ्रार० एम० मक्षम ग्रधिकारी - सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, ध्रमृतसर

विनांक : 13-3-1984

मोहाउः

प्रकृष आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, धग्यसर

श्रमृतसर, दिनाक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० ए एस प्रार/83-834/313—यतः मुझे, सी० एस० काहलों, ग्राई० ग्रार० एस०, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

द्यौर जिसकी सं० एक जायवाद ग्राजाद नगर ग्रामृतसर, पुतलीधर ग्रामृतसर है तथा जो ग्रामृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ ग्रामृत्ती में ग्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रामृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जलाई 1983,

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ज्न्तरण संहुद्दं िकती आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या जससे बचने में मुबिधा के निए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अव, उयत् अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिणित न्यिक्तयों, अर्थातः ----

- (1) श्रीमती कमला मेहरा पत्नी केदार नग्थ 13/1 रानी का बाग प्रमृतसर । (अन्तरक)
- (२) श्री सरूप कृष्ण पुत्रं वाल कृष्ण, 2929/21, गली नं । ग्राजाद नगर पुतलीधर, श्रमृतसर ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैंगा कि ऊपर गं० २ में काई किरायेदार हो (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में समाति है)
- (1) श्रीर कोई । (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के िए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्जाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्यद्धीकरण: इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, बही अर्थ क्षोगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

अनुसची

एक जायदाद जो श्राजाद नगर, पृतलीधर श्रमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं० 5868/27-7-83 रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रिध-कारी श्रमतसर में दर्ज हैं।

सी० एस० काहलों,(ग्राई० ग्रार० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रानंत रेज, श्रमतसर

दिनांक : 12-3-1984

माहर

प्ररूप आद्: ती. एन . एस , -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० ए एस श्रार/83-84/314-- यतः मुझे, सी० एस० काहलों श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

थौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जा श्राजाद नगर श्रमृतसर पुतलीघर श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983.

को पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कता, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में गस्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनसरण से हुइ किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा को निए,

अतः अयः, उत्तव अधिनियमं की धार्म 269-म के अनुभरण में. में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधितः :--- (1) श्री जीवन महरा पुँत केवार नाथ 13/1 रानी का बाग श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) सरूप कृष्ण पुत्र बाल कृष्ण, 2929/21, गली न० 1, ग्राजाद नगर पुतलीघर, श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिए के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्थिति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ——६समं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में <u>वि</u>या गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो म्राजाद नगर, पुतलीधर में म्रमृतसर में है ज़ैसा सेल डोड नं० 57 63/25-7-83 रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी म्रमृतसर में वर्ज है ।

> मी० एस० काहलों (ग्राई० ग्रार० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनोक . 12-3-1984

मोहर 🧠

प्ररूप. मार्च. टी. एन. एस्. - - - -

जायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर बागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रभुससर

श्रमृतसर, दिनांक 12 मार्चे 1984

निर्देश सं० ए एस भार०/83-84/315--भातः मुझे, सी० एस० काहलों आई० श्रीर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं एक जायदाद है जो आजाध नगर अमृतसर, पुललीधर अमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था. छिपान में सृविभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत वैयोजितयों, वर्भात् :--- (1) श्री शाम सुन्दर पुत्र केदार नाथ 13/1 रानी का बाग अमुससर ।

(ग्रन्तरक)

(2) सरूप कृष्ण पुत्न बाल कृष्ण, 2929/21, गली नं० 1, ग्राजाद नगर पुतलीधर, ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ज़ैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोय में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवढ़ है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त प्रम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्यव्यक्तिकाः---इसंग्रें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सगस ची

एक जायदाद जो म्राजाद नगर, पुतलीबर में म्रमृतसर में है जैसा कि सेलडीड नं० 5869/27-7-83 रजिस्ट्रीकर्ता म्रधि-कारी म्रमृतसर में वर्ज हैं।

> सी० एस० काहलों, (म्राई० भ्रार० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक : 12-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश र्स्० अमृतसर—83-84/316—यतः मझे, सी० एस० काहलों भ्राई० भ्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद जो रानी का बाग अमृतसर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णक्प से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जलाई, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या सबसे वचने में सूर्विशा के निए; बार/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय!
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपनि में त्विधा के लिए;

(1) श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह वासी रानी का बाग श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री गरबद्धा सिंह चील मण्डी, श्रमतसर । श्री गुरबिन्द्र सिंह पुत्र श्री लधा सिंह चौक मौनी ग्रमृतसर श्री गुलजारी लाल पुत्र श्री ग्रचरज राम बरहम नगर, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के रांचपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्योकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

One property situate dat Rani-ka-Bagh, Amritsar, measuring about 400 sq. yds., as mentioned in sale dee d No. 4868 Date 1-7-1983 of registering authority, Amritsar.

सीं एस० काहुलों आई० ग्रार० एस० सक्षम श्रिषकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्तं (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, श्रमृतसर

अतः अब, अबत अधिनियम की भाग 269 म के अनुगरण मों, मों, उचत अधिनियम की धारा 269 घ की उपवास (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अधीत् ह—

दिनाफ : 13-3-1984

मांहर 🤌

त्ररूप आइ". टॉ. एन. एस.-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4302--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० भूमि, बगीचा नम्बर 106 ए हैं, तथा जो लुनि।पुरा, इन्दौर रोड, महू में स्थित हैं श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णच्य से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महू में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहियमान प्रतिफल से, एसे रहियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्य से कांधत गई दिस्या नया है दिन्स

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अभि-निवृत्य के ब्रुपीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उद्देश वचने में सुविभा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य अस्तियों को, जिस्हें भारतीय जायकर अभिनियंस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंस, या भन-कर अधिनियंस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्टिक व्यक्तियों, अर्थीन :—

- (1) श्री राम प्रकाश पिता लाला मोतीराम कपूर निवासी---2422, लुनियापुरा, महू । (अन्तरक)
- (2) श्री किशान चन्द पिता लोंगमल सिधी निवासी----2517, गोकुलगंज, महू । (अन्तरिती)

का यह सूचना बारो करके पृत्रांक्त सञ्चारित कं अर्थन के लिए कार्यबाह्यियों करता हूं।

उन्त तम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्क---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्त ध्यप्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अना व्यक्ति द्वार अभाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि, बगीचा नम्बर 106 ए, लुनियापुरा, इंदौर रोड महू में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती विल्डिंग, चौथी मंजिल टी॰ टी॰ नगर, भोपास

दिनांक : 23-2-1984

भोहर -

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकार माय्कल (निरीक्षण)

क्षजेन रेज, भौपाय

भोपाल, दिनाक 23 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4303—अतः मझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

द्यीर जिसकी सं० म० नं० 7, वार्ड नम्बर 9 है, तथा जो मागोद रोड, रनलाम में स्थित है (धीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण कें रूप से बेणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था स्थिपने में युविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्मिनियत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) डा॰ माधुरी शर्मा पत्नी श्री सुसूर्यदेवजी शर्मा 2. सूर्य देव पिता हरदयाल शर्मा 3. श्री नरदेव पिता हरदयाल शर्मा॰ निवासी—में ने 7, वार्ड नं 9 सागोद रोड. रतलाम ।

(अल्पचक)

(2) हाजी मोह० हुसैन पिता माह० तस्यब असी

2. हाजी सुगरानाई पत्नी श्री मोह० हुसैन
निभागी—गनान नम्यर 7. गागीव नोड.
रतनाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

असमिकी

मकान तम्बर 7, वार्ड नम्बर 9, सागोद रोख, रतसाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल गंगोबी बिन्डिंग, चौथी मंजिल दी० टी० नगर, भोषाल

विनांक : 23-2-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

शायकर अधिनियम, 1551 (1961 का 43) की **भारा 260**-घ (1) के अ<mark>धीन मृचना</mark>

भारत सरकार

कार्यानयः सहायकः अध्यक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल 4304---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रू. से अधिक है

यौर जिसकी मं सम्पत्ति नं 2 है, तथा जो राय राजा पार्क. महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कें कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ित्रित्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तसमें अज़नें में स्विधा के निग्; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में युविधा के लिए;

बतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग कं अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

> (1) मौ० दानधीता लेडी कंचतबाई द्रस्ट इन्दौर तरफे द्रस्टी थी राजा बहादुर सिंह कामलीवाल पिता श्री मेठ राजकुमार सिंह जीकासलीवाल निवामी---3, महात्मा गांधी मार्ग, इन्द्रभवत. इन्दौर ।

(2) श्रीमती बीगा पति श्री प्रमोद कथुरिया, नियासी—साकेत नगर इन्दौर । 2. श्री दर्शन लाल पिता श्री असीयन्द जी डायर, 73. संयगवाग, इन्दौर ।

(अन्यरिती)

- (3) 1 श्री जालमिंसिह पालमिंसिह 2. श्री तत्थूजी वरजी3. राजाराम किंग्रनजी 4. बाबु सिंह रामिंसिह
 - 5 णंकरलाल किणनलाल 6. राजाराम
 - 7 राजाराम किशनलाल 8. गर्नशमीहन गंगाराम
 - 9. मंगनलाल गिरधारीलाल 10. आनन्दीलाल लालचन्द ।
 - गुलाबचन्द खेमचन्द 12. मुभेरचन्द पन्नालाल (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राव राजा पार्क, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर स्थित सम्पत्ति नम्बर 2 का भाग-1 इस सम्पत्ति में भूषि एवम् भवन है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरितियों द्वारा सत्या-पित फार्म नम्बर 237-जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज भोषाल गंगोची बिन्डिंग, चौथी बंजिल, टी० टी० नरग, भोषाल

दिनांक 23−2~1984

मोहर:

(अन्तरकः)

प्रारत्य आहै. टी. एन. एस.-----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4305—अतः मुझें, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धीर जिसकी सं०भवन कमांक 2 है, सथा जो महात्मा गांधी मार्ग, राव राजा पार्क, इन्दौर में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोंक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, माँ. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :---11---36 GI/84 (1) सौ० वानशीला लेखी कंचनबाई ट्रस्ट इन्दौर तरफे ट्रस्टी श्री राजाबहादुर पिता श्री सेठ राजकुमार सिंहजी कासलीवाल निवासी—3, महात्मा गांधी मौर्ग, इन्द्र भवन, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक कुमार पिता श्री दर्शनलाल जी डाबर निवासी—73, कंचनबाग, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

- (3) 1. श्री जालम सिंह पालम सिंह 2. नाथूजी वीरजी
 - 3. राजाराम किशनजी , 4. बाबू सिंह राम सिंह
 - गंकरलाल किशनलाल , 6. राजाराम किशनलाल
 - 7. राजाराम किशनलाल 8 गणेश मोहन गंगाराम
 - मगनलाल गिरधारीलाल 10 आनन्दलाल लालचन्द,
 - 11. गुलाबचन्द खेमचन्द 12. सुमेरचन्द पन्नालाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

राव राजा पार्क, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर स्थित सम्पत्ति क्रमांक 2 का भाग इस सम्पत्ति में भूमि एवम् भवन है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्याापित फार्म नम्बर 27-जी में निहित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक : 23-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4307—अतः मुझें, देवप्रिय पन्त,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 47 प बना हुआ एक मंजिला मकान है, सथा जो इन्दिरा गांधी नगर, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इसरो

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 जुलाई 1983, को पूर्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने था। कारण है कि यभाप गैंक्त गम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के यीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक का निम्मतिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि का ने बास्तिक का से का निम्मतिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि का ने बास्तिक का से का निम्मतिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि का ने बास्तिक का से का निम्मतिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि का ने बास्तिक का से का निम्मतिबत्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि का ने बास्तिक का से का निम्मतिबत्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि का ने बास्तिक का से का निम्मतिबत्त नहीं कि सा नवा है है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी शय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; बौर्/वा
- (श) एती किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपान में स्विका के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री चन्द्रशेखर पिता श्री भंवरलाल जी वगदी निवासी—78, राधानगर, कालोमी, इंबीर ।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री रसिकलाल दवे पिता निकमणी दवे 2. श्रीमती सरस्वती बेन पति श्री निकम दवे निवासी—20/2, रावणी बाजार, इंदौर । (अन्तरिती)

को यह तृष्ना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन् के सिर्

जनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 47 पर बना हुआ एक मंजिला मकान, इंदिरा गांधी नगर, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, भोपाल गंगोली विल्डिंग, चौथी मंजिल, टीं० टी० नगर, भोपाल

दिनोक : 23-2-1984

म्रोहर ः

प्रकृप आर्ध .टी . एन् . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल---4308--- अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान, नगर पालिका कमांक 98 है, तथा जो धान मण्डी महात्मा गांधी मार्ग, बड़नगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ए से दृष्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतारितियों) के बीच ए से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिशत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उसने बचूने में सूबिशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम भा अस्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा हो लिए;

कतः अवः, उकत् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधाय (१) के अधीन, भिम्निलिखत व्यक्तियों, सुर्थात् ८---

- (1) श्री फूलचन्द गोधा पिता जवरचन्दजी
 - 2. मु० सुन्धरबाई पति फूलचन्द
 - 3. सीभागमल पिता फूलचन्ध
 - 4. ललितकुमार पिता सौभागमलजी
 - निर्भय कुमार पिता सौभागमलजी निवासी—इंदौर ।

(अन्सरक)

(2) 1. अब्दुल सत्तार

2. मोह० इसाक पुत्रगण इलाहीबक्ष निवासी—बड़नगर, जिला उज्जैन ।

(अन्सरिति)

को यह सूचना जारी करके पृथािक्स सम्पत्ति के अर्जन के दिस् कार्यनाष्ट्रियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवत्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

मनुसूची

मकान, नगरपालिका ऋमांक 98, धान मण्डी महात्मा गांधी मार्ग, बड़नगर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी गंजिल, टी० टी० नगर, भोपास

दिनाभ : 13-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4309---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० भूमि सं० नं० 96 है, तथा जो ग्राम कमेडी जिला सावेर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सावेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का वा जिल्हा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीन :--

 (1) श्री बाल कृष्ण राव पिता छोटूजी जाधव निवासी—27, कामठीपुरा, इंदौर ।

(अन्सरक)

(2) श्री एयामलाल पिता गोपीलाल जी खासी निवासी—कामठीपुरा, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं 96, ग्राम कमेड़ी जिला सावेर में स्थित हैं:

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 23-2~1984

मोहर 🛭

प्रस्य मार्च. टी. एन. एस्. -----

भायक्ष मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269आ (1) के श्रशीन सूचना

भारत प्रदकार

कार्यातय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4310---अतः मुझे, देविशय पन्त,

प्रायकर प्रशिविषम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रशिविषम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-प• से प्रधिक है

भौर जिसकी सं ० भूमि खा० नं० 99 है, तथा जो ग्राम कुर्मेडी तह० सावेर में स्थित है (श्रीष्ट इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सावेर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 जुलाई 1983,

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रशिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दिन एमें अंतरण के किए तथ पाया गया प्रति-फल, िम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण को, मी, उक्त सीधिनियमं की धारा 269-भं की उप-धारा (1) को सधीन, निम्निखित कार्षितयों, अधित् ः—

- (1) श्रीमती मनोरमा बाई पति शंकरराव, राजेन्द्र राव, शंकरराव जाधव । निवासी---27, कमाठीपुराइ इंदौर । (अन्तरक)
- (2) श्री राम स्वरूप पिता गोपीलालजी खाती निवासी---कबीरखेड़ी, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्मवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पर्दित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी ध्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकश्च किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, असोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पब्डोकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्यों श्रीर पदों का, जो उपत श्रीधितियम के प्रश्वाय 20-कर्में परिभाषित है, बही ग्रंथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 99, ग्राम कुर्मेड़ी तह० सावेर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आक्युत (निरोक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 23-2-1984

मोहर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

मायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4311—म्रतः मुक्ते वेषप्रिय पन्त,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हुए. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 96, 99 है, तथा जो ग्राम कुर्मेड़ी तह० सावेर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सावेर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23 जलाई 1983,

को पूर्वोक्त संग्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में वास्तिक क्या में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वान्त, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह्या

- (1) श्री चन्द्रसेनराव छोटूजी जाधव निवासी—27, कमाठीपुरा, इंदौर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री मोहनलाल गोपीलालजी खाती निवासी—कबीटखेड़ी, इंदौर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में काई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 96, 99, ग्राम कुर्मेड़ी तह॰ साबेर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 13-3-1984

मोहुदु 🛭

प्रकप आहें हो. एन. एस.,-----

शायकर श्रीधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के स्थीन स्वना

भारत बरकार

नार्यास्य, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 फरवरी 1984

निदेश सं० धार्ष० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/4312—धतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 98, 99 है, तथा जो कुर्मेड़ी तह० साबेर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सावेर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 23 जलाई 1983,

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्त्रण से हुई किती आयुक्ती वाब्त, उक्त अभिनियम् के मधीन कर दोने के मृत्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के तिए; आर्/या
- (म्ब) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का १६) या उकत अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सृतिभा के लिए;

शतः शत्, उत्कत गिंधिनियम की भाषा 269-ग से बन्दरक् में, में उक्त अ। भनियम की भाषा 269-च की उपभाषा (1) फे अधीय, निम्किलिसित व्यक्तिस्यों, अर्थात ह—- (1) श्री मणिक राव पिता छोटू जी जाधव निवासी---27, कामठीपुरा, इंदौर ।

(भन्तरक)

(2) गणेशलाल गोपीलाल जी खाती निवासी—कबीटखेड़ी, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूजोंक्त संपत्ति के अर्थन के सिष्ट् कार्यनाहियां करता हुं !:

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त शोती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पित्तयों में से किसी स्पित्त क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

बार करें

भूमि खा० नं० 98, 99, ग्राम कुर्नेड़ी तहर सावेर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 24-2-1984

पोहर 😘

प्रकृष आह⁴. टी. एन. एस्.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4313—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आवकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० मकान है, तथा जो निविल लाइन्स, खण्डवा में स्थित है (भौर इससे उपावत श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उम्में दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधि-निवंश के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में कमी करने वा उसते. अचने में सुविधा के नियं; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्ता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विभा की किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थास्य :---

- (1) 1. श्री भ्रफणल श्रहमद
 2. सुस्ताच श्रहमद
 निवासी—खङ्गपुरा, खण्डवा, ।
 (श्रन्तरक)
- (2) श्री सेठ केदारमल पिता रामलालजी खडेलवाल महाजन निवासी——कल्लनगंज, खंडवा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां कारता हुएं।

डक्त सम्प<u>रि</u>त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोद द्र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिश की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना को राज्यम् में प्रकाशन की तारीकृ से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्त्रची

मकान ; सिविल लाइन्स, खण्डवा में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण भ्रन्तरिती द्वारा संत्यापित फार्म नैवर 37 जी० में निहित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रंज, भोपाल गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 24-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप. आइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयक्त (निरोक्षण)

यर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 24 फरवरी 1984

निदेश संव ग्राउँव एव सीव/सर्जन/भाषाल/ 1315---प्रतः मुझे, देवेप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नम्बर 82 व उस पर बना हुआ भकात, है तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण योजना क्रमांक 31, सर्वोदय नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 30 ज्लाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्षत संस्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आगळार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंति ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब. उबत बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों. अर्थात् :——
12—36 GI/84

(1) श्री प्रेम कुमार पिता टेकचन्द जो मलचन्दानी निवासी—82, सर्वेदिय नगर, इंदौर ।

(ग्रन्तर-ह)

(2) श्री शिवभगवान पिता अनस्तमन जी परयान 2. रमेश कुमार पिता शिवसगवान परवान निवासी—एस—82 मर्वोदय नगर, इंदौर ।

(प्रन्यस्ति)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निग् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-धद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर एस-82 पर बना हुआ मकान जिसमें 4 कमरे, 1 किचन व 1 ग्यारेज है। इंदौर विकास प्राधिकरण योजना कमांक 31, सर्वोदय नगर, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ध्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्नी बिल्डिंग, घौथी मंजिल, टी० टी० नगर भोपाल

्दिनांक : 24-2-1984. मोहर : प्ररूप आर्थः, टी. एन. एश.,-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

शायां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भीपाल

भोपाल, दिनांक 24 फरवरी 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4316—अत:, मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं भकान म्यु पा नं 12, भोल्ड पलासिया, इंदौर है, तथा जो भोल्ड पलासिया, इंदौर में स्थित है, (भौर इससे उपाबड अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बलारण से हुई किसी मान की बाबत, अकत मींपीनबंध के बभीन कर दोने के बलारक के शायित्व वो कभी करने या असते वचने में सुविधा के लिए: बीर/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- श्री दिलीप तिंह राठीर पिता श्री श्रीमंत राणां साहब भीम सिंह जी राठौर निवासी—मकान नम्बर 13/3, श्रोल्ड पलासिया, इंदौर

(अन्तरक)

2. डा० मोहम्मद अशफाक एहमद पिता एम. ए० रज्जाक रिटायर्ड जस्टिस निवासी—साकेत नगर 105, खजराना इंदौर तरफे अधिकृत आ० मृ० मोहम्मद इकनाल पिता एम० ए० रज्जाक निवासी—105, साकेत नगर, इंदौर

(अन्तरिती)

भी यह सूचना बारी करके पृत्रों क्त सम्बर्तित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जर्जाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवव् किसी जन्य व्यक्ति व्याग अभोहस्ताकारी के पास स्विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्वी

मकान स्यु० पा० नम्बर 12, घोल्ड पलासिबा 2 सी इंदौर में स्थित है। (मकान का भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, भौपास

तारींख: 24-2-1984

मोह्नर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 24 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4317—यतः, मझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख० न० 863 है, तथा जो देवास जूनियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के यायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः सव, जक्त अधिनियम की धारा 269-प को अनुसरण कों, मीं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत :-- श्री सचार मेंग पिता छोटू बेग मुसलमान, निवासी —खारी बावडी, वेवास

(अन्तरक)

2. अभीत नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यावितः देवास, म० प्र० द्वारा अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार उपाध्याय निवासी - वैंक नोट प्रेस, देवास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिथित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यों की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रजी

भूमि ख॰ नं० 863, हवास जूनिमर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

सारीच : 24-2-1984

मोहर 🗈

अरूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भाषाल, दिनांक 24 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4318---यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 857 है, तथा जो देवास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री सत्तार बेग पिता छोटू बेग मुसलमान, निवासी——बारी बावड़ी, देवाग

(अन्तर्भः)

 श्री अमित नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्सादित देवास मे प्रव पंजीयन क्षमांक सवगढ देव 396/ 12-8-1981 तरफे अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार उपाध्याय निवासी--वैंक नोट प्रेस कालोनी, देवास

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्अन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि सर्वे नं ० 857, देबास जूनियर में स्थित हैं।

देवप्रिय पना सक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर **धायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, भोषा**ध**

सारीज : 24-2-1984

मोहर :

प्ररूप नाइ^च्टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. भोगाल भोगान दिनाक 34 फरवरी 1984

निर्दे स० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल/1319—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/-रा. में **बाधिक है**

स्रोर जिसकी सं प्लाट नं 94 पर बना हुआ मकान है, तथा जो जय जगतनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जान, नारीख 28 जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के श्रमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उराके दश्यमान प्रतिकल से, एमे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बन्तरिती (अन्तिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काला पाहिए था किया में सृविधा के लिए;

जितः सब उन्ति अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. भी हरिराम पिता निर्मल दास हरयानी, निवासी—3/2, नार्थ हरसिद्धी, इंदौर

(अन्तरक)

2. श्री दीलक्षराम पिता श्री सच्चानन्द करमानी, निवासी—बडागणपति (म० गा०मार्ग) हाल मु० 27 सरला नगर मैहर जिला सतना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हो।

चक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीक एण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनुसुधी

प्लाट नं० 94 पर बना हुआ मकान जय जगत नगर कालोनी इंदौर में स्थित है

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

तारी**ख**: 24-2-1984

मोहर:

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1984

निर्देश सं० आर्ड ० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4320—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिनकी सं० प्लाट नम्बर 65 है, तथा जो लाला लाजपत राय का० हा० सोसायटो, गोबिन्दपुरा, भोपाल में स्थित है, (भौर इसमे उनाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), राजिन्द्रा कर्जा अविकारी के कार्यालय भोनाल मेरिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 जुलाई 1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावतः, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सूविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्री सुखदेव बूलचंदानी आत्मण वरयानोमल, निवासी—वैरागढ, भोपाल।

(अन्तरकः)

 श्री राकेश कुमार पुत्र केदारकाथ निवासी—सोनागिरी, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिस हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

एक किता प्लाट नम्बर 65, लाला लाजपत राय का० हा० हा॰ सोसायटी, गोबिन्दपूरा, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपाल

तालेख : 25-2-1984

मोष्ट्रार 🖫

प्रकृत वार्षेत्र की , एन् , एस , -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहाधक अध्यक्त वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4321—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्स,

नायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 41 है, तथा जो लाला लाजपत राय का० हा० को० शाहपुर, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 जुलाई 1983

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वितरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ती किसी जाय या किसी धन या कन्य अस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निष्:

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रामगोपाल पुत्र श्री नन्दरान निवासी—3, शिमला रोड़, भोपाल।

(अन्तरक)

 श्री एल० एस० अग्रवाल पुत्र श्री गोपीनाथ निवासी—-3, शिमला रोड, भोपाल।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

एक किता प्लाट नम्बर 41, लाला लाजपत राय हा० को० शाहपुर, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीज : 25-2-1984

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 5 मार्च, 1984

निर्दे सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोषाल/ 4322—अतः मभे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि सं० तं० 130/49 है, तथा जो ग्राम लखोती, जी ० ई० रोड, राजनान्द गांव, में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूत्री में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रा- कर्ना अधिनः री के कार्यालय राजनान्द गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन तिनांक 15 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापृशेक्ति सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के खन्सरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय ायका अध्योत्त्रिया, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त अधिनियम, या फा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रातंजनार्थ अंति ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उत्तरः अधिनयमं की धारा 269-गं के अनूसरणं में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-धं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातं ——

- 1. श्री प्रभाकर राव आत्मज दवार्गी राव, आम मुख्तार तरफ से एकणी दोवी पानी पंढरीराश्र मोहले ।
 - (2) दवार्भा राव
 - (3) नारायण राव दोनो आत्मात्र श्री माध्य राव मोहिते नियासी 29, गरीण गैंड पूना नं० 2, महाराष्ट्र ।

(अन्तरक

 श्री नीरज कुमार आत्मज श्री देवेन्द्र कुमार पटेल, निवासी नीठ ई० रोड, राजनान्द गांव ।

(अञ्चरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाए;
- (लं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

भूमि ख. नं० 130/49, ग्राम लखोली, जिला राणानन्द गांव में स्थिमे हैं।

देवप्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुवत' (निरीक्षण) अर्जन रोंज, भोषाल

तारीख 5 मार्च, 1984

भोहर 🖫

प्ररूप बाह्र . ट्रो . एन् . एत . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्च, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी० अर्जन,भोपाल/4323--अतः मुझे देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुमंजिला मकान य भूमि ख० नं० 497/28, है, तथा जो मेन रोड, कोरबा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोरबा में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों क 26 जुलाई, 1984

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मृल्य भे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विद्यास कर्ड़ का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अप्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में , में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थास्:---

13-36 GI/84

 श्री रामगोपोल बल्द तुलाराम, निवासी—कोरबा ।

(अन्तरक)

2. श्री वनश्याम दास बल्द मानिकमल निवासी कोरवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के प्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एन्ट्र सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्नत विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बड़ी अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा है।

वनुसूची

भूमि ख० नं० 497/28 तथा दुर्माजला मकान, मौजा कोरबा में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण वित्ररण अन्तरिती हारा संस्थापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारौ सहायक आवकर आयुवत (तिर्क्षण) अर्जन रोंज, भोषाल

दिनांक 5 मार्च, 1984

मोहर :

प्ररूप काई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भायौलय, सहत्यक्त आयक्त (निरीक्षण)
 अर्थेट रोंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 भार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4324—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सथाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसका सं० भूमि है तथा जो मौजा तेली बंधा, तह० रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप मे वर्णिम है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके हृश्यमान प्रतिफाल से एसे हृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिगितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, जिस्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्सिनिक एप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दनेके अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अभिनियम, या धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनकों अन्योगिनी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था का विकास काम सिहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उद्या अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्निजिलित व्यवितयों, अर्थात् :—

 श्रीमतीं रमोती जोजे चेतु कलार कास्तकार, निवासी—-ग्राम तेलीबंधा, रायपुर।

(अन्सरक)

2. श्रीमती कान्ता कोठारी जोजे श्री शंकर दास कोठारी निवासी सिविल लाइन्स, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अधिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अधिध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकीं।

स्यक्ष्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाम्बित ह्री, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में । पशा गया है।

अनुसूची

भूमि तेलीबंधा तह० रायपुर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण वियरण अन्तरिता द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में लिखा निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5 मार्च, 1984

माहर 🦫

प्रस्प भाइं. टी. एन. एस्ड

बायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं*(०)अर्जन|भो*भाल/432*1----अतः,* मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रा. से अधिक है

और जिल्ही संव मकान म्युव नंव 14/85 है, तथा जो फीगंज, रतलाम में स्थित है (और इत्तर उपाबद अनुसूर्वा में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसकें दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्सरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्टरण से हुई जिसी नाय की बागत, उक्त विभानियम के बधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने भा उससे बचने में सुविधा के शिष्ट, बाँड्/बा
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, खिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्--- श्री अन्तपूर्णा अन्त क्षेत्र, ट्रस्ट बोर्ड, रतलाम ।

(अन्तरक

2. श्याम सुन्दर पिता श्री बद्रीनारायण राठी, निवासी दो भट्टी, रतलाम ।

को यह स्वाना कारों करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के सिख् कार्यवाहियां करता हुं।

चनतु सम्मृतित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोहें भी बाक्षेष्:---

- (क) इस स्वना के राजपण में श्रकाशत की तारी हैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी विदेश का में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वाकित व्यक्ति व
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर कपत्ति में हित्बस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास मिचित में किए था सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २००३ में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस सम्बंध में दिया गया है।

अनुसुची

मकान म्यु० न० 14/85 फेलिंग, राम में स्ति है (मान न का एक भाग)।

भ, प्रम कप्र वे : किप्रल : कि थि : महरु रहार हहा हु।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ाायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेजि-4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

मोहर

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4328---अतः मझे देशप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसक। संव मकान स्युव नंबर, 14/85 का हिस्सा है, तथा जो फीरांज, रतलाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध - अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से घणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्जीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भार की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्थित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित और वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमा करने या उसस अचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एंसी किसी वाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्री अन्तपूर्णा अन्त क्षेत्र, ट्रस्ट बोर्ड, रतलाम ।

(अन्तरक)

2. श्री नवल किशोर पिता श्री नारायणजी राठी, निवासी दो-भट्टी, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाशी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेगे।

स्यव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंधिनियम, के ज्थ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

मगान म्यु० नं० 14/85, फींगंज, रतलाम में स्थित है। (जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है (मकान का एक भाग)।

> देधप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7 मार्च, 1984

मोहर 🖟

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सं/०/अर्जन/भोपाल/4329-श्रतः मझे. विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 97 पर बना हुआ मकान है, तथा जो साकेत नगर, इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कश्यत नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपनारा (1) डे अधीर निकारी अधित व्यक्तियों, अर्थात् :— मुझील जैन पिता श्री राजमनजी जैन,
 81, सामित नगा, इंदीर ।

(अन्तरक)

 श्री सरवेण कृमार गर्ग पिता माणिकलाल-जी गर्ग निवासी 89, जावण कम्पाउन्ड, इंदीर ।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वावन मध्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कपता हुएं

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 विग की जनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी राजिथ कद में मणाल होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भा स किसी व्यक्ति द्वारः;
- (स) इस न्युका के राजपान को प्रकाशन की तारीस सं 45 दिव के भीतर अकत स्थावर सम्परित में हित-बद्ध स्थिती जाय विकित द्वारा अधोहुस्वाक्षरी के पास जिस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुखी

प्लाट नं० 97 पर बना हुआ मकान, साकेत नबर इंदीर में स्थित है।

(मकान का एक भाग)

देव प्रियं पन्त सक्षम अधिकारी सहाय क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनाक 63 मार्च, 1984 मोहर ≟ प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक. 7 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4330---अतः मुझे देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचास जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 133, 134/4. 135/4, 135/2अ 135/3 है, तथा जो मौजा खापाभट् छिन्दवाड़ा में स्थित है (भौर इमसे उपाबद अनुसूची में ग्रीरण्जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छिदवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकित संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सी, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बातह, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सूविशा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए।

क्षतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधी न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— श्रीमती लक्ष्मी देवी सरकार जोजे पत्नी, श्रीमनीशचन्द सरकार, श्याम टाकीज, नरसिंहपुर रोड, छिन्दबाड़ा ।

(अन्तरक)

2. श्री गणेश कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित: खापाभट्, छिदवाड़ा हारा अध्यक्ष श्री एस०झार० एस० रघुवंशी कार्यालय: असिस्टेंट रिजस्ट्रार कोग्रोपरेटिव सोसायटीस, सिविल लाइन्स, छिदवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्वत स्थावर संपरित में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि ख॰ नं॰ 133, 134/3, 134/4 135/2, 135/3, मौजा खापाभट्, छिन्दवाड़ा में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, भोपाल

तारीख 7~3-1984 : मोहरः प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4331—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 139/1, 135/1, है तथा जो मीजा खापाभट्, छिन्दबाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छिदवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी बारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना भिन्देए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सोमनाथ मिनोचा पिता श्री 'यारेलाल मिनोचा निवासी छोटा बाजार, छिदवाड़ा ।
- (अन्तरक)
 2. गणेश कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति

 मर्यादित छिदवाड़ा द्वारा चेयरमैन।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ मं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **हैं**।

अनुसूची

भूमि ख० न० 134/1, 135/1, मौजा खापाभट्, छिवदवाड़ा में स्थित है । जिटा विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म स्थित है । जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आवक्तर झानुम्छ (निरीक्षण) अजीन रेंस, भोपाल

तारीख: 7-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- भ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल्/4332—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी मं० भूमि खं० नं 133, 134/3, 134/4, 135/2, 135/2, है, तथा जो भीजा खायाबद, छिववाड़ा में स्थित है (स्रीर इससे उपावढ अनुसूर्वी में शीर की पूर्ण नगरी वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय छिदवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर दिवांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्त-विक इन्य से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार व्यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में स्विभा के निए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमर्ता लक्ष्मी देवी सरकार पत्नी मनीण सरकार श्याम टाकीज, नरसिंहपुर रोड, सिछदबाडा ।

(अन्तरिक)

2. श्री गणेश कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, खापाभट्, छिदवाड़ा।

(अन्ति तिी)

को यह सूचना जोरी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पृतिस्त्यों में से किसी स्पृतिस्त व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्मस्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सके गे!

स्पन्नीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 133, 134/3, 134/4, 135/2, 135/3, मौजा खापाभट्, खापाभट्, छिदवाड़ा में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में हितिह है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1984

मोहर ध

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक नायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1984

25,000/- रा. से **गभिक है**

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4333—अतः मुझे देनप्रिय पन्त नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

भीर जिसकी सं० भूमि खा० नं० 134/1, 135/1, है, तथा जो मौजा खापाभट्, छिन्दवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छिदवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

कर पृथों करा सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने फा कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकक्त, निम्निलिबत उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; बीरू/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरतीं ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया याना वाहिए था, कियाने में सविभा के जिए;

कर अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

14-36 GI/84

- श्रीमती श्रीलाबाई, रधुबंशी पत्नी श्री रामसिंह रघुबंशी निवासी-सिबनी रोड, छिंदघाड़ा ।
 - (अन्सरक)
- श्री गणेश कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, खापाभट, छिदवाङ्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्म स्थानित द्वारा अंशोहरकाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

नगतची

भूमि ख \circ नं \circ 134/1, 135/1, मौजा, खापाभं, छिववाड़ा में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म मं \circ 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 7-3-1984

मोहर 🖫

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार -

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4334--अत:

मुझे वेयप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नंबर 438/डी/1, जोिक प्लाक नंबर जबलपुर 197/1 पर निर्मित है, तथा जो मनमोहन नगर जबलपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तस्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री बद्री विशाल टंडन, आत्मज स्व० राम मोहनदासटंडन निवासी—33, दयानन्द मार्ग, इलाहाबाद, द्वारा मु० आम० एम० एल० एल० खन्ना पिता श्री एस० एल० खन्ना, निवासी 56, रानी मंडो, अलाहाबाद, हाल, जबलपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती साधना, पित श्री मनोहरलाल अग्रवाल, निवयसी भान तलैया, जबलपुर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास निषित में कियो जा सकारी।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व मकान नंबर 438/डी/1, जोकि प्लाट नंबर 197/1 पर निर्मित है। मनमोहन नगर, जबलपुर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 3 जी में निहित है।

वेवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-3-1984

मोहर:

प्रक्ष आहे.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4335---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

अरि जिसकी सं ज मकान नंबर 438/ए/1 प्लाट नंबर 137/1 तथा जो मनमोहन नगर, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपा- बद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता, अधिकारों के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 क्षा 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 19जुलाई, 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्च क्य से उच्च अन्तरण निस्त में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री हरी मोहन दास टंडन, पिता स्व० श्री लाला मनमोहन दास टंडन, रानी मंडी, अहलाबाद द्वारा मु० आम श्री एम०एल०एल० खन्ता, पिता श्री एस०एल० खन्ना निवासी-56, रानी मंडी, अलाहाबाद, हाल जबलपुर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री किणनलाल अग्रवाल निवासी—बाजार वार्ड पाटन, जबलपुर।

को यह सुखमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित दूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्वी

भूमि व मकान नंबर 438/ए/1, प्लाट नंबर 137/1 पर तिर्मित है, मनमोहन नगर, जबलपुर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

विनोक 7-3-198**4**

मोहर:

प्रस्प आहें. टी. एन. एस.-----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्देश सं अक्षर्व ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4336---अर्त-: मुक्को, देवप्रिज पन्त,

बायकर अधिनिस्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की नारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नंबर 438/ए/2, प्लाट नंबर 137/2 नया जो मनमोहत नगर, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अविकास के जायित्व जबनपुर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीय ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण तिस्ति में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने वा उच्च वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अप्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, वृश्ति :--

श्री हरि मोहन दास टंडन, आत्मज स्व० लाला मनमोहन दास टंडन, निवासी रानी मंडी, अलाहाबाद, द्वारा मु० आम एम० एम० एल० खन्ना पिता श्री एस० एल० खन्ना निवासी 56, रानी मण्डी, इलाहाबाद, ।

2. श्री राम् रस्न चौरसिया, आत्मज एव० सुलाल चौरसिया, निवासी दीक्षितपुरा, जबलपुर।

(अन्तरिती)

(अन्सरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यद्भीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

् भूमि: व मकान नंबर 438ए/2 र प्लाट नंबर 237/2 पर निर्मित मनमोहन नगर, जबलपुर में स्थित है जिसका विवरण अन्तरिता द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख 7-3-1984**

मोहर अ

प्रक्य भाइ^र. ट्री. एन. **एव**.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनं रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० मो० /अर्जन/भोपाल/4337—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं ० मकान नंबर 438/डी/2, प्लाट नंबर 197/2 है, तथा जो मनमोहन नगर, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के वार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे क्याने में तृविधा के सिष्ट; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- शो बद्री विद्याल टंडन आत्मज स्व० राममोहन दास टंडन निवासी 33 दयानन्द मार्ग इलाहाबाद द्वारा मु० आम श्री एम० एम० एल० खन्ना, पिता श्री एस० एल० खन्ना, निवासी 56, रानी मंडी, इलाहाबाद हाल, जबलपुर ।
- श्रीमती नोनी बाई, पत्नी श्री छोटेलाल अग्रवाल बाजार वार्ड, पांटन, जबलपुर,
 - (2) विमला देवी पत्नी श्री किशनलाल जी अग्रवाल निवासी पाटन जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रिश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय औ दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व मकान नं० 438/डो/2, प्लाट नंबर 197/2 पर निर्मित, मनमोहन नगर, जबलपुर में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सरयापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख 7~3~1984 मो**हर** №

त्ररूप बाइ .टो. एन. एस. ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपयल, दिनांक 7 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/म्रजन/भोपाल/4338-म्बतः मझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० मकान नं० 402, का भाग जोकि प्लाट नंबर पर निर्मित है, तथा जो साउथ सिविलल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--

पवमा बिनानी फेमली ट्रस्ट, इस्टेट,
 राजो गोकुलदास पैलेस, हनुमानताल, जबलपुर माध्यम से
 श्री चन्द्रमोहन आत्मज श्री मनमोहन दास,
 हनुमानताल, जबलपुर ।

अन्तरक)

- सर्व श्रीरसीएट टायर्स,
 म० नंबर, 401, साउथ, सिविल लाइन्स,
 जबलपुर ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गवा है।

नगुसूची

मकान नं 0 402 का भाग जो प्लाट नंबर 4/1, ब्लाक नंबर, 33, साउफ सिविल लाइन्समें स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसक विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन भोपाल/ 4339— अतः मुझे देवप्रियपन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंद्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 401, का भाग, प्लाट नंबर 4/1 है, तथा जो सिविल लाईन्स, जबलपुर में दियत है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ट्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से ₄उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः— पदमा, श्विनानी, फेमली ट्रस्ट, इस्टेट राजा गोकुलदास पैलेस, हनुमानताल, जबलपुर माध्यम से श्री घन्द्रमोहन दास, हनुमानताल, जबलपुर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती पन्द्रा श्रीवास्तव जनरल गंज, जबलपुर।

(अन्तरक)

श्री के० के० तिवेदी,
 म० नं० 401, साउथ सिविल लाइन्स,
 जबलपुर ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंभी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उकत स्थावर संपर्ति में हिराबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

अमुसुची

मकान नं० 401, का भाग, प्लाट नंबर 4/1, ब्लाक नंबर 33, साउथ सिविल लाईन्स, जबलपुर । यह वह स्थावर सम्पत्तिहै, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

> वेषप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः 7-3-1984

भोहर:

प्ररूप नाई ुटी. एन.. एस..=---

भारकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

शास्त्र स्टब्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7मार्च, 1984

्निद्दाश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4340--अतः

मुझे देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं क्यान नंबर 1309/ए है, तथा जो राइट टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जा पूर्ण रूप से विज्ञत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वेक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार-मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्रया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्रवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्दिबिसत व्यक्तियों, वर्षात् ह डा० एम० पी० गप्ता, पिता हरप्रसाद गुप्ता तिवासी नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री देव आशोष गुप्ता, नाबालिंग, पिता डा० एम० पी० गुप्ता, 1309/ए, राइट टाउन, जबलपुर, द्वारा माता संरक्षक, श्रीमती उषा रानी गुप्ता, पत्नी एम० पी० गुप्ता।

को यह सूचना बारी कर्ज पूर्वीयत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तार्चेश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए या सकेंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और थदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

महात नं ० 1309/ए, राइट टाउन, जबलपुर में स्थित है (मैकान का 1/3 भाग)।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1984

प्रकृष नाइ, हो , एन , एस . -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4341---अत: मुर्से देवप्रिय पन्त

बायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार नृस्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 71 का प्लाट है, तथा को अनूप नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और जो पूर्ण म्या से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पृत्रांकित संपरित के उचित बाजार मृज्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृज्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्वर्षिय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संबुद्ध किसी भाग की वान्त, स्वस्त्र अपित्रयम की अधीन कर दोने की जन्तरक की दावित्य में कमी करने वा स्वयं वचने में सुविवा की सिए; ब्रोद/वा
- (ब्) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरक मों, मों उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् हे——

15-36 GI/84

1. श्रीमती चन्दारामी पति स्व० नगैन्द्र लाल जी पन्धी निवासी मकान नं० 10, महारानी रोड. इंदौर ।

(अन्तरक)

2 श्री शान्तीलाल पटेल पिता की नारायअजी भाई निवासी 17, डायमण्ड कालोनी, इंदौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षप :---

- (क) इस अध्यान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की नगींभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षाभ, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के ब्रुध्याय 20-के में परिभाष्टित हाँ, बहुी वर्ष होगा को उस ब्रुध्याय में दिका प्रमा हाँ।

अन्स्यी

प्लाट नंबर 71 का प्लाट ग्रनूप नगर, इंदौर में स्थित है। देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख:** 8-3-1984

मोहर् 🖫

ran ant. 27. 14.

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4342—अतः मुझे, देवप्रिय पन्तः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नंबर 34 है, तथा जो अनूपनगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

का पूनोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिप्रक्त के लिए अन्तरित की रहें हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिप्रक्त से ऐसे इल्लामान प्रतिप्रक्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्रक्त, निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिबङ रूप से अधिन नहीं किया गया हैं:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्या-क्ष्म अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्या अन्तिरित इवारा प्रकट नहीं विद्या प्रयो था ११ विद्या बाता बाह्यिए था, क्रियाने में स्वीता के लिए।

अतः अव, अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में एकः विभिन्नयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरुष्टिकान अधितामां अर्थात् :--- 1. श्री क्रब्णलाल पिता मुकुन्दलाल जी खन्ता निवासी 85, बल्लभ नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

 श्री अशोक कुमार पिता हरवंस लाल चौपड़ा निवासी 10, जानकी नगर, एनेक्स, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गुस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गय! हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 34, अनूप नगर, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख 8-3-1984 माहर: प्रस्प बाई o टोo एनo एसo

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्चे 1984

निदंश सं० आई० ए० सीं०/अर्जन/भोपाल/4343—अतः मुझे; देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० महान स्यु० नं० 4 है, तथा जो महारानी रोड, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विसंक जुलाई 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्त्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत निधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

 श्री राम निवास पिता श्री लादूरामजी शर्मा, निवासी 28, तिलकपथ, इंबीर।

(अन्त**रक**)

- 2. (1) श्री ईम्बर दास,
 - (2) जितेन्द्र कुमार पिता श्री मवलदास साधवानी
 - (3) श्रोमती तुलसीबाई, पति श्री मेवलदास,
 - (4) श्रीमति नीत् बाई, पति श्री प्रेम प्रकाश साधवानी निवासी 57, जावरा, कम्णा उन्ड, श्रेवौर। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

मकान म्यु० नं० 4 का मकान, महारानी रोड, गली नं० 1, इंदौर में स्थित है (भूमि एवं निर्मित क्षेत्र)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

जतः नव, उत्रत अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित हि—

तारीख: 8-3-1984

मोहर 🕃

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4344--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नंबर 23 है, तथा जो पीरमली, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकर्रा अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक जुलाई, 1983

को निर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय एया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उद्धत बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री विश्वनाथ पिता बाल कृष्ण भट्, निवासी—23, पीर गली, इंदौर।
 - (2) नीलकण्ठ पिता बालकृष्ण भट्, निवासी बम्बीवली, जिलाथाना।
 - (3) श्री यशवन्त पिता बाल कृष्ण भट्, निवासी—फरजत जिला रायगढ़।

(अन्तरमः)

श्रीमती चंदा पित श्री पुरुषोत्तमलाल खंडेलवाल,
 212, महारमा गांधी मार्ग, इंदौर।

(अन्तर्रता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पथीं का, जो उपक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

जन्त्रची

मकान नंबर 23, पीरगली, इंदौर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती ढारा सत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उन्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, स्थित्:---

तारीख : 8-3-1984

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4345——अतः मुझे, देशप्रिय पन्ते,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं क्यान नंबर 23 है, तथा जो पीरगली, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पुत्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निचिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आब वा किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूबिधा के लिए:

कतः। वर्ष उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीथ,, निम्निलिशित व्यक्तियों वर्षीय है •

- (1) श्री विश्वनाथ पिता श्री बाल कृष्ण भट्-निवासी 23, पीर गली, इंदौर।
 - (2) नीलकण्टपिता श्री बाल कृष्ण भट् निवासी डोम्बीवली जिला थाना।
 - (3) श्री यशवन्त पिता श्री बालकृष्ण भट् निवासी फरजत जिला रायगढ़।

(अन्तरक)

- (1) श्री सुशील कुमार पिता श्री पुरुषोत्तम लाल खंडेलवाल ।
 - (2) श्री प्रदीप कुमार पिता पुरुषोत्तम लाल खण्डलवाल 212, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाओप ए----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं नर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया है।

समस्य भी

मकान नं० 23, पीर गली इंदीर में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अघिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपाल।

तारीख: 8-3-1984

मोहर 🛭

प्रकृप काल्. टो. एन. वृक् .-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 मार्च, 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /श्रर्जन/भोपाल/4346—मतः— मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 313 है, तथा जो महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिदित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की आवत उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भून या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयफर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, जबत जिमिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकते अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सौभाग्यवती नाणीबाई पति श्री कृष्ण गोपालजी गुप्ता,

निवासी--विदिशा ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सौभाग्यवती पुष्पाबाई पति श्री भ्रोमप्रकाशजी गुप्ता

(2) सौ० सुनिताबाई पति श्री सोयमप्रकाश गुप्ता, निवासी---65, रामगंज, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तिः में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धक्रिपणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि व मकान म्यु० नंबर 313, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज़, भोपाल ।

दिनांक : 8-3-1984

मोहर 🚁

प्रकृष कार्च. टी. एप्. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशकण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च, 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4347—म्प्रतः मुझे देवप्रिय पन्तै

नायकर नांभनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित धाजार मूस्य 25,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 1018 पर बना मकान है, तथा जो खातीवाला टैंक, इंदौर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्शितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रति-फस निम्निलिशत स्व्योद्य से उक्त अम्सरण निम्निलित में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिन्यित के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री सुधाकर विश्वासराथ होलकर,
 3/1, हरसिद्धी नार्थ, इंदौरं।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती कमला बाई पति कैलाश चन्द्र गर्ग,
 निवासी-80, सर हुकुमचन्द मार्ग,
 इन्दौर।

(श्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप 🖫

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शिक से 45 विन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की सर्विध, जो भी सर्विध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हतारा
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब न 45 विन को भीतर उकत स्थावर संपरित में हि -बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए या सकोंगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और क्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

श्रम्बर

प्लाट सबर 1018, पर बना हुग्रा मकान, खातीवाला टैंक, इंदौर में स्थित है। (मकान का एक भाग)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल ।

ब्तः जब, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ए के वन्सरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के विधीन निम्नीतिबित व्यक्तियों, वर्षोत्र है----

तारीख: 8-3-1984

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. *****

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाम्य भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/4348—-ग्रतः मुझे देव प्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 1018, पर बना हुग्रा मकान है, तथा जो खातीवाला टैंक विकास प्राधिकरण योजना क्रमांक 44, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिजिस स्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथा। नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औद्दर्शनाः
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या खन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बदीस, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधीर :---

श्री सुझाकर याव होलकर,
 निवासी—3, हरसिद्धी नार्थ, स्ट्रीट नं० 1,
 इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कमला बाई गर्ग पति श्री कैलाश चन्द गर्ग निवामी-80, हुकुमचन्द मार्ग, इंदौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविकत द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्लाट नंबर 1018 पर बना हुआ मंकान, इंदौर विकास प्राधिकरण योजना, क्रमांक 44, खातीवाला टैंक, इंदौर में स्थित है। (मकान का एक भाग)।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ण : 8-3-19**84 **मोहर** प्ररूप काईं. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्धत (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोषाल

भाषाल, दिनांक 8 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/गायाल/4349---अतः मुझे देवप्रिय पन्त

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया ह³), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जिसकी संव सकान स्युव नंव 1 क्पुराना (नया नंवर 7) है, तथा जो सालगंत्र, णहोद भगतिमह सार्ग, इंदौर में स्थित है (और इसने उताबद अनुसूचा में और पूर्ण रूप के विणित है) रिजस्ट्रोक्टर्ता अधिकारों के जायिलय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 83 को पूर्वोक्टर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्टर सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभल अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुबने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकार किसीनयम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

महाराज्य नौहान, जिला औ मुकुन्दराम के किहाँ। महाराज्य 2, लोबीपुरा, इंदौर ।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमति मौमाग्ययनं। इंदिश बाई पति श्रं। बृजमोहनजी भाटो नियामो—मशान नं० 62, मालगंत्र, इंदौर । (अन्तरिती)
- ठा० सुरेश कुमार, नीमा
 7/2, मालगंज, इंदीर ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भें उक्त अभिनयम के अभ्याय 20 को परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्यी

म हान म्यु० नं० 11(पुराना) नया नंबर ७, शहीद भगन सिंह मार्ग, मालगंज, इंदौर में स्थित हैं।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोषाल ।

नारीख 8-3-1984

प्ररूप आर्दं, टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सम्बत्ध

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. भोपाल

भौपाल, दिनांक 8 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4350—स्यतः. मझे देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15 है, तथा जो हृषि उपज मंडी, (तबीन प्रांगण) इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री श्रेति अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि श्थापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मेल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त जन्तरण लिखित को बास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों अभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/सा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अम्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण भै, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रो किणनचन्द पिता नरमूमलजी नियामी 112,काटजू,कालोनी, इंदौर।

(अन्तर्∵)

 गेंदाल(ल पिता श्री हीराकाल जी. निवामी 19/1, महेश नगर, इंदीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मृक्षता के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में की किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

वन्स्ची

प्लाट नंबर 15 पर बना हुआ गोदामतल मंजिल पर, ब प्रथम मंजिल पर बना हुआ एक कमरा, कृषि उपज मंडी (नबीन प्रांगण), इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज, भोगल

तारीख 8-3-1984

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. भाषाल

भौपाल, दिनांक 8 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/मोपाल/4399→-अतः मझे देवप्रियपन्तः

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25.000/- रा. से विभिक्त है

आंर जिसकी संख्या प्लाट नं ० 963 पर बना महान है, तथा जो खाती बाला टैंक, स्कीम क्रमांक 44, इंदौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण कर से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908-16) के अधीन दिनांक जलाई, 1983

को पृषींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपिश का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अक्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, छच्छ अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुजिधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्:

बतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म को उपभारा (1) के अभीत, विक्तिसित व्यक्तियों, अभीत् :--- श्री जमन् प्रसाव पिता श्री किणनवयाल जी साह निवासी-11, हेमयन कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

 श्री अशो कुमार पिता श्री समस्थमल जी जैन, तिवासी कस्वा सांवेर, तहरु सावेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्स संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उन्त सम्परित के क्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की विविध सा तत्स्वश्वन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधिः, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चित्त में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरण:---इसमें प्रयुक्त घष्यों और पदो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बद्धांची

प्लार्ट नंबर 963 पर बना मकान, खाति।वाला टैंक स्कीम कमांक 44, इंदौर में स्थित है। (मकान का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख 8-3-1984 मोहर ।

प्रकथ बाह् .टी.एम्.ह्स . -----

भागकर मृधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरौक्षण) अर्जन रोज, भोषाल

भौपाल, दिनांक 8 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4400---अतः मुझे देवप्रिय पन्न

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नंबर 5/35 पर बना हुआ मकान है न् तथा जो महेण नगर कालोंनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जुन्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उव्यंक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हार्य किसी बाय की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्सरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने मे- स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिए।ने में सुविधा के लिए;

श्री सावरमत्त्रजो पितः हरिकणनजी सोलंको, तरफे खास मु० सीताराम, पिता श्री हरिक्शन जी सोलंकी, निवासी 5/35, महेश नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

2. दिल्लो कानपुर गोंदिया केरियर रिजर्स्टर्ड संस्था, तरफी पार्टनर, अणो छ कुमार भाटिया पिता श्री राम स्वरूप जी भाटिया, निवासी 133/219-ए ट्रांसपोर्ट नगर, कानपुर ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोद्ध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्डोकरगः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्त्वी

ष्ताट न० 5/35 पर्यना हुआ मंकान, महेश नगरकालोनी इसीर में स्थित है (मकान का एक भाग)।

> देव प्रिय पन्त; सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

त्रारीख 8-3-1984 **मोहर**ः

प्रकम् बाह्^र.टी. एक्. एक. ------

नायकर निष्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांग 8 मार्च, 1984

निवेण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भाषान/4401---अतः भुझे देवप्रिय पन्त

मायकर मिधिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाएं 'उक्त जिधिनियम' महा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिमकी सं० महान म्यू० नं० 6/398, नया नंबर 27 है, तथा जो कमला नेहरू मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोत जुलाई, 1983

को पृथानित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी बाय की वावत, उक्त सिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

जतः अञ्च, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बचीत, निक्नीलिसिस स्योक्तियों, अधीत् :—

- श्रीमती मांतोबाई पत्नी चंपालाल जी महाजन द्वारा मु० आम जीवनलाल आत्मज पन्नालाल निवासी माधवनगर, उज्जैन । (अन्तरक)
- श्रीमता शारदा बाई पत्नी जोवनलाल निवासी कमला नेहरू मार्ग, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में विष्णु जा सके गें।

स्थाध्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसरा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

मनसची

मक्षान नं म्यु कमांय 6/398 नया नवर 27 , कमला नेहरू मार्ग, फीगंज, इंटीर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख 8-3-1984 मोहर :: प्ररूप बार्च टी एम एस . -----

नायंकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज.भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /श्रर्जन/भीपाल/4402—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

मार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० पो० निगम अमांक 111 है, तथा जो बुधवारिया हाट सती मार्ग, उज्जैन, में स्थित है (श्रींग हमसे उपाबड अनुसूची में श्रीर जो पूर्णस्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिय है और अन्तरिक (अन्तरिकां) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिबित में बारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी अध्य की बाबत, उक्स जिमितियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दारियत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी अंग या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अया, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269 ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तिकों, अर्थान :--- श्री भुगीलाल ग्रारमज राम प्रताप ग्रग्नवाल निवासी बेधवारिया, हाट, उञ्जैन ।

(भ्रन्तरक)

 श्री ग्रहणकुमार ग्रात्मज भोगीलाल जो मित्तल, निवासी डालुमोडी, बाजार, रतलाम । (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (त) प्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बर्त्सची

मकान नगर पालिका निगम ऋमांक 111, बुधवारिया, हाट सती मार्ग, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख 8-3-1984 **मोहद** ≱ अक्ष आहुरे.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० नं० /श्रर्जन/भोपाल/4403---

श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति जिसका रक्षित साधार सन्त

269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० ज्याट है तथा जो धामनोद में स्थित है (श्रीर इसरो उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णव्य मे विणित है) रिजस्ट्री-कर्मा श्रिधकारी के कार्यालय धरमपुरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर किया गर्या प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (*) के अभीन, निम्निविक्तिः व्यक्तिमों, अधीक् क्र-

गर्ग जिनिगएण्ड प्रेम्सिंग फेक्टरी धानतोद के भागीदार बिट्ठलदास पिता नारामणलाल गर्ग निवासी धामनोद ।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रमण कुमार पिता नंद किणोर ग्रग्नवात, निवासी—–बस फाटक, तह० राजपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उचन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि. या तत्सम्बन्धी ह्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जहें भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकरें।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्यी

प्लाट धामनोद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, भोपाल

तारी**य 9-3-**1984 मोहर :

अकृत आहें ही तु एता. एसा. - - - -

नाम्कार भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्र भारा 269-म (1) को अधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4404--ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रू. में अधिक हैं।

और जिसकी सें ० प्लाट है तथा जो धामनोद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय धरमपुरी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्ष 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त **किशिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के** दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया बाना चाहिए था, कियाने में वृष्या के किए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (4) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- गर्ग जितिग एण्ड प्रेसिंग फैंक्टरी धामनोद के भागीदार श्री विट्ठलदास पिता श्री नारायणलाल गर्ग निवासी—धामनोद ।

(ग्रन्तरक)

 श्री राजेन्द्र पिता गजानन्द अग्रवाल निवासी——निगरानी तह० करावद ।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सबिध मा तत्सम्बन्धी स्पित्तवा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत स्पित्तवा में से किसी स्पान्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी कम्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के गत्त लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

नगसची

प्लाट धामनोद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख 9-3-1984_. मो**हर** : प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4405—म्प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो धामनोद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय धरमपुरी में रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय धरमपुरी में रिजस्ट्री करण श्रिधिकार 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 83 की पूर्वों करा सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ)। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उक्क्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाम की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा है निए;

 गर्ग जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी धामनोद के भागीदार विट्ठलदास पिता श्री नार ायणलाल गर्ग निवासी धामनोद ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती नर्मदाबाई पति शिवशंकर श्रग्रवाल निवासी मुन्द्रेल ।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्स्वी

्लाट , धामनोद[े] में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

िषन ंव-3-1984 मो**हर** ॥ प्रस्तप बाइर. टी. एन. एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, धिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4406—म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो धामनोद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय धरमपुरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम से कम वृश्यमान प्रतिक्त के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह बिक्या मकरते का कारण है कि यवापूर्वोंक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्त का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और अन्तरित (अन्तरित में) के बीच ऐसे बन्तरित के लिए अय पाया गया शिषक , निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरिंग निवित में वास्तिक का ये स्वित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; ऑर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए; और/या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 गर्ग जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी घामनोद के भागीदार विट्ठलदास पिता श्री नारायण लाल गर्ग धामनोद ।

(भ्रन्तरक)

 श्री राजेग कुमार पिता मोहनलाल ग्रग्नवाल निवासी—बस फाटक तह० राजपुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविधि, जो भी अविध बाद में क्याप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गैम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

वनुस्ची

प्लाट धामनोद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 9-3-1984 मोहर: प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9मार्च, 1984

निर्देश सं० माई० ए० सी० /म्रर्जन/भोपाल/4407--- मतः मुझे देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट सं ०, तथा जो धामनोद में स्थित है (ग्रीर ध्रससे उपाबद्ध श्रनमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय धरमपुरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- गर्ग जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरो धामनोद के भागोदार श्री विट्ठलदास पिता श्री नारायण लाल गर्ग निवासी—शामनोद ।

(भन्तरक)

2. श्री प्रहलाद दास पिता राम चन्द्र अग्रवाल निवासी---निमरानी तह० कसरावद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वष्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ननसनी

प्लाट धामनोद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 9-3-1984 मोहर ः प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.------

नावकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन सूचना

आरत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/जर्जन/भोपाल/4408—म्प्रतः, देवप्रिय पन्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं • प्लाट है, तथा जो धामनोद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय धरमपुरी में रजिस्ट्रीकरण भिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रशिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लित व्यक्तियों. अर्थात् ः— गर्ग जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी धामनोद के भागीवार श्री विट्ठल दास पिता नारायण लाल गर्ग, निवासी—-धामनोद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री महावीर प्रसाद पिता श्री राम स्वरूप ग्रग्रवाल, निवासी-—निमरानी तह० कसरावद।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकिसणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में हिल्ला गया है।

मग्त्रज्ञी

प्लाट, धामनोद में स्थित है।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

तारी**व** 9-3-1984 मोहर ्र प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नामकार जिथिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन जुन्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/4409—प्रतः, मुझे ६ देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो कालीदास मार्ग, मंदसौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मंदसौर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वों नत सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निसित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि बिशत में बास्त्-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-भिन्न के वृथीन कह देने के बन्तरफ के बादिस में करी कहने वा बद्दा क्ष्म में सुन्धि। के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, प्रेमस्ट भारतीय नाय-कार निधानयम, 1922 (1922 का 11) वा उनत निधानयम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

शतः शव, उभत विधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, में., उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (१) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- 1. (1) श्री कुरबान हुसैन, पिसरान गुलाम ग्रली बोहरा
 - (2) रजब मली पिसरान गुलाम मली बोहरा
 - (3) इसहाक झली पिसरान गुलाम झली बोहरा, निवासी मंदसौर।

(म्रन्तरक)

- 2. (1) श्री कमल कुमार पिताश्री केसरी मल जी तलेरा,
 - (2) श्री सूरजमल पिता श्री केसरीमल जी तलेरा
 - (3) श्री सुरेशचन्द्र पिता श्री शांती लाल तलेरा, निवासी—मंदसौर।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान जारा करके प्यांक्त संपरित के अअन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कर 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिनत्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

वग्सूची

कालीदास मार्ग, मंदसौर में स्थित दुकान व भूमि, जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 13-3-1984 मोहर प्ररूप . बाई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मार्च, 1984

निर्देश र्सू० भाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4410---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० दुकान है, तथा जो मंदसौर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मंदसौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रह्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अत: शाब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के, जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधार (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :---

- 1. (1) श्री कुरवान हुसैन पिसरान गुलामग्रली बोहरा
 - (2) रजबभली पिसराल गुलाम भली बोहरा
 - (3) इसहाकमली पिसरान गुलाम मली बोहरा निवासी मंदसौर ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री कमल कुमार पिता श्री केसरी मल जी तलेरा
 - (2) श्री सूरज मल पिता श्री केसरी मल तलेरा
 - (3) सुरेशचन्द्र पिता श्री मांतीलाल जी तलेरा निवासी मंदसौर ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 36 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्पष्टोकरणः—हसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान मंदसौर में स्थित है जिसका सम्पूण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्मे नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 12-3-1984 मोहरु प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4411—यतः मुझे, देव प्रियपन्त

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रौर संख्या भूमि ख॰ नं $\sim 377/8,377/2,378/3,378/4,379,386/1 है, तथा जो महुपुरा, शाजापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शाजापुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जलाई, 1983$

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री हिनीमुद्दीन पुत्र मोहम्मद हुसैन, भाई दाऊदी, बोहरा हाल निवासी कोचीन (केरल राज्य), ग्राम महुपुरा, शाजापुर ।

(भ्रन्तरक)

 फखरूदीन पुत्र मोहम्मद हुसैन भाई दाऊदी, बोहरा श्रागरा बाम्बे रोड, महुपुरा, शाजापुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

भूमि ख॰ नं॰ 377/8, 377/2क, 378/3, 378/4, 379, 386/1, ग्राम महुपुरा, शाजापुर म स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-3-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस्. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मार्च 1984 के ए० सी०/ग्चर्जन/भोपाल/4412---

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4412—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूर. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 772 है, तथा जो ग्राम धराड़, जिला रतलाम, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची म ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सो, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी बाद की वादत, उक्त प्रक्षितियम के ध्रष्ठीत कर देने के ध्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के खिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री श्रर्जुन सिंह पिता श्री रतन सिंह जी
 - (2) सज्जन कुंरबाई पत्नी रतन सिंह जी राजपूत, निवासी-धराड़, रतलाम ।

(ग्रन्तरक)

 श्री सोहनलाल पिता किशनलाल जी श्रग्नवाल, निवासी—मोहल्ला धानमण्डी, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु[†]।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मग्रुप

भूमि ख॰ नं॰ 772, ग्राम धराड़, जिला रतलाम में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण घन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 379जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-3- 984

नोहर 🥲

प्रकृष् बार्ड . टी . एन . एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग १८९-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक काथकर कायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, भोषाल भोषाल, विनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4413—म्रतः, मझे, देवप्रिय पन्त

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित साजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 772 है तथा जो ग्राम धराङ, जिला रतलाम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ अनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रक्रिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे अधने में मृत्रिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- 1 (1) श्री भर्जुन सिंह पिता रतनसिंहजी
 - (2) सज्जम कृषरमाई पत्नी रनमिक्तमी राजपुल, निवासी-ग्राम धराइ, जिला रतलाम ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजकुमार नाबालिंग, सरपरस्त पिता सोहनलाल, किशनलाल जी अग्रवाल, धान मण्डी, रैतैलाम । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यकाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्न व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किसे जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण :----दशमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ए^व, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

भूमि खा० नं० 772, ग्राम घराइ, जिला रतलामं में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विचरण श्रम्मरिती द्वारा मत्यापित फार्म नं० 37-जी में मिहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

नारीख 12•3-1984 माहर : प्ररूप कार्षः ही. एत. एस. -----

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) की घारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984

मु, देवप्रियपन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ऋ के अधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 772 है तथा जो ग्राम हराड़, तह० रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जलाई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल हो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित ए बास्तिविक एप से क्षिण तहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुए किसी आप की बाबल उक्त औष-नियम के अधीन भर दोने के अन्तरक के दायित्व म कभी करते या उपसे बचने में सुविधा के लिए. और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाउतीय आय-कार अधिनियम, 1922 .(1922 को 11) या अक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 17) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मुविधा की लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं. मं., उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री अर्जुनसिंह बल्द श्री ५तनसिंहणी
 - (2) सञ्जन कूंबर पित रतनसिंह जी, निवासी—प्राम धराङ, सह० रतलाम

(म्रन्तरक)

 श्रीमती विधा देवी पत्नी सोहनवालजो श्रग्रवाल, नियासी---धान मण्डी, रतलाम ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीकत सपेटित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-वर्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदी का, जो सन्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

भन्सची

भूमि सर्वे नं० 772, ग्राम धराङ, तह० रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-3-1984

मोहर ;

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अधीन श्रृंचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्रकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984
निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4415—श्रतः,
मझे, वेक्प्रिय पन्त

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (उक्त जिथिनियम) कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरितं, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट का भाग, प्लाट नम्बर 6 है, तथा जो लोकेन्द्र भवन, कम्पाउन्ड (मिन्न निवास रोड), रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्निक स्प सं किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से रृष्ट् किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शांबल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मकसूद एहमद श्रात्मज सुलेमान खां. स्टेशन रोड, रतलाम ।

(भ्रन्तरक)

 श्री इब्राहीम पिता श्रब्धासमाई बोहरा, राषटीवाला, निवासी—चांदना चौक, रतलाम.।

(भ्रन्ति रती)

को यह सृथना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

बन्सूची

प्लाट का भाग, प्लाट नंबर 6, लोकेन्द्र भवन कम्पाउन्छ (मित्र निवास रोड), रतलाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रज, भोपाल

तारीख: 13-3-1984

प्ररूप जाई. टी. एन. एस. ----

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (।) के अभीन स्**म**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मामुक्त (निरक्षिण) प्रार्थन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4416—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक ही

भौर जिसकी सं खुली जमीन म्यु नं 316 है, तथा जो नोलाईपुरा के पीछे, सखवालो का वास, रतलाम में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से भणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जुलाई,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके द्रश्यमान प्रतिफल के एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निति खत उद्देश्य से उच्त बन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिभा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६---

- 1. (1) श्री वर्धमान
 - (2) श्री धनराज पिता श्री रखन्न चन्द जी मेहता निवासी मोहल्ला नोलाईपुरा, रतलाम । (प्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सोहन देवी पित सोहनलाल जी संधवी, निवासी मोहल्ला चांदनी चौक, रतलाम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्रम के की

खुर्ला जमीन म्यु० र्न० 316, मोहल्ला नोलाईपुरा के पीछे, सखवालो का बास रतलाम में स्थित है।

> देविधय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, भोपाल

तारीख: 13-3-1984

माहर:

प्ररूप नार्च. टी. एन. एस.-----

भायकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सठ० ब्राई० ए० सी०/बर्जन/भोपाल/4417-यत:

मुझे, देवप्रिय पन्त

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक है:

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख० तं० 6 है, तथा जो ग्राम ईटावा, तह० देवास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देवास में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

कौ पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफम के लिए अन्तरित की गई है, और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त जिथ-निवास के ज्योग कर दोने के जन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे थजने में नृविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधीत्:— श्री माधव सिंह पिता राधाकिशन, ठाकुर निवासी ग्राम ईटावा, तह० देवास ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विक्रम नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित तरफे अध्यक्ष गिरीश नारायण बाजपेयी, देवास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववार:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

न्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि खा० नं० 6, ग्राम ईटावा, तह० देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख 13-3-1984 भो**हर** ३

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं ० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4418--यतः मझे. देवप्रिय पन्त

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 819/4 है, तथा जो देवास जूनियर में स्थित है (भीर इससे उपावड भ्रनसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किश्तं नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उजत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जस्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मोंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय, निव्यतिकित व्यक्तियों, अधीत् ह— श्री पुरुषोत्तम पिता श्री रामचन्द्र चौहान निवासी 59, खारी वाड़ी, देवास ।

(भ्रन्तरक)

- 2. मैसर्स अग्रवाल लेन्ड फायनेंस कंपनी तरफे भागीदार:
 - (1) ग्रोमप्रकाश पिता श्री मोहनलाल जी बंसल निवासी देवास ।
 - (2) प्रेम कुमार पिता श्री सत्यनारायण श्रग्रबाल निवासी देवास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अंबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु¹, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

वम्स्यी

भूमि ख॰ नं॰ 819/4, देवास जूनियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख 13-3-1984 .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, विनोक 13 मार्च 1984

निरंश मं श्राई० ए० मी० /श्रर्जन/भोपाल/4419—अतः मुझे, देव प्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं ० मकान कमांक 25/1 है, तथा जो डा० रोणनिंह भंडारी, मार्ग, पलासिया कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम.

कता ग्राधकारा के कायालय इदार में राजस्ट्राकरण श्राधानयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह यिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक है से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक है से किथा नहीं किया गया है '--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी श्राय की बाबत उक्क्स अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने मा उसमें अचने में सिविधा के निष्, और थ।
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अस्तियों कार किला भारतीय अपन्य अधिनयम । 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनयम । या धन-कर अधिनयम । 1957 (1957 का 27) के प्राचनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थीत् :—

 श्री लक्ष्मीनारायण पिता श्रो नृंदिकशोर जी. नियामी 24/1, डा० रोशनसिंह भंडारा मार्ग, पलासिया कालोनी; इंदौर।

(ग्रन्तरक)

 श्री चालमुकुन्द पिना श्री छब्बालाल जायसवाल निवासी पिपरिया, होशंगाश्राद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है

उच्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वयिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त अन्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

मकान क्रमांक 25/1, डा० रोशनसिंह भंडारीमार्ग, पलासिया कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्क (निर्रोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-3-1984

त्ररूप शार्ध. ती. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थान।

शास्त्र संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश तं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपास/4420---ग्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 7 पर बना हुआ मकान है, तथा जो डा० रोशनसिंह भंडारी मार्ग, पलासिया कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्ल्याय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यू से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में वास्तिवक रूप से अधिन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

कतः अब. उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री लक्ष्मीनारायण पिता श्री नंदिकणोट नित्रामी 26/2, नंदा नगर, इंदीर ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती साधना पति बालमुकुन्द उर्फ गिरजाशाई निवामी 599, महात्मा गांगी गार्ग, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र म्मना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निषित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 7 पर बना हुआ मकान, नं० रोणन/सिंह भंडारी मार्ग, पलासिया कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्रोधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 12-3-1984

अक्य बाइ .टी. एन्. एत . ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सर्काड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12मार्च 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4421---भ्रतः मझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 32/2, शीट नं० 26, प्लाट नंबर 59 है, तथा जो ग्राम लालबाग, तह० बरहानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को प्रॉक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात:—

19-36 GI/84

 श्री हरिशचन्द्र धन्नालाल गढवाल, शिक्षक, निवासी लाल बाग, तह० बुरहानपुर ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री मोतीलाल बस्तीमल जैन,
 - (2) श्री जिवराज बल्द श्री खेमराज देवड़ा, निवासी लाल बाग, तह० बुरहानपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

श्रावासीय भूमि ख॰ नं॰ 32/2, शीट नंबर 26, प्लाट नंबर 59, ग्राम लालबाग (माल॰) बुरहानपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-3- 84

मोहर 🛭

प्रकप नाई. टी. एन. एस. ----

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4422—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 14 पर बना हुआ मकान है तथा जो मून पैलेस कालोनी, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बें बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री श्रोमप्रकाश पिता श्री छोगालालजी बंसल निवासी 7, तेली बाखल, इंदौर।
 - (2) श्री राधेण्याम पिता श्री मिट्ठूलालजी बंसल निवासी 33, दलिया पट्टी, इंदौर।

(अन्तरक)

 श्री बाबूलाल पिता श्री हेमराजजी छाजेड़ निवासी 8, विट्ठलेश राय मार्केट, एम० टी० क्लाय मार्केट, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहिता में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्सूची

प्लाट नं० 14 पर बना हुआ मकान, मून पैलेंस कालोनी, इंदौर में स्थित है। (मकान का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-3-1984

मोहर:

प्रस्प बार्ड. टी. एन.. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4423—अतः, ौ् मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 14 पर बना हुआ मकान है, तथा जो मून पैलेस कालोनी, इंदौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उजित बाजार मृस्य से कम के सम्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नितिखित उज्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूपसे किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्क विभिन्तियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उद्युखे स्थाने में सुविधा के निए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा आहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः, अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री श्रोमश्रकाण पिता श्री छोगालालजी बंसल, निवासी—- 7, तेली बाखल, इंदौर।
 - (2) श्री राधेण्याम पिता श्री मिट्टू लालजी बंसल, निवासी--33, विलया पट्टी, इंदौर।

(अन्तरक)

 श्रीमित सौभाग्यवती मुधकान्ता छाजेड पति श्री बाबूलालजी, निवासी—4/8, विट्ठलेशर राय मार्केट, एम० टी॰ क्लाथ मार्केट, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण: --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

प्लाट नंबर 14 पर बना मकान, मून पैलेंस कालोनी, इंदौर में स्थित है। (मकान का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 12-3-1984

मोहर:

प्रस्प बाहै . टी . एन . एस . - - - - -

नायकर निधानियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

हाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4424---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

द्यौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 14 पर बना हुआ मकान है, तथा जो मून पैलेस, कालौनी इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत अधिक है और अंतरिक (वंतरकाँ) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्वोध्य से उच्या जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी शाय की वायतः, उपतः विधिनियम् से वधीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग चाहिए था, किया में सुविभा के सिए;

अंतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित अयिक्तयों, अर्थात् :---

- (1) श्री राधेश्याम पिता श्री मिट्ठूलाल जी बंसल
 33, दिलया पट्टी, इंदौर।
 - (2) श्री म्रोमप्रकाश पिता श्री छोगालाल जी बंसल निवासी 7. तेली बाखल, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री बाबू लाल छाजेड़ पिता श्री हेमराजजी छाजेड़, 4/8, विट्ठलेंश्वर राग्र मार्केट, एम०टी० क्लाय मार्केट हंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

श्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 14 पर बना हुआ। मकान मून पैलेंस कालोनी, इंदौर में स्थित है। (मकान का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्मे (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारी ख: 12-3-1984

मोहर 🖫

प्रकप बाह्", टी. एवं , एस्.,----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4425---अतः मुझे, वेवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं प्रौर जिसकी मं० भूमि (नया) ख० नं० 118 है, तथा जो ग्राम बड़ीरवेडा, तह. बुरहानपुर में स्थित है (ग्रींर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय्रेपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्छ अविनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर∕या
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

बत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री कनीराम पिता श्री जुगराम चौहान, राजपूस, निवासी ग्राम बडीरवेडा, तहु० बुरहानपुर।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री प्रकाश
 - (2) श्री दिलीप
 - (3) श्रीकान्स
 - (4) प्रदीप
 सभी पुत्र श्री शंकरराव पाटील, लेवे पाटील,
 निवासी ग्राम डाभियारवेडा, तह० बुरहानपुर।
 (अन्तरिती)

का यह सूचना बारों कारक उर्व का सम्पत्ति के **अर्थन के लिए** कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

भूमि नया खा० नं० 118, जोकि ग्राम बडीरवेंड्रा, तह० बुरहानपुर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है। इस भूमि में कुंआ मोटर पम्प वयुक्ष भी हैं।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 13-3-1984

मोहर 🖫

प्रकृप भाईं वी । एन । एस ः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4426---यतः मुझे, देवत्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 1468 है, तथा जो ग्राम शाहपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस के बधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे न्यने में स्विधा के निष्; बौद्ध/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जबर चन्द लाल चंद भगोरे निवासी शाहपुर, तह० बुरहानपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री राजा राम

(2, ंश्री डिगम्बर बल्द मनसाराम महाजन, निवासी शाहपुर, तह० बुरहानपुर। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति वा अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बड़ी वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

धन सची

भूमि खं नं 1468, ग्राम शाहपुर तह बुरहानपुर में स्थित है तथा कुंआ, मोटर पंप पाईप लाईन एवं वृक्ष जो इस भूमि पर है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37 जी में निहित है।

> देव प्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-3-1984

मोहर 🛭

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायक र नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4427—यतः मुम्ने, देवप्रिय पन्त

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नंगर (नया) 100 है, तथा जो ग्राम निबोला, तह० बुरहानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में बास्तिक कम से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशिक स्थितयों अधीन ६—

 श्री चंपालाल पिता श्री किसनदास पाटीदार, निवासी सिंदीपुरा, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रो सदानन्द पवता बालचंद पटेल,
 - (2) श्री प्रभुदास पिता श्री सदानन्द पटेल,
 - (3) भगवानदास पिता श्री सदानन्द पटेल,
 - (4) श्री चन्द्रकान्त पिता श्री सदानन्द पटेल,
 - (5) श्रीमती सौ० शबुन्तला बाई पित श्री सदानन्द पटेल निवासी इतवारा बुरहानपुर , नंगर 4, नाबालिग, का वली पिता सदानन्द पिता बालचन्द पटेल निवासी इतवारा, बुरहानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त, संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किश्वित में किए का सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयूष्ण शुरुषों आर पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

खेत खं ० नं ० 100(नया) ग्राम निबोला तह० बुरहानपुर, में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंगर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 13-3-1984 मोहर ा प्रकप बाइ . टी. एन. एस्.-----

बायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4428—म्प्रसः मुझे देवप्रिय पन्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 783 परगना हुम्मा मकान है, तथा ओ इंदौर विकास प्राधिकरण कमांक 44, खातीवाला टैंक, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मुक्ते यह विश्वस्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या सुससे बचने में सुविधा के लिए, आहि/बा
- (का) ऐसी किसी आय या जिल्ही धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री श्रोम प्रकाश पिता श्री फतन दास
 - (2) श्रीमती मंजू, पित श्री श्रशोक कुमार तरफे खास मु० सुन्दरदास पिता श्री चुहरमलजी निवासी 158, पलसीकर कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रहिल्या माता सेवक संघ, गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित 23/3, जवाहर मार्ग, इंदौर तरफे उपाघ्यक्ष वामजी भाई प्रागजी निवासी—तोड़ा नार्थ, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित मों किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नंबर 783, खातीवाला टैंक, इंदौर विकास प्राधिकरण योजना कमांक 44, इंदौर में स्थित भूमि व मकान का भाग।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोगाल।

तारीख 13-3-1984 मो**हर** ४ प्रकम शाई. टी. एन. एस.------

क्रायक कर्मापनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० मो०/ग्रर्जन/भोपाल/4429--ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख०नं० 532/5, 537/1, 537/2, 537/3, है तथा जो ग्राम मरवानिया महाराज परगना जावद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जावद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय ग्या गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण के बिहा में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी शाव की धावत, बच्च जिथितियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी कारने या उससे धचने में अविधा के, सिए; जौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---20---36 GI/84

श्रीमती रतन कुंबर पत्नी श्री मुवानीसिंह जी निवासी-माधोगढ़ जिला जयपुर राजस्थान हाल मुकाम नीमच केण्ट, परगना, नीमच ।

(श्रन्तरक)

2. श्री सागरमल पिता श्री रतनलालजी निवासी ग्राम सरवानिया महाराज परगना, जाबद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

बक्त सम्पत्ति नके मर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्यी

भूमि ख० मं० 532/5, 537/1, 537/2, 537/3 ग्राम सरवानिया महाराज् परगना, जावद में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म न० 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख 13-3-1984 मोहर ह प्ररूप भाई.टी. एन. एस. ------

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुभारा

भारत तरकार

कार्यालयः सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4430—ग्रतः मुझे देवप्रिय पस्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/- स्त से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 532/5, 537/1, 537/2, 537/3 है, तथा जो ग्राम-सरवानिया महाराज परगना जावद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जावद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वायत, उक्त जिपिनियम के जधीन कर दोने के जस्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

कर: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बन्सरण मं, पं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती रतन कुंबर पत्नी भवानी सिहजी निवासी-माधोगढ़ जिला जयपुर राजस्थान झाल मुकाम नीमच निवास क्रिका जिला मंदसीर 1

(भन्तरक)

 श्री सूरजमल पिता रतनलालजी निवासी-ग्राम सरवानिया महाराज परगना जानद जिला मंदसौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, चो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के यास लिखित में किए जा सकरों।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्वों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

प्रसम्ब

भूमि ख॰ नं॰ 532/5, 537/1, 537/2, 537/3, ग्राम सरवानिया महाराज परगना जाबद में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं॰ 37 जी में निहित है।

वेवप्रिय पन्त सक्षम वाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख 13-3-1984 मोहर:

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भापाल, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4431---यतः मुझे, देवप्रिय पन्स

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धुरूर 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार स्थय 25,000/- रह. से अधिक हैं

अभैर जिस्सकी सं० प्लाट नंबर 41, मकान नंबर 41,1 बी, है, तथा जो महेशपुर जिला जबलपुर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाबार मृस्य, असके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्योख से उक्त बन्तरण निवित में बास्त्रिक इस से क्रिथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाथ की वावत, उक्त जीधिशवस के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निक्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ६—— श्रा अशोक कुमार पिता श्री बीबानचन्द, निवासी ग्राम जमतरा जिला जबलपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती लक्ष्मी बैन, पटेल पत्नी श्री दयाराम पटेल निवासी नेपियर टाउन, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत त्यान के राजपत्र में प्रकाश्वद की तारीं से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति विष्ति व्यक्ति व
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिश में किए या सकोंगे।

स्पक्किक्णः ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

यग संची

ण्लाट नं० 41, मौजा महेणपुर, जिला जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारा सष्टायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रोंज, भोपाल

दिनांक : 13 मार्च, 1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहे. दी. एनं. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं० अाई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4432—यतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/रु से अधिक है

और जिसका मं० प्लाट नंबर 40, मकान नंबर 40/1 है, तथा जो मौजा महेशपुर, प्रेम नगर, मबन महल, जबलपुर में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से बणित हैं प्रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिद्रीस्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है क्र--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उच्छ वृधिनियुम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥— किशन कुमार पिता वी बान चन्द, निवासी जमटोरा तह० जबलपुर द्वारा त्यागी होटल, जबलपुर ।

1906)

(अन्तरक)

श्री दयाराम पिता श्री नानजी भाई पटेल,
 बारा गिव गम्ति सॉ मिल,
 महानद्दा मदन महल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्क्वहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यी

ण्लाट नंबर 40, म० नं० 40/1, मौजा महेशपुर प्रेमनगर, मदन महल, जबलपुर में स्थित है।

> वेषप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ार्जन रेंज, भोमाण

विनांक : 13-3-1984

मोहर 🙄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायक र आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4351—यतः मुझे, वेषप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गंकर नगर, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास क्याने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स जीधीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अधीत ⊭

- 1. (1) श्री ढेली बाई, पत्नी सुधारू
 - (2) श्रीमती सुखबारी बाई पत्नी बुखक,
 - (3) ललताबाई परनी श्री पोखन,
 - (4) श्रीमती चम्पाबाई पत्नां श्री मोहनलाल निवासी दरवा जिला रायपुर।

(अन्सरम)

 सुमिति कुमार बल्द नयमल निवासी सदर बाजार, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

भूमि जोकि शंकर नगर, रायपुर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6 मार्च, 1984

मोहर 🛪

प्ररूप बाइ ., टी. एन. एस् -----

कायकर काभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 84

निर्देश सं० आई० ए० सीं०/अर्जन/भोपाल/ 4352--यतः मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो शंकर नगर, रायपुर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रिधात से अधिक है और एसे अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्यं में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कृत्तरण से हुइ किसी जाव की वावत, उक्त जिम्मिन्यम के अभीत कड़ दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के सिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. (1) श्रीमती हेलीबाई
 - (2) सुखाबारी पत्नी भखाऊ
 - (3) ललता बाई पत्नी पोखहन
 - (4) चम्पावाई पत्नी मोहनलाल निवासी-दरका तहसील रायपुर

(अन्तरक)

 श्रीमती प्यारी बाई पत्नी परसमल निवासी सदर बाजार, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके. पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

् उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्णीक्त व्यक्तियों में से किसी अपिक्त बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि शंकर नगर, रायपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्तः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजः भोपाल

कतै: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ता**रीख** : 6-3-84

महिर 🛭

प्रक्रम आई.टी.एन्.एसं.,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज: भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 84

्निर्वेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन रेंज/भोपाल/4353---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो शंकर नगर, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली आयुकी बाबत, उपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में तृतिभा के जिए; जरि/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा की तिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) चै अधीन, निम्मीकिचित व्यक्तिकों. अर्थात् क्र—

- 1. (1) श्रीमती हेलीबाई
 - (2) सुखवारी पत्नी भुखन
 - (3) ललता बाई पत्नी पोखहन
 - (3) चम्पाबाई पत्नी मोहनलाल निवासी -दरबा नहसील रायपुर

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार पिता प्रमोव निवासी-सदर बाजार, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्पट्टोकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसुकी

भूमि शंकर नगर, रापुर में स्थित हैं। जिस्का संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित हैं

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-3-84

मोहर ≝

प्ररूप कार्यः, द्वीः, एनः, एसः------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्येश सं० धाई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/ 4356----यतः ममे, वेवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िंगसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गैंया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रहा से अधिक है

धौर जिसकी संग्लेत नंबर 202, खा नंग 533/1 का हुकड़ा है, तथा जो ब्लाक बेल्हा, नगर निगम के अन्तर्गत, बिलाससुर में स्थित है (धौर इससे उपाबछ अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित यें बास्तिबक रूप से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बायत, बच्च जिथिनियम के अधीन कार बोने की अन्तरक के वासित्व में कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आग्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत. जब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मों, उथत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निस्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात्हः—- श्री रामाधीन कथ्यप पिता बलदेव कथ्यप निवासी तेलीगारा, बिलासपर।

(अन्तरक)

 श्री दिनेश कुमार गुप्ता, आत्मज श्री शिवकमार गप्ता, शिव टाकीज, विलासपुर ।

(जन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उन्ता सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्सयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी अविक्त ध्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रमृत्यी

भूमि खेंत नंबर 202, ख०नं० 533/1, स्लाक बेल्हा नगर निगम के प्रक्तर्गत, बिलासपुर में स्थित है।

> देवप्रिय फ्ल्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपाल

तारीख: 6-3-1984

मोहर :

प्रक्य नार्च, टी, एन, एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सूचना

भारत सूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4357--अतः मभे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारी 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि खेत नंबर 202, ख० नं० 533/1 है, तथा जा ब्लाक बेल्हा, नगर निगम, जिबलासपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 अगस्स 1983

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्दें हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उकत अन्तरण निम्नलिखत अं वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियां को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के निए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिबिस व्यक्तियों, अधितः:——

21 -- 36 GI/84

 श्री रामधीन कश्यप पिता श्री तत्वैत कश्यप निवासी—नेर्नागारा, रायगुर

(अन्धरक)

 श्री मंगीराम उपवंजा पिता रामचरण उपवेजा निवामी——डिपरापारा, बिलासपुर

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करी 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्दों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि खेत नंबर 202, ख० नं० 533/1 का टुकड़ा, ब्लाक बेल्हा, नगर निगम के अन्तर्गत बिलासपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पत्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आ**युक्त (निरोक्षण)** अर्जन रेंज, भोषस

मारीख : 6-3-84

मोप्तर:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 84

निर्देश सं० आई० ए० मी०/ अर्जन/भोपाल 4359---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिन बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 1, ख० नं० 85, 86, 126/86 है, तथा जो नयापुरा भोपाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 अगस्त 1983

को पूर्वेक्शित सम्पित्त के उचित बाजार मृख्य से कम के खरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्श संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वाम्तिविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिए? कां, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नासिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- न्याथ साधैजनिक्ष रामानंद आश्रम गुफा मंदिर लालधाटी भोपाल द्वारा महंत नरमिहदास स्यागी णिक्ष्य नारायण दासजी त्यागी।

(अन्तरक)

 श्रीमती रूपदेवी पत्नी श्री बाबूलाल निवासी-ललवानी गली, भोपाल ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सितित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्री

्लाट नंबर 1, ख० नं०, 85-86, 126/86, नया, पुरा, भोपाल में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्स

सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-3-84

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्धिका) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं◆ आई० ए० सी०/ अर्जन/भोपाल/4360----अतः मृझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ख० नं० 234/1 है, तथा जो ग्राम गौरा तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 अगस्त 1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके टरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री प्रभुदयाल आत्मज श्री देवीराम मैना निवासी-ग्राम गोरा, जिला भोषाल ।

(अन्तरक)

2. श्री शिव शक्ति भवन निर्माण सामग्री श्रीद्योगिक संस्था मर्यादित भोपाल द्वारा अध्यक्ष श्री रामबाबू लडूमल निवासी -टी० टी० नगर, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्सः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वष्टीकरण :--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनसची

भूमि खे॰ नं॰ 234/1, ग्राम गौरा जिला भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-3-84

मोहर :

प्ररूप आद्दे दी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 6 मार्च 1983

निर्नेश सं० आईमें ए० सी०/अर्जन /भोपाल/3261---यतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उंक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स वें अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्प्रौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 22 है, तथा जो लाला लजपत राय को० हा० सो० लिमि० भोपाल में स्थित (ग्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 26 धर्मस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफ स के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफ ल से, एसे इश्यमान प्रतिफ ल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक कं दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा, के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अक्षः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :---- मुशीला वाबला पत्नी व्ही० पी० चावला द्वारा मु० आम इही० पी० चावला पिता ए० एम० चावला निवासी रामप्र कालोनी जबलपुर

(अन्सरक)

 श्रीमती तुलसाबाई गुष्ता पत्नी एस० एल० गुष्ता निवासी नरसिंहपुर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकों ने ।

स्पव्यक्तिरण:--इसमै प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ह[ी], यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियम स्वा**ड**ै।

जगसची

प्लाट नंबर 22, लाला लाजपतराय को० हा० सो० लिमि० शाहपुरा भोपकृल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख : 6−3−84 मोह्यंः प्ररूप आहे.टी.एन.एम.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत वरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1984 निर्देश सं० आ० ए सी/अर्जन/भोपाल/4262—यतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, अजसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- एउ. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी प्लाट सं० 15 है, तथा जो सी सैक्टर, कोहेफिजा भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 अगस्त 1983

को पूर्वोभत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्त यह यिष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य में उनंत अंतरण लिखित में बास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तर्ण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त वृधिनियम् के अधीन कर दोने के बन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) धंसे किसी आयं या किसी अमृ या बन्ध् आस्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्याप्य प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

अतः जन, उन्त अधिनियम की भाष 269-ग के अनुसरण में, मी, उन्त अधिनियम की भाष 269-म की उपधाय (1) के अधीन, निम्निमिकिस स्वितिमाँ, अर्थातः :--- श्री उर्थनलाल महाजिक पिता राधामोहन महाजिक निवासी बारहमहल, शहजानाबाद,

(अन्तरक)

 श्रवेमती माया पत्नी नंदलाल निवासी —नूरमहल भोषाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के सिए कार्यवाहियां करतां हु।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्रेप :--

- (क) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों गीर पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्लाट नंबर 15, सी संकटर कोहेफिजा, भोषाल में स्थित हैं।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-3-84 भो**हर**ु

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 फरवरी, 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4290—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्ट्रं र जिसक भूनि० भखं ० 20/4, 10, 20/5, 20/6, 20/9, 51, 52 है, तथा जो गाप्त पालदा, खंडवा रोड, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण कि बित में अस्तिबक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण में हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के यायिश्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिभा के सिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के बनुहरण में, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म की उपवारा (1) कें अधीन, निम्निजिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) श्री लक्ष्मी नारायण
 - (2) राम नारायण
 - (3) बद्री नारायण पिता पन्नालास महाजन निवासी-68, उषा गंज, मैन रोड, इंदौर। (अस्तरक)
- 2. राधास्वामी सतसंग व्यास, (रजिस्टर्ड सोसायटी)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 20/4, 10, 20/5, 20/6, 20/9, 51, 52, ग्राम पालंदा खंडवा रोड, इंदौर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म नंबर 37ईई में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 27-2-1984

मोहर 🕫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यानय, महायक कागकर कायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च, 1984 निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4314---प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 है, तथा जो सत्य साई श्रपार्टमेंट 10/2, माउथ तुकोगंज, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बिणत है) श्रौर जिसके श्रन्तरण से सम्बन्धित विवरण उद्दा श्रधिनियम की धारा 269 ए०बी० के श्रन्तगीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में सितम्बर, 1983 को पंजीकृत माना गया है

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी किया की बावता, उक्त अधिनियम की अधीन कर दाने के अत्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सविधा के किए;
 और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के क्यीन निय्नोंक्सित व्यक्तियों, अर्थास् :-- श्री माधव गोसावी पिता श्री श्रीनिवास गोसावी, निवासी-10/2, भाउथ तुकोगंत्र, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री एन० एल० गोयल पिता स्व० श्री जीतमल गोयल
 - (2) श्रीमती भान्ती बाई गोयल पत्नी डा० एन० एन० गोयल, ।
 - (3) श्री भ्रार०के० गोयल पिता डा० एन०के० गोयल
 - (4) श्रीमती विजया गोयल पत्नी श्री श्रार० के० गोयल । सभी निवासी 10/2, मुराई मोहल्ला, संयोगिता-गंज, इंदौर।

(ग्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उकत अधिनियम को अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्थी

फ्लैट नंबर 6 जो कि सम्पत्ति क्रमांक 10/2, साउथ तुकोगंज, इंदौर जोकि "सत्य साई अपार्टमेंट" के नाम से जानी जाती है, की द्वितीय मंजिल में हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण उस "विकी के सहमिन पत्र" में है, जिस पर अन्तरक एवम् अन्तरितयों द्वारा दिनांक 1-7-1983 को हस्पाक्षर किये जाने की बात कहीं गई है और जिसे अन्तरक और अन्तरितयों द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 ईई के साथ प्रस्तुत किया गया है।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण') श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 15-3-1984 **मॉहर**: प्रकृष् आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिलियम 1961 (1961 का 43)की बारा 269•च (1) के मधीन सूत्र त

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 फरवरी, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/4291---ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्स भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह **विष्यास कर**ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल काजार मूला 25,000/- नार्ये से ग्रीधक है श्रौर जिसकी संख्या श्रविकिसत भूमि नं० ख० नं० 19 है, तथा जो ग्राम पालदा, खंडवा रोड, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और **जिसके ग्र**न्तरण से सम्बन्धित विवरण उक्त श्रधिनियम की घारा 269 ए०बी० के भन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में सितम्बर, 1983 को पंजीकृत माना गया है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कमके इण्यसान प्रतिकृत के लिए पन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुण्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यभान प्रतिक्षत का पश्वह प्रतिगत से प्रधिक है मोर प्रस्तरेस (अन्तरेसी) पौर प्रस्तरितो (अन्तरितियाँ) से सीस ऐसे मन्तरण के लिए तय पा। परा प्रतिफल, निस्नुलिश्वित उद्देश्य से उन्त मन्तरम लिखिन में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किए गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

भतः भवः चन्तं भिविनयमं की धारा 269क्ष्म के धनुसरण में, में, उन्तं ग्रिविनियमं को धारा 69-घ की उपकारः (1) के अभीनं, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् क्र— श्री जगन्नाथ पिता श्री भगवानजी निवासी ग्राम पालवा, तहु० इंदौर ।

(श्रन्तरक)

 राधास्वामी सतसंग व्यास (रिजस्टर्ड मोसायटी)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उप्तत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी करें 45 दिन की भवधि या तस्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्त्र स्थावत डारा, प्रधोहस्ताकरी के पास किखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण !----इसमे प्रयुक्त शक्दों और पक्षों का, जो उक्त व्यक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अन्य होता, जो उन प्रकार में दिस गरा है ।

नन्त्रची

श्रविकसित भूमि, खं० नं० 19 ग्राम पालदा, खंड़वा रोड इंदौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-2-1984

भोहर 🔢

प्ररूप बाई. टी. एन. एस:-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 फरवरी, 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रार्जन/भोपाल/4306—म्रातः मुझे देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 181/2/2/1 है, तथा जो कोसीगांव, रतलाम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसके धन्तरण से सम्बन्धित विवरण उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ए०बी० के ग्रन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में नवम्बर, 1983 को पंजीकृत माना गया है

को पूर्विभित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरुष संहुर्ष किसी बाय काँ बाबत उथत बाधि-निवम की बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा की लिए;

जतः अब, उन्दत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, मिम्निलिखित स्पिक्तियों, स्थात् ह—- 22—36 GI/84

एच० एच० महारानी, प्रभाराज्य लक्ष्मी
 पत्नी एच० एच० महाराजा लोकेन्द्रसिंह जी,
 गैलेस, रवलाम ।

(यन्तरक)

 मैसर्स माधोप्रसाद कावस जी एण्ड कंपनी, स्टेशन रोड, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

भूमि ख॰ नं॰ 181/2/2/1, ग्राम डोसीगांव रतलाम में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्नरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 ईई में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन समना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकार **आयल**त (निरीक्षण) अजन रज**ाय** अ**म्बद**

अम्बर्ध, दिनांक 23 मार्च, 1984

निर्देश सं० अई० 2/37ईई/3076/83-84---अन्: मुझे एस० एच० झड्डांस अबिदी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु⁸), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विद्वास करने का कारण हु⁸ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ह⁸

और जिसकी सं० पलैट नं० 402 है, तथा जो 4र्था मंजिल, 44 - 45, पेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), धौर जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख, के अदीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-7-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्त्रेंक्ति सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत निधक है और खंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रति-कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिमक हप से कथित नहीं किया गमा हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व दायित्व में कभी कैरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म आंस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण जें, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) के अभीन, निम्निनिमित व्यक्तियों अधीत :---

1. मैसर्स सुद्देश कंतस्तुक्शेत्स ।

(बन्तरक)

 श्री इराल अल्बूकर्क और श्रीमती मारीया इमेल्डा अल्ब्बर्क।

(अन्तरिती)

को यह सूर्वमा जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहित्यां करता हूं

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण :----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

नन्त्रकी

पर्लेष्ट मं ० 402, जो, 4 थीं मंजिल. 44-45, पेरी रोष्ट, बाल्डा बम्बाई-400 050 में स्थित है ।

अनुसूर्ण जैसा कि के० सं० अई-2/37ईई/3076/83-84 और जो सत्तम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिमोक 23-3-1983 को रजिस्टर्ग किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रोज-II, बस्बई

तारीच : 23-3-1984

नोहरू ६

प्ररूप बाहाँ, टी. एन. एस. 🕶 🕒

आयकर सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मार्च 1984

निवेश सं० ए०आर-4/37ईई/1065/83-84---अत: मुझे विश्वय रंजन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु'), की धारा 269 इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000∕- रा. से बिधिक है

और जिसकी सं व्यूनिट नं 15, 4 थी मंजिल, इन "ए" ब्लाक ध्रांत प्लोट नं 1, एट "करीमी पार्क", ओशिवरा गार्डन रोड, जांगेश्वरी (पिष्चम) बम्बई-400 06 में स्थित है तथा जो जागेश्री (पिष्चन) जिसना इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है और जिस्आ करारनामा आयकर अधिनितम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयमें रजिस्टी है, तारीख 4-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संक्रम के श्रूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रूरमान प्रतिफल से, एसे श्रूरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के स्थीन कर दाने के बस्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे स्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य जास्तिया को, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर किमीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए.

बतः कव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुस्रक की, मी, सक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के वभीन, निस्निमिवित स्वित्यों, वभीत् :---

- मैसर्स अमीर कल्स्ट्रक्शन्स,
- (अन्तरक)
- 2. श्रामती सुलेखा मुस हाजी आदम

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (के इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रिस में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधाहस्ताक्षरी के पास जिज्ञित में किए जा सकीं।

स्पथ्डीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

ननुसूची

यूनिट नं० 15,4थी। मंजिल, इन "ए" ब्लाक आन प्लोट नं० 1, एट 'करीमी पार्क', ओशिबरा गार्डन रोड, जोगेस्वरी (पश्चिम) बम्बई-400 060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० ए०ब्रा२०4/37ईई/90/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1983 की रजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

तारीव : 27-3-1984

मोहर :

शरूप जाइं.टी.एन.एस.------

जायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म् (1) के जुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रंज 3, बम्बई यम्बई, दिनोक 12 मार्च, 1984

निदेश सं० [ए०आर०-111/2357/83-84---अतः मुझे अ० लहीरी

नायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधित्तियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० एफ-4, गोवर्धन नगर, एल० बीं० एस० मार्ग, सीं० पी० टूल के सामने, मूलंड बम्बई है तथा जो मूलूंड (पिचम) स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बाँगत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्टर्ड हैं, दिनांक 12-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बादत, उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती लक्ष्मी देवी डिंगरा और श्री अधिवास कि डिंगरा ।

(अन्तरक)

2. मै० द्रिपल पा द्रस्ट

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यो

फ्लैट नं० एफ-4, गोवर्धनन गरर, एल० बी० एस० रोड, सी०पी० टूल के सामने, मृतुंड, बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि कि सं० III, अर्व्हा 1064, 83-84 है और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के ार्यालय में दिनांक 12-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 3, बम्बई

दिनांक : 12-3-1984

मोहर:

श्रक्ष बाइ , टी . एन . एवं . -----

नायकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत बरकार

कर्यालय, सङ्घायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, बम्बई

बम्बई, दिनावा 12 मार्च 1984

निदेण सं० ए०आर०-Ш1/2382/83-84---अत: मुझे अ० लहीरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के संधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2, तिरुपति, कोले, कल्यान है, तथा जो बकोता, सोताकून, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्य में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड हुआ है। विनांक 12-7-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तविक दन्त से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा अंजिए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बत्य वास्तियों की, जिल्हें भारतीय बाय-फर क्षिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, या धनकर व्यधिनयम, या धनकर व्यधिनयम, या धनकर व्यधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में हिम्ला के किए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घःकी उपधारा (1) के अभीन निम्निजिस्ति व्यक्तियमें अर्थातः :—— 1. हरौसिद्ध कारपोरेशन

(अन्तरक)

2. श्रीमती सेवरौना जिसूजा,

(अन्तरिती)

को मह सूच्या बारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सें 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूची

प्लैट नं० 2 5 वां माला, तिरुपति, कोले कल्यान, धकोला सांताकूज बम्बई अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-III/ 1070/83-84 है, और जो बम्बई के समक्ष प्राधिकारों के कार्यालय में दिनांक 12-7-1983 को रजिस्टर्ड हुआ है।

अ० लहीर सक्षम प्राधिका रौ सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज III बम्बई

दिनोक 12-3-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

·भा<u>रत् बरकार</u>्

कार्यानय, सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4 अस्यई

बम्बई, दिनांस 3 मार्च 1984

निर्देश मं० अई-4/37 ईं \circ ई $\circ/565/83-84--अत$: मुझे विजय रंजन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उंचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 206, शिवम' आपार्टमेंटस अंट घरसोवा, अंधेरी (पिष्चम), बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीरकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकप अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 19 नवस्वर 84

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान शिराफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्योदय से उच्च अन्तरण कि निम्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत छ कर अधि-नियम के अधीन कुर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के बमुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, प्रधीत् :--- 1. मैंसर्स के० के० आसोसियेट्स, और श्री अशोक गिरधारी दास

(अन्तरक)

2. श्री सुलतानभली एवं जय राज और श्री नादिरभली एक जयराज

(जन्त्ररिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा हुं।

भन्स्ची

प्लैट तं० 206, 'शिवम्' अपार्टमेंन्ट्स एट बरसोबा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अ० ई०-4/76/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विसंक 19-7-1983 को र्राज-टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायमा आयक्तर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज 4, नम्बई

विनांश 3-3-1**98**4 मोहार 🕄 प्ररूप आहाँ, की. एन. एत्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग 3, अम्बर्द

बम्बई, दिनोक 13 भार्च 1984

निर्देश सं० ए०आए- 11/2432/83-84--अतः मुझे अ० हहीरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० 16, लाइम लाइट, सोसायटो है तथा जो सायन द्राम्बे रोड, चेम्बूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट हैं किया गया है। दिनांक 12-7-83

को प्रोंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्परित का उचित वाजार भृत्य, उसके रहममान प्रतिफल से, एसे रहममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक अध्य ते कथित नहीं किया गया है:---

- (को अन्तरम सं हुई किमी जाम की बाबत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया स्था था वा किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सिंदिध के लिए;

अतः अदः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सोहराषपी व वाडीवा

(अस्तरक)

2. श्री अमलंदू मुकर्जी और श्रीमती सैलारानी मुकर्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्धं में कोई भी साक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इत सूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्सूची

क्लट नं ० ए/16, 3 रा माला, राधाकृष्यन आहम लाइट को अप अप सीसायटी, प्लाट नं 40-41, स्वास्तक नार्क, सायन ट्राम्बे रोड, चेम्बूर, बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० ए०आर०-III/1076/83-84 औरजो बस्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12-7-83 को रजिस्टड कियाण्या है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, यम्बई

तारीख 13-3-1984 मोहरू 🖫 प्ररूप जादा . टॉ. एन . एस .---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीत सचना 1. में सर्स सिखिल कल्स्ट्रक्शन्स कंपनी

(अन्सरक)

2. श्रीमती अनुया अकृत म्हाट्रे

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, III, बम्बई

बम्धई, दिनांक 12 मार्च, 1984

निवेश सं० ए०आर-III/2414/83-84---अस: मुझे अ० लहीरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3, तल मंजिला श्रीनांथ अपार्टमेंट, मूलूंड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) घोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है दिनांक 15-7-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण कि सित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में क्यी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के सिए; आर्ट/या
- (क) एँसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के निए;

शतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यांत्ः.——

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के वर्षम् के हिन्द् कार्यवाही करता हुई।

उनत् सम्पृत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूजना को राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण — इसमें प्रयुक्त कर्की और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुजा हु।

मन्स्ची

प्लैंट नं० 3 तल भणला, श्रीनाय अपार्टमेंट, मूलूड़ (पूर्व) बंबई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०-III/1060/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 15-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज- , बम्बई

तारी**ख** 12-3-84 **मोहर**ु प्ररूप बार्ष, टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

कार्यासय, सहायक आयकर नाम्बत (निरीक्षण) अर्जन रेंम, 4 बम्बई

बम्बई दिनांक 7 मार्च 1984

निर्देश मं० अई-4/37 ई० ई०/562/82-83--अत: मझे विजय रंजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्ब 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 51, मी ग्लिम्पम को० आप० हाउसिंग सोमायटी, विल्डिंग नं० 51 ए, मनीष नगर, बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपावज्ञ अणुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ग्रौर जिसका कराएनामा आयकर प्रधिनियम 1662 की धारा 269 क, ख के अधान मक्षम अधिकारी, बम्बई के कायीलय में रजिट्रो है दिनाक 20 जुलाई 1983

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वों क्त संपत्ति का उपित बाजार मृख्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त वन्तरण जिक्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाव की बावत चवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अर) एसा किसी अग्य था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ्रहे प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा पण्ट नहीं किया भाधाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा ा लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

23-36 GI/84

शीमती संतीता चडर्जी

(अन्तरक)

2. श्री ए० के० घोष

(अत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स से** 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियाँ मं सं किसी व्यक्ति दुवाय;
- इस स्चनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्या किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

फ्लैट नं० 51, सी ग्लिम्पस को आप हाउसिंग सोसायटी बिल्डिंग नं० 51 ए, मनीम नैगर, बम्बई – 58 में स्थित। अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई०-4/77/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20 जुलाई 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम द्राधिकारी सहायक अप्रकार आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1984

मोहर:

प्ररूप बार्च. टी. एत. एस.-----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहामक जायकार आगुवतः (चिरीक्षण) अर्जन्यः रेज 11 बम्बर्ध

बम्बई ,दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश मं० अ $\xi-2/37$ है \circ ई $\circ/3023-83-84$ —अतः मुझे एथ \circ एस \circ अब्बास अबिदी

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-2 है तथा जो फ्लैट नं०, ए-2, धवल गंगा को आपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड पहली कार्टर रोड़, बान्द्रा (प), बस्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) और जिसेका करारनामा आयकर आधितियम 1961 की धारा 269 ख ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, नारीख 1 जलाई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई ^किकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिका को लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भभकर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गयां था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिसित क्यक्तियों, अधीत:---

1. डाक्टर एस० डी० वैद्य

(अन्तरकः)

2. श्री आगा सय्यद अलमदार हुसेन

(अन्नरिती)

2. अन्सरिनी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हुए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्परहीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्त्वी

पर्लैट नं ० ए-- 2. जो "धवन गंगा" को आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसायटी, 1 ली कार्टें र रोड़, बान्द्रा (प), बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुमूची जैसा की क सं० आई-2/37 ई ई/3023/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1/7/83 को रिजिस्ट्रई किया गया है।

एस० एन० अब्बास अविदी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज 11, सम्बद्ध

तारीख :-- 12-3-84 मोहर: बंधर प्राई० डो∙ एत∙ गम०-----

मायकर ब्रिजिनयम, 1961 (1981 हा 13) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5मार्च, 1984

ग्रं० ई०-III/**%े6**3/83-84--अतः निर्देश सं० अ० लहीरी

आयकार अधिनियम, 1961 (19161 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसेका उचित बाजार मल्य 25,000/-एत. से अधिक है

और जिसकी सं० मिलन को० आप० हाउसिंग सीसायटी लि० प्लाट मं २ 169, 1 ला माला, गरीदया नगर, घाटकीपर, बम्बर्ड में स्थित है और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्दीकर्ता धीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड दिनांक 14-7-1983 है।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण सिखित में पास्तिपक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की मावत उच्च गाँध-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; क्षीर/या
- (स) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधितिसम, 1957 (1957 का 27) फें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाफियाजाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा 🕏 सिए;

क्त: अथ, अक्त अधिनियम, की धारा 269-गं के अन्सरण , मैं,, उक्स कॉर्थनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) 🖒 अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्ति यों. अर्थातः ---

भूपेन्द्र जै० महिता

(अन्तरक)

2. चंदन बेन, एम० संघराजिका

(अन्त रितीः)

को यहसूचनाजारीकरको पूर्वोक्त सम्पत्तिको अर्जनको लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों गी।

स्वब्दोकरगर--इनमें प्रयुक्त गर्की भीर पर्दो का, जी अक्त अधिनियम के अक्टयाय 20 का में परिधाधित है, बही पर्ष होगा, का उस अध्याम में विवा गया है।

प्ताट नं र्169, ब्लाक नं रि. मिल नमिलाप को र आपर हाउसिंग सोसायटी लिमटिंड, पहला माला, गरोदया नगर, घटाकोपर बम्बई-77 ।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अ०ई० -//104.7/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 14-7-1983 की रजस्टिई कियागया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक: 5 मार्च, 1984

मोहर:

प्रकप नाइ . टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 मार्च, 1984

निदेश सं० अ० ६०-4/37ईई/585/83-84—⊸अतः मुझे विजय रंजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं शाप नं 2, याउन्ड फ्लोर, 'यूनिक इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, बिल्डिंग, चकला रोड, व्हिलेज चोएला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिजत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 1-7-83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उपत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी अग्र या किसी धन या अन्य आस्तिया की अिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:--- 1. मसर्भ सी० आर० कारपोरेशन,

(अन्तरक)

2. श्री कुंबेरलाल यू० शर्मा

(अन्तरित)

3. डा० फिरोज बी० बानाजी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की राज्याल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद का समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरंण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

णॉप नं० 2, प्राउन्ड फ्लोर युनिक इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, बिल्डिंग, चकला रोड, व्हिलेजं चकला, अंधरी (पूर्व). बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की करु सं० आई-4/74/83-84 और जो सूक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, 4, यम्बर्ष

दिनांक 3-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 4, बम्बई

.बम्बई, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं० अ०६०-4/805/37ईई/83-84—अतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शॉप नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, साई बाबा धाम. राम नगर, बोरीवली (पण्चिम) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खके अधीन बम्बई में स्थिन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में दिनांक 11-7-1983को रजिस्दे हुआ है

को पूर्वोक्स संपत्ति का उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री हीरानन्द एच० गंगाबानी

(अन्तरक)

2. श्री भानू प्रताप राम समाज मिश्रा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से औं) दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सची

णाप नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, साई बाबा धाम, राम नगर, बोरी वली, (पश्चिम) बम्बई-400 092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०-4/895/83-84 में और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4,बम्बई

ितनांक 13-3-1984

मोहर 🛫

प्ररूप गाइ . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ३, बम्बई

वम्बई, दिनां क 1 मार्च 1984

निदेश सं० अ०ई०/4/631/83-84—अतः मुझे विजय रजन

बायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 303, 3 रा माला, ला चपला प्लाट नं० 51, बलानी गांब, मालाड बम्बई में म्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) है) और जिसाका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 1961 को धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में दिनांक 22-7-83 को रजिस्टर्ड हुआ है को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत, उस्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्र/या
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

श्राः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :--- ा. श्रीमती एस० एत० चावला

(अन्तरका)

2. श्रीमती सलमा अब्बुल मजीव, और अब्बुल मजीव सलेह, मोहमद ।

(अन्तरिती)

कां यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगं।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा गया है।

नम्स्ची

फ्लैट नं० 303, 3 रा माला, ला० धापला, प्लाट नं० 51, बलानी गांव, मालाड बम्बई-64 ।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अ०ई०/4/631/83-84 अध्रर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनाक 22-7-83 को रजिस्टर्ड कियागया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, त्रम्बई

दिनांक 12-3-1984 मां**हर**ः प्ररूप आइ ंटी. एन. एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

धम्बई, दिनांकः 12 मार्च, 1984

निर्देश सं० अ० ई०-/4/647/83-84—अतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 1, दातानी ग्राम, एमं जी जो रोड, कांवेघली, वस्वई में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 2-7-1983 को रजिस्टई कियागया है।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (खन्निरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निसित उद्देश्य से उन्तर घन्नरण लिखित में बास्त विक कर से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई कियी भाव की बादत उनत धारि-निवस के मधीन कर तेने के अन्तरक के बादिस्त में करी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए। और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्रो गोरधन दास आर० टेंक,

(नअन्त रक्)

2. ष्टा० भारत जी० उदेसी,

(अन्थरिती)

3. मैंसर्स दत्तानी कन्स्ट्रवसन, लक्ष्मी, प्रापिम, मेंटर, थिर एतर रोड, कन्डोबिल (पश्चिम), बम्बई-40003 (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिंक व्यक्तियों में से सिक्सी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेक्रस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हर्ी, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

गाँप नं० 1 दातानी, ग्राम बिल्डिंग, एस० जी० रोड, कांदेवली, बम्बई।

अनुमूची जैसा कि कि० मं० अ० ई०-4/647/83-84 को जो बम्बई के मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 2-7-83 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> (न्जिय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक: 12 मार्च. 1984

प्रस्प आई. टी.-एन. एस.------

जायकर विभिन्यिम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भूधीन स्वना

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक वायक र वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज - । बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० ए०आए०-4/37ईई/645/83-84---अतः मझे विजय रंजन

शायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ब के नेशीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० गाप नं० 12, ग्राउन्ड फ्लोर, 'ननाली'' बिहिंदग, नं० 1, प्लीट नंबर 48, और 50, बालनाय व्हिलेज भालाड (पण्चिम) बम्बई-64 में स्थित ।

है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 2-7-1983को रजिस्टर्ड है।

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के धरयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-कता, निभ्नतिबित अव्यक्तिय से उपस् मन्तरण निवित में वास्तीयक इन्द्र से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वायत, उक्त अधिनियम के सभीन कार पाने के सन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- ं(च) एेसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता मधिनियम; या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिज्याने में स्विभा के सिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निम्नसिक्ति अधिकत्यों, कर्यात् :---

1. मैसर्स मनाजी कारपीरेशन

(अन्तरक)

2. गोल्डलन डेरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुपना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाय:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

लक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. मो अधिनियम, के अध्याय 20-क में 🌓 , नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा 🐉।

अनुसूची

शाप नं० 12, ग्राउन्ड फ्लोर, 'मनाली'' बिल्डिंग नं० 1. प्लाट नं॰ 48, 49 और 50, वालनाय व्हिलेज, मालाड पश्चिम) बम्बई-400 064 में स्थित है।

अन्सूची जैस: कि ऋ० सं० ए-आर-4/645/83-84 में और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई ब्रारा दिनांक 2-7-1983 (को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनोंक 9-3-1984 मोहर 🖈

प्ररूप नाइ¹, टी. एव. एस.-----

भामकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थना

भारत अधकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1984

निर्देश सं० ए०आर-4/37ईई/624/83-84—अत: मुझे, विजय रंजन

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव प्लैट नंव ए-303, 3 रो मंजिल, मोदी नगर, आदर्श को-आपव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, मथुरादास रोड, कांदिवला, (पश्चिम) बम्बई-67 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 279 क, ख, के अजीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-7-83 को

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नितिश्वत उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिश्वित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन् या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

1. थी गांतिलाल अमुसलाल मोदी,

(अन्तरक)

2. श्री छोटालाल परशोत्तम दास मेहता और श्रीमती शारमिष्ट्रा छोटालाल मेहता

(अन्तरिती)

- 3 श्री छोटालाल परशोस्तमदास मेहता श्रीर श्रीमती गारिमष्ट्रा खोटालाल मेहता
- (3) वह व्याक्त, जसके आधभोग में सम्पात्त है)

को यह त्वा चारी कारके प्यों कत सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

ब बद सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप:-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शान्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पलेट नं ए-303, 3 री मंजिल, मोबी नगर भादर्श की-आप-हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, मथुरादास रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67, में स्थित है।

अनुसूची जैसा वि ऋ० सं० अई-4/624/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 29-7-1983 को रिजस्टई निया गया है।

> जिजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणण) अर्जन रेंज 4, बस्बई

विनांक 9-3-1984 मो**हर** ।

प्ररूप माइ. टी. एम. एस.-----

1. मैसर्स अरुण इंटरनेशनलं

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

2. डा॰ प्रदीप मनीलाल मेहता

(अन्तरिया)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 4. वस्बई

बम्बई, विनांक 12 मार्च, 1984

निर्देण सं० अ०ई०/4/873/83-84—अतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० फ-2, तल मंजला, साइ बाबा नगर, एस० बं१० रोड, बोरेबली, बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से बणित है) और जिसका करारनीमा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है। में रजिस्टीकरण

म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख़ 4-7-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचिते बाजार मूल्य से कम के दर्वमान शृतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मौत का जिन्त बाजार ब्रुप, उसके दर्वमान प्रतिफल से, एसे दर्वमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गमा है:---

- (फ) बंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जैतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :--- को यह स्थाना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिकित में दिये जा सकर्ण।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त घट्टां और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नवीं है।

समय की

फ्रीट सं० एफ-2, साई बाबा डाम, एस० पी० रोड, बोरेवर्ला, बस्बई

अनुसूर्वा जैसा कि कि सं अ०६०/4/873/83-84 और जो बन्बई, के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय दिनांक 4-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 4, बम्बई

दिनांक 12-3-1984

मोहरू 🖫

प्रकप काइ . टी . एन . एक . ------

नायकर निभिन्यम,, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-म् (1) के बधीन स्थना

नारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्वेश सं० अ०६०/3/2362/83-84--अत: मुझे अ० लहीरी,

बावकर बीधिमवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतक पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 289-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/ रतः से **विभक ह**ै

और जिसकी मं० 9, मूलदीप सोमायटी, है तथा जो एस० एल० रोड, मुलंड, बम्बर्ड में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई क सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 17-7-83 की रजिस्टर्भ किया गया है।

को प्रवेक्ति सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के ख्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (**अंतरितियों**) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नशिवित उद्देश्य से उन्त बन्तरण सिवित में बास्तविक कप से कि भित नहीं किया नवा है:--

- (सह) मन्तरंग संदुर्द किली नाम की नावस, उपल अभिनियम् के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने हा उससे वजने में सुविधा में किए; मीर/वा
- (का) एरेरी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियाँ को, जिल्हें भारतीय बाय-कर मधिनियम, 1922 '(1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिया के किए:

अतः वयः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुकारण भी, भी, उक्त क्रिशितयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीत, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्शत् ६--

1. श्रीमती भारती बी० राष

(अन्तरक)

2. भी अजीत राम जी० तिवेदी

(अन्तरिती)

को यह स्थाना वारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माम्रोप :--

- (क) इस स्वानाको राजपण में प्रकाशन की तारीका से 45 वित की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वनाकी तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्विचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब मे 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध जिल्ली जन्म व्यक्ति कुबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंसे।

स्पद्धनीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वग्स्ची

ब्लाक नं० 9. पहला माला, मूलदीप को०आप० हाउसिंग सांसायटा 175 स.० डी० एस० एल० रोड, मलंड , बम्बई-80 अनुसूची जैसा कि कि के सं अ अ ई-3/545/83-84, और जो बम्बई, के सक्षम प्राधिकार के कार्यालय विनांक 15-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहं री सक्रम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज 3, बस्बई

ग्रा**रीय** 13-3-1984

१७% मार् । दील प्रस्ता प्रस्तानगण्या

बावकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कार्यकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च, 1984

निर्देश सं० अ०ई०-III/2383/83-84-अतः मुझे अ० लहीरी

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें विश्वास कार्य का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृत्य 25,000/- हुट से अधिक है

और जिसकी सं वं -21, वसूर्वा 7 वा रोड है, तथा जो राजाघाडी, घाटकोपर . बम्बई में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूर्वा में और जो पूर्ण रूप से विणित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में दिनाक 6-7-83 को रजिस्टई किया गया है।

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मृत्यहरून वे हुई किसी मानुकी वावत, कानध् नीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उसके व्यूने में निन्धा के सिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी साय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए

कतः अंग, उपत अभिनियम की गाँच 289-न की अनुसरम मों, मीं शक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारी (1) के अभीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. मैं० अरियसं लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल कृष्णन नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पुत्रों वस सम्पत्ति के वर्षण के जिल् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की अविभि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किली व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित क्या किसी अन्य व्यक्ति त्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकींगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होग़ा जो उस अध्याय में दिया सवा ही।

वन्त्यो

पलैट नं० 21, बसूकी 7 वां रोड, विधा बिहार, बम्बई-77 अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अ०ई०-III/1049/83~84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 6-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० ल**हारी** मक्षम प्राधिकार। सहायक आयक्तर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रोंज-III, बम्बई

दिगांपा 5 मार्च, 1984 मोहर ३ ब्रुक्ष बाइ[‡]. टी. एन. एस्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरक्षिण) अर्जन रेज-र, धम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च, 1984

निदेश सं० अ०६०-1, 37ईई, 663, 83-84--अत: मुझे

आर०के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पसैट नं० 1103, 11 वीं मंजिल, 'जोगाना प्रपार्टमेंट', 29-बी, डुंगरणी कास रोड, निअर धोबीघाट, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करार-नामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खें अर्थान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है। विनांक 19-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नीसचित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक क्य से कृषित नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उमसे अच्छे में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ध्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

जतः ज्यु उनतं जीभीनियमं की भारा 269-गं के जनसरण भी, भी, उनतं अभिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के जभीन, निस्तिलिसिस व्यक्तिस्यों, जभीस् ६1. मैसर्स युलन टैक्सटाइल ट्रेडर्स

(अन्तरक)

2. श्री अमरीतलाल जवहारलाल जैन, और श्रीमती उत्सव अमरातलाल जैन

(अन्सरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिश या तरसम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीव हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बहर परी

पलैट नं॰ 1103, 11 वीं मंजिल, 'जोगानी अपार्टमेंट', 29-बी, डुंगरणी कास रोड, निअर धोवीधाट, मलबार हिल, वस्वई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अ०६०-1,565,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० विकास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण') अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 13-3-1984 महिर् ॥ प्ररूप आहूर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः स**हा**यक <mark>शायकर आयुक्त (नि.रीक्षण)</mark> अर्जन रेज, I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च, 1984

निर्देश सं० **भ**०ई०-1/375ई/613/83-84——**अ**तः मुझे आर० के ० बकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रे- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 107, आशीर्वाद अहमदाबाद, स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर द्विजिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अर्धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 14-7-1983 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वाक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उपित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित को बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किथी बाम की वानता, उक्त जिमित्यम के अधीत कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

नतः जब, उक्त जीभीनयम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजीवत व्यक्तियों, अधीतः— 1. आरती फ्रेट मुम्हर्स,

(अन्तरक)

2. श्री नवीन टी० ठक्कर,

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती 🕕 🕟

(बह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त संपर्तित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

107, आशीर्वाद, अहमवाबाद स्ट्रीट, ब्रम्बई-400 009 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० **अ०६०-**J/590/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है

> श्राप्त के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-3-1984

मोहर ः

प्ररूप बाइ टी. एन. एस. -----

भारत वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानन, सङ्ग्रक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मार्च, 1984

निदेश सं० अ०ई०-1/37ईई/723/83-84---अतः, मुझे, आर०के० बकाया.

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाषा 269-क के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जाफिस प्रिमिसेन नं० 43, है तथा जो राजगिर चेंबर, 12/14, णहीद भगत मिह रोड, श्रोल्ड कस्टम के सामने, बम्बई में थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 21-7-83 को रजिस्द्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत विधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिक्ति उद्वेश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से किथान नहीं किया नवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बायुकी बावत, उपल अभिनियम के अभीन कर दंने के अन्तरक के शायित्य में अभी कपुने मा उपले वचने में सुविधा के सिए; सूरि/बा
- (क) एती किसी आप वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्तिशा के लिए;

बत: अब, उक्त बीधनियम की भारा 269-स के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निस्मिलिकित व्यक्तिसीं, अर्थात् :--- 1. मैसर्स राजगिर बिरुडर्स

६(अन्तरक)

 श्रीमती लिना नितिनकुमार पारेख, डवाइंटली विथ श्री नितिनिकुमार एम० पारेख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुव रा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे :

स्वक्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किथिनयम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अथ्याय में विया गया है।

वन्स्ची

आफिस प्रिमिसेंस नं० 43, राजगिर चेंबर, 12[14, महीद भगतिंसह रोड, घोल्ड कस्टम के सामने, बम्बई में स्थित है।

अनुसुचौ जैसां कि ऋ० सं० अ०६०-T/654/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड के हारा दिनांक 21-7-1983 को • रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरी ण) अर्जन रेंज, I, बम्बई

दिनांक: 14-3-1984

माहर:

प्ररूप बार्च.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ा, अम्बई

वम्बर्ड, विनोक 14 मार्च, 1984

नर्वेश सं० अर्ड-1/37ईई/780/83-84 अनः, मुझे, आर०के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार बृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

श्रीर जिसकी सं व्युतिट नं व 114, श्रीर 115 है, तथा जो 1ली मंजिल, बुसा इंडिस्ट्रिमल इस्टेट, बुसा इण्डिस्ट्रियल, प्रिमिसेस, को ब्लाप को सायटी लिमिटेड, एल्फिस्टन रोड, बरली, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिमांक 21-7-83 की रिजिस्ट्री है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम र्धामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के बन्तर से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथत से महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कमी करने या उत्तसे अवने में कृत्रिया के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अव. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीर निम्निसिवित व्यक्तियों, अभीत्ध--- श्रीयूगुफ अश्री ए० वहानबटा

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री चंद्रकान्त कल्याणजी गहा
 - (2) श्री यलिन जैसिंगलाल शहा
 - (3) श्री निरंजन जैसिंगलाल महा
 - (4) अतुल जयन्सी लाल शहा

(अन्तरिती)

- (3) अन्तरक ।
- (3) (बहु व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्ताकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसनी

युनिट नं 0 114 ग्रीर 115, 1ली मंजिल, बुसा इण्डस्ट्रियल प्रिमिसेस को-आप० सोसायटी लिमिटेड, एल्फीस्टन रोड, वरली, बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा कि कु० सं० अ०६०-1/663/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 21-7-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम (रेंजन J, बम्बई

दिनांक 14-3-1984 मोहर् प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० **भ**०ई-1/37ईई/603/83-84--अतः मुझे **क्षार**्के० बकाया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० यूनिट नं० 116, बुसा उद्योग, भवन, इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप० सोसायटी लिमिटेड, टी० जे० रोड, सिवरी (पण्चिम) , बम्बई -15 में स्थित हैं (न्नौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में न्नौर जो पूर्ण रूप से विणित है) न्नौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 14-7-1983

को प्रवेक्ति सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वेष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में सस्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्ता अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के सामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मित्री उन्तर प्रकर नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- 25-36 GI/84

जैन आदर्श दुग्धालय,

(अन्तरक)

2. मैसर्स रमेश एण्ड कंपनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों चरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थान्द्रीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>्ची

यूनिट नं० 116, बुसा उद्योग, भवन, इण्डस्ट्रियल प्रिमाय-सेस को-आप० सोसायटी लिमिटेड, टी० जे० रोड, सिवरी (पिचम), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अ०ई०-1/37ईई/588/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज !, बम्बई

दिनांक: 14-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

यम्बई, दिनांक 14 मार्चे 1984

निर्देश सं० थ्र०ई०-1/37ईई/605/83-84—श्रतः मुझे, श्रार०के० बकाया

कायकर अधिनियम, 1961 (196: का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'लयः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अधि अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- ४० से अधिक है

धौर जिसकी सं० यूनिट नं० 118, बुसा उद्योग, भवन, इण्डस्ट्रिज प्रिमायनेंग को-प्रापरेटिय सोसायटी लिमिटेड, टी० जे० रोड, सिचरी (पिष्क्षः) बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) धौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 14-7-1983

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों के संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नोलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां. जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरितों हवारा प्रकट नहीं किया गया था वा विशा जाता चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं^क, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्न√िसित व्यक्तियों, अर्थात् ∷— श्री रतीलाल बी० मेहता (एच० यू० एफ०) बाय कर्ता विजयकुमार भार ० मेहता

(भ्रन्सरक)

2. मैसर्स रमेश ब्रदर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरों करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविज या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धमलची

यूनि ट र्नं० 118, बुसा उद्योग भवन, इण्डस्ट्रिज 'प्रिमायसेस को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, टी० जे० रोड, सिवरी (पश्चिम) बम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ऋ० सं० श्र०ई०-1/591/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> श्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, बम्बई

दिनांक 14-3-1984 मोहर : प्रक्य वाहा. टी. एन. एड.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज I, बम्बई बम्बई, विनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० श्र॰ई०-1/37ईई/682/83-84—श्रतः मुझे, श्रार०के० बकाया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, 1 ली मंजिल, बिल्डिंग, नं० 1, सम्प्राट ग्रशोक को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 7, रित लाल ग्रार० ठक्कर, मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 21-7-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क्रिन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्य से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण के हुए किसी आय की बाबत उक्त किथीनसभ के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी कारने या उससे अपने में सुविधा के लिए; बार्ट या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्रीमती मिनोबेन भारत मेहता

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री शणिकान्त परमानन्द दोशी
 - (2) श्री उमाकान्त परमानन्द दौशी
 - (3) श्री विरेन्द्र परमानन्द दौशी,

(ग्रन्तरिती)

भेतन सी० शहा

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्पन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्य से कहनेने भी व्यक्तियाँ पर सूचना की बामील से 30 दिन की बत्रिय, जो भी बतिय बाद में कार्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में कि कि विद्या होती हो,
- (क) इस स्चना के राजधन की तारीक के 45 निन् के भीत्र उक्त स्थावर सम्भित्त में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कोकरणः—इसमें प्रयुक्त कार्यों और पदों का, जो उक्त ऑधोनअम, क ल्याय 20 क में परिभाषित वहीं ग्रथ होता जो उस अध्याय में दिना स्माहा।

अनुसुची

फ्लैट नं०1, 1लो मंजिल, बिल्डिंग नं०
1, सम्प्राट श्रगोक को-आपरेटिय हार्डीलग सोसायटी लिमिटेड
7, रतिलाल भार ठक्कर मार्क, बम्बई-6 में स्थित है।
श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ई-1/598/83-84 और
जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 21 जुलाई
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

म्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, बस्बई

तारीख :- 13-3-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० ग्राई-1/37ईई/338/83-84-श्रतः मुझे, श्रार० के० बकाया,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रूपये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-1, तीसरी मंझिल, गिरीराज को भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अल्टामाउंट रोड, खंबाला हिल, बम्बई-26 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम में 1961 की धारा 269, क, ख के श्रिधीन बम्बई सक्षम प्रःधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। दिनांक 6 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित साजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्दरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के सामिका जाना भारती हुए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री श्ररूण एम० पंडया

(भ्रन्तरक)

- श्री जगदीश श्रार० मैहता
 - 2. श्रीमती श्रार० मेहता
 - 3. श्रीमती निरुपमा भार० मुजूमदार

(म्रन्तरिती)

- श्रीमती श्रार० मेहता
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)
- 4. श्री शिवांग जे० मेहता
 - कुमारी सलोनी जे० मेहता
 - कुमारी शेरबानी जे० मेहता

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता

है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं॰ ए-1, तोसरी मंश्रिल, गिरीराज को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रल्टामाउंट रोड़, खंबाला हिल, बम्बई 26 में स्थित ।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं ग्राई-1/572/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 6 जुलाई 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, I, बम्बई

ता**रीख :--13-3-84**

प्रकृत बाह्य हो , एक , एक , ध = = ====

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० भ्राई-1/37 ई० ई०/573/83-84--भ्रतः मुझे भ्रार० के बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्रिमायसेस नं० 22, बेसमेंट, टी वी, इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, वरली रोड़, बम्बई—25 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4 जुलाई 1983

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निचित्त को वास्तिक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से क्रिंड किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः बंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ६ कुमारी माधुरी जी० क्षांगियानी ग्रीर श्री विवेक जी झांगियानी

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स भाउथ इंडिया वॉच ईण्डस्ट्रिज प्राईवेट लिमिटेड बम्बई ग्राफीस

(भ्रन्तरिती)

3. मैसर्स साउथ इंडिया वॉच इण्डस्ट्रिज प्राईवेट लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के गर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्रिमायसेस नं० 22, बेसमेंट, टी वो० ईण्डस्ट्रियल इस्टेट, 248 वरली रोड, बम्बई-400025 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसाकि क० सं० श्राई-1/37 ई०ई०/ 549/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4 जुलाई 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, बस्बर्ष

तारीख : 14-3-84

मोहर ः

प्रस्पृत् बाइं. टी. एत्. एस. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० आई-1/37 ई० ई०/742/84-84---अतः मुझे आर० के० बकाया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 डी, 6 वी मंझिल, 'क्रिस्टल' को-आपरेटिय हाउसिंग सौसायटी 36 अल्टामाउंट रोड़, बस्बई 400026 जिमिटेड में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रुप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 22-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिकात स्पक्तियों, अर्थान् ६ श्री सुन्दर जे० उत्तम सिंह ज्वांइटली विष श्रीमती बी० एस० उत्तम सिंह और कुमारी विका एस० उत्तम सिंह

(अन्तरक)

- 2. श्री रम्मीकान्त भगवानदास शाह, और
- श्री रिश्मकान्त भगवान दास शहा ज्वाइंटली विश्व श्रीमती वंदना रश्मीकान्त शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुची

फ्लैंट नं० 6-डी, 6 वी मंजिल, "किस्टल" को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 36, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई-400 026 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अ०ई०-1/535/83-84 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-7-1983 को रजिस्टई किया गया है ।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज-1, बस्बर्ष

विनांक : 14-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

भर्जन रण, 1, बम्बई

बबई, दिनांक 14 भार्च 1984

निदेश सं० अ०ई०-1/37ईई/2244/83-84—-अत: मुझे आर०के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 3, ग्राउन्ड प्लोर, "शिवालीक", सेंचुरी बझार, बम्बई-25 में स्थित है, ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-7-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्परित का जिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी अाय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री अलीसन कादर आफीसवाला
 (2) श्रीमती जेअनी अलीसन आफीस वाला,

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्वाती सुभाष चन्द्र सुर्वे

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्त् ची

माप नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, "शिवाँलीक", ए० एस० मराठे, मार्ग, भफतलाल कल्याण केन्द्र, के सामने, सेंचुरी, बजार, अम्बई-25में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ०६-1/डिस्ड/25/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-83 को रजिस्टर्ड कियागयाहै।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांका: 14-3-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाँरा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० अ०६०-1/37ईई/580/83-84—-अत: मुझे आए० के० बकाया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० ८, रतन अबाद को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, तुकाराम जावजी रोड. बम्बई-400 07 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री, दिनांक 5-7-83

को प्रोंक्त संपति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और म्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त बन्तरण निखित में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण त' हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जार/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1.सुनन्दा मुरलोधर भंडारे, और मुरलीधर चन्द्रकांत भंडारे (अन्तरक)

 कोल्हापुर जिला भेतकरी विश्वकरी सहकारी सूत गिरणी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए एतद्द्यारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 8, रतन अबाद को-आप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेंड, मुकाराम जावजी रोड, (स्लेंटर रोड), बम्बई-400 007 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अ०ई०-1/508/83-84 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 5-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० वकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, बम्बई

विनोक 14-3-1984

भक्तप **बार्ड**. टी. एन. एस. ------

आयकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण्) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निवेश सं० अई-1/37 ईई/617/83-84--अन: मुझे, आर० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण 8 कि स्थावर संपति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० गाणा नं० 334. तीसरी मंजिल, निअर सेंचुरी बाजार प्रभादेवी, जम्बई-100 025; में स्थित है (कल्याण-दास उद्योग भवन प्रिमायसेस को० आप० सोसायटी लि०) में त्रेंचत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बिणत है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-7-1983,

को प्वेंक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है बोर मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आसतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारतेया जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
26—36 GI/84

(1) मैसर्स डी० के० इण्टरप्राइसेस

(अस्तरका)

(2) मेसर्स सिलक्टोह्म अर्टस

(अन्तरिती)

(3) अन्तरम

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती फर्ग और पार्टनमें (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संगरित के अर्जन के जिद कार्यज्ञाहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 😁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित मों किए जा अकरेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित. हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

ग्रनुसूची

गाला नं० 334, तीसरी मंजिल, निअर सेंचुरी बाजार, प्रभादेवी, बम्बई-400 025 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कर सं० अई-1/603/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक $8\sim7-1983$ को रिजस्टर्फ किया गया है ।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांकः : 14-3-1984

मोहर 🖫

प्रकप बार् दी एन एस . -----

बायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प्र (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/595/83-84--अतः मुझे, आर० के० बकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 26. चौथी मंजिल. सीला महल की० आप० हाउिस्त मोमायटी लिमिटेड. बोमनजी पेटीट रोड, बम्बई—36 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाजित है). राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजस्ट्री है, दिनांक 6-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रथमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्ति में वास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- ्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधः। के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

बत: बस, उदन अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमोतो राषोजाई वाइफ क्षाफ धवानी क्षिणनचन्द परसराम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उपा अन्यभाई पंडया और अन्यभाई एम० पंडया

(अन्परिती)

का यह सूचना जारा करके प्रशेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुकता के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए था सकोंगें।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्यय 20-क मो परिभाषित है, बही कर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया संसाही।

ममुसुची

पर्लंट नं० 26, 4थी मंजिल, सीता महल को० आप० हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, बोमनजी पेटीट रोड, बम्बई-400 036 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अई-1/516/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो वस्बई द्वारा दिनांक 6-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज—1, वस्बर्ष

दिनांक : 13-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० अई--1/37 ईई/583/83--84---अतः मुझे, आर० के० बकाया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000√-रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लॅंट नं० 7 🏬 7वी मंजिल, 'प्रेम मिलन', प्रेम मिलन को०-आप० हाउसिंग **सोदा** यटी लिमिटेड, 87 -बी, नेपियन मी रोड, बम्बई--6 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्वाः मे और पूर्ण रूप से वर्णि तहै), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धार! 269 वा, व के अत्रीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालेय में रिजस्ट्री है । दिनांक 5--7--1983, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास 🖊 ्रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार र्मल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितो (अन्तरितियों) केबीच एसंअन्तरण केलिए तय पाया गया प्रतिफाल , जिम्नलिखित उद्बदेश्य से उत्कल अन्तरण िलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (ंक) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कल अधिनियम, या धन-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए:

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गंके, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री चौरूबेन प्रकृतचन्त्र पटेल

(अन्तरक)

(2) र्थाः स्रेशचन्द्रं चिमणलाल शहा 2. बंकिमचन्द्र चिमणलाल शहा

(अन्तरिती)

(३) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसंबद्ध है)

को यह सूचना जारो कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अथिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस स्चनाको राजपत्र गंप्रकाशन की तारीस से 45 बिन को भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के भाग लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः 🔻 परिभाषित हैं, वहीं वर्षहोगा जॉ उस वश्याब में किया गया हु ।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 71, 7वीं मंजिल इन प्रेम मिलन इन दी प्रेम भिलन को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 87-बी, नेपियन सी रोड, बम्बई-400 006 में स्थित है।

अनुमूचो जैसा कि ऋ० सं० अई-1/505/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1983 को रजिस्टई क्यागयाहै।

> ,अरि० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

विनांकाः 13-3-1984

प्ररूप वार्च. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
 अर्जन रेज-1, बम्बई
 बम्बई, धिनांक 13 मार्च 1984
 निवेण सं० अई--1/37ईई/675/83-84--अतः मुझे,
 आर० के० बकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 53-ए, बेले ह्नयू को ० आप० हा उसिंग सोसायटो लि ०, 85, भूला माई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित. (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, विनांक 21-7-1983,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वार अरने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरि शिक्ति से अन्तरित में किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में सस्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूर्विभा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अतः, अक्तः पधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में उका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती उषावेन ए० पंडया

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिमा जी० शहा और गोपाल सी० शहा ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यित्रायों में से किसी व्यक्ति धवारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्दध किया अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास लिएनल मो जिए जा सकीयी।

स्पर्ध्वाकरणः — इनमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 53-ए, बेले ह्युयू को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 85, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं। अंनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/561/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-7-1983 की रिजस्टड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक : 13-3-1984

माहर :

प्ररूप बार्ड ्टी ्एन ुएस ्न - - -

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेजें-३, वस्बई

बम्बई, दिनांगः 9 गार्स 1984 निवेध गं० अई-4/37ईई/593/83-84-सागः मुझे, बिजय रजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ह

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, एवरणाईन अपार्टमेंटस, नं० 2, जब प्रकाश रोड, श्रंधेरी (पिण्चम), बम्बई—53 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में छार पूर्ण रूप से बिणत हैं), रिअस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्याक्त्य, वम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्त्य में रिजस्ट्री है, दिनांक 4-7-1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, अराके स्थ्यमान प्रतिफाल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफाल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त मिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिशा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनस अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याननार्ध करिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना शिहए था, छिपाने में स्त्रिका के निए;

अतः अब उत्तत अधिनियम की धारा 269-म को अन्सर्ण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिक्षित व्यक्तियों, सर्भीत:---- (1) श्री एम० टी॰ आई० लाकडावाला

(अन्तरक)

- (2) श्री सीं० टी० अडवानी
 - 2. श्रीमती एम० सी० अडवानी
 - श्रीमती ह्वी० आय० मनशारामानी

(धन्तरितीं)

(3) अन्सरितीयां (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं)। इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औ। जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

नलैट नं० 15, एवरशाईन अपार्टमेंटरा, न० 2, जय प्रकाण रोड, श्रंधेरी (पश्चिम), वस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि॰ सं॰ अई-4/37ईई/80/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बर्ध द्वारा दिनांक 4-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, सम्बई

अम्बर्द, दिनांक 9 मार्च 1984

निवेश सं० अर्ध-4/37ईई/573/83-84—अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० पर्वट नं० 2, सहाम अपार्टमेंट, 28-ए, हरीदेवी बाई को० आप० हार्डासग सोसायटी हिल रोड, जोगोश्वरी (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उगावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण-रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारणामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्टी है। दिनांक 2-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत हाधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--

- (1) श्री भगवान शाहेजिन कुरोम भिवाल (अन्तरक)
- (1) श्री एच० बाला कृष्णा प्रभ (अन्तरिती)
 - ... ~ ...
- (3) --- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कनरा बैंक, गोरेगांव श्रांच, बम्बई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाधु मों समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

फ्लैट नं० 2, सहाम अपार्टमेंट, 28-ए, हरीदेवीबाई को० आप० हाउसिंग सोसायटी, हिल रोड, जोगोश्वरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं श्राह्म-4/87/83-84 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1983 को रिजस्टर्फ किया गया है ।

विजय **एं**जन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

दिनांक: 9-3-1984

मोहर

प्ररूप कार्ड. टी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) क जधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

 $\frac{1}{4}$, अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/643/83-84—सतः मुझे, विजय रंजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० जी०/12, तीसरी मंजिल, साईधाम, आफ एस० ह्वी० रोड, बोरीवली (पिष्नम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के सधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-7-1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जूबित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कृष से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दयारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्ति, अधीत :---

(1) मेसर्स अरुण इण्टरनेशनल

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश गिरधारीलाल तलरेजा श्रीर श्री भगोक गिरधारीलाल तलरेजा

(अन्तरिती)

(3) विकेशा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस राचना के गाजपत्र से प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अत्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

भन्स्ची

फ्लैंट नं० जी/12, तीसरी मंजिल, साईधाम, आफ एस० ह्नि० रोड, बोरीबली (पश्चिम), बम्बई-400~092 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं०अई-4/663/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 16-7 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **अ**र्जन रेंज–4, बम्बई

दिनांक: 12-3-1984

प्रारूप वाद् ेटी पुत् एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० अई-4/37 ईई/572/83-84—सतः मुझे, बिजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं 0 10/बी, पलैट नं 0 305, मित्य नगर, जे० पी० रोड, श्रंधेणी (पिष्यम), अम्पर्ट-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है). श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 22-7-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिशी (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

(क) अन्तारण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनयम औं अभीन कर दोने के अन्तार्क के दासित्य में क्या करने या उससे रचने में मुज्यि के लिए; और/या

एसी किसी नाय था किसी वन या अस्य आस्तियों का जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री दोसाभाई खेरशेडजी भातेना श्रीर श्रीमनी खुशक डी० भानेना

(भन्तरक)

(2) श्री योगेण कुमार मुरावाला श्रीर श्रीमनी गिता योगेण कुभार मुरावाला ।

(अन्तरिति)

का यह स्वता भारी करके पृशासित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता. हंू।

उक्त सम्परित के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई-भी आधीष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी की पास निषित में किए जा सकींगे।

म्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त कर्वों और पदों का, जो उक्त ⇒ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40/नी, फ्लैट नं० 305, मिनष नगर, जै० पी० रोड, मंधेरी (पश्चिम), बम्बई~58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/88/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 22-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज**–4, **बम्ब**ई

दिनांक : 9-3-1984

मोहर 🗵

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.------

बानफर वीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीत स्थता

नारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निवेश **प्राई-4**/621/83-84-्यतः, सं० मुझे, विजय रंजन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० एम०जी० रोड, डातानी ग्राम बिल्डिंग, हेम्कालानी कास रोड, कांदेवली, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचे: में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्टर्ड **हुमा है,** दिनांक 2-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विद्वास **करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित** बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अंतरिकियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-**कत निम्नीनिधन उद्दोस्य से अक्त वन्तरण निर्मित** मे[ं] बास्तिबक 🕶 ने कथित नहीं किया नवा 🦸 ः—-

- (क) अन्तरण ते हुई किसी काव की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धीने के अन्तरक के का बार् कमी करने वा उससे बचन में मृतिभा को लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी गांव ना किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-**कर विभिनियम,** 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना भाहिए था, छिपाने में समिधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निसिसित व्यक्तियों , अर्थात् :---27-36GI|84

(1) श्री गोधंनदास भार० टैंक

(श्रन्तरक)

(2) श्री सूर्यकांत श्रार० उदेशी

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृत्रों थल सम्मलित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाम लिखिल में किए जा सकरें।

अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भाप नं ० 5, डातानी ग्राम बिल्डिंग, एम० जी० रोड, हेम्-कालानी कास रोड नं० 3, कांदेवली बम्बई-67।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई/4/621/83-84 को बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 2-7-1983 को रजिस्टर्ड हुआ है।

> विगय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/592/83-84—यतः, मुझे, विजय रंजन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौट जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, 4थी मंजिल, गंगा निवास-2, सिंधु सासायटा, जोगेण्यरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युवश्य से उक्त अंतरण निश्चित में बाम्तिय एप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सिविधा केलिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अस्मानियम, 1957 (1957 का 27) के अस्मानियम, प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

मत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) गीता कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरिता हरीगोपाल जोशी

(श्रन्तरिती)

को यह सूधमा जारी करके पूर्वीक्त सभ्यस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

चौट नं ० 15, 4थी म जिल, गंभा निवास-2, सिंघु सोम्पायटी, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ ग्रई-4/89/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1983 को रिजस्टर्ङ किया गया है ।

विजय रजन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 9-3-1984

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

ब्राइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/651/83-84—यतः, मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404 जी, पटेल नगर, एम० जी० कास रोड नं० 4. कांदिवली (पिष्टिम), बम्बई-400067 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करानामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खें के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-7-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उखित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त बन्तरण मिषित में बास्त्विक इस्त से कृथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के धीयत्व में कभी करने या उसने बचने में स्विधा के सिक: और/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में निया के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- (1) के० पटेल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (धन्तरक)
- (2) श्री विपिन रामदास गहा (अन्त*ां*रतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन के भीतर शक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी बस्य व्यक्ति द्वारा नुधाहस्ताकारी के पास निवित में किए था सकोंगे।

स्वच्टीकरण:--इसमं प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पलैट नं० 404 जी, पटेल नगर, एम० जी० कास रोड, नं० 4, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-400 067 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि का० सं० ग्राई-4/651/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायके श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

दनांकः : 13-3-1984

प्रकृप कार्द्र . टी. एव . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, धम्बई

बम्बई, दिनांक मार्च 1984

निर्देश सं० पं१० अई०-4/640/83-84---यतः मुझे; विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रूड. से अभिक है

और जिसकी संव गाप नंव 4, पंकज श्रपार्टमेंट्स संकर लेन, कांदे बली, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा-269 क, ख के श्रधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है, विनांक 16 जुलाई, 1983

कां पूर्वोक्त-सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब पावा गया प्रति-फल निम्मीसिवत उद्देश्य से उचत नंतरण सिवित में वास्तीमक स्प हे स्वीधत नहीं किया प्रा है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी आव की बाबत उक्त बिध-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए बीर/का
- (ब) इसी निक्सी जाय या निक्सी धन या अच्य जारित्यों को, चिन्हों भारतीय जासकर अभिनियम, 1922 (1922 का !1) सा उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया भाग जाहिए था, कियाने से सुविधा खे किए;

जत जब, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की जपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री तेजुभाई एन० बदरपुरा

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर बी० मंडाला

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रगुक्त सन्दों और वहीं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याम में विमा गया है।

अनुसूची

शाप न' ० 4, पंकज भ्रपार्टमेंटस, शंकर लेन, कांदेवली (पश्चिम) बम्बई ।

भ्रनसूची जसा कि ऋ० सं० म्राई-4/640/83—84 म्रौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 16-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिगांक : मार्च 1984

मोहर ः

प्ररूप आर्". टी. एन. एस.----

बायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

अवर्धासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० **४०**० ई०--4/625/83--84---यतः, मुझे, विजय रंजन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित गाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० क्ष6/15 महेण नगर है तथा जो एस० बी० रोड, गोरेगांव, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है, दिनोक 18-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिकित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्तरिती इयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जानकीलाल एमु० बोहरा

(मन्तरक)

(2) श्रीमती दुर्गांदेची आर० दागा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्तिस ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वबा हैं।

मन्सूची

अ6/15 महेश नगर, एस० वी० रोड, गोरेगांव, बम्बई-62। अनुसूची जैसा कि क० मं० अई/4/625/83-84 दिनांक 18 जुलाई 1983 श्रीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड हुंग्रा है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बई

दिनोक : 9-3-1984

मोहर 🛭

प्रक्ष बादौ . टी. एत. एसं - - - ----

नायभर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--ाँगै, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

मिवेंश सं० अ० ई०-III 2343/83-84---यतः, मुझे, भ्र० लहीरी,

प्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 10, 212—बी, श्रेयास है तथा जो वी० पी० रोड, मुलूंड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुआ है,

दिनांक 12-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल् से, एसे दश्यमान प्रतिफल् का पन्नस्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल् निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे फिसी आय या किसी धन या अन्यः अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अज्ञलत अधिनियम, या भून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिये;

(1) श्री आर० एम० भट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जोश्ना शंकर चंदन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ट, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितंबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुसूची

फ्लैट नं० 10, 212-बी, श्रैयास, बीठ पीठ रोड, मुलूंड, बन्बई ।

अनुसूची जैसा कि कि सं धार ई०-III/1063/83-84 है ग्रीर॰जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में विनांक 12-7-1983 को रजिस्टर्ड हुआ है।

> **श्र० सहीरी** स<mark>क्षम प्राधिकारी</mark> सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बस्बई

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनोक : 12-3-1984

मुक्य नाइ.टी.युग पुत .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक जायकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० अ० ६०-111/2228/83-84--यतः, मुझे, घ० नहीरी.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिकम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 16, जे० एस० एस० एस० गृह निर्माण संस्था लि०, बी० पी० रोड, मुलूंड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर आधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन है श्रीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 12-7-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुम्में यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण वे हुई कि.सी शाय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्याने में सुविभा के सिए; और/शा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंदभा के सिंद्र;

शतः सव, उक्त सीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं. उक्त सीधीनयम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) भी यशवन्स के० माह

(अन्सरक)

(2) श्री किशोर के० सावला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जनभि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किये जा सकींगे।

स्वत्वीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

फ्लैट नं ० 16, जे ० एस० एस० एस० गृह निर्माण सं ० लि०, वी० पी० रोड, मुलूंड, बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आ० ई०-III/1068/83-84 है और जो बस्धई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1ं, वस्व**र्ड**

विनांक : 12-3-1984

प्रकप बाइ, टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्वेश सं० अ० ई० $-\widetilde{\Pi} / 2433/83-84$ —यतः, मुझे, अ० सहीरी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, सागर, जय जतीन की० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 353/बी-19, वल्लभ बाग लेन, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अश्रीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई किया गया है, विनांक 13-7-1983

को पूर्विस्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रक्ष प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा क्रे लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री धार॰ कृष्णास्वामी

(धन्सरक)

(2) श्री ए० विश्वनाथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्वना के राजका में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भलैट नं ० 1, सागर, जय जतीन को ० आप ० हाउसिंग सोसायटी लि ०, प्लाट नं ० 353/बो — 19, बल्लव बाग लेन, घाटकोपर, बम्बई — 77 ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अ० ई०-III/1048/83-84
 ग्रीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक
 13-7-1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बस्बई

·दनांक : 5-3-1984

मोहर 🖫

प्रक्रम आहे..टी..एन..एस..-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० **अ** ० ई ० -- 4/3 ७ ईई/ 583/83 -- 84 -- यत:, मझे, विजय रंजन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भूस्य 25,000/- से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गाला नं० बी-14, 2री मंजिल, धनश्याम इण्डस्टियल इस्टेट, विरा देसाई रोड, ग्रंधेरी (पश्चिम), अम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थितः सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-7-1983, को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नष्टीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उस्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के **दायित्व में कमी करने** या **उ**ससे बचने में सर्विधा - कालए; और/मा
- (वा) एसी किसी आयाया किसी अन्या अन्या आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा € सिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

28-36GI|84

- (1) श्री मिन् बी० मिस्त्री और श्रीमती बान् बी० मिस्त्री (अन्तरक)
- (2) मेसर्स भ्रोलिम्पा इण्डस्ट्रीज

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता है।

उक्त संपत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिक्तयों स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🔊 ।

अमुस्ची

गाला नं० बी'-14, 2री' मंजिल, घनश्याम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, विरा देसाई रोड, ग्रंघेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० **अ**ई-4/37 ईई/82/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 11-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 9-3-1984

मोहर ;

प्रकृष **भार**े, ठी_ंएन_ं एस_ंक्षान्यक्रात्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 धार्जन रेंज-4, बम्बई
 बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० **डा॰**ई॰--4/37ईई/590/83-84---अत: मुझे, बिजय रंजन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।,, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं यूनिट नं ्रा, पहली मंजिल, "सी" ब्लाक, प्लाट नं ्रा, करीमी पार्क, भ्रोशिवरा गार्डन रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई – 60 में स्थित है (भौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में भौर पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई शौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 25-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ममा प्रतिफल निम्नतिचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिमित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अंतरक के विधित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; वरि/वा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) मेसर्स अमीर कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरकं)

(2) श्री मोहम्भद उडमर डोंगरवाला श्रीर श्रीमती हजराबाई मोहम्भद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपश्च से प्रकाशन की नारील में 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गैंस हैं।

अनुसूचीं

यूनिट नं० 1, पहली मंजिल, "सी" ब्लाक, प्लोट नं० 1, करीमी पार्क, स्रोशिवरा गार्डन रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-60 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अ०६०-4/37ईई/81/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंखम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) **अ**र्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 9-3-1984

मोहार

प्रकृष मार्च . डी .; एम . एस . ------

बारकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्पना

भारत बदकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्नेक्षण) अर्जन रेंज-111, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० ८४० ई०/।।।/2402/83-84---अतः मुझे, अ० सहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपए सं अधिक है

भौर जिसकी सं० सी 16/118, भावेष्यर दीप है तथा जो 21वां प्रमुस्चि के भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), भौर जिसका रोड चेम्बूर वम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टई हुआ है। दिनांक 16-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, जिम्मिलिबित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिम्मिलिबत में बास्तिक रूप से किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्छ बिधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्य में कमी करनेंद्रेश उससे वचने में बृविष्य के लिए; बॉर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्थारती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना थाहिये था, ख्याने में सुविधा के सिए;

अक्षः अब, अक्षा अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण कें., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निस्ति विकास किता का विकास कें.

(1) श्रीमती कृष्णबला नारायण

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा रतीलाल पाटिल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्विक्स उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में रिद्रा गया है।

नगृज्यी

सी॰ 16/118/भावेश्वर दीप, 21वां रोड, तेम्बूर बम्बई-71 अनुसूची जैसा कि ऋ सं॰ अ॰ ई॰ 111/1074/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 16-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्र० लहरी सक्ष्म प्राधिका<u>री</u> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।।, **बम्बई**

दिनांक : 13-3-1984

प्रकथ बाइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश सं० श्राई-2/37 ईई-3082/83-84---अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अविदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से **अधिक हैं**

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401 है तथा जो 4थी मंजिल, गझदर अपार्टमेंटस बी, सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 865, 865/1 से 865/9 तक, जुहतारा रोड, जुह, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-7-

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित वाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संह्यं किसी काय की बाबत, उत्कर अधिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दावित्य में कभी करने या उसने स्वने में सुविधा कें लिए; और/ग
- (म) एसी किसी कार या किसी पत्र या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या **भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रशोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या थिता प्राना नाहिए, था, क्रिपाने में सुविधा के लिएं;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) मेसर्स यास्मींन कारपोरेशन

(अन्सरक)

भाग III--खण्ड 1

(2) श्रीमती जेहरा तैबीअली अमरावतीवाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनल संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

नगुसूची

फ्लैट नं० 401, जो "गमदर अपार्टमेंटस्, जी", 4थी मंजिल, सी० टी० एस० नं 865, 865/1 से 865/9 तक, जुह तारा रोड, जुहू, बम्बई-400 049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/3082/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-3-1984

अक्न नाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीम स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई०3/8/83-84-अतः मुझे, एच० एस० अ० श्रब्बास ग्रबिदि,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं प्रलंट नं 402 है तथा जो 4थी मंजिल, गझदर अपार्टमेंटस् की, जुहू-तारा रोड़, जुहू, बम्बई 400049 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15/7/83 को पूर्वक्ति सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, ऐसे खरमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गताफल, मिम्निलिखत उच्चक्य से उच्च अन्तरण मिन्तरण में बास्तिक रूप से किथा महीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुंड़ किसी बाय की बाबस, उक्त विभिन्तियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैंसर्स यास्मीन कार्पोरेशन।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती नस्सीम अब्बासभाय अकोलावाला और, श्रीमती रशीदा अब्बासभाय अकोलावाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित् के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ओई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति वृजारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बहुी कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्तुची

पर्लैट मं० 402, जो 4थी मंजिल, गझदर अपार्टमेंटस्-बी, सीटीएस नं० 865, 865/1 से 865/9 तक, जुहू-तारा रोड़, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि के सं० अई-2/37ईई/3081/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनोक 15/7/83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एच०एस० अञ्चास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12/3/84

प्रकृष वार्ष ह टीज स्वतु सुन्न------

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 क्य 43) की भारत 269-म (1) के नुभीन सूत्रमा

सारक ब्रुकाड

कार्यालय, सहायक भायकर पायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1984

मिदेश सं० अई-4/37ईई/559/83-84--अत: मुझे, विजय रंजन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात उनत अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 30, 3री फास आफ शिव-शक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, आफ श्रंधेरी कुर्ल रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5/7/83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है काम के क्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत्त से, एसे क्यमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत किन निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित महीं किया गया है:—

के मधीन, निस्निविधित व्यक्तियों, नर्थांद् ह---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एची किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, स्व वन-कर विधिनियम, स्व वन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के विष्

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री विजय कुमार डी० मेहता।
- (अन्तरकं)
- (2) मैसर्स अली इन्टरप्राइजेस ।

(भन्तरिती)

च्छे बृह बृह्ममा नाडी कडके पृत्रों कछ सम्मृतिस के वृह्मम् को हिस्स् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त कम्पित के नवंद के स्थान में कोई भी शाक्षेत्रः न

- (क) इस तुमना के रामपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबशि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूमना की ताबील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इंच त्यान के राष्प्र के प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उकत स्थाबर सम्पृत्ति में हितबद्ध फिसी ब्रम्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिक्टित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्सूची

इंडस्ट्रियल यूमिट नं० 30, 3री फास आफ शिव-शिक्त इंडस्ट्रियल इस्टेट, आफ ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 3/3/84

प्रकृष बार्ष . टी. एत., इस. ...-----

वायकर विभृतिग्म, 1961 (1961 का 43) की भारा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, विनांक 12 मार्च 84

विकास संव आई 3/2356/83-84-अत: मुझे, एव लहीरी जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संक्ललेट नंक 10, सूमतर कोक आपक सीसाइटी, डाक अम्मेडकर रोड़ मूलूंड बंबई है तथा जो बंबई में स्थित है और जिसकी करारनामा आकक रश्रधिनियम 1961 की धारा 260 क ख के अधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टैंड किया गया है।

(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन, तारीख 12/7/83

को पूर्वास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क) जन्तरण से हुर्इ किसी जाव की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या कत्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री एन० के० डिक्कर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोकुलदास के पालन ग्रौर, श्रीमती एम० जी० पालन।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की वर्जन के तिथ कार्यकाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्रपी

फ्लैट मं० 115, सूमीता अपार्टमेंटस्, डा० अम्बेडकर रोड मुलंड बंबई।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई 3/1069/83~84 है श्रीर जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनाक 12/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बंबई

तारीख: 12/3/84

प्रकृष आहे. ही, एन, एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

्भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजार, अम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्वेश सं० अई--2/37ईई/3497/83-84--अत: मुझे, एस० एच० अख्याम अखिदी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संवालैट नंव 8 है तथा जो 3री मंजिल, महरान को-भारेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, समर्थ रामदास रोड़, यूनाइटेड कर्माशयल बैंक बम्धई—400049 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बुई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25/7/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिचित में बास्तविक इस से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय जाय-कर जिम्ही भारतीय जाय-कर जिम्ही भारतीय जाय-कर जिम्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राम इम्सारदास गेहानी,
 - (धन्तरक)
- (2) श्रीमती सितता सुवर्शनकुमारे लूथर्गा, (अन्तरिती)
- (3) धन्तरक,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

डबंत सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी अनिधि नाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों नत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे:

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बेही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

नग्स्थी

पलैट नं ० 8, 3री मंजिल, महरान कोपआपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड समर्थ रामदास रोड़, यूनाइटेड कर्माणयल बैंक के सामने, जे० वी० पी० डी० स्किम, बम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई/3497/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अधिदी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 14/3/84

मोहरः

प्ररूप बाई टी.एन.एस. --*-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, अम्बर्श

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं प्रर्क 3/2425/83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृल्य 25,000/- एक से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, सत्यम, फ्लाट नं० 161, जय मंगल को-आप्टेटिब सोसायटी, घाटकोपर बंबई है सथा जो बंबई में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुमूची में भीर पूर्णक्य में विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कर् के अधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टई किया गया है, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13/7/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) करारण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स जिभीनयम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सूर्विधा के लिए;

- (1) श्री के० एसे० मंकरैनिरायन अस्पर,
- (ध्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश एन० रावल,

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोवत सम्पति के वर्जन के जिए कार्यः शाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकाँगे।

स्पक्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन संची

पलैट नं० 13, प्लाट नं० 161, सस्यम, घाटकोपर, जय मंगल को-आपरेटिब सोसायटी, गरीदिया नगर, घाटकोपर बंबई।

अनुसूची जैसाकि ऋ० मं० आई 3/1052/83-84 स्रौर जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई.

मारीख: 5/3/84.

मोहर 🖫

अरूप आहु^{*}. टी. एन . एस . -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनाकः 13 मार्च 1984

निर्देण मं० अर्क 3/2247/83-84—अतः मुझे, ए० लाहिरी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मृल्य 25,000

ग्रीप जिसकी सं प्लाट नं 73-अ, कलक्टर कालोनी है तथा जो माहल रोड़ चेस्त्रूर बंबर्ड में स्थित है (ग्रीर हगरे उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य से बणित है), जिसेका कारायतामा आधारण अधिनियम, 1961 की धारा 269 काख के अधीन बंबर्ड के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्तर्ड किया गया है, में रिजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख 16/7/83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरुके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल जिल्ली निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक क्या गया है:——

- (क) अन्तरण से **हुई किसी आग की बाबत,** उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों अर्थात :---

- · (1) श्री अनंदराम तोजनदास राजानी,
 - (अन्तर्क)
 - (2) श्री देसराज एस० शर्मा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पर्योक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

धन्मुची

प्लाट नें० 73आ, बिलिंडन के साथ कलक्टर कालोनी में स्थित, माइल रोड़, चेम्बूर, बंबई । अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई 3/1073/83-84

ग्रीर जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 16/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–३, बंबई

নাগিছা: 13/3/84.

प्ररूप बाह् .टी.एन.एब.-----

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

(1) मै॰ हरिसिड कीपेरिशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री वसंतलाल मनसुखलाल गाह।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर भाष्ट्रत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-111 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 84

निर्देश गं० अ\$3/2257/83 - 84 - - अतः मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 2. उरा माला, तिक्पति है तथा जो बोकला. कोले कल्याण सांताकृज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य से बिणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन है ग्रीर जो बंबई के सक्षम प्राधिवारी के बार्यालय रिजिस्टई हुआ है, में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/8/83

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूर्भे यह विश्वास फरने वा कारण है कि यथापृत्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक कन, निकासिबत उद्योग से उच्य बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा भा या किया चाना चाहिए वा कियाने में स्विधा को लिए;

मत: मब, उक्त निर्मित्रम की भारा 269-ग को जनूसरक भी, भी, जक्त जीधीनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की जधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- स्त्री वह सूचना वारी करके पृथानत सन्मत्ति के वर्णन के सिए ' कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन को भीतर उसता स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगत्त्री

पलैट नं० 3, तिरूपित बिल्डिंग, ब-भाग, कोले कल्यान, बकोला, सोताकज बंबई 55!

अनुमूची जैसाकि कि में आई 3/1066/83-84 है और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12/7/83 को रजिस्टई हुआ है।

ए० लाहिरी गक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

नारी**ख**: 12/3/84.

प्रकृप आइ. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-[1], बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 84

निर्देश सं० **अ**ई 2/2327/83-84—अत: मुझे, ए० लाहिरी,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से शिथिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी कियो आय या यि मी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती के॰ पार्वथ मल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा जाम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आधी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन क एंडर कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

ममुस्ची

प्लाट नं० 408, वी॰ एन० पूरव मार्ग, मधूगिरी, चेम्बुर बंबई 71.

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई 3/1078/83-84 ग्रीर जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यक्रम में दिनांक 15/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई.

नारीख: 13/3/84.

मोप्टर 🔞

प्ररूप आई. टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-III बम्बई

बम्बई, विनांक 12 मार्च 84

निर्वेश सं० अई 3/2358/83-84--अत: मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं 23, नीता अपार्टमेंटस् है तथा जो मुलूड बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्या में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 26 कख के अधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्टर्ड किया गया है। में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15/7,83.

को पूर्वेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्फ िक्सी आय की क्षाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और∕या

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के, अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती चंद्रीका सुधीर ठनकर, ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता शांतीबाई जे० अनाम ।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

कृत्स्ची

फ्लैंट नं० 23, मुलुंड नीता अपार्टमेंटस्, मुलूंड बंबई। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई 3,1061,83-84, और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 15/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ला। हरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बंबई.

सार्(ख: 12,3,84.

महिर 🛭

प्ररूप आही. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण)** अर्जन रेंज-IV, बंबई

बंबई दिनांक 12 मार्च 84

निर्वेण सं० अई-4, 37ईई, 558/82-83---अतः मुझे, विजय रंजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 65, बी-1, बिल्डिंग, पचवरी अपार्टमेंट, जुहू लेन, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई—58 में स्थित है तथा जो बंबई में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्णस्प से धणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16,7,83

को पूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (i) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्रीमती अंजनी एच० मेहता, ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना विषिन मेहता ।

(अन्तरिता)

(3) श्रीमती शाहेन मोहम्मव अली मुकादम
(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त • अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूची

पत्रैट नं० 65, बी-1, बिल्डिंग, पंचवटी अपार्टमेंट, जुहू लेन, अंधेरी (पिष्चम), बम्बई-5के में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-4,37ईई,69,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16,7,83 को रजिस्टर्ड विधा गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई.

तारी**ख**: 12-3-84.

प्ररूप वार्ड. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सचना

ं भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-111 बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देण सं० ग्र०ई० 3/2249/83-84---अत: मुझे, ए० लाहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिश, जिसका उमित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 102, मथुरा, पहला मजला है, सथा जो गोवनपाड़ा रोड़ मुलूड बंबई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन है और जो वंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-83

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की साबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृद्धिश के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलितित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) पटेल काकार्प,

(अन्तरक)

9299

(2) सैमूल दैनील दिलके

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त इस्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बतसची

फ्लैट नं 102, पहला मजला, गोबनपाडा रोड़, मुलूंड संबर्ध।

अनुसूर्व। जैसाकि कम संख्या अई 3/1054/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3, बस्बई.

तारी**ख**ः 5−3+84-

मोहर 🖫

त्ररूप् माइ. टी. एत. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्याभय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/576/83-84--अत: मृझे, आर० के० बकाया,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके परबात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० परौट नं० 9, 4%। मंजिल प्रिमायसेस को-आपरेटिव सीसायटी लिमिटेड. 152. नामदेवी स्ट्रीट, है तथा जो धम्बई--3 में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है 'में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 4/7/83.

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नीसिक्त अन्वरंगों से स्वत अन्तरण किकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जान की वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाशिस्त्र में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्त आस्तिओं की जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में मुसिधा के निए;

नतः अने उन्त अधिनियम की भारा 269-ग को नन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धीरा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शब्बीर शेख टी॰ लोखंडवाला,

(अन्तर्क)

- (2) श्री मोहम्मद इस्माईल अब्दुर रहमान भीयरा, (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

नन्त्यी

प्लैट नं० 9, 4थीं मंजिल, अल-आली प्रिमायसेस को-आपरेटिय सोसायटी लिमिटेड, 152, नागदेवी स्ट्रीट, बम्ब-3 में स्थित है।

अनुसूर्ता जैसाकि क्रम सं० अई-1/511/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 4/7/83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

त्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1, बस्बई

मारी**ख**: 13-3-84.

मोहरु 🗆

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

नारत परकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-11 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 84

निर्देश र्स० ग्रर्ड-2/37र्हर्ड/3084/83-84—ग्रात : मुझे, एस० एच० ग्रब्धास ग्रह्मिती.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं फ्लैट नं 112-ए है तथा जो 11वीं मंजिल, "पुरुषोत्तम टॉबर्स", टी॰पी॰एस॰ 4, माहिम विभाग, गोंखले रोड़—साउथ, दावर, बम्बई—28 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौ भी जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धार विश्व के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 15/7/83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बौच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्लित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त बिभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपान में म्विधा के लिए:

(1) श्रीमती सुलोचना राम गोखले, (राहुल ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी),

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री-राजेंद्र कृष्णराव शिदे श्रौर श्री महेंद्र कृष्णराव शिदे,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करकता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रजुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया हैं।

अग्सूची

फ्लैंट नं० 112-ए, जो, "पुरुषोत्तम टॉबर्स", 11वीं मंजिल, (निर्माणाधीन इमारत), ठाकुर प्रीमायसेस, एफ० पी० नं० 884, टी०पी०एस० 4 माहिम विभाग, गोखसे रोड--साउथ, दादर, बम्बई-400028 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसािक कर मूर्० ध्राई-2/37ईई/3084/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० भ्रब्बास भ्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2 बम्बई.

तारीख: 13/3/84

भोहर 🛭

प्रारूप--माई० टी० एन० एस०

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III, बम्बई

बम्बई विनांक 12 मार्च 84

निर्वेश सं० म्रर्ड-3/37ईई/2318/83-84—म्प्रत : मुझे, ए० ला**ह**िरी,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

ष्मीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 21, निलकेट दर्शन को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 5वीं मंजिल, डा० राजेंद्र प्रसाद रोड़, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई ~80 में स्थित है। तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिर नियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 13/7/83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिलाने में मुविधा को लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण कैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अधीत ाः—

- (1) श्रीमती विजकोरबेन वेवचंद मेहता, (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती निर्मलाबेन जयंतीलाल गाला, (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सू 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परें सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

ह्मच्द्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

पलैट नं० 21, 5वीं मंजिल, नीलकंट वर्णन को-म्रापरेटिय हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, डा० राजेंद्र प्रसाद रोड़, मलूंडा (पश्चिम), बम्बई-400080में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं० शर्द-III/1029/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 13/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज— बम्बई.

तारीख: 12-3-84.

त्रक्य नार्द_े टी_न एन_न एत_ा-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

ब्राइट ब्रुकार

क्रायां लयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) व्यक्त रेज-निरीक्षण) वस्वई वस्वई, दिनांक 12 मार्च 84

निर्देश सं० श्रई 3/2261/83-84--- श्रत : मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गंजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4, 3रा माला ब-भाग है तथा जो दामोदर पार्क, घाटकोपर बंबई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुंगा है, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12/7/83

कुरे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित नाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की धावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कोंड्र√वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) 3 अधीम, निम्नतिश्वित स्यक्तियों, अधिक :---- (1) श्रीमती डी॰ एम॰ शाह

(भन्तरक)

(2) श्रीमती एम० कं० गांधी

(भ्रन्तियती)

का यह सुचना चारी कारके पृत्राँक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त कुम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप् हु—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख)। इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, 3रा माला, ब भाग, दामोदर पार्क, घाटर-कांपर बंबई-86।

श्रनसूची जैसािक अ० सं० श्रई/1059/83-84 है और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12/7/83 को रजिस्टर्ड हम्रा है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, वम्बद्ध

तारीख: 12/3/84

🗱हर 🖫

प्रकर बाह्र . टी . एव . एस . -----

नाभकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बस्बई बस्बई, दिनांक 12 मार्च 84

निर्देश सं० ग्रई III/2218/83-84--ग्रत: मुझे, ए० लाहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 325, तीसरा माला, भारती है तथा जो श्रम्तनगर, घाटकोपर बंबई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्णकृष मे वर्णित है), श्रौर जिसका करारत नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है। में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-7-83

को पूर्वों क्ल सम्पत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपत्ति का उधित बाजार मृल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती 'अंतरितियों') के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) नन्तरण तं हुई किसी थान की बावब, उच्छ अधिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के बामित्य में कभी करने मा उससे अचने में सूजिया के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उत्कत्त अधिनियम की धारा 269-। के अनुसरण में, मैं, उक्कत अधिनियम की धारा 269- ए की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० सेठ इंटर प्राइस्स

(श्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजार ग्रहमद मुक्ताक ग्रहमद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित को अर्थन को संबंध में कोड़ भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तूमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (थ) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्थम्बीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदाँका, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा नुवाही।

फ्लैंट नं० 325, तीसरा माला, 'भारती' श्रमृत नगर, एल० बी० एस० मार्गे घाटकोपर बंबई ।

श्रनसूत्री जैसाकि ऋ० ,सं० श्रई III/1058/83-84 है श्रीर जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–III, बस्बर्ष

नारीख: 12≣3-84

मोक्ट 🛭

प्ररूप नेहाँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 84

निर्देश सं० प्रई III/2404/83-84-अत: मझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सी०टी०एस० नं० 5685, जिसकी माप नं० 2036 स्क्वेयर मीटर है तथा वहां पर किया हुआ बांधकाम के सहिन है तथा जो बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रौर पूर्णक्प से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के भ्रधीन बंबई, के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई किया गया है, तारीख 12/7/83

को पूर्वोक्त संपर्ति के उण्लि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण केविष तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण केविष से अधित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, खक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स (1) डोंथी मेंडीस, मेरी फर्नांडीस, जान मिरांदे तथा श्रम्थ,

(अन्तरक)

(2) मै० गोल्डन कंस्ट्रकशन,

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब वृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

वनसूची

अमीन जिसका नं सी० टी० एस० नं 5685 हैं तथा जिसकी माप 2036 स्ववेयर मीटर है, तथा तीन चाल जिसकी माप 300 स्ववेयर मीटर है और उनमें हुआ बांधकाम सहित, जो कोले कल्यान वकोला बंबई में स्थित है।

धनुसूची जैसाकि कि सं धर्ष III/1067/83-84 ग्रीर जो बंबई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में विनां क 12/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–III, बस्बई

ता**रीख**: 13/3/84

मोहर 🖫

प्रस्प आहाँ टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्पीन स्चना;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज IV, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

सं० ग्राई०-4/37-ई०ई०/627/83-84---ग्रतः, मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिसे इसमें दसके परचात 'उसत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्लैट नं ई०/८, साईबाबा धाम, श्राफ एस० व्हि० रोड, बोरीबली (पिष्णम), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वॉणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं।

तारीख 23-7-1983

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया श्री है —

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर विने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बीर/शा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्मों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ∴, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ३ अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थास् ः— 1. मैसर्स अरूण इण्टरनैशनल

(प्रम्तरक)

2. श्री टी॰ ग्रार॰ बालसुन्नमण्यन भौर श्रीमती लक्ष्मी बालसुन्नमण्यन,

(प्रन्तरिती)

विकेशा
(वह व्यक्ति, जसके अधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

सम्बद्ध

प्लाट नं० ई०/8, साईबाबा धाम, श्राफ एस० व्हि० रोड, बोरीवली (प०), बम्बई में स्थित है।

भ्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र०ई०-4/37-ई०ई०/627/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया हु।

> (विजय रंजन) सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-IV, बम्बई ।

तारीख: 12-3-1984।

मोहर 🛮

प्रकृष् बाहुं , टी. एन , एस .--

काबुकर क्रीभृतियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क् (1) के क्षीन तुष्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1V, त्रम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

सं० श्र०६०-4/37ई०६०/667/83-84—-श्रतः, मझे, विजय रंजन,

काबकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी०-3, 3री मंजिल, "श्रक्षय श्रपारं-मेंटस" बिल्डिंग, दिहसर बम्बई में स्थित है श्रीर जिसकी करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है),

तारीख 8-7-1983

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त विभ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बास या किसी भन या जन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय वाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या भन-कर विभिन्यम, या भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्ता वाहिए था, छिपाने में विविध की लिए;

मतः नव, उनत मिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निस्तिलिख व्यक्तियों, मधीत्:— 1. श्री गुरु भाषीम कंस्ट्रनगन ।

(भन्तरक)

 श्री स्वपितला सुनील राउल श्रौर सुनील दुकराम राउल,

(भन्तरिती)

 मै० भ्रोम गुरु प्रधानाया को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपम में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्यों नौर पदों का, को उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुस्थी

फ्लैट नं बी०-3, 3री मंजिल, 'म्रक्षय म्रपार्टमेंटस' बिस्डिंग परिसर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची "जैसाकि कम० सं० ं 3-ई०-4/37ई०ई०/867/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 8-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंजशे∨, बस्बई

तारीच : 12-3-1983

महिर 🚶

प्ररूप नार्दाः टी. एम , एस , -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

सं अ ई॰-III/2433/83-84---श्रतः, मझे, अ॰ लहीरी श्रीयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भी जिसकी सं० सी० टी० एस० 840, नाहुर है, तथा जो विलेज, मूमूंड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रीर जिसका करार-नामा श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड हुआ है। में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की नानसः, उक्ष जीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शीयत्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य ऑस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैं० किची कंस्टकश्न कं०

(अन्तरक)

2. मारेश्वर नरहर बोरकर

(अन्सरिती)

- 4. (1) मैं अोडीवाई म्रार किची, (2) मोतीलाल म्रार किची,
 - (3) श्रीमती शारदाबाई एम० किची,
 - (4) दीपक एम० किची,
 - (5) श्रर्चना एम० किची,
 - (6) शिलपा एम० किची,
 - (7) बंदना एम० किची,
 - (8) संवीप एम० किची

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हुन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ध होगा, जो उस वध्याय में दिया गया ही।

नग्त्ची

सी० टी० एस० नं० 840, नाहर विलेज, मूलूंड बम्बई। प्रनुसूची जैसा कि दिनांक 12-7-1983 ग्रीर जिसका कम सं० ग्र०ई०- /1062/83-84 को बम्बई के सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है।

> त्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) कर्णन रेंज-गा, कस्बर्ह।

तारीच : 12-3-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

HIST TOWN

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज 1. बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

रंजन

णायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है** कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 14, बिल्डिंग नं० 2, महेश नगर, है तथा जो महेश नगर एस० वी० रोड, गोरेगांव में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसकी करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है तारीख 14-7-83

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उष्पित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दंह और मुक्ते यह विश्वास **करने का कारण है कि ग्र**थापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मरुय, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रसिवत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-**फल , निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त वंतरण** लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, सक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/का
- (व) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा के सिए;

वत. वब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---31-36GI|84

1. श्रीमती पद्मा ग्रग्रवाल

(ग्रन्तरक)

2. श्री शिवगोपाल डामानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तार्दीय के 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी अयोक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वे क्ल **स्यक्तियाँ** मं से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा 🗗 🗓

अनुसूची

फ्लैट नं∘ 14, श्र∘/2 विल्डिंग, महेश नगर, एस० वी• रोष्ट, गोरेगांव बम्बई 62।

ग्रनमुची जैमा कि ऋ० सं० ग्र० ई०/4/620/83-84 दिनोक 1 जुलाई, 1983 को बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्टड हुआ है।

> विजय रंजिन सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 4, बम्बई।

तारीख 9-3-1984। मोहर

शक्य नार्षं टी. एत् एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, बम्बई अम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

स'० श्र० ई०-4/37ई०ई०/915/83-84---- प्रत: मुझे, बिजय रंजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० फ्लैटनं० 15, 3री मंजिल, बिल्डिनं० एन०-10 गणपित निवास को० श्राप० हार्जीसंग सोसायटी, लिमिटेड, बांगूर नगर, गोरेगांव (पिष्चम), बम्बई 90 में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबस अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रौर जिसका कराइनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। तारीख 22-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितृफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाग गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिख में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की आबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृथिधा के सिए; बार्-/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के मभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती बिमला देवी रहवा,

(भ्रन्तरक)

2. श्री घनम्याम लाल पासरी

(ग्रन्तरिती)

- 3. अन्तरक
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ हुरेगर को उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 11, बिल्डिंग नं० एन 10, गणपती निवास को० स्नाप० हार्जीसंग सोसायटी शिमटेंड, 3री मंजिल, बांगूर नगर, गोरेगांव (पश्चिम) सम्बद्द 400 090 में स्थित ।

श्रनुसूची जैसा कि **फ० सं०** श्र० ई०-4/915/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी **बम्बई द्वारा दि**नांक 22-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गंया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई ।

तारीख 9-3-1984। मोहर 🤌 प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ---- ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1984

सं० अ० ई०-4/622/83-84—प्रतः मुझे विजय रंजन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन ं सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संग्बी । 10 ब्लाक 16, 4था माला, साठबाबा नगर, एस० बी० रोड, बोरीवली बंबई 92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रस्जिस्टर्ड हुआ है। तारीख 23 जुलाई, 1983।

का पूर्वाक्त मंपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धर्ग या बन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया सहिए था, छिपाने में भ्षिभा के लिए;

जल अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भा, भी उपत अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती विजय लक्षमी नटराजन,

(ग्रन्सरक)

2. श्री मुकेश ए० शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपंक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एम० बी० को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी, बी- 10, ब्लाक, 4था माला, साई बाबा नगर एस० वी० रोड, बोरेवली, बम्बई 92 ।

भ्रनुसूची जैसा कि. ऋ० सं० भ्र० ई०-4/622/83-84 दिनांक 23 जुलाई, 1983 को बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रस्जिस्टर्ड हुआ है।

> विजय रजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 9 मार्च 1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, अभ्बर्ध बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984 सं० श्र०ई०-4/37-ई०ई०/569/83-84——श्रत: मुझे विजय रंजन्

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं इण्डस्ट्रीयल शैंड नं 62, ग्राउंड फ्लोर. फास नं 3, शिवशिक्त इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, ग्राफ मरोल व्हिलेज. अन्थेरी कुर्ला रोड, ग्रन्धेरी, बम्बई 59 में स्थित है । (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्प से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है । तारीख 16 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन केर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिवत व्यक्तियों, अर्थात : ... 1. मै० शिवशक्ति बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. स्टर्लिंग आटोमोबाइल्म

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये था सकेंगे।

स्पष्टीकरण : --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्भी

इण्डस्ट्रीयल शेड नं ० 62, ग्राउन्ड फ्लोर, फास नं ० 3, शिवशिक्त इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, ग्राफ मशेल व्हिलेज, ग्रंधेरी- कुर्ला रोड, ग्रंधेरी, बम्बई 59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्र० ई०-4/37-ई०ई०/78/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 16-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई।

तारीख: 9 मार्च 1984

भोहर:

प्रकृप बार्ड. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कायां स्थित, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

सं० भ्र० ई०-4/37-ई०ई०/587/83-84—-भ्रतः मुझे विजय रंजन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 307, 3री मंजिल, दिया दिनी को० श्राप० हार्जिस सोसायटी, सहार व्हिलेज, श्रंधेरी, बस्वई में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वस्वई में श्रीर जिसका करारनामा श्रावकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्रायधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 11 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिचित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबते जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए;

जतः अज, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मीं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स इण्डिको कन्स्ट्रकशन कम्पनी,

(ग्रन्तरक)

2. श्रीए० ग्रार० कृष्णा

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० 307, 3री मंजिल, विदया दिनी को० <mark>श्राप०</mark> हाउसिंग सोसायटी, सहार व्हिलेज. ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 4, बम्बई

तारीख: 9 मार्च, 1983।

मोहर 🕄

प्रकार बार्ड ्य टी : प्रमृत प्रंच्य -----

कायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के मधीन सुखुना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज IV, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च, 1984

सं० प्र० ई०-4/37-ई०ई०/566/83-84—- ग्रतः मुसे, विजय रंजन

कायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं व्यूनिट नं 35, इण्डस्ट्रीयल गाला स्नान 2री मंजिल, "एफ" बिल्डिंग, मरोल नंबधाम उद्योग प्रिमायसेस को ब्राप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मरोल मरोशी रोड, मरोल ब्हिलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई 59 में स्थित।

(ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय और जिसका बबर्म्ड् करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 19-7-1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के सृथीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कामी करने वा उसने अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भन-भार अधिनियम, या भन-भार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, सर्थात् :---

1. मैसर्स एस० जी० इण्डस्ट्रीयल

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स पारेख प्लास्टिकस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यपाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (ब) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त कस्यों और पद्धों का जी उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मादिया गया है।

जन्सूची

यूनिट नं ० 35, इण्डस्ट्रीयल गाला न० 2री मंजिल, "एफ" बिल्डिंग, मरोल नंद्याम उध्योग प्रीनायसेस को० भाप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, मरोल मरोशी रोड, मरोल क्हिलेज, श्रंधेरी पू(र्व), बम्बई 59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० घ० ई०-4/71/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज 4, बम्बई

तारीख: 7-3-1984

मोहार 🛭

प्रकम जार्द् टी हुन् पुन् पुन् ≈ = = = •

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहाय्क आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 4, अम्बर्ड अम्बर्ड, दिनांक 9 मार्च, 1984 निर्देश सं०ग्न० ई०-4/37-ईई०/652/83-84—श्रतः मझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, दात्तानी नगर, एस० व्हि० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं। (स्रौर इससे उपायड अनुसूची, में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा प्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। सारीख 8-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलिखित स्थान एगाँ, अथित :---- 1. मैसर्स वात्तानी इण्टरन्नायजेस

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रीराम चिंतामण दामले ग्रौर श्रीमती शशिकला श्री राम दामले

(भ्रन्तरिती)

 मैसर्स दात्सानी इण्टरप्रायजेस (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोण में सक्ष्मित्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्री, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

पलैट नं 3, दास्तामी नगर, एस ० व्हि ० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई०-4/652/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) भर्ज न रेंज 4, बम्बई।

तारीख: 9-3-1983 14

त्रुक्स् नार्च_ः दीः एतः एस_{ःस}------

मायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण् (1) के मधीन स्वना

नारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज II, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1984

निर्देश मृं० ग्र० ई०-4/37-ई०ई०/556/83-84—-ग्रत: मुझे, विजय रंजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० णाप नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, गंगा-जमना ग्रपार्टमेंट यारी रोड, वरसोवा, वस्वई में स्थित हैं। (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय अस्वई ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं।

तारीख 11-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्वयमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलितित उब्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आब की बाबस, उक्स अधिनियमुक्ते अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आदि/वा
- (व) एके किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, केस्हुं भारतीय जाव-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या॰ भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा से खिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- मैसर्स साम्री विल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. मै० दीपक नारायणदास दामा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्रनी

शाप नं ० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, गंगा-जमना ग्रपार्टमेंट, यारी रोड, वरसोवा, बम्बई में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्र०ई०-4/37-०ईई-86 83-4 म्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, बस्बई

तारीख 9-3-1984। मोहर : प्ररूप आई.टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानव, सहाव ह अध्यहर अध्यह (निरोक्षण)

श्चर्जन रेज 2, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 मार्च, 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं शाप नं 37 है तथा जो गाम कमन, बी श्रिक्टिंग, अगरवाल मार्केट, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई 400 057 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),श्रीर जिसका करार्रनामा श्रायकर श्रिश्रीन्यम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित मक्षम, प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 3-7-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रोर अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण निस्तित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, ब्रिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, लपधारा (1) के अधीन रिप्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

32-36G1[84

1. श्री एच० स्नार० छेडा

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० ए० जैन० सिंधवी

(ग्रन्तरिनी)

3.पी० ए० सिधवी

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधितायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

शाप नं० 37, जो "शाम कमल" बी०-बिल्डिंग, श्रगरवाल मार्केट, विलेपार्ले (पूर्व) बम्बई 400 057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्र०ई०-2/37-ई०ई०/3043/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड झारा दिनांक 3-7-1983 (1983), को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० एच० प्रब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज 2, बस्बई ।

नागेख[ं] : 12-3-1984 ।

अक्ष कार्य को एक एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंच 2, बस्बर्ड

वस्वई, दिनांक 13 मार्च, 1984

सं० ग्र० ई०-2/37 ई०ई०/3051/83-81—-ग्रनः सुक्षे एस० एच० ग्रव्यास ग्रविदी

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिराकी सं० फ्लैट नं० 123 है तथा जो बिल्डिंग नं० 2, पहली मंजिल, माधको णाह निवास, 277 मोगल लेन, माहिम, बम्बर्ट 400 016 में स्थित हैं (खोर उससे उपावड श्रनसूची में श्रौर पूर्ण म्प से बिणत हैं) धौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारो 269 क, ख के श्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है।

नारीख 5-7-1983

को पूर्वितन सम्पतित के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त संपतित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल भे, एसे दश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंगरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल निम्नितिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तिक रूप से किथा गया है:--

- (क) अंतरण से हुड किसी जाय की गायत, उबत अधितियम के अधीन कर दोने के अंतरफ के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह् भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था दा किया जाना चाहिए था, छिपानं दो सुविधा के लिए;

अत. अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उणधारा (१) के अधीन, जिम्बिलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---- 1. श्रीभाल चद्र एम० व्रम्हे।

(भ्रन्तरक)

2 श्री रजनो कांत गोविन्द नेधरकर ग्रीर श्रीमती सुप्रिया र० नेध्यकर

(ग्रन्तरिती)

3 अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिक्षोग में सम्पति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिण करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में में किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (म) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी के गप्त लिखित में किए जा सकेगे।

स्पब्दीकरण अन्दसमों प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उसा अध्याय में दिया गया है।

मनस्थी

प्त्रैट न 23;तो बिल्डिंग तं० 2 पहली मंजिल, माघबी में शाह निवास, 277, मोगल लेन, माहिम, बम्बई 400016 स्थित है।

श्रनुसूची जैसा किल्क्र० स० अ० ई -2/37 ईई0/3051/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 5-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है

एस० एच० श्रव्वास श्रबिदी सक्षम [प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज 2, बम्बर्ड।

नारीख : 13€3€1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आजकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार :

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 मार्च 1984

सिर्देश सं० अई०-2/37ईई/3085/83-84---यत: मुझे, एम० एच० अब्बास अविदो,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थायर संपितन, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

25,000/- रु. स आधक हैं
और जिसको सं प्रलेट नं 111-ए हैं, तथा जो 11 वी मंजिल,
"पुरुषोत्तम टावर्स" टी पि एस 1, माहिम विभाग, गोखले
रोड साऊथ, दादर, बम्बई-28 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़
अनुसूची में और पूर्ण कप से विजित हैं), और जिसका
करारनामा आयकर अधिन्यम, 1961 की धारा
269 क ख के अबीत वस्पर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रिजस्ट्रा है ताराख 15 जुलाई 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिपत्त में, एमें इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखिल में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपान में सुविधा के लिए

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् :——

- श्री राम मेघण्याम गोखले और सुलोचना राम गोखले (अन्तरक)
- श्रीमती सत्यमामा ६: प्रणातात शिन्दे और श्री किन्ने कुल शिन्दे

(अन्तर्गरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यजाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में करोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुसची

प्लैट नं शापिए, जो ''पुरुषोक्तम टावर्स'', 11 वो मंजिल, (निर्माणाधीन इमारत), ठाकोर प्रोमायसेस, एक० पी० नं० 881, टो०पी०एस० 4, माहिम विभाग, गोखले रोड-साऊध, दादर, बम्बई-400028में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई०-2/37/56/3085/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बर्ट द्वारा दिनांक 15-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस०एच० अब्बास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-३, बस्बई

तारीख: 13-3-1984

ंत्ररूप **कार्ड**् टी. एन_ः ग्रसः. - - - ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984 निर्देश सं० अ०ई०-2/37ईई/3077/83-84---यतः ंमुसे, एस० एच० अध्यास अबिदो,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फेलैंट नं० 501 है, तथा जो 'दी आकें' 5वीं मंजिल, मंजिल, एस० ह्वी० रोड, सान्ताकुझ (प०), बस्बई 400054 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख, 15-7-1983

को पूर्वियत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) एंसी किसी आय या किनी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धरुरा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निभ्नतिचित व्यक्तियों, अधित् :— 1. मैसर्स अजय एण्ड 'कम्पनी

(अन्तरक)

 श्री मुशाल प्रकाश सी० अगरवाल और श्रीमती उमिला एस० अगरवाल

(अन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग वधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्परशोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्स जिमियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ क्षोगा, जो उस अध्याय गें दिया गया है।

अनुसुधी

पलैट नं० 501, "वी आर्क", 5वीं मंजिल, एस० ह्वी० रोड, सान्ताश्रुम , (प०), बम्बई-400054 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37ईई/3077/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1983 को रजिस्टर्ड विधा गया है।

एस०एघ० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 12-3-1984

मोहर ः

प्ररूप वार्ड, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देण सं० अई-2/37ईई/3541/83-84—यतः, मुझे, एस० एच० एस० अब्बास अबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 204 है, तथा जो फायनल प्लाट नं० 32, टी० पी० एस० 5, सी० एस० नं० 108 से 108 (12), पर निर्माणार्धान इमारत में 2री मंजिल, सान्ताशृक्ष (पू०). बम्बई-400054 में स्थित है (और इससे उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 20-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अलिएत की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, खबत रुभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ट; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आरित्यों. को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा /ी के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :---- 1. मैसर्स डबलपमेंट कार्पीरेशन

(अन्तरक)

 श्री नागजी एम० रामभीया और श्रीमती ईन्द्रीरा एन० रामभीया

(अन्तरिती)

अधि एस० एम० माल्भाय (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में विद्या गया है।

अन्सभी

पलैट नं० 204 जो 2री मूर्गजल (निर्माणाधान इमारत में), फायनल प्लाट नं० 32, टी० पी० एस० 5, सी० टी० सर्वे नं० 108 से 108 (12) तक्ष, मान्ताकुझ (पू०), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूर्च। जैसा कि कि० सं० अर्ध-2/37ईई/3541/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारी दिनोंक 20-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अध्याम अ**बिदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

नारीख: 14-3-1984

मोहर :

प्ररूप आई. दो. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक यायकर आयक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज-2, बम्बई

बस्बई, दिनांक 14 मार्च 1984निर्देश सं श्रई-2/37ईई/3046/83-84—श्रत:, मुक्के,

एस० एच अब्बास अविदी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-1, है, तथा जो दूसरी मंजिल, बी-बिल्डिंग, जाली हायराइस अपार्टमेंट, पाली माला रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प में बणित है). श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-7-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उस्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कां, रंजन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या भनकर अधिनियम का भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- ा. श्रीमती पूनम एम । भाया

(भ्रन्तरक)

2. श्री इस्माइल श्राफ

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तररिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का पह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मं हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरा के पास लिखित मं अन्य किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्यात्र से दिया गया है।

प्रनसुची

फ्लैट नं० बी-1, 2री मंजिल, जाती हाय राईस ग्रंपाटंमेंट, पाली माला रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। श्रतुमूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/3046/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-2, बम्बई

सारीख: 14-3-1984

माहर 🖫

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-व (1) के अभीन मुचना

भारत सरकारः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, यम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/3542-83-84---यतः, मृक्षे, एस० एच० अञ्जास ग्राबदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकार्य कां, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिस बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं प्रलंट नं 406 है, तथा जो श्राय फायनल प्लाट नं 32, टी॰ पी॰ एस॰ 5 सी॰ एस॰ नं 108 से 108 (12) तक, पर निर्माणाधीन इमारत में, 4थी मंजिल, सान्ताकुज (पूर्व), बम्बई—400054 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रेनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विति है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड है तारीख 20~7~1983 को पूर्वोक्स संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह थिएबास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्दह शतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितिबां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिखित उद्देश्य स उक्स अन्तरण जिल्लित में सास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें अपने ये स्विधा के लिए; और/या
- (क) एमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों करां. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, क्यांत :— 1. मैसर्स जय ख्वलपमेंट कार्पोरेशन

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कामिनी गुरूमुख दास मसंड

(शन्तरिती)

4. श्री एस० एस० मालूभीराथ (यह व्यक्ति, जिसके बारे में द्रश्वीहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भे से किसी प्यक्ति दवारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास- लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्तुची

पलैट नं० 406, जो 4थी मंजिल, एम्राय फ़ायनल प्लाट नं० 32, टी०पी० एस० 5, सी० एस० नं० 108 से 108 (12) तक, पर निर्माणाधीन इमारत में, सान्ताऋ्झ (पूर्व), बम्बई-54 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संरु श्रार्ह-2/37ईई/3542/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० ग्रब्बास ग्रिविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेज-2, बस्वर्ड

तारीख : 14-3-1984

मोह्य 🖫

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थाना

ren ettalia karakara karakara ettalia e

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई०-2/37ईई/3202/83+84—यत: मुझे, एस० एच० श्रब्बाम ग्रबिदी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जीविनयम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट सं० 32 है, तथा जो 3री मंजिल, "सोबूल" मझदर्स प्राइवेट स्कीम सान्ताकृष्ट चम्पई में स्थित है (ग्रोर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 148-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में नाम्त-बिक रूप में किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

1. मैसर्स गुण्डेचा बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुन्दर एच० सचानंदानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजधन में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं ।

स्पट्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और गवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्यूची

फ्लैट नं० 32, जो ''सोनल'', 3री मंजिल, मझदमें प्राइवेट स्कीम, सान्ताऋ्झ, वम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि करु संरु ग्राई-2/37ईई/3202/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजने रेंज-2, बस्बई

नारीखा : 12-3-1984

माहुर:

प्रकथ बाइ .टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निदेण सं० अ० ई-2/37ईई/3109/83-84---अतः मुझे पुस० एष० अब्बास अबिदी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000 ∕- ,फ. से अभिक ह[®]

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 5 है, तथा जो ला ब्लैंक प्रीमायसेस को-आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू, बम्बई- 49 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप मे विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई काय लिय में रिजस्ट्री है दिनांक 23-7-1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है और मुझे पह निष्वास करने का कारण है कि यथापृष्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान पंतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तृ प्रतिशत से प्रधिक है पौर प्रस्तर (प्रस्तरकों) और अस्तरिशे (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित ने वाश्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) प्राप्तरम में हुई किसी भाग की शासत, उत्तर प्रदि नियम के प्रधीन कर देने के श्वस्तरक के वायिश्व में कमी करने या उसमें स्थाने में मुक्तिया के लिए, भीर/या
 - (स) एसी किसी आय या किसी धन या अंन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कार अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खे प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना वाहिए था, कियाने में मृतिथा के लिए;

नतः सन, उन्त विभिनियम की भारा 269-य के जनुसरण में, में उन्त अभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (१) के अभीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अभीत :---

33-36 GI/84

1. श्रो सुभाष डी॰ सान्दलकर ।

(अन्तरक)

2. श्री नाना ईक्राहीम कपाडी

(अन्तरिती)

अन्तरितं।
 (बहु व्यक्तिं जिनके अधिभोग में सम्मत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यनाहियां करता हुं!

उपत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासिसिसिस में किए जा सकनें।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अतसची

फ्लैट नं० 5 जो ला-क्लयन्स प्रीमीसेज को-आपरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू रोड़। जुहू बम्बई-400 049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई 2/37 ईई/3109/83-84 और जो सन्नम ग्राधिकारों , बम्बई द्वारा दिनांक 23 जुलाई 83 को रजिस्ट्रई किया गया है।

एस० एच० अख्यास आबिदी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-2, अस्बई

तारीख: 14-3-84

मोहर ः

इक्ष्य वार्षः हीः पुष्यः पुष्यः ।

जायकर मीभीनगम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक मायकर शायक (निरीक्रण) अर्जन रेंज III बम्बई

बम्बई ,दिनांक 13 मार्च 1984

निर्वेष सं० आई० /111/2403/83-84-अतः मुझे अ० लहीरी

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की पाछ 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित याकार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 15, आणा बिन्दू सोसायटीहै तथा जो गरोदगा नगर पाटकोगर बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबब अनुसूची में पूर्ण रुप से वर्णित हैं), जिसका करारनामा आयकर आयुक्त अधिनियम 1961 की धारा 9 क • ख • के अधिन वम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंबई में रिजस्टई किया गया है। में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 ए 16) के अधीन दिनांक 12 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्लह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निभ्नतिथित उद्देश्य से उक्त बन्नरण निविश्त में बास्त-विक स्थ से साथित नहीं किया क्या हैं---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी नाथ की नाथत क्यत शीध-रिनमम को जधीन कर दाने के बन्तरक के दायित्व मो काली करने वा सबसे वचने को जुनिथा के लिये; और/या
- (स्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ का उपधारा (1) के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

1. श्रीमती कलाबेन रमनलाल धावसार

(अन्तरक)

2. श्री व श्रीमती कांजी पैघोंतम मांगे और इतर (अतरिती)

को यह सम्भना जारी करके पृथेकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुंू।

नकत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में करेड़े की आक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीचन स्विता में किसी स्विता द्वारा ;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर नकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के किए जा सकीए ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया सवा ही।

नन्स्ची

ब्लाक नं 15, तीसराभाला, आणा बिंदू को आपरेटिव सोसायटी, प्लाट नं 139/140, गरोदया नगर, घाटकोपर बम्बई 77

अनुसूची जैसा कि कि सं० आई 111/1077/83-84 -और जो बंबई के सकाम प्राधिकारी के कार्यालय में दि० 12 जुलाई 1983 को रिजर्स्टेड किया गया है।

> (अ० लहीरी) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज II,बम्बर्ड

तारीखः -- 13--3-84 मोहरः प्ररूप आहर्, टी_ल एम_ल एस_ल अल र सर≇ह

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, वम्बई बम्बई ,दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई०III/2367/83-84--अतः मुझे, अ० लहीरी

्रआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बरुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5 अमिताषा अमाटमेटें हैं तथा जो जे० एम० रोड़ मूलूड बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है जिसका नरार-नामा आयक्र अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में क्रिया गया है दिनांक 15 जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुर्फ किसी जाब की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्मिथिया के लिए और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य आस्तियों ना, जिन्हों भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, की, उक्त मिनियम की भारा 269-में की उपभाग (1) के अधीन, निम्नुनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ६1. मैं० मंत्री डेवलपमेंट कार्प

(अन्तरका)

2. श्री रविन्त्र दशासरे चौहान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यां

फ्लैंट नं० 5 पहला माला, अभिलाषा अपार्टमेंटस, जे० एन० रोड़, मूलुंड बम्बई -80 अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ०ई० ई[II]/1072/83 और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में दिनांक 15 जुलाई 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० नहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज- बम्बई

ारीख: 13-3-84

मोहर 🔏

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन JV, रेंज बम्बई

बम्बई दिनांक, 12 मार्च 1984

निर्देश सं० अई 4/629/83-84—अत: मुझे, विजय

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13, साई बीबा, एस० बी० रोड़ है तथा जो बोरेबली बंबई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्व) में और पूर्णकृष में विणित है). जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्ख के अधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड हुआ है। में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8/7/83

कां प्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल भे, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) में अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत हुन्य (1) मैं० अरूअ इंटरनेशनल,

(अन्तरक)

(2) श्री मुक्तुल बी० त्रिवेदी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्हरं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

वन्स्वी

फ्लैट नं ॰ 13,साई दाबा दाम, एस० वी० रोड़ बोरेबली वस्वर्ड।

अनुमूची जैसाकि कि सं० अई/4/629/83--84 की जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनोंक 8/7/83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽4, बस्बई.

तारीख: 12/3/84.

महेहर :

प्रारुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II; बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 84

निर्देश सं० अई-2/37ईई/3042/83-84--अत : मुझे! एस० एच० अब्बास अबिर्दः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट नं 302 है तथा जो "समुद्र गुप्त" मिलिटरी रोड जुह, बम्बई-400054 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269क्क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, नारीख 3/7/83.

को पूर्वोक्त संप्रत्ति का उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मत: अध:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) मैसर्स काऊन एन्टरप्राइजे/स,

(अन्तरक)

(2) जगदीश के० शर्मा,

(अन्तरिती)

(3) मासमं के० आर० होटेल्स एण्ड इस्टेटस् प्राइवेट लिमिटेड।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि व वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, जो "समुद्रगुप्त", मिलीटरी रोड़, जुहु, बम्बई 4-00054 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई/37ईई/3042/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बस्बर्ध

तारीख: 12/3/84.

मोहर 🤢

प्ररूप बाद्वै, टी. एन. एस. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को मधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, अम्बई

बम्बई दिनां का 9, मार्च 84

निर्देश सं० अई-4/37ईई/646/83-84--अत: मुझे, विजय रंजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैट नं 10. द्यातानी नगर, बिह्डिंग नं 2, एस हवी रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध क्षुं अनुसूची के में और पूर्ण रूप हैंसे विणित है), और जिसका नरार-नामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में में रजिस्ट्रों है तारीख, 2/7/83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य स उचत अन्तरण निम्नलिकत में तस्तिविक स्प से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कि पिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

बत: अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को सधीन, निम्नलिक्ति अधिक्तयों, अधीत् क्र~~ (1) श्री रणछोड़दास गोविंवजी बसंत और, श्रीमती मंगलाबेन पुरुषोत्तम वसंत,

(अन्तरकः)

(2) श्री दामोदर भामजी,

(अन्तरिती)

(3) मैंसर्स दात्तानी एण्टरप्रायजेस,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग

मं सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:-- .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विश्वती अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्त्रकी

फ्लैट नं० 10, दात्तानी नगर, बिल्डिंग नं० 2, एस० हवी० टोड, बोरोबली (पश्चिम), बम्बई-492 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम संख्या अई-4/646/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजने सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 9/3/84

भोहुदु 🖁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- ---

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालग, सहायक सायकार जायम्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 84

निर्देश सं० अई-4/37ईई/619/83-84--अत*: मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के, अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-2/13, महेण नगर, एस० वी० रोड, गोरेगांव (पिष्चम), बम्बई-62 में स्थित है। (और इसमे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 1-7-83.

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किन्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से स्विधा के लिए:

अतः. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्रु— (1) भी सत्यप्रकाण अग्रवाल.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा शियगोपाल दगमापी.

(अन्तरिती)

(3) श्री सत्यप्रकाण अग्रवाल,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ं**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलीट नं० ए--2/13, महेण नगर, एस० बी० रोड, गोरेगांव (पिच्चम), अम्बई-62 में स्थित है। अनुमूची जैसाकि ऋ० सं० अई-4//619/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा विनांक 1/7/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन॥ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बर्ड

तारी**ख**: 9=3-84.

मोहर 🛭

प्ररूप आहाँ. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984 निर्देश सं० अ० ई०/4/656/83-84--यतः मुझें, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी 8, दूसरी माल है, नथा जो साइ वाबा धाम, एस० बी० रोड बोरेबली में स्थित हैं (श्रीर इसे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुआ हैं तारीख 8-7-1983

को पूर्जीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:---

- (फ) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृषिधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स अरुण इंटरनेशनस

(अन्तरक)

2. श्रीमनी

भानूमती बी० जवेरी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कार**के पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उधत स्थाबर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुजुर्जी

फ्लैट नं सी/8, 2सरी माला,साइ बाबाधाम, एस० वी० रोड, बोरेवली बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आ ०६-4/656/83-84 भीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय दिनांक 8-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांकः 12 मार्च 1984

निर्देश स० अ०ई-4/3.7ईई/6.48/8.3-8.4--अतः, मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

धौर जिसकी मं 8/ए/7, एल्फी अपार्टमेंटस, आफ एस० वी रोड़, साई वावा नगर, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित है (धौर इससे छपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बिणित है), धौर जिसका करानामा आयशर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 26-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्म्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बन्नने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबः, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धातृ :-- 1. थी रधुनन्दन रामचन्द्र जोशी

(अन्तरक)

2. श्री हसमुखलाल विञ्जलदास मदानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

8/v/7, एल्फी अपार्टमेंटम, आफ एस० वी॰ रोड़, माई बाबा नगर, बोरीवली (पिंचम), बम्बई-400092 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं अं अं ई-4/649/83-84 और जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-7~1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बर्भ

तारीख: 12-3-1984

मोहर :

34-3601/84

प्ररूप आहें. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक आयकर मायून्त (निरीक्षण)

अर्थन हैश-४, सम्बर्

्र बम्बर्ट, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्देश स० ०६५- ब/ ३ ७६५/ ५ ७ ७/ ४३-- ४४-- अतः, मृझे, विजय राजन,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीण जिसकी मं० पर्लंट नं० 423, थी मंजिल, "जे' शितल, 7 बंगलीज, बरसीबा श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीण इट्से उपावह अनुमूर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिवारी के कार्यात्य, बम्बई श्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है तारीख, 30 जुलाई 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल में, एमें रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने को अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और 'गा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही पारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

कतः उदा, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क्षीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत:---- 1. श्री गोविंद के० दर्यनानी

(अन्तरका)

2. श्र माहरमद मृतीर इस्माईल फर्का

(अन्तर्गितः)

को यह मुचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षण : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वागः
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तार्रीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सामित में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मां अन्य किए जा सकेंग ।

स्पर्धाकरण:---- इसमा प्रयुक्त सब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही ।

अनुसूधी

पलैट नं ० 123, मधी मंजिल, "जे" शीतल, 7 बंगलीज, वरसोवा, ग्रंधेरी (पश्चिम), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैया कि क० सं० अ०ई-4/64/83-84 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 30-7-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आएक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 7-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एस. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4. वम्बर्ध

वम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

श्रीर जिसकी मंज्ञाल रतन सालाइटी. एसज्बीज है, तथा जो रोड़ गोरे गांव वस्बई—62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनमूत्री में श्रीर पूर्ण हम से बिणत है), रिजम्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिसका का जामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अवीत वस्बई के सक्षम प्राधितारों के कार्यालय में रिजस्टई िधा गया है नारीख 22 अप्रैल 1983 को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमन प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गीड़ी ही अपर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त , दिम्मलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण निस्थित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा के लिए,

श्री रामलाल चोबदार

(अन्तरकः)

2. श्रीमती उमा एम० जीगानी

(अन्तरिती)

 अं। रामलाल चोबदार (वह श्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

का मह स्वात जारी करके पृत्रांकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए काजवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हां, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमां । प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकता अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पत्नैट नं० 5, बिल्डिंग न० अ/7, बालरतन को० आग० सोसाइटी, एस० वी० रोड़, गोरेगांव वस्बर्ड-62 ।

अनुपूची जैसा कि कर मंद्र अर्दी 1/982/83-84 को जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में दिनांक 22-7-83 की रजिस्टई विधानगर है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी यहायक आप्रकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रंज-4, बस्बई

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मं, मौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन : निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नार्नाव : 13 -3-1984

मोहर :

प्ररूप आहे. टी. एम्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्देण सं० अ०ई-4/37ई\$/567/83-84--अत:, मुझे, विजय रंजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

द्भिशौर जिसकी सं० शाप नं० 3, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग सी० है, तथा जो हंजर नगर, मोगरा बिलेज, ग्रंधेरी (पूर्व), बस्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से बिलित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 11-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिंचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचन में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या जिया जाना चाहिए था, छियाग में सुविधा के रिलए।

बतः अयः उयतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, कर्राहः :--- 1. मैसर्स हंजर विरुडर्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरवारी बेगभ इम्नाहिम शेख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

शाप नं० 3, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग सी० हंजर नगर, मोगरा विलेज, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अ०ई-4/67/83-84 ग्रौर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बर्ष

तारीख : 7-3-1984

मोहार:

प्ररूप भार्ष: टी. एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र्</u>रीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्देश सं० **अ**०ई--4/37ईई/586/83-84----यतः, मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 303, "ए" विग, निर्माण पार्क एट जिजा माता रोड़, पम्प हाउस, है, तथा जो श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीके कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11-7-1983

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से क्ष्म किसी नाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के निए; बौर/वा
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना चाहिए या छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अजः, ःवतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन,, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मसर्स निर्माण डवैलपर्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० जे० अयंगर

(अन्तर्रिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकी में।

स्वच्दोकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्हा निसम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

जन्सूची

पलैट नं० 303, "ए" विंग, निर्माण पार्क एंट जिजामाता रोड़, पम्प हाउस, श्रंधेरी (पूर्व), वम्बई-93 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र०ई-4/66/83-84-- और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीख : 7-3-1984

मोहर 🛭

प्रक्षां बार्डं. टी. एक. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश मं० अर्ड-4/3.7ईई/5.94/8.3-8.4---अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० डण्डस्ट्रियल इस्टेट यूनिट सं० 35, तीसरी फास श्रॉफ शिव-शिक्त इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रधेरी-कुर्ला रोड, श्रधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है)रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई श्रौर जिसका करारनामा आयक अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है. दिनांक 4-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशोंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त मधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कासी कारने या उप्तमें प्रचने में सृत्रिभा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) थी साधना डी० मेहता

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जे॰ ई॰ सी॰ इंजीनियरिंग कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल इस्टेट युनिट नं० 35, तीसरी फास आफ णिव-णिवत इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी कुर्ला रोड,ग्रंधेरी (पूर्व), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर भई-4/62/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 4-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, यम्बई

दिनांक : 9→3−1984

मोहर 🤌

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग नेज-॥, तम्बर्ध

ब्रम्प्रई, दिनांक 12 गार्च 1984

निदेश सं० अई-4/37 ईंडं/595/83-84—अत: मुझे, विजय रंजन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गर्भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीण जिसकी मं० पलैट नं० बी, तीमरी मंजिल, अलका अपार्टमेंटस, जागेण्यरी, बम्बई में स्थित हे (श्रीण इससे उपाबंद अनुसूची में श्रीण पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका वर्णणनामा आयकण अधिनियम, 1961 की श्रीणा 269 के खे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 19-7-1983.

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अवत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-एत-एत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्म अस्पना इण्टरप्राइजेस

(अन्तरक)

(2) श्री शांताराम पी० गडियार

(अन्तरिती)

को यह रूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी त्यिक्तयां पर स्चना की तामीज से 30 विभ की अवधि, जा भी अवधि बाद मो समाफ हाती तां, के रीतर विकल कित्तयों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया। गया है।

वन्स्ची

पत्नैट नं ४ बी, तोसरी मंजिल, अलंका अपार्टमेंटस, जोगेण्वरी, त्रम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं०अई-4/70/83-84 छौर जो सक्षम प्राधिकारी तम्बई द्वारा। दिनांक 19-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्स

दिनांक : 12 3~1984

मोहर :

प्ररूप आईं. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

वॅम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० अ० ई०-4/2892/83-84—अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, चौथा माला, एस्टी अपार्टमेंट साईबाबा नंगर, एस० बी० रोड, बोरेवली अम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन है ग्रौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई किया गया है

दनोक 20-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उच्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चीहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं..उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हरीन्द्र कुमार सिंगला

(अन्तरक)

(2) श्री मुभाप एन० मनीयार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवृह्यां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीब वे 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्सूची

पलैट नं 17, चौथा माला, एस्टी गेजी को आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, साईबाबा नगर, एस० वी० रोष्ठ बोरेवली अम्बई—92 ।

अनुसूची जैसा कि ऋ॰ सं० अ० ई 4/83-84 है ग्रीर जो बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 20-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ेविजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-3-1984

मोहर :

प्ररूप बाइ. टी. एव. एस: -----

जायक<u>र</u> जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निवेश सं० **अ**०६० 4/3 7ईई/678/83-84--- शतः **मुझें**, विजय रंजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ क. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० गाप नं० 1, माला अपार्टमेंट, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विजयत है), ग्रीर जिसका करारनामा आमकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 30-7-1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्न में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

35 ---36GI|84

(1) श्री चन्द्रखाल पंचा नागारिया

(अन्तरक)

(2) श्री हरीलाल भिमशी गाला

(बसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पूर् स्वना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकार? की पास लिकित में कियू का सक्केंचे औ

स्पृष्टिकरण :----इसमें प्रयुक्त सन्धां और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

अनुसूची

शाप नं 1; गाला अपार्टमेंट, जितेन्द्र रोड; मालाड (पूर्व); बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि के संब्बार्ट-4/ 678/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक क्षायकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बस्बई

दिनांक : 9-3-1984

मोहर 🛭

अरूप आई.टी.एन.एस. -------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

धम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० अ०ई-4/3क ईई/560/82-83--अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं शाप नं 7, ग्राउंड फ्लोर, गंगा-जमना अपार्टमेंट, यारी रोड, वरसोवा, अंधेरी बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,

1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 11-7-1983; को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मेसर्स सार्बी बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री खेमचन्द किशनचन्द दामा

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

शाप नं० 7, ग्राइंड फ्लोर, गंगा-जमना अपार्टमेंट, यारी रोड, वरसोवा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि० सं० अ०ई-4/68/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज∸4, बस्बई

दिनांक: 9-3-1984

मोहर 🖫

प्रकृत काह", दी , सन् , एव , -------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सूचना

प्रारुत परकार

कार्यांत्रय , सहायक बायकर आयुक्त ((निर्दाक्षण)) अर्जन रोज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश सं० अ० $$0/\Pi^{I}/2428/83-84$ --अतः मुझे, अ० सहीरी,

बायकर विधिनसम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ज्लाट नं बी-12, ब्लाक नं 3, ग्रीन बिला को आप जांसायटी लिं , गोविन्द नगर, नारी सेया सदन रोड, घाटकोपर बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्प से विणित है), जिसका करार-नामा आयकर अक्षित्यम 1961 की घारा 269 फ, ख के अधीन बम्बई के सभम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्टर्ड हैं, दिनांक 6-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की मर्द हैं और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कभी करने का उससे नवने में सुविधा के किए: भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आरितयों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1923 कर ३१) या धनन अरितयमें अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) रो प्रयोक्त में अन्योदिती इवारा प्रमुख नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पानजी करा वरकी कराइकसो

(मन्तरक)

(2) श्री श्रीर्द्धन मृथुधियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना लाडी कडके पुन्तिक सम्मृतिक को नुन्नेन के जिल्ला कार्यमाहिन्सं कड़का हो।

उनत् सम्पत्ति के वर्षन् भी सम्बन्ध् में ऋदे भी बाध्येष् मः

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की सार्री हैं हैं 45 दिन के भीतर उन्ते स्थावर संपरित में हितबक्ष स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध गद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्ष क्या क्या में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्स्भी

प्ताट नं० वी 12, बनाज नं० 3, प्रीनिवना अपार्टमेंटस को० आप० सीलायटी नि० यो बिन्द नगर, भारी सेना सदन, रोड, घाट-कोपर बम्बई-86 ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०/1111050/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में दिनांक 6-7-1983 को रजिस्टई किया करा है।

> अ० लहैं(री सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 5-3-1984

मोहर् 🖫

प्र<mark>रूप बाह्</mark>ँ इति पुन्_य पुस<u>्</u>र-----

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, बम्बई

बम्बई, दिनोक 5 मार्च 1984

निवेश सं० अ॰ ६०/II^I/2373/83-84--अतः मुझे, अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं 14/189, श्रीनिकेतन, 3रा माला, गरोदया नगर घाटकोपर बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्राय-कर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय में रजिस्ट्री है, विनांक 13-7-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्न्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जायं की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सूचित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती शांता एस० नायर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० शिवकामी अमल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धतिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

14/189, श्री निकेतन 3रा माला, गरोधिया नगर, घाटकोपर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अ० ई० III/1053/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय द्वारा विनोक 13-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, **बम्बई**

विनोन : 5-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप कार्यः . टी. थ्नुः, **एर**-

नायकर स्थितिस्म, 1961 (1961 का 43) क्रॉ भारा 269-म् (1) के न्थीन सूचना

मारत चडुकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० अ० ई० III/2392/83-84-अतः मुझे, अ० लहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/- रहे. से बृधिक ही

और जिसकी सं० बंग्लो नं० डींंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंंं स्मारं टाकीज, देवनार बम्बई—88 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है, दिनांक 15-7-1983,

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान, प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से किंभत नहीं किया गया है:——

- (क) नंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के मंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्ही भारतीय बायकार ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

भातः मूल, उस्त मुधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिङ व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) मैं रचना कन्स्ट्रभशन कं०

(अन्तरक)

(2) श्री व श्रीमती कृष्णप्रवल नारायन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्राँट्स के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अविक्तर्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तिस्पूर्ण में से किसी अविक्त द्वारह
- (व) इस स्वना के राजपुत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन् को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किये वा रफोंने।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शुक्की बीच क्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

बंग्लो नं० डी०-1, प्लाट नं० 3, अम ाकीज के नजदीक, देवनार, बम्बई---88

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई० III/1071/83-84 है और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में विनांक 15-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-III, बम्बई

दिनोबः : 13-3-1984

मोहर 🕄

प्ररूप भार्यं,दी एन एस ..-----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निवेश सं० अ० \$6-4/37\$\$\$/924/83-84—अतः मुझे, विजय रंजन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फलैट नं 101/बी, पहली मंजिल, कोस्तुम नगर, रामचन्द्र रोड, बिस्तारित, मालाड (पिश्चम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुसिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि निम्नुसिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि निम्नुसिचित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्यूने में सृष्यिम के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिव्धा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मुं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्ः— (1) मेसर्स नवजीवन बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) शशिकांत गणपतराव पाटकर

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स नवजीवन बिल्डर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी बविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्ध व्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पृथ्वीकरण : इसमें प्रयुक्त स्व्यों बाँड पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

वन्स्ची

प्लैट नं० 101/बी, पहली मंजिल, कोस्तुभ नगर, रामचन्द्र रोड, विस्तापरत, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ०६०-4/924/83-84 विजय रंजन और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन समक्ष प्राधिकारी सहासक भावकर भायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 12-3-1984

मोहर 🛭

प्रकल्द वार्ष्य दी<u>त होता एकः - ४४ - ५५</u> आसकद्र√विभिनियम त 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के भृभीतृःसूचना

भारत सहकार

कार्यांतय, सहायक वायकर वायकत (निर्धिशण) वर्जन रेंज-III, वस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1984

निदेश सं० अ० ६०-III/2233/83-84--अतः मृत्ते, अ० लहीरी,

बायकर ब्रिधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् (उक्त व्यक्तिमयमं कहा गया है), की भाग्र 269-व के बधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार सूच्य 25,000/-रा. से बध्विक है

और जिसकी सं० माप 5043 घर्ग मी० सर्वे नं० 22, कांजूर मार्ग कूर्ली तालूका बम्बई में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया।, दिनाक 12-7-1983,

को पूर्वोंक्त सम्पृतित को उचित बाबाह मृस्य से कम को क्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रतिह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण सिविक्त में बास्त्रींवक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तपुण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त क्षित्यम् के क्षीत् कर देने के जन्तप्क के स्वित्व में कमी करने या उल्ले क्षुने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कद अधिनियम, या धन-कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हिल्ला (1) श्री लालचन्द एस० सिंग,
श्री यू० के० सिंग,
श्री एस० बी० जे० सिंग,
श्रीमती आर० जे० सिंग,
श्रीमती एस० सी० सिंग, और
श्रीमती एस० एस० सिंग,

(अन्तरक)

(2) अंकूर मेटरिनती और सर्जीकल होम के पार्टनर डा॰ सुभाष आर ओरोसकर और डा॰ अ॰ वी॰ संवेकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिस्य १ -- इसमें प्रयुक्त शुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुधी

माप 5043.8 वर्ग मी० सी० एस० नं० 1253 सर्वे नं० 1253/1 से 1253/17 है और सर्वे नं० 22, कांजरमार्ग कर्ला बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई० III_11080_183-84 है और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बस्बर्ध

दिनांक : 14-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप भार्ड, टींः एन , एस, -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त '(निर्**क्षिण)**' अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मार्चे 1984

निदेश सं० अ० ई० $III_1 2311_1 83 - 84$ — अतः मृहो, अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-9, वेस्ट नन्दनवन को० आप०

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-9, वेस्ट नन्दनवन की० आप० मोपायटी, बाबा प्रदुमन कास रोड मूलूंड बस्बई में स्थित है (और (इससे उपाबद्ध अनुसूकी में पूर्ण रूप से विणित है)और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख के अधीन है और जो बस्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टर्ड हुआ है, दिनांक 12-7-1983,

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- '(क)ं अन्तरण से हुईं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसिश व्यक्तियों, अभीत् ॥— (1) श्री गाजरा आनन्द हरीशचन्द्र

(अस्तरम)

(2) डा लालजी रामजी वन्ना और श्रीमती लता लालजी वन्ना

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्टी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगर्भ

पत्रैट नं० बीं → 9, दूसरा माला, वेस्ट नन्दवन को.० आप० सोसायटी प्लाट नं० 1028, बाबा प्रदुमन कास रोड मूलूंड बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ६०-IIII 1079/83-84 है और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12-7-83 को रजिस्टर्ड हुआ है।

> अ० लहीरी सञ्जम प्राधिकारी सहायम आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 14-3-1984

भोहर 🛭

संघ लोक सेवा आयोग

मोटिस

सम्मिलिल रक्षा सेवा परीक्षा, अस्तूबर, 1984

नई दिल्ली, विनांक 28 अप्रैल, 1984

सं॰ एफ॰ 8/12/83-प॰ I (ख)--संघ लोक सेवा आयोग ग्रारा निम्नांकित कोसों में प्रवेश हेतु 21 अक्तूबर, 1984 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीका आयोजित की जाएगी:--

कोर्स का नाम		रिक्तियों की संभावित सं०	
(1) भारतीय सैन्य अ देहरादून, जुलाई प्रारम्भ हीने वार कोसं	, 1985 त ७१वी	स्कंब) "सी"	सी० (सेना प्रभाण-पद्य प्राप्त लिये धार्राक्षत सम्मिलित हैं।
(2) नीर्सेना अकाषमी (जुलाई, 1985 ही रहा कोर्स	में प्रारम्भ		
(क) सामान्य सेवा	49	स्कन्छ) "सी	ि (नौ सेना)' प्रमाण-पत १ ६ आरक्षित चित्र हैं)
(ख) नौसेना विभान	य 33		
(3) वायुसेना अकावम ए० सी० कोयम्बा 1985 में प्रारम्भ 138वें एफ० (पी के लिए उड़ान पूर्व कोसी)।	सूर (जुलाई, गहोने वाले १०) कोर्स	स्कन्ध के "सी'	सी० वायु सेन। 'प्रमाण-पत्न घा- ए 4 आ रक्षित जितहैं)
(4) अधिकारी प्रशिक्ष महास (अक्तूब प्रारम्म होने एस० एस० स् टी०) कौर्स	र, 1985 में बाला 42 वी	275	

विशेष ज्यान: (I) उम्मीवशार को आवेषन पक्र के कालम 7 मैं यह

स्पष्ट रूप से सताना होग। कि वह किन सेवाओं के लिए
वरीयता कम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे
यह भी सलाह दी जाती है कि यह अपनी इच्छानुसार
जिननी चाहे उसनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता
कम में उसके रैंक को ज्यान से रखते हुए नियुक्ति करते
समय उसकी वरीयताओं पर मली मौति विचार किया जा
सके।

उम्मीवनारों को ज्यान में रत्यता वाहिए कि तीने निमेन ज्यान (II) की व्यवस्था को छोड़कर उन पर केमल उन्हीं कोसी में नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा जिनके लिये के बरीयता निर्विच्छ करते हैं अन्य कोसे (कोसी) में नियुक्ति हेलु नहीं।

उम्मीक्यार द्वारा अपने आवेषध पक्ष में पहले निविध्य वरीयताओं में मृद्धि/परिवर्तन हेसू किकी बनुरीय को नामीय आधा प्रशेकार वहीं क्रिया जायता ।

36-36 GI/84

विशेष ध्यान:—(II) स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए भा० सैन्य
अकादमी/नौ सेना अकादमी /वायु सेना अकादमी कोर्स
के इस परीक्षा से बचे हुए उम्मीववार यथि बाद में
अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर सकनीकी) कीर्स के
लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित
शर्तों के अधीन अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर
तकनीकी) प्रदान करने के लिए विचारण योग्य
हो सकते हैं। चाहे उम्होंने अपने आवेषन पत्नों में इस
कोर्स के लिए अपनी पसन्य नहीं बताई है:—

- (i) यदि अल्पकालीन सेवा कमीयन (गैर तक्लीकी)
 कोर्स के लिए प्रतियोगी सभी उम्मीववारों को , लेने के बाद कमी है, और
- (ii) जो उम्मीदवार अल्पकालीन सेवा क्षमीणन (गैर तकनीकी) हेतु वरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिए भेजे जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के कम में उस अंतिम उम्मीदवार के बाद रखा जाएगा जिन्होंने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है, क्योंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जाएंगे जिसके लिए वे व्यक्ति वरीयता के अनुसार हकदार नहीं है।

दिप्पणी I--एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध)/बायु सेना स्कन्ध (बरिच्छ प्रमाग)/(नौसेना स्कन्छ) के "सी" प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीद-बार अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोसीं की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिए इस कोर्स में कोई आरक्षण नहीं है। अतः इस कोर्स में रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीद-वारों को अभी एन सी० सी० 'सी' प्रभाण-पक्ष (सेना स्कन्ध) /(वायु सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग) (नौसेना स्कन्ध) की परीक्षा उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यया वे आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पात हों, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी॰ 'सी' प्रमाण-पन्न '(सेना स्कन्ध) /(वायु सेना स्कन्ध)/ (भौ सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुस करना हीगा जो कि आई० एम० ए०/एस० एस०ुँसी० (एन०टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय मर्ती 6 (एस० पी॰) (६०) नई विल्ली-110023 तया नीसेना के प्रथम विकल्प घाले उम्मीदबारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/ आर० एण्ड आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 की और बायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में बायु सेना मुख्यालय पी० ओ०-3 वायु सेना मजन, नई दिल्ली-110011 की 1 जुलाई, 1985 तक पहुंच आए।

जारिकत रिकितमों के लिए प्रतियोगिता की पात्रसा हैतु उम्मीदवार नै राष्ट्रीय सैडेट कोर में जो सेवा की हो वह सीनियर डिवीजन सेना स्कम्ब में 2 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और सीनियर डिवीजन वायु सेता/भी सेता स्कम्ब में 3 जैक्षणिक वर्षों से कम न हो और आयोग के कार्यालयों में जावेदमों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख को उसे राष्ट्रीय कैडेट कोर ने मुक्त हुए बारगीय सैस्य अकादमी /नौसेना अकावमी/वायुसेना अकादमी कोसं के लिए 24 मास से अधिक न हुए हों। डिल्पणी II -- जारसीय येता अकावसी होती/कायु सेना अलावमा कोर्स/की रेना अकावमी कोर्स में एनं तारु सीरु (सेना स्कट्स/सीनियर डिजीजन बायु सेना सक्ट्य/सीना नौसेना सकट्य) के की प्रमाण-पत्र-धारी उस्मीदवारों के लिए आरिक्त रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षा परिणाम के आधार पर अर्द्रता प्राप्त इन उस्मीदवारों के पर्याप्त संस्था में न मिलने के नारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों की अनारिक्षत रामका नाएक और उन्हें सामान्य उस्मीदन वारों से भरा जाएक।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली शिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बंबे द्वारा लिखित परीक्षा बंबे में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण ने परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्सों में प्रवेश दिया जाएगा । (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्या, (ख) अन्यवसी/शाला में प्रवेश देतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी, भी सेना अकादमी अधिकारी प्रशिक्षणशाला और वायु सेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में अमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

टिप्पणी: परीक्षा के समस्त विश्वयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिणिष्ट II पर "उम्मीयवारों को मूलनार्थं विवरणिका में" वेखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र—अगरतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भांपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इस्पाल, ईटानगर, अयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोटंक्लेयर, रायपुर, जिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरूपित, विवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापत्तनम ।

आयोग यदि चाहै तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीक्षों में परिवर्तन कर सकता है । यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के नभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परि-स्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सेंकना है । जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे विया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (तीके पैरा 11 देखिए)।

उम्मीदवार की ध्यान रखना वाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को मामान्यता स्वीकार नहीं किया जाएगा । किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन वाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निविष्ट किया था तो उसे मचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औषित्य बताते हुए एक पत्न रिजस्टई डाक से अवस्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है । ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 21 सितम्बर, 1984 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- 3. पास्रता की शर्ते :--
 - (क) राष्ट्रिकता : जम्मोदबार या तो
 - (i) भारत का नागरिक हो, या
 - (ii) भूटान को प्रजा हो, या
 - (iii) नेपाल को प्रजा हो, या
 - (iv) निय्वती जन्मार्थी, जो स्थायी रूप में भारत में रहने के इरादे में 1 जनवरी, 1962 में पहले आ गया हो, या
 - (v) भारतंग्य मुल का ब्यक्ति हो जो भारत में स्पाई रूप से रहने के उच्चित्र में पाकिस्तान, अर्था, श्रीलंका, और पूर्वी अफीकी देश कैंगे का निया, उमांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मालाबी, और ब्रोश ह्योपिया और वियतनाम से प्रवजन कर आया हो ।

परन्तु उपर्युक्त नमें (iii), (iv) और (v) के अन्तर्भ न आने वाला कम्मीयमार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पान्नता प्रमाणपण प्रवान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पासता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा ।

जिम उम्मीदवार के लिए पाझता प्रमाण-पत्न आवश्यक है उसे उसत परीक्षा में इस शर्त पर अस्तिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण-पन्न संब भोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम की श्रीयणा से पहले दे दिया जाए।

- (ख) आयु-सीमाएं लिंग या बैबाहिक स्थिति :--
- (i) मारतीय सैन्य अकादमी के लिए: केवल ऐसे अविवाहित पूरव उम्मोदबार पात्र हैं जिन हा जन्म 2 जुलाई, 1961 से पहले का सथा 1 जुलाई, 1966 के बाद का न हो।
- (ii) भी सेना और बाय रेना अधारमी ये लिए . नेवल श्रविवाहिस पूर्वण उम्मीदवार पाल है जिनका जम्म 2 जुलाई, 1963 के पहुने और 1 जुलाई, 1966 के बाद न हुआ हो ।
- (iii) अधिकारी प्रशिक्षणशाला के लिए: केवल वही पुरव उम्मीव-वार (विवाहित या अविवाहित) पाल हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1960 के पहले और 1 जुलाई, 1966 के बाव न हुआ हो।

टिप्पणी :--जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैद्रिकुलेशन/ हायर सेकेन्बरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन में जिसी गई हो।

जिन उम्मीदशरों ने मा० से० अकादमी/नौ सेना और वायु सेना के लिए पहली पसन्द बताई है, उन्हें वयन स्टाफ द्वारा सत्यापन के प्रयोजन हेतु सेवा चयन बोर्ड के समझ साक्षारकार के लिए उपस्थित होते समय आयु का प्रमाण (मूल रूप में) प्रस्तुत करना है।

- (ग) शैक्षिक योग्याताएं:----
- (i) भारतीय सेना अकावमी. नौ सेना प्रकावमी और अधिकारी प्रशिक्षण-शाला के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता,
- (ii) वायु सेना अकादमी के लिए: --- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भीतिकी और/या गणित विषय के साथ कियी या समकका। जिन उम्मीदवारों में अपनी बिधी परीक्षा भीतिकी और/या गणित के सलावा अन्य विषय लेकर उसीण की है वे भी पाल हैं किन्दु शर्त यह है कि उन्होंने हायर सेकेण्डरी परीक्षा (पूराना पैटनें) या स्कूली शिक्षा 10+2 पैटनें के अन्तर्गत 12वें स्तर की परीक्षा या कोई समकब परीक्षा गणित और भौतिक विषयों के साथ उत्तीण की हो।

नी सेना/बाय सेना की पहली पसन्य वाले स्नातकों को ग्रेजुएमन के प्रमाण के रूप में प्रोविजनल सिंटिफिकेट सेव। स्थन बोर्ड पूरा होने के हो सप्ताहों के अन्वर कमण: सेना मुख्यालय (रिक्टिंग) (६ एस० पी०) (६०)/नी सेना मुख्यालय (आर० एण्ड आर० सेक्सन)/वायु सेना मुख्यालय-इ।कसर 3 (ए) को प्रस्तुत करना है।

जो उम्मीदबार अभी कियी, परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, बहु भी अपनेदन कर सकते हु परन्तु उनको कियी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आई० एम० ए०/एस० एस० सी०(एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (ई) नई दिल्तो-110022 नया नौ सेना के प्रयम विकल्प नाले उम्मीदवारों के मामले में ती तेना मुख्यालग/आर० एक आर०, सेना भवन, नई विल्ली 110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प जाले उम्मीदवारों के मामले मे याव सेना मुख्यालय पी० ओ०-3, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को निम्नलिबित नारीख तक पहुंच जाएं जिसके न पहुंचने पर उनकं उम्मीदवारी रह हो आएगी।

- (i) भा० से० अकावमी, नौ मेना तथा वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए 1 जुलाई, 1985 तक या उससे पहले ।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में प्रवेश के लिए 30 सिसम्बर,1985 तक या उससे पहले ।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हो जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यसा-प्राप्त हों वे भी परीक्षा के लिए पास होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार की इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी में युक्त म होने पर भी, गैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हो जिनका स्तर आयोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

हिल्लणी 1--ऐसे उम्मीदवार जिल्हें कियी परीक्षा में अभी अहंता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे वी है, उन्हें नोट कर लेना पाहिए कि उनको थे। गई यह विशेष छूट है। उन्हें कियी परीक्षा उसीर्ण करने का प्रमाण निर्धारत तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियाधी अहंक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अत्य किसी कररण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी की अनुरोध को स्थीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी II — जो उम्मीववार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में जिसी प्रकार के कमीशन में अपवर्णित हैं, जे इस परीक्षा में प्रकेश के पान नहीं होंगे। अगर प्रवेश विया गया तो उनकी उम्मीदवारी रह की आएगी।

टिप्पणो III -- विशोष सेवा नाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर प्रशिक्ष सम्मिलित हैं), जिनको अपसे नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से अम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात नहीं होंगे। जिन विशोष सेवा नाविकों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत सभी लिए आएंगे जब वे उनके कमाहिंग अफसरों के द्वारा निर्धारित रूप में अनुशंसित हों।

4. आवेदन प्रपन्न के साथ वेय गुल्क: द० 28.00 (अट्टाइस दपए) (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों) के लिए द० 7.00 (सात दपए)। जिन आवेदन-प्रपन्नों के साथ यह निर्धारित गुल्क नहीं भेजा जाएगा छनको एकदम अस्वीकार कर दिया आएगा।

5. गुल्क से छूट : आमोग यदि चाहे तो, निर्धारित गुल्क से छूट दे सकता है जब उनकों इस बात का आध्यासन हो कि आवेवक मूटान, पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला वेग) से वस्तुत: बिस्यापित व्यक्ति है जो 1-1-64 और 25-3-1971 के भीच की अवधि में भारत में प्रवजन कर आया है या तत्कालीन पिच्चम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जो पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के वौरान प्रवजन कर भारत आया था या यह वर्मा से वस्तुत: प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उमके बाद भारत में प्रवजन कर भाया है या वह की लंका से वस्तुत: प्रत्यावर्तित भारतीय मूलक व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौत के अन्तर्गत 1 नवस्वर, 1964 को माउसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित गुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाए: -- केवल साम्मिलत रक्षा सेवा परीक्षा सक्तूबर, 1984 के लिए निर्धारित पत्र में छपे हुए आवेदम-पत्न श्ली लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्न भर कर सचिव, संघ नोक सेवा आयोग धौसपुर हाऊम, मई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिएं। आवेदन प्रपन्न और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नां--कित स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं।

- (i) वो रुपए का मनीआर्थर या संघ बोक सेवा आयोग के सचिव को नई विल्ली प्रधान शक्यर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्थर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आरोग, धौलपुर हाऊस, नई विल्ली-110011 के यहां से जाक द्वारा।
- (ii) वो स्पए नकद देकर आयोग के कायसिय के काउन्टर पर।
- (iii) निकटतम मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय, नौसेना तथा थायु सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशृत्क ।

आवेदन-प्रपक्ष तथा पावती कार्ड उम्मीदवार के हाथों द्वारा स्थाही बाली कलम या शालपेन से ही भरे आने चाहिए । सभी प्रविष्टियां शक्तों में होनी चाहिए रेखाओं या बिन्दुओं में नहीं । अधूरा या गलत भरा हुशा आवेदन-पन्न रह कर विया जाएगा ।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पन्नों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राब्द्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाता है । वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पन्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों । यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या घ्रामक होंगी तो उनके निवंतन में होने वाले घ्रम तथा संविष्यता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ज्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पन्न में उनके द्वारा की गई ृप्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पन्न आदि स्वीकार नहीं किया आएगा । इसलिए उन्हें आवेदन-पन्न सही कप भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी मौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले बीचोगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में निमुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्न भेजने चाहिएं। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ संवा आयोग में देर से पहुंच जाए तो उस आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, मले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी, से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्यभारित कर्मपारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या ऐसे कर्मचारी जो लोक उद्यमी
में कार्यरत हैं, उन्हें यह परिवचन (अन्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा
कि उन्होंने लिखित इप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित
कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीववारों की ज्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोकता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्न मिलता है तो उनका आवेदन-पत्न अस्वीकृत कर विया आएगा और उनकी उम्मीदवारी रह् कर वी आएगी।

सम्बास्त्र सेना में काम कर रहे उम्मीदबार अपने क्रानेबन-पक्ष अपने कर्माहिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृथ्ठांकन (देखिए आवेदन प्रपक्ष के माग 'स्र') को भर करके आयोग को मेजेंगे।

7. भरा हुआ आवेदन-पन्न आवरयक प्रलेखों के साथ सचिन, संघ सोक धेवा आयोग, धीलपुर हाऊस, नई दिल्ली--110011 को 25 जून, 1984 (25 जून, 1984 से पहले की किसो तारीख से असम, मेबालय, अदगावल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैण्ड, निपुरा, सिक्तिम, जम्मू बौर काक्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौन और स्पीति जिले, अण्डमान और निकोशार क्षीप समृद्ध या लक्षद्वीप और दिदेशां में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिन उम्मीदवारों के आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक इलाके से शक्ष हारा प्राप्त होते हैं, उनके मामसे

में 9 जुलाई, 1984) तक या उससे पहले बाक द्वारा अवश्य मिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउन्टर पर आकर अमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, नेवालय, अदणावल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालिण्ड, जिपुरा, सिविकम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रवेश के लाहौल और स्पीति जिले, अन्द्रमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि वाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 25 जून, 1984 से पहले की किसी तारीख से असम, मेपालय, अदणा—वल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालिण्ड, जिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, अन्द्रमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था ≀

- टिप्पणी (i) :— जो उम्मीदनार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वार्ले आवेदन की प्रस्तुति हेषु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्न के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का माम (अर्थात् असम, मेबालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लहाक्ष प्रमाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यया हो मकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (ii):---उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि अपने आवेदन पक्ष को स्वयं सं० लो० से० आ० के काउण्टर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टडं । डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अल्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्नों के लिए आयोग उसरवायी महीं होगा।

8. प्रलेख जो आधेदन के साथ भेजें जाएं:

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:

(1) इ० 28.00 (अट्टाईस रुपए) अनुसूचित जातिमों/जन जातिमों के उम्मीववारों के लिए द० 7.00 (सात रुपए) का मुल्क जो सचिव, संघ लीक सेवा आयोग जो नई विल्ली, प्रधान डाफ घर पर देय रेखांकित धारतीय पोस्टल आईर के रूप में हों या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम धारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक बूपट के रूप में हो।

टिप्पणी :-- उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय वैंक इाफ्ट की पिछली ओर सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए । पोस्टल आईरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आईर के पिछली और इस प्रमोजन के लिए निर्मारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विवेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उक्जामुक्त या राजदूत मा विवेशी प्रतिनिधि के कार्यालमों मैं निर्धारित शृष्क इस प्रकार जमा करें जिससे यह "051 लोक सेवा बासीग" परीका शृष्क के खाते में जमा हो जाएगा और एमको रसीव आवेदन-पक्ष के साथ सेंज दें।

समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रभाणित हैं। उम्मीववारों को पूर्वोक्त मेट्रीकुलेशन या समक्ष्य प्रमाण पक्ष की वो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां अवश्य प्रस्तुत करमी वाहिएं। किन्तु जिस उम्भीववार ने हायर सैकेन्द्री परीका या कोई समकक्ष परीका उत्तीर्ण कर की है वह हायर सेकेन्द्री परीका प्रमाण पक्ष या समकक्ष प्रमाण पक्ष की वो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुन्डली, शपथपक, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस माग में आए हुए "मैं ट्रिक्टुलेशन/उच्चत्तर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न" टाक्योंस के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैद्रिष्ठ शन/उज्बल्स माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न मैं जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उज्जलर माध्य-मिक परीक्षा प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रितिलिप्ति के अतिरिक्त उस संस्थान के हैंब मास्टर/प्रितिपत से लिए गए प्रमाण पत्न की एक अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी वाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उज्जलर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्न में उस संस्था के वाखिला राजस्टर में वर्ज की गई उसकी जन्म की तारीखाया वास्तिक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को नेताजनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्न के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्न अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी (i) :--जिस उम्मीवर्षीर हे पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त

साध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल आसु से

सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अनुप्रमाणित/प्रमाणित

प्रतिसिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी (ii):-- उम्मीदवार यह घ्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार की अन्म की ि जारीख की स्वीकार करेगा जो कि आवेदन- पत्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैद्रिकुक सन /उच्चसर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न या समकक परीक्षा के प्रमाण पत्न में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

दिप्पणी (iii): -- उम्मीदबार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी
परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार
बोधित कर देने और आग्रोग ग्रारा उसे अपने अभिलेख में
दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में
परिवर्तन करने की अनुमति नहीं यी जाएगी।

(3) शैक्षिक थोग्यता के प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति

उम्मीवनार को इस आशय के प्रमाण पन्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी जाहिए कि उसके पाग पैरा 3 (क) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदकार द्वारा इसके इस प्रकार अजित कर लेने की सम्भावना है कि पैरा 3 (ग) में विहित तारीक तक इसको उसीण करने का प्रमाण विया जा सके । जो प्रमाण पक्ष प्रस्तुत किया जाए, वह नहीं हो जो योग्यता विशेष को देने बाले प्राधिकरण (अविह्य) विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय द्वारा जारी किया थया हो। यौव ऐसे प्रमाण-पक्ष को अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रिष्ट अक्षुत कहीं वाली वाली है क्ष्यविद्यालय हो। व्यक्ष व्यक्य व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष

श्रातानी चाहिए और ऐसे अध्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह अपेकित बौध्यता रखने के दावे के समर्थम में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण परगुणवस्ता के आधार पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मानने के लिए बाब्य नहीं होगा।

बाबु सेमा सकावमी के बास्ते प्रतियोगिता में बैठ रहे उम्मीदवार हारा अपनी रीक्षिक योग्यता के समर्थन में प्रस्तुत विश्री यासमकतापरीका उत्तीर्णे करने के निश्वनिद्यालय के प्रभाग पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में मिर्फ परीका जिल्मों का उल्लेख न हो तो उसे विपनविधालय प्रमाण पत्र की अनुप्रकाणित/प्रमाणित प्रति के साच-साव प्रवानावार्य/ विभाग के प्रधान के प्रमाण पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवस्य प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें ब्रशीयां गया हो कि उसने भौतिकी और या गणित परीक्षा विषय के रूप में लेकर आहुँक परीक्षा उत्तीर्ण की है। किन्तु यदि उम्मीदवार ने अपनी विश्वी वा समकता परीका मौतिनी और/या गणित के अनावा अन्ध विवयों के साथ उत्तीर्ण की है तो उस विग्री या समकका प्रमाण-पञ्च की अनुप्रमाणित-/प्रमाणित प्रति के साथ-साथ विश्व-विद्यालय/वीर्व की हायर सेकेच्य्री परीक्षा (पुरानां पैटर्न) या स्कुली शिका 10 🕂 2 पैटने के अन्तर्गत 12 वें स्तर की परीका या समकक परीका उत्तीर्णं करने के प्रमाण पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवस्य प्रस्तुत करनी चाहिए। किन्तु ऐसे मामले में यदि हायर सेकेन्द्री परीक्षा (पुराना पैटर्न)/स्फूली शिक्षा के 10+2 पैटर्न के अन्तर्गत 12वें स्तर की परीक्षा उलीर्ण करने के विश्वविद्यालय/बोर्ड के प्रमाण-पक्त की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में परीकाविषमों का उल्लेख न हो ती सम्बद्ध हैव मास्टर/प्रिसिपल के प्रमाण-पक्त की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत की आए जिसमें यह बर्जाया गया हो कि उम्मीदबार में उक्त परीक्षा गणित और भौतिकी परीक्षा विषय के रूप में लेकर उत्तीर्थ की है।

- (iv) उपस्थिति प्रवक्त (आवेदन-प्रवक्त के साथ संक्रम्न) विविधत सराक्ष्मा ।
- (v) उम्मीवबार के शुल हो के प्रास्पोर्ट काकार (स्पाधम ठ सैं० मी० × ७ सैं० मी०) के फोटो की एक जैसी वो प्रतिमां जिसकें ऊपरी हिस्से पर उम्मीदबार के हस्साखर विविध्य अंकित हों।

फोडो की एक प्रति अभिवन प्रपक्ष के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उथिक्विति पक्षक में विष् गए निर्वारित स्थान पर विश्वका देनी काहिए।

- (vi) चरामरा 11.5 र्सें० मी० × 27.5 सें० मी० जाकार के जिना विकत्र लगे लंशन लिकाके, जिस पर आपका पता लिका हो।
- (क) अनुसूचित आतियों/अनुसूचित अन जातियों के उम्मीक्वारों द्वारा अनुसूचित जार्ति। अनुसूचित जन जाति के होने के दाने के समर्थन में यहां उम्मीक्वार या उसके माता-पिता (या जीवित माता पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के सम्मम प्राविकारी (प्रमाण-पन्न के नीचे उस्लिखित) व परिविक्ट IV में विए गए प्रमाण प्रमाण पक्ष की अनुप्रमाणित।
 - (ग) गुल्म से खूट चाहने वाले उम्मीदनारों मे द्वारा:
 - (i) किसी जिला अधिकारी या राजपितन अधिकारी या संघ या राज्य विद्यान मण्डल के सबस्य से लिए गए प्रमाण पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि सम्मीवनार निर्धारित जुल्य वेले की स्थिति में नहीं है।
 - (ii) वश्तुतः विस्याभित/प्रत्याविति व्यक्ति होने के क्षावे के समर्थन यै निश्मिविति प्राधिकारियों छ छिए वर्ष प्रमाध-पश्च की श्रमुवनावित/हत्वावित अतिशिवि ।

- (क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्ताम से बिस्थापित व्यक्ति :
 - (i) वण्डकारच्य परिभोजना के क्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राह्म शिविरों के शिविर कनांबेंट ।

भयवा

(ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेड जहाँ पर वह फिलहास रह रहा हो।

अचवा

(iii) अपने जिले के भरणार्थी पूनविस का प्रभारी अतिरिक्त जिला मिलस्ट्रेट,

असमा

(iv) सब-डिकिजनल अपसर अपने अधीनस्य सब-डिकीजन की सीमा तक ।

भयवा

- (v) सरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त पश्चिमी बंगाल/निवेशक (पून-वित्तम), कलकसा ।
- (च) श्रीशंका से प्रत्यावर्तित :--श्रीशंका में भारत का उच्चायुक्त ।
- (ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित :--भारतीय राजवूतावास, रंपून, या जहां का वह रहने वासा हो,
 जस केव का जिला मजिस्ट्रेट।
- (व) तत्काशीम पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति : (i) विजित्न राज्यों के ट्रांजिट केक्षों सदा राहत शिविरों के चैन्य कर्मार्डेट ।

वधवा

(ii) उस प्रलाके का जिला मजिस्ट्रेट अहा वह, फिलहाल रहता हो।

এছ বা

(iii) अपने जिले के मरणार्थी पुनर्यांत के प्रचारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेड ।

अथवा

- (iv) अपने प्रभार में सब—विवीजन के अन्वरसव विविजनल अधिकारी अववा
- (v) त्ररणाची पुनर्वास उपायुक्त ।
- (■) भा० सेता अकावमी और बायु सेना अकावमी और नौ सेना अकावमी कोर्स में अतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतिबोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पच्च (सेना स्कन्छ)/(बायु सेना स्कन्छ) का वरिष्ठ प्रभाग/(नौ सेना स्कन्छ) प्राप्त उम्मीववारों द्वारा:

यह विकान के लिए कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पक्ष (सेना एकण्ड)/वासु सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग/नी सेना स्कन्ध है अथवा वह एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पक्ष (सेना स्कन्ध) /वाबु सेवा स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग योसेना महास पिछा ने प्रकेश से रहा है/प्रभेष के चुका है, इस आक्षय के प्रमाण पक्ष की अनुप्रभाणित/प्रभागित प्रतिसिप ।

किप्पणी:---उच्मीदवारों को आवेदन-पत्न के माथ भेजे गए सभी प्रमाण--पत्नी की अधुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर हस्ताक्षर करके वारीस विकारी है।

- 9. शुरूक की नापसी: -- आयेवन के माथ आयोग को अवा किया गया शुरूक नापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा याचयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है: --
 - (i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दें विया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं विया उसको ६० 15.00 (पश्रह रुपए) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में ६० 4.00 (चार रुपये)] वापस कर विया जाएगा परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना भाष्ट श्लीमें पर अस्वीकार कर विया गया हो कि उम्मीदवार विश्वी परीक्षा में अनुसीणें हुआ है या विश्वी परीक्षा में उसीएंग हुआ है या विश्वी परीक्षा में उसीएंग हिम तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उस उम्मीदवार को शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
 - (ii) जो उम्मीवनार अक्तूबर, 1983 या मई, 1984 में आ-योजित सम्मिलित रक्षा सेना परीक्षा में बैठा हो और उनमें से किसी परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी कोसे के लिए उमका नाम अनुगंसित हुआ हो तो उसके मामले में द० 28.00 (अट्ठाईस नपए) [अनुसूचित जातियों/ अनुसूचित जनजातियों के मामले में द० 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क थापस किया जा सकता है, पर यह जकरी है कि अक्तूबर, 1984 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये अपनो उम्मीदबारी रह कराने और शुल्क धापस पाने के लिये उस उम्मीदबार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1 अप्रैल, 1985 की या उसरो पहले पहुंच जाए।
- 10. आधेवन पत्न की पावती :—आयोग के कायांलय में देर से प्राप्त आधेवन-पत्नों सिहत प्रत्येक आवेदन-पत्न की पावती। दी जाती है तथा आधेवन-पत्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार की आधेवन-पत्न की राजिस्ट्रेशन सं० जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार की उक्त परीक्षा के आवेदन पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित अस्तिम तारीख से एक मास के अन्वर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना काहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार की आवेदन-पत्न की रिजस्ट्रेशन सक्या जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन-पत्न सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग दारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. आवेदन का परिणाम :— अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूजना परीका मुक् होने की तारी का से एक महीने पहुंचे सक आयोग से प्राप्त न हुई सो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से बचित हो जाएगा।
- 12. प्रीक्षा में प्रवेश :-- किसी उम्मीवनार की पालता या अपालता के संबंध में संब लोक सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्न के बिना किसी भी उम्मीदवार की परीक्षा में प्रवेश नहीं विया जाएगा।
- 13. कवाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई: उम्मीद-बारों को चेतावती दी जाती है कि वे आवेदन पत्न भरते समय कोई गलत जिवरण न वें और न किसी महस्वपूर्ण सूचना को छिपामें। उम्मीदवारों को यह भी चेतावती दी आती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी मी प्रलेख या बसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संगोधन या परिवर्तन या कोई केर-बदल न करें और न ही फेर-बदल किए गए बड़े हुए प्रलेख को प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या

इससे अधिक प्रवेखों में या उत्तकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अमुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

- जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार को दोवी **योषित** होता है या हो चुका है:--
 - (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीववारी का समर्थेन प्राप्त करना; या
 - (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वय प्रस्तुत होना; या
 - (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना, या
 - (iv) जाली प्रलेख याफोर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
 - (V) अशुद्ध या असरम वन्तक्य देना या महत्वपूर्ण सूचना की छिपाकर रखना; या
 - (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में, किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
 - (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
 - (Viii) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर असंगत बार्तें लिखी हों जो अक्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; या
 - (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्ध्यहार किया हो; या
 - (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अस्य प्रकार की शारीरिक क्षिति पहुंचाई हो; या
 - (xi) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पन्न के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंबन किया हो; या
 - (Xii) अपर के अपन्तों में उल्लिखित सभी या किसी कवाचार की और प्रवृत्त होना या ऐसा करने के लिए किसी को उत्तेजित करना।

यह अपने को दण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त :--

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीववार है उसके लिए आयोग द्वारा आयोग्य ठहराया जासकता है अथवा
- (ख) (i) आयोगद्वारा उनकी किसी भी परीक्षाका **चयन** के
 - (ii) केन्त्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के स्थायी रूप से या भुष्ठ निविष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है, और
- (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो या उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात होगा। किन्तु शर्वे यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी आएगी अब तक:——
 - (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखिन अभ्या-बदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया हो, और
 - (ii) उम्मीदनार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यानेदन पर, यदि कोई हो विचार न कर खिया गया हो ।

14. मूख प्रमाण-पन्नों का प्रस्तुतीकरण :--सेवा वयन बोबं के साक्षात्कार में अर्धुता प्राप्त करने वाल उम्भीववारों में से, आई०एम० ए०/एस०एस० सी॰ (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्भीववारों के मामले में सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (एस० पी०) (ई), नई विल्ली-110022 को तवानौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर० सेना भनन, नई विल्ली-110011 को या वामु केना के प्रथम विकल्प आले उम्मीववारों के मामले में बायु सेना मुख्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-110011 को अपनी मुख्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-110011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-110011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-110011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-110011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना भनन, नई विल्ली-180011 को अपनी मौक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना मौक्यालय/पी० भीक्यालय/पी० औ०-3, बायु सेना पी० सेना

15. "आवेदन के संबंध में पत्र-व्यवहार"—आवेदन के सम्बन्ध में सभी पत्र-व्यवहार सिषद, संच लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवक्य होना चाहिए:—

- (i) परीक्षाकानाम ।
- (ii) परीक्षाका वर्षभी र महीना।
- (iii) आवेदन-पन्न की रिजस्प्रेमन संख्या/रोल नम्बर या जन्म की तारी खा (अगर आवेदन पंजीकरण के संक/रोल नम्बर नहीं मिलाहो)।
- (iv) उम्मीदबारों का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)।
- (v) पन्न-स्यवहार का पता जैसा आवेदन पन्न में दिया है।

विमोध ज्यान—(i) जिन पत्नों के साथ ऊपर का ज्यौरा नहीं होगा, हो तकताहै, उत्त कर कोई कार्रवाई न हो।

> (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीद-बार से पक्ष/पन्नादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ज्यान नहीं दिया झाइगा। और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी ∮

16. पते में परिवर्तन :— उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी वाहिए कि उसके आवेदन पत्न में दिए पते पर भेजे जाने वाले वल आदि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजवा दिए जार्थे। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे उत्पर के पैरा 15 में उल्लिखिस दिवरण के साथ आयोग की यथाशी असुजित कर देना चाहिए।

सेवा चयम बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंतित उम्मीदवारों में अगर परीक्षा के लिए आवेवन करने के बाव अपना पत्ता बदल विया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम चौचित हो जाते ही अपना नाम, पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच रिक्टिंग 6 (एस०पी०) (ई०) (II) बेस्ट ब्लाफ 3, जिंग 1 रामाकृष्णापुरम, नई विल्ली—110022 और बायु सेना मुख्यालय (पी० ओ०-3) नई विल्ली—110011 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन आवेशों का पालन महीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्न न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दाने से बंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस-प्रकार के परिवर्तनों पर दूरा-पूरा घ्यान वैते हैं फिर भी इस शस्त्रक्थ में वह अपने ऊपर कोई जिल्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखिस परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षास्कार के सम्बन्ध में पूळतां :-- जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चवन बोर्ड के साक्षारकार के सिष्ठ अनुशंक्ति हैं उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ जौर अनुरोध मेश भेश मुख्यालय, ए० जी० झांच रिक्ट्रिंग 6 (एस० पे१०) (ई०) (II) वेस्ट ज्याम 3, विष 1, रामाक्वणापुरम, नई दिस्जी— 110022 और वायु सेना उम्मीदवारों के लिए बायु सेना मुख्यालय (पी० ओ०) वाय्येना भवन नई दिस्सी—110011 के पते पर लिखने वाहिए।

उम्मीववारों की साकात्कार के लिए मेजे गए सम्मन-पन्न धारा सूचित की गई तारीण को सेवा चमन बोर्ड के समक्ष साकात्कार क्षेत्र रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थानित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में और प्रणासिक सुविधा को ध्यान में रचकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण क्षेत्रा मुख्याक्षय/ वायु सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्त साकात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीववार अपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएंगे :---

- (फ) सफेर कमीज में पासपोर्ट आकार फोटो की .6 प्रतिया।
- (ख) विस्तर और कम्बल (मौसम के अनुसार)।
- (ग) सफेव कमीओं और हाफ पेंटों के बो जोड़े।
- (भ) एक जोड़ी पी०टी० के सफेद अपूरे और दो जोड़े सफद मीजे।
- (ड) पैंटों और कमीओं के दो जोड़े।
- (च) फाउन्टेन पेन स्थाही और वैंसिल।
- (छ) ंबुट पालिश और सफेद **अ्लैं**कों।
- (ज) एक नच्छरदानी।

विशेष ज्यान: —यदि किसी जन्मीववार को भारतीय सैन्य अकावनी हेतु, 1985 के पहले सप्ताह तक और अधिकारी प्रशिक्षण शाला हेतु जुलाई, 1985 के भौधे सप्ताह तक सेवा अपन वोर्ड के साक्षात्कार के लिए सामात्कार प्रज्ञ प्राप्त नहीं होता है तो उसे सेना भुक्यालय/भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०), वेस्ट क्लाक 3, रामा कुष्णापुरम नहीं विल्ली—110066 को साक्षात्कार प्रज्ञ न मिलने के बारे में लिखना जाहिए।

18. लिखित परीका के परिणाम की कोवणा, योग्यता प्राप्त अन्मीववारों का साक्षात्कार, अन्तिम परिणाम की कोवणा और अन्तिम कप से योग्य पाए गए उम्मीववारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश:

संच लोक सेवा आयोग अपनी विवधा से लिखित परीका के लिए निर्धारित स्मृततम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची वैयार करेगा। वे उम्मीदवार उनसे भी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने अर्द्धता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिए सेवा स्थम बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीववार आई० एम० ए० (डी॰ ई०) फोर्स और/या मौ सेना (एस० ई०) कोर्स और/या बाबुसेसा अकादमी कोर्स की जिखित परीक्षा में अहैता प्राप्त करते हैं, वाहे वे एस० एस० सी॰ (एन० टी॰) कोर्स के लिए अहैता प्राप्त करें या नहीं उनको नार्च/अप्रैल, 1985 में सेवा जबन बोर्ड के परीक्षण के लिए भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिए अहैता प्राप्त करते हैं, उनको जूम/जुलाई, 1985 में सेवा चरान बोर्ड के परीक्षणों के लिए मेजा जाएगा।

उम्मीदवार सेवा वयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परी-क्षण होता है उनके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर, उनको कोई बोट पहुंचती है तो उत्तके लिए सरकार की ओर से कोई क्षितपूर्ति या सहा-यमा पाने के वे द्रक्तार नशीं होंगे, पाने वह किमी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन पत्न के साथ संलग्न प्रयक्ष में इस आशय के एक प्रमाण-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे। स्वीकृति होतु उम्मीदवारों (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) तेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग स्मृतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्वत किए जायेंगे।

तिथित परीक्षा तथा से० घ० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता कम में रखा जाएंगा। अलग-अलग उम्मीदवारों की परीक्षा के परिणाम किस रूप में किस प्रकार सूचित किए जार्ये इस बात का निर्णय आयोग आपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत-अवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने माल से भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी, भागु सेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षणणाला में जैसी स्थिति हो प्रथेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अस्तिम चयन शारीरिक क्षमता और अस्य सभी खातों में उपयुक्ता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को वृष्टि में रखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा।

नोट: — बायुसेना नौसेना विमानन के प्रत्येक उम्मीवबार की पायलट संबंधी अभिरुचि का परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः पहले परीक्षण में उसने जो ग्रेड प्राप्त किया है उसको बायु सेना चयन बोर्ड में लिए जाने वाले बाव के प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीववार पायलट संबंधी अभिरुचि के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है वह भारतीय वायु सेना की (एफ० पी०) शाखा नौसेना विमानन हेतु प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

19. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अहुँताएं :--जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकावमी, भारतीय सेना अकावमी, वायु सेना उन्हब्यन महा- विद्यालय, नौ सेना अकावमी कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षण, शाला मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं पर अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए शए हैं उनको भारतीय सेना अकावमी, नौ सेना अकावमी, वायु सेना अकावमी या चल सेना अकावमी में अल्पकालीन सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी से अपेक्षित लक्षणों के अकाव के कारण पहले भारतीय सेना अकावनी में वापस लिया गया हो उनको भार-तीय सेना अकावनी में प्रवेश नहीं विया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एष्ट्री नेवल कैंडेटस के रूप में पहले चुन लिया गया हो पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या गौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठामों से वापस लिया गया हो वे भारतीय नौ सेना में प्रवेश के पाल नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकावमी, अधिकारी प्रशिक्षणकाला, एन० सी० सी० सचा स्नातक कोर्स से वायस लिया गया हो उनके बारे में धल सेना में अस्पकालिक सेवा कमीणन देने की बात पर विचार नहीं किया आएगा।

जिल उम्मीववारों को एक अधिकारी में अपेक्षित सक्षणों के अभाव के कारण एन० सी० सी० तथा स्तासक कोर्स से पहले बापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकावमी में प्रवेश नहीं विया जाएगा।

20. भारतीय सेना अकावमी या नी सेना अकावमी या बायु सेना अकावनी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना अकावमी नीर नी सेना अकावमी या बायु सेना अकावमी के कोर्स के उम्मीवनारों की इस बात का वजन देना है कि जब तक उमका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे भावी नहीं करेंगे। जो उम्मीवनार अपने आवेवन की तारीचा के बाव गावी, कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भने ही सफल हो। जो उम्मीवनार प्रशिक्षण काल में शावी कर लेगा उसे बापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैशा खर्च किया वह सब उससे बसूल किया जाएगा। अल्पकानिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पारूगअभ का कोई उम्मीवनार:

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिए संविदा करली हो, जिसकी पहले से कोई जीवित पति/ पत्नी है या था।
- (ख) जिसनें पहले से जीवित पति/पत्नी होते हुए भी किसी श्र्यक्ति से मावी ही हो या जावी है लिए एविका कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणकाला से प्रवेश/अल्पकालिक नेवा कमीक्षन की प्राप्ति का पात्र नहीं होगा। .

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से मन्तुब्द हां कि इस तरह की शादी ऐसे अपित्तयों के लिए और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिए लागू व्यक्तियत कानून के अनुसार अनुसादनीय है और ऐसा करने के अन्य ठीस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस निधम के अनुपालन में खूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकावमी या नौ सेना अकावमी या षायु सेना अकावमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध:—भारतीय सेना अकावमी, नौ सेना अकावमी, या बायु सेना अकावमी से प्रवेश प्राप्त करने के बाद, उम्मीववार किसी दूसरे कमीशन के लिए विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकावमी या नौ सेना अकावमी या बायु सेना अकावमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षारकार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमित नहीं वी जाएगी।

जो उम्मीवनार भारतीय सैन्य अकादमी /नौसेना अकादमी/वायु सेना अकादमी से स्थाग पत्न देते हैं उन्हें उनकी योग्यता के आधार पर अधि-कारी प्रशिक्षणणाला में लेने हेंचु यिचार किया जा सकता है बगर्ते कि उस कोसं विशेष म स्थान बाली हों।

22. संघ लोक सेवा आयोग ने "संच लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हें उम्मीवकार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका
छापी है। इसका डिजाइन ऐसा है जिससे सं० लो० से० आ० की परीकाओं
या चयमों के भावी उम्मीववारों को सहायता मिल मके। यह पुस्तिका
सकामन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, वेहली—110054 के पाम विकी के लिए
सुलभ है और इसे उनसे सीधे मेल आईर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त
किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (i) किताब महल,
रिबोली सिनेमा, के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" क्लाक, बाबा खड़ग
सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (ii) उद्योग भवम, गई दिल्ली110011 पर स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउन्टर और (iii) गवर्नमें ह
आफ इंडिया बुक विपी, 8-के० एन० राय रोड, कलकता—700001 से भी
लिया जा सकता है। मैनुजल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

एम० बालाकृष्णन, उप सचिव

परिशिष्ट I

(परीका की योजना, स्तर और पाठ्य विवरण)

क. परीक्षा की योजना

- प्रतिगीगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :--
- (क) नीचे के नैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीक्षा,
- (क) उन उम्मीदवारों का मुखि और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के माग क के अनुसार) के लिए साक्षास्कार जिन्हें किसी भी एक सर्वितेज सलेक्शन मेंटर में साक्षास्कार के लिए मुलाया जाए।
- 2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिए दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिए नियत अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:--

(क) भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	अधिकतम अन्त	
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100	
2. सामान्य ज्ञान	2 ਬਾਣੇ	100	
3. प्रारम्भिक गणित	2 षण्टे	100	

(का) वासनाचकादमा में प्रवेश ।	। विष्	
विवय	नियत समय	अधिकत्यः अंक
मिवार्य :		
1. अंग्रेजी	2 षण्डे	100
[₹] 2ः सामान्य ज्ञान	2 चण्डे	1 11 10
चै क्षिपक		
 अः प्रारम्भिक गणिल या 		
प्रारम्भिक भौतिकी	2 चण्डे	ina
🍍 4. गणिल या भौतिकी	্র খণ্ট	150
·	· —	

*जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें चौचे प्रश्न पक्ष में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो जम्मीदवार प्रारम्भिक मौतिकी सेंगे उन्हें चौथे अपन पक्त में गणित विवय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षणशास्त्रा में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय					
1. मंत्रेजी	2 वर्ष्टे	100				
2. सामान्य नान	2 षण्डे	100				
(व) वायु सैनालकावसी में प्रवेश के लिए						
विषय .	अविग	अधिकतम अभा				
1. अंग्रेजी	2 षण्टे	100				
2. सामान्य त्रीन	2 षण्टे	100				
 प्रारम्भिक गणित 	2 भग्टे	100				

जिखित परीक्षा और साकात्कार के लिए जो अधिकसम अंक नियत किए गए हैं वे प्रत्येक विवय के लिए समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकषायी, अफसर ट्रेनिंग स्कूल और बायु सेना अकावनी में मर्ती के लिए लिखित परीक्षा और भाक्षारकार के लिए नियत अधिकतम श्रंक कमशः 300, 450 और 200 और 300 होंगे।

- समस्त विषयों के प्रश्न पन्नों में केवल बस्तुपरक प्रश्न पृष्ठे जार्येगे। सम्ने के प्रक्नों सहित विस्तृत विचरण कृपया परिशिष्ट 5 पर उम्मीदवारों को सूचनार्षं विवरिणका में देखिए।
- 4. प्रश्न पत्नों में जहां भी खावश्यक होगा केवल तोल और माप भी मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जायेगा।
- जम्मीदवारों को प्रश्त-पक्षों के जल्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी दणामें उन्हें प्रक्तों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की महायता मुलभ नहीं की जाएगी।
- परीक्ता के एक या सभी विषयों के अर्हेक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्ता पर है।
- 7. उम्मीवबारों की वस्तुपरक प्रका पक्षों (परीक्षण पुस्तिकाओं) के उत्तर देने के लिए फैलकुलैटर का प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः वै उसे परीक्षा भवन में न लायें।
 - **ब**. परीक्ताकास्तरऔर पार्ट्यं विवरण

स्तर:

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्नों का स्तर मैदिकुलेशन परीक्षा का होगा, **ब्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न पक्षों का स्तर** उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा श्लोगा ।

अन्य विषयों में प्रक्त पत्नों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विषयविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

इन में से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीका नहीं होगी।

37-36 GI/84

पा**ठ्य विवरण** अंग्रेजी (कोडसं० 01)

प्रथम पत्र इस प्रकार होगा कि जिसके अम्मीक्वार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के मध्यों के बोध की परीक्षा लीज। सके।

मामान्य ज्ञात (कोड सं० 02)

भामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिव देखें और अनुभव किए जाने वाले इसी तरह के मामले के वैज्ञानिक पक की जानकारी जिसकी किसी∙ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रश्न पक्ष री भारत के इतिहास जौर भूगोल से संधीश्रत ऐसे प्रश्न भी होंने जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययन किये बिना देना वाहिए।

प्रारम्भिक गणित (कोश्र सं० 03)

अंक गणित

संख्या पद्धतियां :-- यनपूर्ण संख्याये, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संकथार्ये, मूल संक्रियार्थे--जोड़, घटाना, गुणम और विमाजन, वर्गे मुख-पश्चमलय भिन्न।

एकिक विधि:--समय, तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतसा, माधारण तथा अक्ष्र्लि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समान्-पान विचरण ।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत :--विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण भवदर्श्य और गुणत खण्ड/गणन खण्डन प्रमेश/महत्तम समापवर्शमः तथा लब्सम समापवर्तक, युक्लिड की कलन विश्वि।

आधार 🛨 🕛 तक लब्गुणक, लघुगणक के नियम, लघु-गणकीय सारणियाँ काप्रयोगः।

श्रीज गणित

आधारभृत संश्रियार्थे : साधारण गुणन खण्ड 1 शेष फल प्रमेय, बहुपदौ का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्श्य सिद्धांत । द्विष समीकरणी का इस इसके मूलों और गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वःस्तविक भूल पर जित्रार किया आए)। यो अज्ञात राशियों में युगपत रैखिक समीकरण---विक्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल । दो चरौँ में मुगपत रैखिक असिमिकार्ये और उनके हुल प्रायोगिक प्रकन जिनसे दो चरीं सेंदो युगपत रैखिक समीकरण या असिमिकार्ये बनती हैं या एक चर में द्विवात, समी-करण तथा उनके हल, समुख्यय भाषा तथा समुख्यय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजन तथा प्रतिषम्छ तस्यमक घातांक नियम।

विकोणमिति :

ज्या X कोडिज्या, X स्पर्श रेखा X जब 90° ∠X∠ 90° ज्या X कोटिज्या, X स्पर्ण रेखा X का मान क्योंकि X --- 0°, 30°

 45° , 60° और 90° सरन विकोणमितीय तस्ममक । तिक्षोणमित्तीय सारणियों का प्रयोग । ऊंबाइयों और पूरियों के सरल कोण।

ण्योमिति :

रेखा और कोण, समलल और समलल आकृति : निम्नलिखित पर पमेष :--(i) किसी बिन्दु पर कीशों के गुण धर्म, (ii) समांतर रेखाएं, (iii) किसी त्रिमुज की भूजाए और काण, (iv) त्रिभुजों की सर्वीगसमता, (v) समक्ष्य क्रिभुज, (vi) गाब्यिकाओं और मीर्ष, लम्बी का संगमन, (vii) समानावर अनुर्भुजों, आयात और वर्ग के कीणों, भजाओं के विकर्णों के गुण धर्म, (viii) वृत्त और उनके गुण धर्म जिसमें, स्पर्ण रेखा मधा अभिलम्य भी ग्रामिल है, (ix) स्थानिक संचक ।

विस्तार कलनः

वरों, शायतों, समानांतर चतुर्भुजों, क्रियुंजों और बृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र वहीं) बनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन लम्ब कृतीय अकृतों भीर बेजनों का पार्य-पृठाय तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल समा आयतन।

सांक्यिकी :

सांडियकी सध्यों का संग्रहण तथा सारणीयन्। आलेखी निरूपण-बारम्बारसः बहुसुत्र आयत चित्र शलाका चार्ट पाई चार्ट आदि केन्द्रीय अवृत्ति के माप रेखाओं के बीच कोण।

प्रारम्भिक भौतिकी (कोड सं० 05)

- (क) विस्तार कलन:—मापन के मालक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मालक। आदेश और संविधा। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानश्वरण। एक ममानश्वतण के अधीन ऋजूरेखीय शति। स्यूटन का गनि नियम। बल की संकल्पन बल के मालक। माक्षा और भार।
- (च) पिण्ड का बल विज्ञान:---गुरुत्व के अधीन/समानास्तरण बल।
 गुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मणीन/वेग अनुपात द्यानत समतल/पेंच और
 गियर सहित विभिन्न साधारण मणीने/पर्यण, वर्षणकोण, वर्षण, गुणकि कार्य शक्ति और ऊर्जा/स्थितिज और गतिज ऊर्जा।
- (ग) तरल गुणधर्मं: --वाब और प्रणोव/पास्कल का नियम। आकॅमिडीज का नियम। अनत्व और विशिष्ट गश्रल पिंडों और द्वयों के विशिष्ट गृश्रलों को निर्धारित करने के लिए आकॅमिडीज के नियम का अनुप्रयोग। प्लबन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाब का मापन। बोली नियम/बायु पम्प।
- (म) ताप: -- पिंडों का रेखिक जिस्तार और द्रव्यों का मनाकार विस्तार। द्रव्यों का मास्तिज तथा अभासी जिस्तार। ट्रवार्ल्स नियम परम मूल्य वायल और वार्ल्स नियम, पिंडों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, किलोरीमित/साप का संवरण, बातुओं की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तम। संख्यन और वाष्प्रन की गुप्त कंष्मा। एस० पी० बी० पी० नभी (आईता श्रीसोक और आपेकिक आईता)।
- (क) प्रकाश: -- ऋजुरेखीय संवरण। परावर्तन के नियम। गोलीय दर्पण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, लेश्स, प्रकाशित येक कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार विश्वदर्शी दूरवीन, सूक्ष्मवर्शी, बाइनीक्यूलर तथा परिवर्शी। प्रिज्म, क्षणीयों के माध्यम से अपवर्तन।
- (च) ब्यानिः --- ब्यानि संघरण, ब्यानि परावर्तन, अनुनाद/ब्यानि दासी-फोन का अभिलेखन।
- (छ) चूम्बकरक तथा विद्युत्— चुम्बकरव के नियम, खुम्बकीय क्षेत्र, खुम्बकीय कल रेखायें, पाधिक चूम्बकरव । चालक और रोधी। ओमनियम, ची० डी०, प्रतिरोक्षक विद्युत् चुम्बकीय बल, श्रेणी पाववं में प्रतिरोक्षक । बिभवमापी विद्युत् चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत् धारा का चुम्बकीय प्रमाव, चुम्बकीय केल की तुलना। विद्युत् धारा का चुम्बकीय प्रमाव, चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता। फलमिंग का धाम हस्तिनयम। मापकर्यक-धारामापी एमोटर, बोल्ट/मीटर, बाटमीटर, बिद्युत् धारा का राधायनिक प्रभाव, विद्युत् लपन, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, फेराडे नियम, बेसिक ए० सी० तथा बी० सी० जनित्र।

भौतिकी (कोश सं० 06)

पदार्थ के सामान्य गुण और यांक्रिकी:

यूनिर्टे और विभागें, स्केलर और वेक्टर, मालागें, अञ्चल, आवणं, हार्ये क्रजां और संवेग। यांतिकी के मूल नियम, धूणों गति; गुरुवाकर्षण। सरख आवर्क गति, सरख और अमरख जोलक, प्रश्वास्थना; प्रष्ट नवाब, व की श्वयायक्ष, रोष्ट्रणे क्ष्य।

2. ध्वनि:

अवसंदित, प्रणोवित और भुक्त कम्पन, तरंग-गिन, बाप्लर प्रभाव, ध्विन तरंग वेग, किसी गैस में ध्विन के वेग पर दाव, तापमान और/अधिता का प्रभाव, डोरियों, ब्रिल्मियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, अननाव विस्पंद, स्थिर तरंगे। ध्विन का आवृति वेग तथा तीव्रता। परा-श्रव्य के मूल तस्व। ग्रामीफोन, टाकीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिदात।

3. ऊष्मा और गतिविज्ञान:

सापमान और उसका मापन; तापीय प्रमार, गैसों में समनापी तथा नदीध्म परिवर्तन। विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धांत के तथा; बोस्टसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांडरवाल का अवस्था समीकरण, जल याम्पसन प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊष्मा ईश्वन; कार्नोटप्रेमेय, ऊष्मागित-विकान के नियम और उनका सम्य अनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

4. प्रकाश:

क्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का कैन, समतल धीर गोलीय पृथ्डों पर प्रकाश का परावर्षन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिविच्यों में गोलीय और कैंगिक दोष और उनका निवारण। नेज और अन्य प्रकाशित यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण।

विद्युत् और चुम्बकश्व

विद्युत् सेन्न के कारण ऊर्जा, ह्रव्य के विद्युत् और चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टेरिसस, चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत् धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मृषिग मैग्नेट एण्ड मृषिग क्षेत्रच्य सामिट गालवेनोमीटर; द्वारा और प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिय सिक्ट एलिमेंट्स के गुण और धर्म और उनका निवारण; ताप विद्युत् प्रभाव, विद्युत्, चुम्बकीय प्ररण, प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन/द्रोसफार्मर और मोटर; इलेक्ट्रानिक वाल्य और जनका सरक अनुप्रयोग।

आधुनिक भौतिकी

बोर के परमाणु सिद्धांत के तत्व, इलेक्ट्रांस, गैसीं द्वारा विद्युत् का विसर्जन, कयोडर। रेडियो एक्टिवता, कृतिम रेडियो एक्टिवता साइसीरोप विश्वदन और संवयन की प्रारम्भिक धारणा।

गणित (कोड सं० 04)

1. बीज गणितः

समुज्ययों का बीज गणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिलोभ, पृक्त फलन, तुल्यता सम्बन्ध; परिमेयसुचकांक के लिए द-मौयवर का प्रमेय और उपका सरल अनुप्रयोग।

2. मेंद्रिसेस

मैद्रिवेस की बीजिलिया, सारिणक सारिणकों के सरल गुण, मारिणकों के गुणनकत, सहखण्डजआक्यूह; मैद्रिक्षेसों का प्रतिलोधन, मैद्रिक्स की जाति। रेखिक समीकरण के झुल निकालने के लिए मैद्रिक्सों कः अनु-प्रयोग (तीन अज्ञात संख्याओं में)।

3. विश्लेषिक ज्यामिती

द्वितिम की विश्लेषिक ज्याभिति, सरल रेखायें, सरल रेखाओं की जोड़ी, वृत्त, वृत्त निकास, परक्लय दीर्धवृत्त अतिपरिक्षय (मुख्य अंशों के सन्दर्भ में) द्वितीय अंश समीकरण का मानया क्य में लधुकरण। स्पर्मरेखायें और अभिलम्य।

बिविम की विक्लेबिक ज्यामितिः

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल कातींय निदेशांक)

कलन (कैलकुलन) और विभिन्न समीकरण:

अवस्थल गणितः सीमात की संकल्पना, बास्तविक चर फलन का सांतरक और अवक्षतियता, मानक फलन का अवक्षतन, उत्तरोत्तर अवक्षतन रोष का क्षेत्र। मन्याक कसेय; सैक्कारिक और देखर सिरीज (प्रमाज आकायक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमेय। सूचकाकों के लिए द्विपदप्रसरण चरवातांकी प्रसरण, लघुगणकीय तिकोण-वित्तीय और अति परिकर्तियक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिष्ट और अल्पिट, स्पर्शरेखा, अभिलम्ब, अधःस्पर्शी अधोलम्ब, अनन्तस्पर्शी वक्रका (केबल कासींय मिर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। एनक्लेप आंशिक अवफलन। समांगी फलनों के संबंधित आयलर-प्रमेय।

समाकलन-गणित: — समाकलन की मानक प्रणाली। सतत फलन के निश्चित समाकलन की रीमान-परिभाषा। समाकलन गणिन के मूल मिद्धांत परिशोधन, क्षेत्र कलन, आयतन और परिक्रमण बनाकृति का पृथ्ठीय क्षेत्रफल। संस्थारमक समाकलन के बारे में सिम्प्समन का नियम।

अवकल समीकरण: प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। नियम, गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रेखक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और क्षम की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, गरल हारमोनिक रूपास्तरण। साधारण पेण्डलम और समीदिण।

5. यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकत। है)

स्थिति विज्ञान: समतलीय तथा सगामी बलों की साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तस्कों के गुरुष केन्द्र। स्थैतिक वर्षण, साम्यवस्था और सीमात वर्षणावर्षण कोण। रक्षजानत समतल पर के कण की साम्यावस्था कल्पित कार्य (वो आयामों में)।

गित विज्ञानः शुद्ध और विज्ञान-कण का त्वरण, वेग, चाल और विस्थापन, आपेक्षिक वेग! निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गित। ध्यूटन गित संबंधी भिद्धात। केन्द्र कक्षा। सरल प्रसवदा गित (निर्वात में) गुरुवावस्था में गित। आवेग कार्य और ऊर्जा दैखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। समान बर्जल गित।

6. सांक्ष्यिकी प्राधिकता:--प्राधिकता की शास्त्रीय और सांक्ष्यिकीय परिभाषा, ज्यारमक प्रणाली की प्राधिकता का परिकलन, योग एवं गणभ प्रमेय, अप्रतिबंध प्राधिकता। यादृष्ठिक चर (विधिक्त और अविरत) वन्ध्व, फलन, गणितीय प्रस्थामा।

मानक वितरण:---विषव वितरण, परिभाषा, माध्यम और प्रसरण केंग्रम्य सीमांत रूप सरल अनुप्रयोग। प्वांसों वितरण परिभाषामध्य और प्रसरण योज्यता, उपलब्ध शांककों में प्यांसों बटन का समंजन। सामाध्य वितरण, सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध शांककों में सामाष्य में प्रसामाष्य बहुन का समंजन।

द्विचर वितरण: यह संबंध दो चरों का रैखिक समाश्रवण, सीक्षी रेखा का समजन, परिवलयिक और चल मातांकी, वक, सह संबंधित गुणांक के गुण।

सरल प्रतिवर्ण विसरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण, यावु-चिक्कक प्रतिवर्ण (सांख्यिकी, प्रतिवर्णी वंटन और मानक बृटि) मध्य पवों के अन्तर की अर्यवता के परीक्षण में प्रसामान्य टी०, सी० एच० आई०, (CHI2) और एफ० का सरल वितरण।

टिप्पणी:---उम्मीयवारों को यो विषयों--सं० 5 गांत्रिकी और सं० 6 सांक्रियकी--में से किसी विषय पर प्रक्षों के उतार शिखाने का विकल्प होगा।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साकारकार के अतिरिक्त मौसिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके पुष परीक्षण भी किए जाएंगे, जैसे मुन परिचर्या, पुष योजना, विहरंग मुन कार्यकलाप तथा उन्हें निविष्ट विचयों पर संक्षिप्त व्याक्ष्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेथा शक्ति की जांच के निए हैं। मोटे तीर पर यह परीक्षण यास्त्य भें न केवल उसके बौद्धिक पूर्णों की जांच के लिए हैं अपिकू इसस उनकी सामाजिक विशेषताओं कथा आमाजिक धडनाओं के प्रति विख्यकर्षा का भी पता बलेगा।

परिशिष्ट 🗓

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक

टिप्पणी: उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक भानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे थिए जाते हैं।

बहुत से अर्हुताप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्थी-कृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदन-पक्ष मेजने से पहले अपने स्वास्थ्य भी जांच करा हैं।

- 1. सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित उम्मीववार को सेना के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीववारों को प्रवेश विधा जाएगा जोकि विकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर विए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है जिसे किसी को नहीं विखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी विकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को विकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए भीचे संक्षित्त रूप में विए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ हीना आवश्यक है:——
 - (क) उम्मीदवार का गारीरिक तथा मानसिक स्वास्त्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अशक्ता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशसतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
 - (का) उतमे कमजोर शारीरिक गठन/वैहिक वोष या स्यूलता नहीं होनी चाहिए।
 - (ग) कव कम से कम 157.5 सें० मी० का हो (मीसेना के लिए 157 सें० मीं० तथा नामु सेना के लिए 162.5 सें० मी०)। गोरखा और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़-वाल तथा कुमायू के व्यक्तियों का 5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीवदारों के मामले में स्पूक्तम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार की जा सकती है। का और बजन के मानक नीचे दिये जाते हैं:---

कद और बजन के सामक

रेंटीमीटरों में कद		किलोग्राम	में अजन
(बिनाजूता)	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
152	44	46	4 7
165	46	48	49
157	47	49	50
1 0 0	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	5 5	57	58
173	67	59	80
175	59	61	62
178	8 1	6.2	63
180	63	64	6.5
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
100	74	ρ¢	77
168	77	78	7 6

उन्होंकत सारकी में विये गये जीसत अजन से 10 कि जा। कम-ज्यावा (ती सेमा के लिए 6 कि जा। कम-ज्यावा) अजन सामान्य सीमा कि अन्दर माना जाएगा; किन्तु भारी हिंद्यों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियो तथा पत्तले पर अध्यया स्वस्य व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इससें कुछ छूट वी जा सकसी है।

- (व) छाती मली प्रकार विकसित होती चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका स्यूनतम फैलाब 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीला लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने बूलक से लगा रहे और फीते का ऊपरी भाग पीछे स्कन्ध फलक (शोल्डर क्लेड) के निम्न कीण (लोक्षर एस्थित) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना ककरी है। इसे यह जानने के लिए किया आएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।
- (क) शरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई पीग नहीं होंभर लाहिए।
- (च) उम्मीदवार के संबंध में मानसिक विकृति था दौरा पहने का पूर्वेच्त नहीं होना चाहिए।
- (छ) उम्मीहवार सामान्य रूप से मुन सके। उम्मीहवार को इस योग्य होना जाहिए कि वह प्रांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 गें० मी० की दूरी से जीर की कानाफूसी मुन सके। कर्ण नासिका कंठ की पिछली या अब की बीमारी का कीई प्रमाण न ही।
- (ज) हृदय या रक्त वाहिकाओं के संबंध से कोई कियात्मक यः आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।
- (क्रा) उदरपेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या निस्ली बढ़ी हुई न ही। उदर के आंतरिक अंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर विया जाएगा।
- (का) यदि किसी उम्मीदवार को हिन्या है और उसकी शहय चिकित्सा न की गई हो तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हिन्या की शहय चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा में कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जरुम पूरी तरह ठीक हो चुका हो।
- (a) हाइड्रोसील वेरिकोसील या पाइस्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मूज की परीक्षा की जाएगी और यदि इससें कोई असामान्यता भिलती है तो इससे उम्भीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।
- (३) उम्मीदवार को हूर दृष्टि आर्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित या ऐनक बिना (नी सेना नया वायू सेना के लिए केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समयं होना चाहिए। मायोपिया 3.5 की तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 की (एस्टिंगमेटिज्म) महित से अफ्तिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा ओपथल-मोस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेजों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण वृष्टि का मानक सी० पी०-3 होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रणों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए।

नायोपिया 0.5 बायोप्ट्रेस से अधिक ते हो और श्र(६पः मेट्रोपिया अच्छी श्रीख में 1.50 डायोप्ट्रेस में तथा बूरो आख में 2.50 कायोप्ट्रेस के अधिक म ही।

नेश्व-पेशी सम्बुसन

मेड्डोक्स रोज टेस्ज के साथ हैद्रीफोरिया निम्मलिखित से बिल्कुल जधिक स ही:--

- (i) 6 मीठर पर ऐक्सोफोरिया 8 प्रिज्य झायोप्ट्रेस ऐसीफोरिया 8 प्रिज्य कायोप्ट्रेस हाकपरफोरिया 1 प्रिज्य कायोप्ट्रेस
- (ii) 30 में० मीटर पर --ऐक्सोफोरिया 16 प्रिष्म बायोप्ट्रेस ऐसोफोरिया 06 प्रिष्म बायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया त्रिष्म बायोप्ट्रेस
- (४) उम्मीवबार के पर्याप्त संख्या से कुदरती व मजबूत वांत होने चाहिए]। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीवबार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 22 दांत बिन्दु होते हैं। उम्मीवबार को तीज पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।
- (च) छाती की एक्स-रे परीक्षा में ग्रेंच पशुका की उपस्थित हेलु ग्रेंच मेठवण्ड के निचले माग की परीक्षा भी कामिल होगी। सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जकरी समझने पर मेददण्ड के अस्य मागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।
- केवल वासु सेना के उम्मीदवारों के लिए उप्युक्त के साथ-साथ विम्नलिखित चिकित्सा मानक भी लागू होंगे:--
- (क) वायुसेना के लिए क्वीकार्यं मानव वेह सम्बन्धी माप निस्स प्रकार हैं¦----

- (का) मेर्स्टबंब का एक्स-रे कटिकिक किया जाएगा। एक्स-रे में प्रकट निम्नलिखित क्षतें अनर्हक होंगी:--
 - (i) मेरवण्ड का कणिकागुल्मीय रोग
 - (ii) जाधाइटिस/स्पोडिलोसिस
 - (iii) मंद से अपेकाइएत अधिक कायफोसिस/लडोसिस स्को-लियोसिस काल-पद्धति द्वारा 15 से आधिक अस्वी-कृति का कारण बनेगा।
 - (iv) स्पांधीकोलिसिस यैसिस/स्पांधीलोलिसिस
 - (v) हर्निएडिड न्युकलियस पलगीसस
 - (vi) करोदका का सम्पीडन अस्थिमग
 - (vii) भ्वेयर मेन का रोग
 - (viii) प्रवर्षनीय तंत्रिकीय या परिसंचरणीय अभाव के साथ ग्रेव पर्णका।
 - (ix) कोई अन्य अपसामान्यता, जिसे कोई विशेषक ऐसा ठहराए।
- (ग) छाती का एक्स-रे जरूरी है।
- (ম) বুডিক

दूरकी पृष्टि: ७/६, ७/६ तक

सुधार योग्य 6/9

पास की दृष्टि: प्रत्यंक आंखा की एन० 5 वर्ण दृष्टि: संत्रिपी०--1 (एम० आई० एक०) मेनीफोस्ट हाइपरमेंद्रोपिया---2.00 की० से अधिक न ही।

वेश पेशो सम्दूलनः।

में शाम रोष टैस्क के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित से लक्षिक व हों:--

(i) 6 मीटर पर

एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म श्रायोप्ट्रेस एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म श्रायोप्ट्रेस

(ii) 33 सें • मीटर पर

एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म काबोप्ट्रेस एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म बाबोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म बाबोप्ट्रेस माबोपिया, कुछ नहीं एस्टिग्मेंटिज्म 0.75 बीठ सिर्फ

हिनेजी दृष्टि:--अण्छी हिनेजी दृष्टि का होना अनिवासे है। (पम्जन तथा स्टरवीसिस तथा साथ में अच्छा आयाम व गहनता)।

(इ) मानक

(i) बाक्परीक्षण:

प्रत्येक कान से 610 सें० मी० से

कामाफुसी सुनाई दें].

(ii) ध्यव्यतामिसिक परीक्षणः 250 एक० एस० तथा 4000 एक० मैंक० के बीच की आविताओं में सक्यता मितिक कभी 10 बी० बी० से अधिक न हो।

- (च) व्हीन ६० सी० जी० सथा ६० ६० जी० सामान्य सीमा में हों।
 3. नौसैनिक विमानन गांखा के उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य मानक वहीं
 होंगे जो वायुसेना के उड़ान व्युटी हेतु उम्मीदवारों के हैं।
- 4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण किए जाने के बीरान यदि किसी अकामता का पता चलता है तो मेडिकल बीर्व द्वारा अन्तर्मेक ठहराए अभि की स्थिति में वह अकामता चम्मीदवार को अन्य सेवा (सेवाओं) के लिए भी अयोग्य ठहरा सकती है।

परिशिष्ट-∭

सेवा आवि के संकिद्ध विवश्ण पीचे दिए गए हैं:-भारतीय सेना अकावमी देहरावून में प्रवेश लेने वाले उम्मीववारीं
के लिए:---

- 1. भारतीय सेन। अकादमो में भर्ती करने से पूर्व :--
- (क) उसे इस आश्रय का प्रमाण पत्त देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणाम-स्वरूप यदि उसे कोई बोट लग आए ऊपर निर्विष्ट किसी कारण से या अध्यया आवस्यक किसी सर्जिकल आपरेगान या स्वेदना हरण दवाओं के परिणामस्त्रक्षण उसमें कोई जारीरिक अग्रवस्ता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैद्य उत्तरप्रिकारी को सरकार के विद्य किसी मुखावजे या अध्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (च) उसके माता पिता या संरक्षक को इस आशय के बन्ध-पक्ष पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यकम पूरा होने से पहले पापस जाना चाहता है या कमीशन अल्लोकार कर देता है तो उस पर शिखा शुल्क, घोजन, बस्त और किए गए व्यय तथा दिए गए देतन और घते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्वित करे उसे वापस करनी होगी।
- 2. बिस्तम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण विधा आएगा। भेरहीं उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन "लेंडलमैन कैडेट" के रूप में वर्ग किये जायेंगे। "जेंडलमैन कैडेट" वर साधारण अनुवामनात्मक प्रयोजनों के लिए भारतीय मेना अकादमी के विधम और विभिधम लागू होंगे।

3. यश्चित, आवास, पुस्तक, वर्षी, वोश्विम, और चिकित्सा सहित प्रकिल का के खार्च का भार सरकार वहुन करेगी; लेकिस यह आवा की जाडी है कि उम्मीदवार अपना खार्च खुद बर्घाश्त करेंगे। भारतीय सेना अकावमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक व्यय 90.00 दें से अधिक हीने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कैंडेड के मासा-पिता या सर्थक इस खार्च को भी पूरा या अधिक रूप में खरीएत करने में असमर्थ हीं हो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायसा वी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के मासा पिता या संरक्षक की मासिक आय 500.00 कव या इससे अधिक ही, वे इस वित्तीय सहायता के पाल नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पालता निर्धारित करने के लिए अवल सम्पत्तियों और सभी साखनों से होने वाली आय का भी क्यान रहा जाएगा।

यदि छम्मीवनार के माता-पिता संरक्षक किसी प्रकार की द्वितीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के चारतीय सेना अकावमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के सुरन्त बाद अपने जिला के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक जानेवन-पन्न वैना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित चारतीय सेना मकावमी वेहराष्ट्रम के कमाध्यीन्ट को अम्रवित कर वेगा।

4. भारतीय सेना जकावमी में प्रशिक्षण के लिए वंतिम क्य से चूने गए सम्मीवनारों को मानै पर, कमाण्डेन्ट के पास निम्मलिखित राणि जमा करानी होगी:——

(क) प्रतिमास ६० 90.00 के हिसाब से पांच महीने का जोब खर्च

450,00

(क) बस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए

800.00

योग

1250.00

जम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राक्षि -में से नीचे शिखी राक्षि वापिस कर दी आएगी:--

90.00 ४० प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेव

450,00 €0

5. भारतीय सेना अभावमी में निम्निलिखित छाडवृत्तियां छपलब्ध हैं:--

- (1) परसराम भाऊ पटवर्धन छालब्लि :—यह छालब्लि महा-राष्ट्र सथा कर्नाटक के बैंबटों को वी आशी हैं। इस छालब्लि की रांति अधिक से अधिक 500.00 व० प्रसि वर्ष है जो कि बैंबटों को भारतीय सेना अकावमी में रहने की अविध के दौरान वी जाती हैं वसर्ते कि उसकी प्रगति संतोवजनक हो। जिन उम्मीववारों को यह छालब्लि मिलती है के किसी अच्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकवार न होंगे।
- (2) कर्नल केंडल फेंक मेमोरियल छाडावृत्ति :—इस छाडावृत्ति की राशि 360/— रुपया प्रति वर्षे हैं और यह किसी ऐसे पाक मराठा केंडट को वी जाती हैं जो किसी मृतपूर्व सैनिक का पुक हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।
- 6. भारतीय सेना अकावमी के प्रत्येक कैंडट के लिए सामान्य प्रती के अन्तर्गंस समय-समय पर लागू होने वाली वरों के अनुसार परिधान सत्ता अकावमी के कमांडेंट को सौंप विया जाएगा। इस भन्ने की जो रकम सर्च होगी वह:
 - (क) कैंबेटको कमीशन वे दिये जाने पर देवी आएगी।
 - (ख) यवि कैडेट को कर्मायल नहीं दिया गया तो असे की यह रकम राज्य को बापस कर थी जाएगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्रा तथा भन्य आवश्यक जीज केंडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैंडेट त्यागपत्र देवेया कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या बापस बूला लिया जाए तो उपर्युक्त यस्सुन्नों को उससे बापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुम्रों का सरकार के सर्वेतिम हिन को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

 सामान्यतः किसी उम्मीदवार का प्रशिक्षण के दौरान त्यागपक देने की ग्रनुमति नही दी जाएगी।लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागपक्क देने वाले जेंटिलमैन कैंडेट को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपक्क स्वीकार होनेतक घर जाने की श्राज्ञा देदी जानी चाहिए । उनके प्रस्थान से पूर्व जनके प्रणिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर <u>हो</u>ने याली खर्च जनसे वसूल किया जाएगा। भारतीय सेना श्रकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता/प्रभिभावकों को इस ग्राशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेटलमैन कैडेट को प्रशिक्षणका सम्पूर्ण कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा। उसे सेना मुख्यालय की ग्रनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थियों में सैनिक उम्मीदवारों को भपनी रेजिमेंट या कोर में वापस भेज विधा

 यह कमीमन प्रशिक्षण को सफलनापूर्वक करने पर ही विया जाएगा। कमीशन वेने की तारीख प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से प्रगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के सामान बेतन और मत्ते, पेंग्रन और छुट्टी वी जाएगी तथा सेवा की अन्य गर्ते भी बही होंगी जो सेना के नियमित अफलरों पर समय-समय पर लाग होंगी।

I. प्रशिक्षण

आर्मी कैंडट को "जैंटलमैन कैंडेट" 10. भारतीय सेना अकावमी का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रक्षि-क्षण दिया जाता है ताकि वे इंफेंट्री के उप-यूनिटों का नेतृत्व करने के मोग्म बन सकें । प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत औटल-मैन फैडटों को सैकिएड लेपिटमेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बागर्तों कि एस० एच० ए० पी० ई० शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

Ⅲ. सेवाकी शर्ते

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान
सेकिण्य लेपिटनेन्ट	750-790
मे पिटनेस्ट	830-950
क ैप्टन	1100-1550
भेजर	1450-1800
मेजर (वेतन का चयन ग्रेड)	1800-50-1900
लेफ्टिनेस्ट-कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
कटटनेनेल (जयन ग्रेडवेतन)	2000-50-2100
क्रेफ्टिनेन्ट कर्नेल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नेल	1950-2175
ब्रिगेडिय र	2200-2400
मेजर अनरल	2500-125/2-2750
लेपिटमेंट जनरल	3000 प्रति गास
क्षेपिटनेंट जनरल (आर्मी कमान्डर)	3250 प्रतिमास

(ii) योग्यता, वेतन और अनुवान

क्लेलेफ्टिनेंट कर्नल और उसे नीचे के रीक केन्नुछ निर्धारित योग्यता रचने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रू., 2400 ६०, 4500 ४० अथवा 6000 ६० के एक मुश्त अनुवान के हकवार हु। जहान प्रशिक्षक (वर्ग 'खं) ६० ७० की दर पर थी।यना वंतन के **अधिकारी शोगे**।

III. मत्ते

(क)के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं:---

- (क) सिविलियन राजपन्नित अफसरीं पर समय-समय पर लागू वरों और शर्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महुंगाई भक्ते दिये जाते हैं।
- (खा) 75 ६० प्रति मास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।
- (ग) निर्वासन भत्ता भारत से बाहर सेवा करने पर ही देय है। इसके भुगतान की दरें उपर्युक्त विवेश धत्ते की संगत एकल दर की 25 प्रतिभत से जेकर 40 प्रतिशत राशि तक अलग-अलग हैं।
- (भ) वियुक्ति भक्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रखा जा सकता है, तम वे अफसर 140/- रु प्रतिमास की दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (ছ) सण्जा भक्ता:—-प्रारंभिक सण्जा भक्ता ६० 2100 है। प्रथम कमीशन 'की तारीच से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 1800 द० नये सज्जा भत्ते का दावा किया जा सकता है।
- (च) थल सेना में कर्नेल के स्तर तक मुक्त राशन विया जाता है।

IV संगतिः

यस सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं:----

V पदोन्नतिः

(क) स्थायी परोक्षतिः

उच्चतर वैकों पर स्यायी पशार्जात के तिये तिम्तलिखित 📆 पाणाव् · :---

4 ·	
समय वेतनमास से	
क्षेपिटनेन्ट	2 . वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
फ ैप्टन	6 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लिफ्टर्नंड कर्नल	
यवि चयन द्वारा पदी-	
न्नति न हुई हो	25 वर्षे कमीभान प्राप्त सेवा
स्रयम द्वारा	
लेपिटर्नेट कर्मल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्मल	20 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
त्रिगे स्थि यर	23 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्षं कभीशन प्राप्त सेवा
क्षेपिटर्नेट जनरल	28 वर्ष समीशन प्राप्त सेवा

(क) कार्यकारी पदीवित

जनरस

तिस्वलिश्वित स्थूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अफसर उच्चतर रेकों पर कार्यकारी पदोश्रति के लिये पात्र होंगे बक्षरें कि रिक्तियां उपलब्ध हों :--

कोई प्रतिबन्ध नहीं।

कैप्टस	3 वर्षे
मेजर	ठ वर्ष
लेफ्टिनेंड कर्नेल	61 मर्थ
कर्नेल	8 1 वर्ष
ब्रिगेडिय र	12 वर्ष
मेज २ जन रख	20 पर्ष
संपिटनेंट जनरल	2 8 4 %

- (स) नौसेना अकादमी, कोचीन में भनी होते वाले उम्मीदवारों
- (क) जो अम्मीदियार अकादमी में प्रशिक्षण के लिए शंतिम रूप से चन लिए जायेंगे, उन्हें नीमेना को कार्यकारी शाखा से मैंडेटों के रूप में नियमत किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को मौसेना अकादमी, कोचीन के प्रभारी अकसर के पास निस्तिलिखत राशि जमा करानी होंगी।
- (1) जिन उम्मीववारों ने सरकारी बिलीय सहायला के लिये आवेदन पक्र महीं दिया हो :~-
 - (i) 45.00 इपए प्रति मास की धर से पांच मास के लिए जेब सर्च

225.00₹0

(ii) कपडों और सञ्जानसामग्री के लिए

460.00 ቼወሐ

जोड़

685.00 ₫◦

- (2) जिन उप्मीदवारों ने मण्कारी वित्तीय सहस्यता के लिए आवेद अवियाही:∽∽
 - (i) 45.00 द० प्रति मास की वर से बी मास के लिये जैब **कर्ज**

90.00 50

(ii) कपड़ों और मञ्जा-सामग्री के लिए

460.00 \$0

जोड 550,00 €∘

- (ख) (i) भूने दूए उम्मीदवारों को कैंग्रेटों के कप में नियुक्त किया नाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :---
 - (क) कैरेंद्र प्रशिक्षण तथा 6 मान का नौकार्य प्रकिक्षण 1 वर्ष
 - (ख) मिक्रशिपमैन नौकार्ये प्रशिक्षण

6 मास

(ग) कार्यंकारी सब-लेपिटनेंट तकसीकी कोसं

12 **मास**

(घ) सब-सैपिटर्नेट

अपर्युक्त प्रशिक्षण पुरा होने के बाद, अधिकारियों की नौवहन निगरानी संबंधी पूर्ण प्रमाण-पक्ष क्षेत्रे के लिये भारतीय गीसैनिक अहु।ओं पर विष्कत किया जाएगा, जिसके लिये कम से कम 6 मास की अवधि आवश्यक है।

- (ii) नौसेना अकावमी में फैबेटों के लिये शिक्षण, आबास और संबद्ध सेवाओं, पूस्तकों, वर्धी, मोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च मरकार बहुन करेगी। किन्तु कैंबेटों के माला-पिता/ अभिमावकों को उनका जैस सर्च और निजी सर्च पहन करना होगा । अदि कैडेट के माला-पिता/अधिभावकों की मासिक आय 500 र० सेकम हो और वह **फैंडे**ट का जे**व आर्थ** पुर्णनया अथवा आंशिक इस्प से पूरा न कर सकते हों ती मरकार कैंडेट के लिए 55 रु० प्रति मास विसीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लने का इक्कूक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद ग्रीध्न ही अपने जिला मिजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदस-पन्न दे सकता है। जिला मजिस्ट्रेट उस आवेदन-पत्र को अपनी अनुगंसा के साथ निदेशक, कार्मिक मेवा, भौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देशां। यदि किसी भाता-पिता/अभिभाषक के दो अवव। उससे अधिक पूज या आश्रित सौसेना जहाजी/प्रतिष्ठावीं में साय-साय प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-माथ प्रक्रिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिये उपर्युक्त वित्तीय महायता थी जा सकती है बंधर्त कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक अराय 600/ – व० से अधिक न हो ।
- (iii) बाद का प्रणिक्षण भारतीय नौसेनः के जहाओं और स्था-वनाओं में भी उन्हें सरकारी खार्च पर दिवा जाता है। अका-दमी क्षोबने के बाद उससे पहलो छह सास के प्रशिक्षण के दौरात अन्हें उपयुक्त पैरा (ji) के अनुसार व्यकादमी **मैं**

- प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली विलीय सहायता के समान सहायता वी जाएगी। भारधीय भौतेना के जहाजों और उनके प्रतिष्टानों में छहुमास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैंग्रेटों की सिक्षशियमैन के रैंक में पदोक्षति कर दी जाएगी और में मेतन प्राप्त करके लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खाच नहीं देना होगा।
- (iv) कैडेटों को सरकार से नि:कुल्क वर्दी मिन्नी। किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और करने भी लेने होंने। इन कपड़ी के सष्टी नमूने उनकी एक अपता को सुनिध्चित करने के लिये, ये कपड़े चौसेना अकावमी में तैयार किये जायेंगे तथा उनका सर्च मेंबैटों के माता-पिता/अधिमावकों की बहुत करना होगा । विशीय सहायता के लिये जानेवन-पत्त वेने बास सैढेटों को कुछ भापड़े नि:शुरुक या उद्यार दिए जा समाते हैं। अर्था कुछ विश्वेष कपड़ें ही खरीवने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैंडेटों को अपने मूल रैंक के यही बेतन और वही घत्ते सिलेंगे जो कैडेटों के चूने जाने के समय नाविकया सेवक या अर्थेटिस के पदपर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैक में बेतन वृद्धि वी जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकबार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भक्ते सीधे वर्ती श्रीने बासे कैंबेटों की मिलने बाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सङ्घायता को प्राप्त करने के पास हों हो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्वर की राशि भी मिनेगी।
- (vi) सामान्यतः किभी कैंबेट की प्रशिक्षण के दौरान स्थान-पक्ष देते की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कैंबेट को भारशीय नीसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कीर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा काएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हहाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेड को उसकी मूल सर्विस पर वापल मेज दिया जाएगा। जिल कैंडेट को इस प्रकार प्रक्रिश्चण से हटाया जाएगा या मल सर्विस वर वापस मेजा आएगा, वह परवर्ती कोस में पूबारा दाविकल होने का पात्र नहीं रहुगा। किन्तु जिन वैदेशें को कुछ करणाजन्य कारणों के आधार पर त्याग-पत्न देने की अनुमति वी जाती है उनके मामलों पर गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाता है।
- 2. किसी उम्मीदवार के भारतीय नीसेना में कैंडेट भूने जाते से पुत्र भाता-पिता/अभिमानक को :
 - (क) इस स्नामय के प्रमाण-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह मली-माति समकता है कि यदि उसके पूक्ष को या आसित की प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कीई चोट लग जाए या भारीरिक दुर्जेलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से चोट लगने पर किये गये आपरेशन से या आप-रेशन के दौरान मूडिंग करने की कीषधि के प्रयोग के फल-स्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पूछ या आस्त्रित को सरकार से मुआवजा मीगने के दावे या मरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।
 - (ब) इस आगय के बाद पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार पूरा होने से पहले बापस जाना चाहे या यांव कसीशान विसे जाने पर स्वीकार न करे ता शिक्षा, शुल्क, भोजन, अस्त्र, वेतन तथा मले, जो कैबेटों ने प्राप्त किये हैं, उनका मुख्य यो जनका बह लंग को सरकार निर्णय करे, चुकाले की जिम्मेदारी नह लेता है।

3. बेतन और पर्ते :

(क) बेसम

*	वैद्यममान
^{के} क	भामान्य सेवा .
	र १५ क्षेत्र
मि श्र णियमैन	560,00
्बिटग सब-लेपिटर्नेट	750,00
सब-केपिटर्नेंट	830870
क्षेपिटर्नेट	1100-1450
क्षेपिटर्नेंट कमोडोर	1450-1800
कशीकर (चयन मान ≇ारा)	1750-1950
कसांबर (समय वेतनमान द्वारा)	1900.00 (नियत)
कैप्टम	1950-2400 रुपये (कमोडोर वह वेतन प्राप्त करता है जिसके लिए वह कैंग्टन के रूप में
	वरिष्ठता के आधार पर हकदार होता
	き)」
रियल एडमिरल	2500 125/2 2750 र पये/
बाइम एडमिरल	3000 रूपये

(च) सत्ते

बेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्मिलिखित मत्ते मिलने हैं :--

- (i) सिविलियन राजपित अकस्परीं पर समय-समय पर लागू वरों और मत्तों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भन्ता शिलता है।
- (ii) 75/- २० प्रतिमास की दर से किट अनुबक्तण बला (कमो-बोर रैक के तथा उनसे नोचे केरैंक के अफसरों को)।
- (iii) जब अफसर मारत के बाहर सेवा कर रहा हो, सब भारत रैंक के अनुसार 50/- रुपये से 250/- रुपये तक प्रतियास प्रवास मत्ता।
- (iv) 140/- ७० प्रसिमास के हिसाब से इन अफसरों को नियमित भत्ता मिनेगा :---
 - (क) जिन जिलाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां थे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ख) जिन विवाहित अफसरों को आर्घ० एन० जहाजों धर तैयात किया जाएगा अथवा जितनी अवधि के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- (v) (क) परिसङ्खा भक्ताः प्रारम्भिक परिसङ्खा स्रता 2400/-रु० है ।
 - (ख) नहीकरण परिसण्जा मत्ता २० २ 10 % है।
- (vi) जितनी अवधि के लिए बेंस पत्तर्नों से प्र जहाजों पर रहेंगे, उतनी अवधि के लिए उन्हें मुक्त राक्षन मिलेगा।
- (vii) नौसेनी में कैप्टन (भारतीय नौसेना) के स्तर तक मुक्त राधन विया जाता है।
- टिप्पणी 1:-- उपर्याक्स के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पनडुब्बी सन्ता, पनडुब्बी चेतन, सर्वेक्षण, आसु-तोधिक (अहेता जेतन/अनुवान एया गोताकोरी वेतन जैसी अुद्ध विग्रेय रियायस भी अफसरों की वी जा सकती है।
- टिप्पणी 2:--अफसर पनबुक्ती तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवायें अपित कर अकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिये चुने गये अफसर बढ़ हुए, वेतन संघाभर्छों को पाने के इकदार होते हैं।

4. पदांत्रति :

(क) समय वेतभमात द्वारा मिक्रशियमैंस से एक्टिंग मध-लेपिटर्नेट तक 1/2 वर्ष पुषिटण सब-लिपिटर्नेट पे मब-सीपिटमेंट मक ા વર્ષ मध-संपिटनेंट मे ले फिटनेंट तक प्रिवटम कोर स्थाया सब-संक्रिडनेट (वरिष्ठता के लाभ/समपद्गरण के अधीन) रूप में 🖫 वर्ष लैपिटनेंट से **जै** पिटनेंह कमोडोर नक लैपिटनेंट के रूप में 8 वर्ष की **वरिष्ठ**ता लैपिटमेंड कमोबोर 24 वर्षं की संग्राधीय कमीशन प्राप्त कमोद्दीर तक (यवि जयम द्वारा पर्वा-मेता मितिन हुई हो) (ब) चयन हारः लैफ्टिनेंड कमोडोर कमोडोर सक लिपिटर्नेंट कमोडोर के क्य में 2-8 वर्षं की वरिष्ठसा कमोबोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में 4 धर्म की बरिष्ठता

कैप्टम से रियर एकमिरल और जमसे ऊपर नक

कोई सेवा प्रतिथम्ब नहीं।

ह. चैनाती

अफमर भारत और निवेश भें कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं। टिप्पणी: --यदि किसी और सूचना की आवश्यकसा हो से बहु निवेशक कार्मिक सेवा भीसेना मुख्यालय, नई दिल्ली-र 10011 से प्राप्त की जा सकती है।

- (ণ) अफसर ट्रेनिंग स्कूल में मर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए :---
- इससे पूर्व कि अम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल महास, मदाम में भर्ती हों :--
 - (क) उसे इस आशय से प्रमाण पत पर हस्ताकर करने होंगे कि वह पती सांत समझता है कि उसे या उसके वैध बारिसों को सरकार से मुआबजे या अध्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के वौरान कोई बोट या शारीरिक हुवंसता हो जाए या मृत्यु हो जाए था उपर्युक्त कारणों से बोट लगने पर किए गए आपरेशम या आपरेशम के वौरान मृखित करने की जीवधि के प्रयोग के फलस्वस्थ ऐसा हो जाए।
 - (41) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बांब पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यिव उम्मीबदार कोर्स पूरा करने से पूर्व वापम जाना चाहे या यदि दिथे जाने पर कमीशाम स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रकाशन प्राप्त करते द्वेए शादी कर ले तो उसे शिक्षा, खाना, वस्त्र खीर वेतन तथा भसे जो उसन पाप्त किये हैं, उनकी लागत या उनका यब अंग जो सरकार निर्णय करे चुकाने के जिम्मेदार होंगे।
- 2. जो उम्मीववार अंतिम रूप से बुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग १ महीने का प्रशिक्षण कीर्य पूरा करना होगा। इन उम्मीटवारों को "मेना अधिनियम" के अन्तरंत जैण्टलमैन कैलेट के रूप में नामांकित किया जाएंगा। सामास्य अमुकासन की वृष्टि से ये जैण्टलमैं किंड अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों रूपा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

- 3. प्रशिक्षण को लागत किशमें आवास, पुस्तक, सर्वी व घोजन तथा जितिस्सा सुविका णामिल है सरकार वहन करेगा और उम्मोदवारों को अपना जेव खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीयन पूर्व प्रशिक्षण के दौराल म्यूमतम 90.00 के प्रतिमाम से अधिक खर्च की संघावना नहीं है। किश्तु यदि उम्मीदवार कीई फोटोग्राजी, शिकार खेलना, सैरसपाटा इस्वादि का शीक रखता हो सब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैटेट यह व्यक्तम व्यय भी पूर्ण या आधिक रूप से वहत नहीं कर सके तो उसे सम्प-समय पर परिवर्तनीय वरों पर इस हैतु वित्तीय महायता यी जा सकती है अपनें कि कैटेट और उसके माता-पिता/अधिकावक की आय 500 के प्रति मास से कम हो। वर्णमान आवेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 90.00 क्ये प्रतिमास है। जी उम्मीदवार वित्तीय सहायता की दर 90.00 क्ये प्रतिमास है। जी उम्मीदवार वित्तीय सहायता आद्य करने का इच्छुक हैं उसे प्रशिक्षण के लिये छीतम रूप से खुने जाने के बाद निर्धारित प्रयक्ष पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को घेजमा होगा जो अगना सस्यायन रिपोर्ट के माध्य आवेदन-पक्ष को कमोडेट अफसर ट्रेनिंग स्कृत, महास को भेज देगा।
- 4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल मैं संतिम इव से प्रशिक्षण के लिये चुने नए उम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमॉडेंट के प्राम निम्नलिखिन अने राणि कमः कप्ती होती :---
 - (का) 90,00 कं प्रति मास की दर से दम महीने के लिये वेब वर्ष

900.0৫ ইবচ্

(बा) वस्त्र तथा उपकरण के लिये

500,00 Eqq

योग

1400.00 **T**TQ

यदि कैंग्रेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है ती उपर्युक्त राशि में से (का) के सामने दी गर्द राशि कापस कर दी आएगी।

समग-समय पर जारी किये गये आदेशों के अस्तर्गत परिकास मता
 मिलेगा।

कभीक्षन जिल लाने पर इस करते से करीये गये वरक नया अन्य जानम्पक लीओं कैनेट की स्थितिगत सम्पत्ति बन कार्योगे। यदि कैनेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग-पत्न वे दे या उसे निकाल दिया जाए या कभीकान में पूर्व बापस बुला लिया जाए तो इस बस्तुओं को स्टास वापस ले लिया आएगा। इन बस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हिस की दृष्टिगत रकते हुए निम्हान कर दिया जाएगा।

- 6 सामान्यतः किसी जम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान स्वाग-पत्न देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद स्वागपत्न देने वाले जैण्डलमैन कंडेटों को बल सेना मुख्यालय हारा उनका स्वागपत्न स्वीकृत होने तक बर जाने की आजा दी जा सकती है। प्रश्वान से पूर्व उनसे अधिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला व्यवं बसूल किया जायेगा। जफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों की भर्ती किये जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/जिमिमावकों को इस आज्ञय का एक बांक भरना होगा।
- 7. जिल्लं के निर्मा के के देव की प्रक्रिकण का सम्पूर्ण की सं करने के पोग्य नहीं समझा जाएगा उसे भरकार की अनुसति से प्रक्रिकण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सिनक उम्मीदबार को उनकी रेजिमेंट कोट में बादम भेज दिया जाएगा.
- 8. कमीणन प्रवान कर दिये जाने के काद बेतन तथा घर पैंशन, कुट्टी तथा अन्य गैया गर्ते निम्न प्रकार होंगी :---
 - 9. प्रशिक्षणः
- 1. चुने यसे उम्मीवधारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जैण्डलमैन के बेटों के रूप में भामीकित किया जायेगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अगमान 9 मास तक प्रशिक्षण कीर्स पूरा करेंगे। प्रक्रिक्षण सफलतापूर्वक करने के उपराक्त जेण्डलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की नारीख से सेकेंड सीपिटनेम्ट के पद पर अध्यक्तालिक सेना किमीशन प्रदान किया जाता है।

- 10. शंबा की करो
- (क) परिवाधा की अवधि

कमीणन प्राप्त करने की तारी का शे अकसर 6 मान की अवधितक परिविक्षाधीन च्हेगा। यदि उसे परिविक्षा की अवधि के दौरान क्रेसी का छारण करने के अनुष्युक्त बताया गया तब उनकी परिविधा अबिब के समाध्य होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीणन समाध्य किया जा सकता है।

(ख) तैनासी

अल्पकालिक सेवा कमीणन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या बिदेश में वहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अविधि तथा प्रवोन्नति

नियमित यल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पास वर्ष की अविधि के लिये प्रयान किया जायेगा जो अफतर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अविधि के बाद सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अविधि के बाद सेना में सेवा करने के इन्छुक होंगे यदि हर प्रकार से पाझ तथा उपयुक्त पाए गए तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थामी कमीशन प्रवान किये जाने पर विचार किया जाएगा रे जो पांच वर्ष की अविधि के दौरान स्थायों कमीशन प्रदान किये जाने की अर्ह्मा प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की अविधि पूरी होने पर निर्मकत कर विया जाएगा।

(थ) बेसन और भत्ते

अस्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और मले प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सैकेण्ड जिपिटनेस्ट और लेपिटनेस्ट के शेतन की दर इस प्रकार है:— सैकेण्ड जिपिटनेस्ट—750—790 द० प्रति माम लेपिटनेस्ट—830—950 द० प्रति माम

तथा अभ्य भर्ते जो नियमित अफनरों को मिलते हैं।

(इ.) छ्ट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अस्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए क्षामू नियमों में शासित होंगे जो मेना अवकाश नियमावली खंड-1 यल सेना, के अध्याय पांच में उस्लिखित हैं। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिन आउट करने पर तथा द्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उकत नियम 91 में दी गर्व व्यवस्थाओं के अनुनार भी छुट्टी के हकदार होंगें।

(च) कमीशन की समाप्ति

अध्यकालिक सेवा कमीगत प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करती होगी किन्तु भारत सरकार निम्नितिखत कारणों में किसी भी समय उसका कमीगन समाप्त कर सकती है:---

- (i) अवचार करने या गताया। क रुप में मेवा न करने पर; या
- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि ने अयोग्य होने पर;
- (iii) उसकी मैवाओं की ओर अधिक आवश्यकता न होने पर, या
- (iy) इसके फिसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने में असफ्स रहते पर।

तीन-महीने का नोटिस देने पर किसी अफगर की कमणाजण्य कारणों के आधार पर कसीशन से स्थाग-पद्म देने की अनुमति दो जा सकती है। शिक्ष्य इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। कमणाजून आरणों के आधार पर कसीशन से स्थाग-पत्न देने की अनुमति प्रत्या गर्म नेने पर कोई अफसर संबंत उपदान पाने का पात्र नहीं होगा।

- (छ) पेंशन लाभ
- (i) ये अभी विकासधीत है।
- (ii) अल्पकालिक मैवा कमीशन अफसर 5, वर्ष को सेवा पूरी करने पर ६०००,०० का मेवान उपवान पाने के हकदार होंगे।

(ज) रिजर्वमें रहने का दासित्व

5 वर्ष की अस्पकालिक सेवा कर्माशन संवा या बढ़ाई गई कमांभन मोबा पूर्ण करने के बाद में 5 दर्घ की अवधि के लिय था 40 वर्ध की आयु सक, जो भी पहले ही, विजर्भ में वहाँगे।

(য়া) বিষিয়:---

मेंबा मंबंधी अन्य भर्मा गर्ते जब तक उनका उपयुक्त उपवधों के भाष भेद नहीं होता है वहीं होंगी जो निर्णामत अपासरों के लिये लाग है।

(का) बाम मेला अवादमी में प्रचेण लने ताले उम्मीदवारों के लिये।

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में दो प्रकार से भर्ती की जाती है। अर्थात संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से बाधरेंकट कारदी और एन०मी०सी० वाय सेवा स्कंघ वरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से।

- (क) डायरेक्ट-एप्ट्री---आयोग लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है, में परीक्षाएं एक वर्ष में मामान्यतः दो बार मई और नवम्बर में ली जाती हैं। सफल उम्मीदवारों की वाय मेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और माक्षात्कार के लिये भें जाता है।
- (ख) एम०सी०मी० के माध्यम में प्रवेण—राष्ट्रीय कैंडट कीर महानिदेशक द्वारा विभिन्न एन०सी०सी० यनिटों के माध्यम मे एन०सी०सी० उम्मीदवारों से आवेषन-पत्नों को आमंतित करके उन्हें बायु मेना मुख्यालय को अग्रसारित कर दिया जाता है। पाव उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षास्कार के लिये बाभ सेना चयम बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निदेश दिया जाता है।
- 2. प्रशिक्षण पर भेनना : बायु सेना चयन नोई द्वारा अनुशासित और उपस्थत चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा भारीरिक रूप से स्वस्थ पाये जाने वाले उम्मीदवारों को धरीयता तथा उपलब्ध रियितयों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिये भेजा जाता है। डाइरेक्ट-एण्ट्री उम्मीदकारों की वरीयता मुची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन०मी० सी० उम्मीदबारों की बरीयता-सूची अलग से नैयार की जाती है। इत्रिकट-एण्ट्री उडान (पाइसट) उम्मीदवारों की वरीयता सूची मं० लो० से० आ० द्वारा लिखिन परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तांकों मधा वास सेना चयन गोर्ड में प्राप्त अंकों को जोडकर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैंडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता मूची उनके द्वारा वाय सेना चयन डोर्ड में प्राप्त प्रंकों के आधार पर नैयार की जाती है।
- 3. प्रशिक्षण : बायु सेता अकावमी में उड़ान णाक्षा (पाइतर) के लिये प्रणिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह दोगी।

विलीय महायसा पर लाग होने वाली शर्ते-

(i) प्रशाप जगह, पुस्तक, वर्की, ठहरने और चिकित्सा उथवार महिल, प्रणिक्षण का खर्च सरकार द्वारा बहुन किया जाएगा नो भी उम्मी-दवारों ने आशा की जाएनी कि से अपना जैस खर्च स्वयं बहन करें। बाय रोना प्रशासनिक कालिज में प्रतिमास कम से कम 90 है। ये से अधिक खर्च होने की संसाधना नहीं है। यदि किसी कैंग्रेट के अभिभावक या संरक्षक उस खर्च को भी पूर्णरूप या आंशिक इप में वहन करने में असमर्थ है सो उसे सरकार द्वारा बिनीय सहायता प्रवान को जा शकती है। जिल कैसेट के अभिभायक या संरक्षक की मासिक आप 500 रुपये या इसमें अधिक है वह वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का पाल नहीं होगा । विक्तिय सहायता की पासला निर्धारित करने के लिए अपल संपत्ति तथा अन्य परिलब्धियों और गभी स्नोतों से होने वाली आय को भी ध्यान में रखा जाता है। बिलीय महायता प्राप्त करने के इच्छक उम्मीदवार के अभिमात्रक/मंग्धक की अपने पुत्र/बच्चे के बायू मेना प्रणा-भनिक कालिज में प्रशिक्षण हेलू अंतिम रूप में जून लिए भाने के नुस्त धाद अपना आवेदन अपने जिल के जिलाधीण के माध्यम से प्रस्तत कर

देना चाहिए । जिलाधीण उस आवेदन का अपनी अनुसमा महित कमांडेट, वासुसेना प्रशास्तिक कालेज, रण फोल्ड्स, कायस्बट्ट को अब्रेसित कर

(ii) वासु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेस् अन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर निम्नलिश्चित रक्षम कमांडेंट के पास अमा करती है:--

उपर्युक्त रकम में से निम्नलिखित रक्तम कैक्टे की जिलीय सहायता प्रदान किए जाने की स्थिति में वापस देय है।

90 रुपय प्रतिमास की दैर से 3 मास के जिल

जेब मता 450 रुपए

 मिक्ट्य में पदोश्रिति की संभावनायें :--प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने के बाव अम्मीववारों को पाइलट अफनर का रैंक विया है और वे उसी रैंक के बेतन तथा भरी प्राप्त करने के क्षकतार हो जाते हैं। थर्तमान दरों के आधार पर, उड़ान माखा के अधिकारियों को लगमग ६० 2450/--- प्रति माह मिलने हैं जिसमें उद्गान बेसन ६० 750/-प्रति माह भी सम्मिलित है। यायु सता का भविष्य बहुत उउज्जयस होता है यद्यपि विभिन्न माखाओं में इस प्रकार की संभावनाओं अलग-अलग होती

भारतीय वायु सेना में दो प्रकार हे पदोत्रति होती है अर्थात् कार्यकारी रैंक प्रदान करके और स्थामी रैंक प्रदान करके। प्रत्येक उच्च रैंक के लिये अतिरिक्त परिसक्षियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्पयेड्न लीडर भीर विंग कमांडर के रैंक में समय वेतनमान पदोक्षति उड़ान (पाइलट) शास्त्रा में क्ष्मण: 11 यर्प की तया 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांकर ध्रीर उपसे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विधिक्त गठित पदोन्नति बोड़ी द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उदायमान अधिकारियों के लिये पदी-न्नति के अच्छे अवसर होते हैं।

5. बेतन तया मत्ते :---

मूल रैंक					उड़ान शासा
					₹0
पाइलट अफसर					825865
फ्लाईंग अफनर					9101030
पलाइंग संपिटनेन्ट					11501550
स्मवेद्रन ली∉र		-	,	,	14501800
विंग कर्माइर	,				1550 1950
भुपकैप्टन .				•	19502175
एअर कमोडोर			,		22002400
एअर बाइम मार्शल			_	-	25002750
एयर मार्भल .					3000

महंगाई तथा प्रतिकर भले :--अधिकारियों को ये भते भारत सरकार के विभिन्तरत कर्नकरियों भी जाग् होते वाली शर्ती के अन्तर्गत की गई बरों पर मिलते हु।

किट अमुरकाण भक्ता :---४० 75/- प्रसि माह; उद्गान वेतन; उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकदार होते हैं:--

षिंग कमांहर और उससे नीचे ६० 750.00 प्रति माह पूप्प कैप्टन और एयर कमोडोर ६० 666.00 प्रति माह एयर बाह्स मार्शक और उससे ऊपर ६० 600.00 प्रति माह

योग्यता बेतन: -कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूरा करने बासे विग कमोइर और उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दर ६० 70/- और ६० 100/- है और अनुवान ६० 6000/-, ६० 4500/-, ६० 2400/-, और 1600/- है।

प्रवास भर्ता: -- जहां वायुसेना अधिकारियों को टुकड़ियों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सिवन, दिलीय सिवन, प्रथम सिवन कम्सूलर को दिए जाने वाले पिर्वेश मरों का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (पारित रैंक के अनुसार) प्रवास मर्ता देय होता है।

नियुक्ति भरा: :--ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति गुनिट में होती है। गैर परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा अधिसुचित ऐसे स्थान कहां अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें ६० 140/- प्रतिमाह की दर से नियुक्ति भक्ता विया जायेगा।

परिवास भत्ता :--वर्दी/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवस्य रखनी पढ़ती है उसके मूल्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परि-धान मत्ता द० 2100/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर सात साल के बाद द० 1800/- दिये जाएंगे। कैम्पविट कमीशन प्रदान करते समय मुक्त दी जाती है।

बायु सेना में ग्रुप कैप्टन के स्तर तक मुक्त राशन विया जाता है।

6. छुट्टी और अवकाश यात्रा रियायत्त भत्ता

बाधिक अबकाश वर्ष में 60 विन आकस्मिक अबकाश वर्ष में 20 दिन : एक बार मं 10 दिन से अधिक नहीं।

कसीधन प्राप्त करने के एक वर्ष के बाद जब भी अधिकारी वार्षिक आकृतिमक अवकाध लंगे के सथा उनके परिकार के सदस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे बाहे अवकाध की अविध कुछ भी क्यों न हां। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने बाले यो वर्षों के ब्लाक में एक बार अधिकारी अपने स्पृटी स्थान (पूनिट) से घर सक आने के लिए नि:शुल्क सवार बाहुन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे पत्नी सिह्त 965 कि० मी० के रास्ते के लिए आने और जाने दोनों तरफ की सुविधा पाने के हकदार होंगे।

इसके अतिरिक्त उड़ान शाला के अधिकारियों कां, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान इयूटी पर सैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार बार्टट पर 1600 कि॰ मी॰ की दूरी की सब करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त याता करने की सुविधा होगी इसमें आने और जाने की याता सम्मिलित होगी।

जो अधिकारी सुट्टी लेकर अपने खर्म से यासा करने के इच्छुक हूँ में कलेण्डर वर्ष में तीन बार पतनी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराने का 60 प्रतिशत भुगतान करके याजा करने के हुकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के माथ याजा की पुरिवार दी जाएगी। परिवार में पतनी तथा बच्चों के अलावा अधिकारी पर पूर्णतथा आश्रित माता-पिता, बहुत और वाबास्थिय भाई शामिल होंगे।

सेवा निवृत्ति के समय	आई फिसेवा	निव्	निवृत्ति पंशन क							
रैंक (स्थायी)	की न्यूनतम् अवधि	F	गनक	दार						
		₹0	प्रति	माह						
पाइलट अफसर/फ्लाईंग अफसर	20 वर्ष	575	1)	11						
पाइसट सेपिटनेन्ट	20 ৰৰ্জ	800	11	•)						
स्मवेष्ट्रन सीडर	22 वर्ष	925	,,	11						
विंग कमोडर (समय वेतनमान)	26 वर्ष	975	,,	,,						
विंग कमांडर (सलेक्टिब)	24 वर्ष	1000	,,	,,						
ग्रुप कैप्टन	26 वर्ष	1150	"	17						
एयर कमोडोर	28 वर्ष	1250	,,	,,						
एयर बाइस मार्शल	30 वर्ष	1425	,1	,,						
एयर मार्शल	30 वर्ष	1375	,,	,,						
एयर मार्थाल की०सी०ए०एम०	30 वर्ष	1475	,,	,,						
भौर ए०ओ०एस०सी० इन सी०										
एयर चीफ मार्शल	३० वर्ष	1700	n	,,						

8 सेवा निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की विविक्ता पर सेवा निवृत्ति उपदान निम्नलिखित है:--

- (क) 10 वर्ष की सेवा के लिये ६० 12,000/- जिसमें से पिछले रैंक के डेर महीने के बेतन घटाकर।
- (ख) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए छ० 1200/- जिसमें से पिछले रैंक के 1/4 महीने का वेतन घटाकर।

पेंशन या उपदान के अतिरिक्त प्रश्मेक छः महीने की अवधि को अर्ह्न सेवा के लिये कुल परिलब्धियों के भौयाई के बराबर मृत्यु धौर सेवा निवृत्ति उपदान देय हैं जोकि परिलब्धियों का 16½ गूणा होगा और ६० 36,000/- से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपदान निम्निसिखत रूप से होंगे :---

- (क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो वो महीने का बेतन;
- (खा) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पांच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाये तो छः महीने का वेतन; और
- (ग) पांच वर्षे की सेवा के बाद मृत्यु हो जाए ता कम ने कम 12
 महीने का वेतन ।

धिकलागता पेंशन और अच्चों और आश्रितों (माता-पिता, बहिन तथा भाई) की विशेष परिचार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के अनुसार देय है।

अन्य सुविधाएं

अधिकारी तथा उनके परिवार नि.गुल्क चिकिस्सा सहायता, रियाधी दर पर आवास, भूप कीमा योजना, पूप आवास योजना, परिवार सहायता योजना, कैंटीन सुविधाओं आदि के हक्कार हुँ।

परि**शिष्ट--**[V

भारत सरकार कं अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने नाल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुस किये जाने वाले प्रमाण-पक्ष का फार्स :--

	Я	मा	ſΰ	त	Í	q,	पा	T	ıa	ī	ŧ	f	Ŧ	3	ĥ.						,			 . .						
सुपुर	7	শ	r											. ,	अ	1	गांग	4 /-	ñ₹	ब	*			 						
• •																														
 राक	4/3	मुच	ī	रा	ज्य	ſ	W (i *							-											¥6		नि	वा	ۓ
														đ		भा	fa/	a,	Ţ	ηſ	à'	١	ŧ	ŧ	f	Ŧ	ì	f	1	đ.

सिबिस के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनकाति के क्षेप में भाष्यता दी गई हैं:---

संविधान (अनुसूजित जातियां) आदेण, 1950' संविधान (अनुसूजित जनजातियां) आदेण, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संव राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संधिष्ठान (अनुसूचित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

[अनुस्चित जातियां और अनुस्चित जन जातियां सूचियां (संशोधन) आवेश, 1956, बस्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाधल प्रवेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी केंद्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुस्चित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (मंगोधन) अधिनियम, 1976 हारा यथा संगोधित]

संविधान (जम्म और अपमीर) अनुसूचित जातियां आवेश, 1956 । संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमृह) अनुसूचित जनजातियां आवेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आवेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित ।

सविधान (वर्षिरा भीर नागर हवली) अनुसूचित जातिया आदेश, 1962*।

संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962*।

संविधान (पांक्रियेरी) अनुसूचित जासियां आदेश, 1964*।
संविधान (अनुसूचित जनजातियां) उत्तर प्रदेश, आदेश, 1967*।
संविधान (गांमा, वमन और यीव), अनुसूचित जासियांआदेश 1968*।
संविधान (गोंआ, दमन और दीव), अनुसूचित जनजातियां आदेश,

संबिधान (मागार्कण्ड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970 । संबिधान (सिंग्किम) अनुसूचित जानि आदेश, 1978 । संबिधान (सिंग्किम) अनुसूचित जनजानि आदेश, 1878 ।

(कार्यालय को मुहर के साथ) राज्य∤संव* राज्य **सेव**

अर्थे शक्य लागून हाँ उन्हें कृपया काट दें।

नोट: --वहां "आमतौर से रहता है" का अर्थ बह्वी होगा जो "रिप्रे-बेर्टेशन आफ द पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

- **आति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी
- (i) जिला मांजस्ट्रेट/अतिरिक्ष्त जिला मजिस्ट्रेट/कलक्टर/किर्धा किर्मापनर/पृक्षिणनल किर्म्टी किर्मापनर/किर्मी कलक्टर/प्रमम श्रणी का स्टाध्पैंकरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट* सन-किबीजनल मजि स्ट्रेट/ताल्लुक मांजस्ट्रेट/एकजीक्य्रिटन मेजिस्ट्रेट/णक्स्ट्रा असिर्म्टेट कमिश्तर ।
 - (प्रयम श्रेणी के स्टाइपैंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहवे का नहीं)
- (ii) चीफ प्रेसीडेंसी मिजस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेसीडेंसी मिजस्ट्रेट/ प्रेसीडेंसी मिजस्ट्रेट।
- (iii) रेबेम्य अफसर जिनका ओह्या नहसीलदार से कम न हो।

- (IV) उस बलाके का सब-बिबीजनच अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर गहता है/हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का मिखन/डेबलपर्मेट अफनर (लक्ष-द्वीप)।

गरिणिष्ट**---V**

संघ लोक सेवा आयोग

जम्मीदवारों की सूचनायं विवरणिका

(क) वस्तुपरक परी**क्षण**:

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "बस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रकाश कहा जायेगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युक्तर कहा आएगा) विये जाते हैं। उनमें ने प्रत्येक प्रश्नाण के लिए आपको एक उत्तर कुन कीना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जान-कारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित्त न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

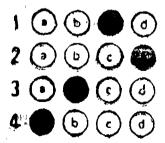
(ब) परीकाण का स्वरूप

प्रथन-पन परीक्षण 'पुस्तिका' के कप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 आदि के कम से प्रश्नाण होंगे। हर प्रश्नाण के नीचे ए, बी, सी, बी, चिक्क के साथ मुझाए गए प्रश्नुत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रस्युत्तर मही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाय करना होगा। (अन्त में दिये गये ममृते के प्रश्नाण देख सें)। किसी भी स्थिति में प्रस्थेक प्रश्नाण के लिये आपको सही प्रस्थुत्तर का चुनाय करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रस्युत्तर का चुनाय करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रस्युत्तर का चुनाय करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रस्युत्तर का चुनाय करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रस्युत्तर चुन लेते हैं तो आपका प्रस्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) जुत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्नक दिया जाएगा। आपको अपने प्रस्युक्तर इस उत्तर पत्नक से लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर महीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक (जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साम मेजी आएगी) से प्रकाशों की संख्याय 1 से 160 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रकाश के सामने ए०, बी०, सी०, बी० विश्व वाले बृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रश्येक प्रश्नीश को पढ़ जैने और यह निर्णय करने के बाद कि कीन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको इस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे खंकित कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर दशिन के लिए) भीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जकरी है कि:--

- प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्स की एक बीठ पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं और उन्हों का प्रयोग करें।
- गलत नियान को बदलने के लिये उसे मिटाकर फिर से सही उत्तर पर नियाम लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक प्याइ की लायें।

3. उत्तर पक्षक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी नहीं बरतनी भाहिये जिससे वह फट जाये या उसमें मोड़ व निलवट आदि प्र जाए या खराब हो जाए।

(भ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिमट पहुंचे परीक्षा भवन पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान प्रहुण करना होगा।
- 2. परीक्षण मुक्त होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा सुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अमुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा सभाष्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका भीर उत्तर पश्च निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप वें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर से जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कहा वंड विया आएगा।
- 5. आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरता होता, आपको कुछ विवरण उत्तर-पत्रक पर कूटबढ़ भी करना होता। इसके बारे में आपके पास अनुदेश प्रवेश प्रमाण-पक्ष के साथ भेजे जायेंगे।
- 6. परीक्षण-पुल्लिका में दिये सभी अनुवेश आपको मावधानी से पढ़ते हैं। इन अनुवेशों का सावधानी से पालन न फरने से आपके मंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संविष्ध है तो उस प्रकाश के प्रस्मुक्त के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेशक के अनुवेशो का पालन करें। जब पर्यवेशक किसो परीक्षण या उसके किसी भाग को आरस्म या समाप्त करने को कहे तो उनके अनुवेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. धाप ध्रपना प्रवेश प्रमाण-पक्ष साथ लाएं ध्रापको अपने नाथ एक एक बी० पेंसिल, एक रखक, एक पेंसिल गापंतर और नीक्षी या काली स्याही बाली कलम भी लानी होगी । आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो । आपको परीक्षा भवन में कोई खालो कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी । मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको अलग कागज दिया जाएगा । आप कच्चा काम या गुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम अपना रोल नस्बर और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के गाथ पर्यवेशक को वापम कर दें।

(छ) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्नक दें। उत्तर पत्नक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रश्न पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या सिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। प्रश्न पुस्तिका को खोलने से पहले उसके पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिखें। आपको प्रश्न पुस्तिका तब तक बोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाब

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी शति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है फिर भी यह जरूरी है किं आप अपने समय का यथासंभव दक्कता से उपयोग करें। संतुलन, के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अस्वन्त : ्रेजन मालूम पड़े उन पर समय क्यवं न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन फिठिन प्रश्नों पर बाद में दिवार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रस्मुत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक विशे आर्थेगे। गलत उत्तरों के लिए अंक महीं कार्ट आर्थेगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखाई संद करने को कहूँ, आप लिखाना बंब कर वें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे एहूँ जस तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कथ्ये कार्य का का कार्य का का कार्य का का कार्य का क

नमूने के प्रश्नांश (प्रस्त)

(नोट--- "सही/सर्योत्तम उतार विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

ाः सामान्य अध्ययन

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान में निम्नलिखित में से फिस भारण से रक्त स्नाब होता है?

- (a) रक्त का दाव वासुमण्डल के दाव से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाव वासुमण्डल के दाव से अधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बात्री शिराओं पर दाव समान होता है।
- (d) रक्त को बास बायूमण्डल के दाब के अनुरूप घटना अवृता है।

2. <u>(কুঝি)</u>

अरहर में फूर्जों का सड़ना निम्नलिखित में मे किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- *(a) वृद्धि निर्मक्षक द्वारा छिड़काव
- (b) दूर-दूर पौधे लगाना
- (c) सभी ऋतु में पौधे लगाना
- (d) थोड़े-योड़े फासले पर पौधे लगाना।

3. (रसायन विशान)

H₃ VO₄ का एनब्राइड निम्नलिखित में से स्था होता है ?

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- (d) V_2O_5

4. (अर्थेशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी योषण निस्तिविश्वत में से किस स्थिति में होता .

- (a) संगात राजस्य उत्पाद से मज्यूरी फम हो ।
- (b) मजबूरी तथा सीमांत राजस्व उत्पाद दोनी बराबर हों।
- (c) मजबूरी सीमांत राजस्व जत्माव में अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बरावर हो।

5. (बैद्धल् इंजीनियरी)

एक समान्न रेखा को अपेक्षित पैरावैद्युतांक 3 के पैरावैद्युत के से सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संचरण केंग पक्रीका है सो लाइन में संघरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
 - (d) C/9

6. (भूविज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजिफ्रोक्लेस क्या होता है है

- (a) आलिगोवलेज
- *(b) जैबटेकोराइट
- (c) एल्बाइट
- (त) एनाभदित

७ (गणित)

पृक्ष बिन्तु से गुजरने वाला और $\dfrac{d^2y}{dx} = O$ समीकरण $dx^2 = dx$

को संगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किससे निर्विष्ट है।

- (a) y=ax+b
- (b) y = ax
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- \bullet (d) $y = ae^x a$

८ (चौतिकी)

एक आवर्ष ऊष्मा इंजन 400° K भीर 300° K तापश्रम के बहुव कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नतिश्विष्ठ में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)
- 9 (सांक्यिकी)

यदि द्विपद विचार का माध्यम 5 है तो इसका असरण निम्मलिकित है से स्था क्षेता?

- $(a) 4^2$
- (b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

10 (मगोल)

वर्मा के दक्षिणं। भाग की अस्याधिक समृद्धि का कारण निस्मिलिखित है से क्या है?

- (a) यहां पर खानिज साधनों का विपूत मण्डार है।
- *(b) बर्मा की प्रधिकांश नदियों का डेस्टाई भाग है।
- (c) यहां श्रेष्ठ बन मम्पदा है।
- (d) देश के प्रधिकांश तेल क्षेत्र इसी माग में हैं।

11. पारतीय इतिहास

बाह्मणवाद के संबंध में निम्तिसिक्षत में रो वया सस्य नहीं है।

- (a) बौद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्यणवाद प्रनुयाधियों की संख्या बहुत थी।
- (b) बाह्यणबाद बहुत प्रश्चिक कर्मकांड और धाडेटर पूर्ण सर्म या।

- *(c) बाह्यणबाद के श्रम्युत्य के साथ, बिल सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्य कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के संस्कार निर्धारित थे।

12. (वर्शन)

भिम्नलिखित में से निरीयवरवादी वर्शन समूह कौनसा है?

- (a) बीट, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) ग्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्काक
- (c) भद्रैत, बेदात, सांख्य, जार्नाक योग
- *(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, जार्वाक ।

13 (राजनीति विज्ञान)

'वृत्तिगत प्रतिनिधान' का अर्थ निभ्नलिखित में से क्या है?

- (a) व्यवसाय के भाषार पर विधानमंत्रल में प्रसिनिश्चियों का निर्याचन।
 - (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन ।
 - (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुताब ।
- (d) अभिक संबों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व ।

14. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्वेशित करती है ?

- (a) लक्य संबंधी ग्रावश्यकता में वृद्धि
- *(b) भावात्मक ग्रवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक प्रधिगम
- (वै) पक्षपातपूर्ण मधिगम

15 (समाज शास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौनसी उपलब्धि है?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को भौपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
 - (b) खूबाखूत कम हुई है।
 - (C) बंचित वर्गों के लागों को भूस्वामित्य का लाम मिला है।
 - (d) अन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुमा है।

हिप्पणी :--- अम्मीदवारों को यह ध्यान रखता चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्तांश (प्रश्त) केवल उदाहरण के लिए विष् गए ह और यह जकरी नहीं हैं कि ये इस परीक्षा की पाठ्यकर्या के ग्रमुसार हों।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 13th March 1984

No. A.32013/2/83-Admn.II(i).—In continuation of this office notification of even number dated 15th October 1983, the Chairman, Union Public Service Commission, hereb; appoints Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S), to the post of Research Officer (Group 'A'—Rs. 700-1300) on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a period of 3 months w.e.f. 15-1-84 to 14-4-84 or until further orders whichever is earlier.

14-4-84 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Smt. Raj Kumari Anand as Research Officer is purely on ad-hoc basis and will not confer upon ther any title for regular appointment or seniority in the

grade.

No. A.32013/2/83-Admn.JJ(ii).—The Chairman, Union Public Service Commission, heerby appoints Shri Ram Singh (SC), Junior Research Officer (R&S), to the post of Research Officer (Group 'A'—Rs. 700-1300) on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for the period from 12-1-84 to 14-4-84 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri Ram Singh as Research Officer is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment of seniority in the grade.

K. V: MATHEW
Section Officer
for Chairman
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 14th March 1984

No. A-19014/11/80-Admn.I.—The services of Dr. (Mrs.) Sharadamba Rao, a Reader of the National Council of Educational Research and Training and Presently serving as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission are placed at the disposal of the National Council of Educational Research and Training, with effect from 19-3-1984 (A.N.).

Λ. J. BAJAJ Dy. Secy. (Admn.).

New Delhi-110011, the 9th March 1984 CORRIGENDUM

No. A, 35014/2/80-Admn, II(i)—In partial modification of this office notifications of even number dated 16th Sept., 1983 and 26th November, 1983 the period of ad-hoc appointment in respect of Shri A. K. Sharma will now read as under :—

(i) "1-9-83 to 30-9-83, 13-10-83 to 26-11-83 & 28-11-83 to 30-11-83 instead of 1-9-83 to 30-11-83"

(ii) "1-12-83 to 28-12-83 &

30-12-83 to 29-2-84 instead of 1-12-83 to 29-2-84"

No. A-35014/2/80-Admn.II(ii).—In continuation of this office notification of even number dated 26th November, 1983, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. P. Mathur, Jr. Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Accounts Officer in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period of 3 months w.e.f. 1-3-84 to 31-5-84 or till the regular appointment is made whichever is earlier.

No. A. 353014/2/80-Admn. II(iii)—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following officers to the ex-cadre posts of Accounts Officers in the office of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a further period of 3 months w. e. f. 1-3-84 to 31-5-84 or till the regular appointments are made whichever is earlier:

S. Name and Designation

- 1. Shri Sudharshan Kumar, Section Officer (CSS cadre)
- 2. Shri V. C. Kajla, Section Officer (CSS cadre)
- 3. Shri A. K. Sharma, Section Officer, (CSS cadre)

2. The above mentioned officers will be on deputation to the ex-cadre post of Accounts Officers and their pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F1(11)-F III (B) 75, dated 7-11-1975 as amended from time to time.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.) For Secy., Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 7th March 1984

No. A. 32014/1/84-Admn.HI(I)—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on on ad-hoc basis for the periods mentioned against each or until further orders whichever is earlier:—

S. Name (S/Shri) No.			Period for which promoted
1. A. K. Sharma .			13-2-84 upto 15-7-1984
Bhagwati Charan			Do.
3. S. K. Bansal .			Do.
4. S. K. Avasthy			Do.
5. Om Vir Singh (SC)			Do.
6. S. L. Kumar	-		13-2-1984 to 29-3-1984
7. S.M. Sehgal .			13-2-84 to 29-2-84
8. Philip John .	•	•	12-1-84 to 12-2-84 &
			14-2-84 to 29-3-84
9. A. S. Jat . •	٠		12-1-84 to 12-2-84
			& 14-2-84 to 29-3-84
M. L. Vasudeva			19-1-84 to 2-2-84
			& 142-84 to 31-3-84
11. C. L. Bhat .			13-2-84 to 29-3-84
12. Gurbax Rai (SC)			20-2-84 to 29-3-84

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.), Union Public Service Commission

CENTRAL VIGH ANCE COMMISSION

New Delhi, the 10th April 1984

No. 2/17/83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. K. Aggarwal, a Section Officer of the Railway Board, as Section Officer in the Central Vigilance Commission on deputation in the scale of pay of Rs. 650-1200, with effect from the afternoon of 31st March, 1984, until further orders.

K L. MALHOTRA, Under Secy. 1-1 Central Vigilance Commissioner.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th April 1984

No. H/2/73/AD.V.—On superannuation. Shri Harish Chander Taneja, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation. GOW/Delhi Branch relinquished charge of the Office of Dy. Superintendent of Police. CBI. with effect from the afternoon of 31st March, 1984.

The 7th April 1984

No. D-11/74-AD.V.—The Services of Shri D. R. Das, Section Officer/CFSL, CBI, New Delhi have been placed at the disposal of Ministry of Home Affairs with effect from the afternoon of 31st March, 1984

The 9th April 1984

No. K-1/73-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri K. Shouriah, Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation to officiate as Dy. Legal Adviser in C.B.I. on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 31-3-84 and till 31-5-84 or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 30th March 1984

No. O.II-173/69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Shri T. S. Bahad of the CRPF to the rank of Commandant Selection Grade in a temporary capacity till further orders.

2. He took over charge of the post on the forenoon of 20-3-84.

The 31st March 1984 CORRIGENDUM

No. P.VII-1/81-Estt-1-Vol.V.---Reference this Dte. General Notification No. P.VII-1/81-Estt-I-Vol.V dated 16-3-83.

2. The date of taking over as Dy, S. P. in respect of Shri Rajinder Singh (Sl. No. 45) may please be amended to read as '25-10-81' instant of '6-11-81 (AN)'.

No. O.II-1802/83-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. Samir Kumar Chakravarthy, GDO Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRPF with effect from the afternoon of the 14th September, 1983.

The 2nd April 1984

No. O.II-1897/84-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. Rajender Kumar, GDO Grade-II(Dv. S.P./Coy. Commander) in the CRPF with effect from the afternoon of the 30th January, 1984.

The 3rd April 1984

No. O.II-1940/84-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation on ad-hoc basis Shri P. N. Mago, an officer of Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Deptt. of Legal Affairs New Delhi as Joint Assistant Director (Legal) in the CRPF for a period of 6 months or till regular appointment is made, whichever is earlier.

2. Shri Mago took over charge of the post of It. Asstt. Director (Legal), CRPF, on the forenoon of 28th March, 1984.

The 4th April 1984

No. O.II-1035/72-Estt.—The services of Shri C. M. Bakshi, Assistant Commandant of the CRPF, are placed at the disposal of Andaman and Nicobar Administration w.e.f. 27-2-84 (FN), on his appointment to the post of Security Officer-cum-ADC to I.t., Governor, on deputation basis.

A. K. SURI Asstt. Director (Estt).

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDJA

New Delhi, the 4th April 1984

No. 10/5/82-Ad.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated 14-9-1983, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K. R. Unni, Deputy Director (Programme), to the post of Joint Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi for a further period upto the 30-4-1984 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions.

2. The head-quarters of Shri Unni will be at New Delhi.

The 6th April 1984

No. 25/12/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to repatriate Shri A. K. Sarkakoty, an officer of Assant Civil

Service and working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Defector of Census Operations, Assam, Gaubati on deputation basis, to the Government of Assam with effect from the afternoon of the 29th February, 1984

No. 11/8/80?Ad.1(Vol.II).—The President is pleased to repatriate Shri M. M. Szakhve, an officer of the Maharashtra Civil Service and working as Deputy Director of Census Operations. in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay on deputation basis, to the Government of Maharashtra, with effect from the afternoon of the 29th February, 1984.

V. S. VERMA Registrar General, India.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF

DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 5th April 1984 CORRIGENDUM

No. AN/I/1174/1/Vol.II.—In this Department's Notification No. AN/I/1174/1/Vol.II dated 19th January 1984 published in the Gazetted of India, Part III. Section I dated 18th February 1984 (page 3891) regarding appointment of officers of the Indian Defence Accounts Service to the Junior Administrative Grade of that Service, the following amendment is made:—

Against Sr. No. 4--Shrl ABHIIIT BASU

For "3-12-1983"

Read "30-12-1983"

No. AN/I/1402/4/Vol.II—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Time Scale of that Service (Rs. 1100-50-1600) with effect from the dates shown against them, until further orders:—

S. Ņo.	Name	Date from which appointed
	ri R. K. Anand .	12-07-1983
2. Sh	ri S.N. Misra	21-11 - 1983
3. Sh	ri S. S. Mohanty	14-01-1984
4. Sh	ri Arvind R. Kaushal .	12-12-1983
5. Sh	ri S. L. Singla	12-07-1983
6. Sn	nt.Ranjana Sivasankar 🔒	28-01-1984
7. Kı	um. S. Tewari	24-11-1983
8. Sh	ri Trilok Chand	14-07-1983
9. Sh	ri Paras Ram . ,	28-11-1983
10. Sh	ri Prem Lal	14-11-1983
11. Sh	ri P. Periaswamy . ,	20-08-1983
12. Sh	ri M. Krishnamurthy .	15-10-1983
13. Sh	ri P. D. Makkar	21-09-1983

V. S. JAFA,

Additional Controller Gen. of Def. Accounts.

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD Calcutta-700069, the 3rd April 1984

CORRIGENDUM

No. 8/84/A/E-1(NG)—This office Gazette Notification No. 8/84/A/E-1(NG) dt. 23-3-84 regarding promotion of S/Shri P. C. Chowdhury, B. P. Gour and Narayan Chandra Biswas in the grade of ASO is amended as under:—

FOR: From 30-1-84 until further orders READ: From 16-3-84 until further orders.

Para 3 of the above Gazette Notification is also deleted.

D. R. IYER,
DDG/Per.

or Dir. Gen. Ordnance Factories.

Calcutta-700016, the 2nd April 1984

No. 18/G/84.—Shri Ashok Nagpal, Dy. General Manager (Subst. & Permt. Works Manager) retired voluntarily from service with effect from 29th Feb., 1984 (AN).

The 5th April 1984

CORRIGENDUM

No. 636/A/G.—The following amendments are made to O.F. Board Gazette Notification No. 51/G/83 dated 30th November 1983,

- Against Sl. No. 3, under Column 'Name' For: Vinay Nivsarkar Read: Vinay Padmakar Nivsarkar
- (ii) Against Sl No. 6, under Column 'Date of Joining' For: 06-08-1983 Read: 27-07-1983

V. K. MEHTA Director

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 31st March 1984

No. A-32013/14/82-A-6.—The President is pleased to appoint Shri P. F. Miller, (who has already been officiating as Deputy Director of Inspection (Textiles) Grade II of Indian Inspection Service (Textiles Branch) w.c.f. 31st October 1983) as Deputy Director of Inspection (Textiles) Grade II of Indian Inspection Service, (Textiles Branch) (Group 'A') on regular basis w.e.f. 13th March 1984 and until further orders.

2. The appointment of Shri Miller as Dy. Director of Inspection (Textiles) (Grade II of Indian Inspection Service —Tex. Branch) is subject to the outcome of the three LPAs Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 in Civil Writ Petition Nos. 1457/81, 1973/81 and 1590/81 pending in the High Court of Delhi.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

No. A-1/2(353) VIII.—The President is pleased to appoint the following officers who have been officiating as Deputy Director (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') in D.G.S.&D., New Delhi, on ad-hoc bais, to officiate as Deputy Director (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on regular basis with effect from 21-3-1984;—

- 1. Shri O. P. Sharma,
- 2. Shri K. K. Chakravarty
- 3. Shri Arjun Dev.
- 4 Shri Mohd, Yunus.

M. L. NIJHAWAN, Dy. Dir. (Admn.).

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

Calcutta-16, the 2nd April 1984

No. 2235B/A-19012 (LS)/83/19A.—Shri Larsingh Khonglah is al bointed by the Director General, Geological 39—36 GI/84

Survey of India as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21-2-84 until further orders.

A, KUSHARI, Director (Personnel).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th April 1984

No. A.19011(23)/78-Estt.A.—Shri O. P. Sachdeva, permanent Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines has relinquished the charge of the said post with effect from 27-2-84 (AN), and assumed the charge of the post of Joint Adviser (Mineral) in the Planning Commission, New Delhi with effect from the forenoon of 5-3-1984 on deputation basis.

The 9th April 1984

No. A.19011(237)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri D. G. P. Raju has been appointed to the post of Senior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 30th March, 1984.

A. R. KASHAV, Sr. Administrative Officer, for Controller General

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun-248001, the 4th April 1984

No. C-6053/718-A.—Shri R. N. Sharma, Establishment and Accounts Officer, North Western Circle, Survey of India, Chandigarh is reverted to the post of Superintendent, Surveyor General's Office, Dehra Dun w.e.f. 3-3-84 (AN), on his own request.

G. C. Agarwal, Major General Surveyor General of India

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 4th March 1984

No. F.9-1/82-Estt./7324.—Dr. Madan Lal Narang, Senior Zoological Assistant is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Northern Regional Station, Zoological Survey of India, Dehra Dun, in a temporary capacity on ad hoc basis with effect from 9-12-83 (FN), until further orders.

No. F. 2-16/83-Estt./7329—The following persons are hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Zoological Survey of India, in a temporary capacity with effect from the date and station mentioned againt their names and until further orders.

SI. No.	Name and Designation	Date	Station
1, Dr. I). B. Bastawade	4-1-84 (FN)	Western Regional Station, Zoological Survey of India, Poona,
2. Dr. F	tam Sewak	21-1-84 (FN)	Desert Regional Station, Zoologi- cal Survey of India, Jodhpur.
3. Dr. N	I. L. Narang	(FN)	Northern Regional Station, Zoological Survey of India, Dehra Dun.

1 2	3	4
4. Shri J. P. Sati	21-2-84 (FN)	Eastern Regional Station, Zoological Survey of India, Shillong.
5. Shri Ram Prasad Barman	1-2-84 (FN)	Hendquarters, Zoo- logical Survey of of India, Calcutta.
6. Dr. Pranabes Mukho- padhyay	16-3-84 (FN)	Headquarters, Zoo- logical Survey of of India, Calcutta.

DR. B. K. TIKADER, Director.

Zoological Survey of India.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 5th April 1984

No. A.32014/3/81-E.I(RC).—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, competent authority hereby appoints Shri V. P. Parmar, permanent Cameraman in the Films Division Office at Bombay to officiate as Chief Cameraman in the same office with effect from the forenoon of the 2nd April, 1984 until further orders. He will draw pay at Rs 1040/- p.m. in the scale of pay of Rs, 840-40-1000-EB-40-1200.

R. P. PARMAR,

Asstt. Admn. Officer for Director of Admn.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 3rd April 1984

No. A.19012/17/79-S.I.—On attaining the age of superannuation Shri R. Rajaram, Assistant Depot Manager, Govt. Medical Store Depot. Bombay retired from service on the afternoon of 29-2-1984.

No. A.19012/2/84-S.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Ramalingam, Accounts Officer in the office of the Controller of Defence Accounts (ORS) South, Madras-18, in the post of Accounts Officer, Govt. Medical Store Depot, Madras, on deputation terms, with effect from the forenoon of the 14th March, 1984 and until further orders

R. C. GULATI
Dy. Assistant Director (Stores)

New Delhi, the 3rd April 1984

No. A-39013/1/84-Admn.I.—The Director General of Health Services is nleased to accept the resignation of Dr. Shvam Lal, Dental Surgeon, Safdar Jang Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of 16th January, 1984.

P. N. THAKUR, Dv. Director Admn. (C&B).

MFDICAL HOSPITAL SECTION New Delhi, the 9th April 1984 CORRIGENDUM

No. A.19020/20/80-MH.—In the 3rd line of this Directorate's notification No. A.19020/20/80-Admn.I-MH dated the 7-3-1984:—

For "afternoon of 5-12-1983, Read "Forenoon of 5-12 1983"

No. A. 19026/7/80-Admn.I/MH.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. P. Mittal

to the post of Accounts Officer at Dr. Ram Manohar Lohia Hospilat New Delhi with effect from the forencon of 2-3-1984 on deputation basis and until further orders.

P. K. GHAI, Dy. Director (Admn.) (CGHS-II).

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 28th March 1984

No. DPS/A-81/Estt./6786.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Smt. Mandakini Suryaprakash Anmadwar, a permanent Hindi Assistant in Power Projects Engineering Division to officiate as Hindi Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the same Directorate with effect from the forenoon of March 27, 1984 until further orders.

P. GOPALAN, Admn. Officer.

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 4th April 1984

No. MAPP/18(136)/83-Rectt.—The Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint Shri M. S. Easwaran, Quasi Permanent Scientific Assistant 'A' and officiating Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer 'SB' in a temporary capacity in the O&M Group of Madras Atomic Power Project with effect from the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

V. K. SANTHANAM, Admn, Officer.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 7th April 1984

No AMD-8(1)/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. S. Viswanatham, Assistant Security Officer in the Atomic Minerals Division as Security Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 26th March 1984 to 5th May 1984 afternoon vice Shri S. K. Saraf, Security Officer deputed for training at National Fire Service College, Nagpur.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th March 1984

No. A-32014/1/83-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. Kuppuswamy Charge man to the grade of Assistant Electrical and Mechanical officer on promotion with effect from 27th February (FN) and until further orders on regular basis.

2. Shri K. Kuppuswamy is posted in the E & M workshop, Madras Airport, Madras.

No. A-38013/2/83-EW.—Shri N. Subramanian, Electrical & Mechanical Officer, Office of the Regional Director, Madras Region retired from Government service on the 31st January, 1984, on attaining the age of superannuation.

B. BHAUMIK Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Kaupur, the 4th April 1984

No. 1/84 —Consequent upon their promotion to the grade of Superintendent Grade 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-74)-35-310-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-, the following inspector (Senior grade), Central Excise assumed/tookover the charge of Superintendent of Central Excise Group 'B on the dates and places mentioned against each :--

SI. Name of the officer No.			Place of posting	Date of assump- tion of charge on promo- tion
S/Shri			•	•
1. B. R. Yadav			Kanpur-II Division	31-3-83
2. S. K. Mathur	•	•	Hdgrs. Office, Kan- pur	1-8-83
3. R. B. Gupta			Aligarh Division	3-8-83
4. J. P. Srivastava			Kanpur-I Division	1-9-83
5. A. S. Srivastava			Hdqrs. office, Kanpur	2-9-83
6. K. B. Lal		٠.	Do.	12-9-83
7. Tota Ram			Mathura Refinery Aligarh Division	23-9-83
8. K. N. Singh .		•	Farrukhabad Divi- sion	26-9-83
9. S. M. Tandon			Bareilly Division	13-10-83
10. Moti Lal Saxena	•	•	Mathura Range Aligarh Division	14-10-83

No. 2/84—Consequent upon their promotion on Ad oc basis to the grade of Administrative Officers/Asstt. Chief Accounts Officers/Examiner of Accounts, Central Excise Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, the following office Superintendents, Central assumed/took over the charge of Administrative Officer/Asstt. Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts, Central Excise, Group 'B' on the dates and places mentioned against each:—

SI.	Name of the Off	icer	Place of posting	Date of
No.				assump- tion of charge on pro- motion
S/Shri				
1. I. S.	Mahendru .		IDO, Sitapur	16-5-83
2. Tila	k Singh		IDO, Kanpur-II	1-12-83
3. Blo	al Kumar Raha		IDO, Sitapur	19-12-83

No. 3/84—The following Group 'B' Officers of this Collectorate retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each:—

S. No.	Name of office	r and post held at the time of retirement	Date of retire- ment
1		2	3
s	/Shri		
1. R. I	D. Sixvii, Saplt.	Central Excis , Sita- pur D.v.	5 0-4-83
2. M.	U. Klim, Supit.	Ceatral Exc se, Kan- pur-II Division	30-6-83

ı	2		3
3. R. P.	Kapsor, Supdi	. Central Excise, Bareilly Division	31-7-83
4. J. D.	Mishra, Sapit.	Contral Excise, Mathura range (Aligarh Division)	30-9-83
5. G. P.	Mall, Supdt.	Central Excise, Sita- pur Division	30-11-83
	•		

No. 4/84—The following Group 'B' officers in the grade of a 1 ministrative Officer/Assit. Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts, Central Excise Collectorate, Kanpur retired from Government service on attaining the age of Superannuation with offset from the dates mentioned against each 'ex-

S. Name of the Officer No.						Date of retire- ment
1. Shri P. N. Srivastava		,				31-3-83
2. Shri A. K. Kar .						31-10-83
3. Shri I. S. Mahendru	•	•				30-11-83
				G.	S.	MAINGI,
						,
			Cent	ra) E	xcis	e, Kanpur.

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING Bombay-1, the 5th April 1984

No. 1-SH(1)/82(A).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. A. Simon, Engineer & Ship Surveyor in the Mercantile Marine Department, Cochin in a temporary capacity with effect from 31st October 1983 (F.N.) until further orders.

No. 2-SH(1)/82.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri T. V. S. Sarma, Engineer & Ship Surveyor in the Mercantile Marine Department, Tuticorin in a temporary capacity with effect from 31st October 1983 (F.N.) until further ordres.

P. GHOSH Dy. Director General of Shipping

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 6th April 1984

No. 3-689/84-CH(Estt.).—Shri Ashok Kumar Jain is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 6th March 1984 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA

Thief Hydrogeologist & Member

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 27th February 1984

No. HPB/220/G/I/P—The following Officers of Indian Railway Personnel Service are confirmed in Senior Scale with effect from the dates shown against each:—

2. Shri M. V. Ramchandran 1-1- 3. Shri O. P. Tandon 7-6- 4. Shri K, M. Udupa 11-4- 5. Shri B. Nagaraja Sharma 11-4- 6. Shri P. M. Moge 8-6- 7. Shri V. D. Vadhavkar 3-3- 8. Shri O. P. Misra 3-3- 9. Shri N. U. B. U. Verma 3-5-	SI. Nama No.			Date of confir- mation		
2. Shri M. V. Ramchandran 1-1- 3. Shri O. P. Tandon 7-6- 4. Shri K, M. Udupa 11-4- 5. Shri B. Nagaraja Sharma 11-4- 6. Shri P. M. Moge 8-6- 7. Shri V. D. Vadhavkar 3-3- 8. Shri O. P. Misra 3-3- 9. Shri N. U. B. U. Verma 3-5-	1 2			 		3
3. Shri O. P. Tandon 7-6- 4. Shri K, M. Udupa 11-4- 5. Shri B. Nagaraja Sharma 11-4- 6. Shri P. M. Moge 8-6- 7. Shri V. D. Vadhavkar 3-3- 8. Shri O. P. Misra 3-3- 9. Shri N. U. B. U. Verma 3-5-	1. Shri R. R. Pi	nto				1-1-76
4. Shri K, M. Udupa 11-4- 5. Shri B. Nagaraja Sharma 11-4- 6. Shri P. M. Moge 8-6- 7. Shri V. D. Vadhavkar 3-3- 8. Shri O. P. Misra 3-3- 9. Shri N. U. B. U. Verma 3-5-	2. Shri M. V. R	amchandran				1-1-76
5. Shri B. Nagaraja Sharma	3. Shri O. P. Ta	ındon	_			7 -6- 76
6. Shri P. M. Moge 8-6-7. Shri V. D. Vadhavkar				٠.		11-4-77
7. Shri V. D. Vadhavkar	Shri B. Naga	raja Sharma				11-4-77
8. Shri O. P. Misra	6. Shri P. M. M	loge	-			8-6-79
9. Shri N. U. B. U. Verma	7. Shri V. D. Va	adhavkar .				3-3-80
	8. Shri O. P. M	isra . ,				3-3-80
10. Shri K. S. Ramchandran 6-6-	9. Shri N. U. B.	.U. Verma .				3-5-80
	10. Shri K. S. Ra	mchandran				6-6-80
11. Shri L. N. Jharia 9-6-	11. Shri L. N. Jh	aria .				9-6-80

K. BALACHANDRAN General Manager.

MINISTRY OF SUPPLY

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 5th April 1984

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K. L. Ghosh, Stenographer, National Test House, Calcutta as P.A. to Director General in the same office for a further period of six months w.e.f. 9th March 1984 (F/N).

G. C. DAS
Assistant Director (Admn.)
for Director General
National Test House, Calcutta

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Down Town Motors Private Limited

Srinagar, the 29th March 1984

No. G/Stat/560/312.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Down Town Motors Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sama Products Private Limited

Srinagar-190008, the 29th March 1984

No. G/Stat/560/313.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sama Products Private Limited has this day been struck on the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mis. Marina Finance Private Limited

Srinagar, the 29th March 1984

No. G/Stat/560/342.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Marina Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

G. R. BHATIA Registrar of Companies, J&K

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Raj Goel Films Private Limited

Bombay-400 092, the 31st March 1984

No. 674/16503/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Raj Goel Films Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay-2

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kerala Beverages Private Limited

Cochin, the 6th April 1984

No. 3126/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Kerala Beverages Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay, the 29th March 1984

No. F. 71-Ad(AT)/84.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Income-tax Appellate Tribunal hereby makes the following rules further to amend the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963:

- 1. These Rules may be called the Income-tax (Appellate Tribunal) Amendment Rules, 1984.
- 2. These Rules shall come into force with effect from 1st April, 1984.
- 3. In the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, Rule 9(1) shall be substituted by the following:
 - "Every memorandum of appeal shall be in triplicate and shall be accompanied by two copies (at least one of which shall be a certified copy) of the order appealed against, two copies of the order of the Income-tax Officer, two copies of the grounds of appeal before the first appellate authority and two copies of the statement of facts, if any, filed before the said appellate authority."
- 4. After sub-Rule (1), Rule 9 will have a new sub-Rule (2) and the present sub-Rule (2) will be renumbered as sub-Rule (3).

Sub-Rule (2) shall read as under :--

- In the case of appeal against the order of penalty, the memorandum of appeal shall also be accompanied by two copies of the assessment order;
- (ii) In the case of appeal against the assessment under Section 143(3) read with Section 144B, the memorandum of appeal shall also be accompanies by two copies of the draft assessment order and two copies of the Inspecting Assistant Commissioner's directions under Section 144B;
- (iii) In the case of assessment under Section 143(3) read with Section 144A, the memorandum of appeal shall also be accompanied by two copies of the Inspecting Assistant Commissioner's directions under Section 144A; and
- (iv) In the case of assessment under Section 143 read with Section 147, the memorandum of appeal shall also be accompanied by two copies of the original assessment order, if any.
- 5. The following shall be inserted in the present Rules between Rules 17 and 18 which shall be numbered as Rule 17A, namely;

Dress regulations for the Members and for the representatives of the parties

 Summer dress or the Members shall be: White pant with black coat and a black tie or a buttonned-up black coat.

In winter—Stripped or black trousers may be worn in place of white trousers.

- In the case of female members, however, the dress shall be black coat over white saree or any other white dress.
- (ii) Dress for the authorised representatives for the assessess (other than a relative or a regular comployee of the assesses) as well as for the Department, shall be the dress prescribed for the profession to which the representative belongs or a suit with the or buttoned-up coat or national dress, i.e., a long buttoned-up coat on dhoti or Churldar Pyjama.

The colour of the coat shall, preferably, be black.

In the case of female authorised representatives the dress shall be the one prescribed for the profession to which she belongs or any similar proper dress; and

- (iii) All other persons appearing before the Tribunal should be properly diessed.
- For Rule 49, the following Rule shall be substituted;
 Scale of copying ree—(1) Copying rees for supply of certified copies shall be charged as under:—
 - (a) For the first 100 words or less Rs. 1-00
 - (b) For every additional 100 words or fraction thereof

Re. 0-50 Paise

- (2) Except in cases where copies are supplied free under the rules or instructions for the time being in force and in cases covered by sub-rule (3), the scale of tees to be charged for the supply of copies urgently shall be twice those prescribed by sub-rule (1) in such case, 50% of the fees so charged shall be paid to the official who types such copies.
- (3) Where a party applies for immediate delivery of a copy of evidence taken down by a stenographer, the fee charged shall be 2½ times of those prescribed by sub-rule (1); in such case, fifty per cent of the fees prescribed by sub-rule (1) shall be paid to the stenographer.
- (4) However, if the publisher of a tax journal requires a photostat copy of an order of the Tribunal for the purpose of publication in his journal, fees of Rs. 1-25 per page shall be charged for supply.
- (5) Copying fees for supply of certified copies as well as fees for supply of photostat copies shall be recovered in advance in cash.

By Order of the Appellate Tribunal, G. P. BAJPAI Registrar Income-tax Appellate Tribunal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No./5287.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing and bearing No. as per scheduled situated at Balhar Bunjeo,

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sukhdev Singh, Gurdawar Singh SS/o Gurdev Singh, V. Mehma Swai. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Jagat Singh S/o Gurditta Vill. Balhor Bunjoo, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registeration sale deed No. 2054 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-3-1984.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No./5288.—Whereas, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monteys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arjan Singh S/o Phuman Singh C/o S. R. Rhatinda.
- (2) Shri Hardial Singh S/o Ganda Singh V. Jassi Pauwali, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2109 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No./5289.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Balhar Binjoo, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, cr the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karnail Singh, Sarwan Singh SS/o Jallour Singh, V. Balhar Binjoo near GNA, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Roop Singh, Ajaib Singh, Naib Singh, Hakam Singh S/o Shri Bhoora Singh V. Balhar Binjoo, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2137 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No 5290.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No. as per schedule situated at V. Jassi Panwali, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under of the income-tax Act 1961 in the Competent Authority section 269AB Office of the at Bhatinda in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :-

40--36 GI|84

(1) Shri Nand Singh Slo Bishma Singh V. Jassi Panwali District Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Doss, Madan Lal SS/o Kishan Chand C/o S.R. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2175 of July, 1983 of the Registering Authority,

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5291.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act 1961 in the Office of the at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tara Singh S/o Kaker Singh Kothi Kamake, Opp. N.F.L. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Kanwar Rajpal Singh S/o Baldev Singh, Advocate, Civil Court, Bhatinda. (Transferre)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2204 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 19-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No./5292.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a air market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the office of the Competent Authority at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of a consider with the object of—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tara Singh S|o Kaker Singh Kothi Kamake, Opp. N.F.L. Bhatinda.
 - (Transferor)
- (2) Shrimati Kiran Singla W/o R. R. Singla Vill, Rajgarh Kubta.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ETPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2205 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-lax
Acquisition Range. Jalandhar.

Date: 19-3-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No./5293.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at V. Jassi Panwalı,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda no July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gajjan Singh S/o Hernam Singh V. Jassi Panwali, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh, Pritam Singh, Tej Singh, Jagdev Singh SS o Sajjan Singh, Sukhmander Singh Makhan Singh, Gurdip Singh, Jagjit Singh So Joginder Singh, V., Jassi Panwali Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration rule deed No. 2286 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Anthority.
>
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 6.69D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-3-1984,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No. /5294.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jassi Panwali, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--57-16GI/84

- (1) Shri Mukhtiar Singh S/o Ujaggar Singh Vill, Jassi Panwali, District Bhatinda. (Transferor)
- (2) Sarjit Singh, Gurjant Singh, Gurcharan Singh, Gurdarshan Singh SS o Bawant Singh, Vill. Jassi Panwali, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 2327 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-3-1984,

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5295.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on July, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- Shri Tarsem Kumar S/o Hari Singh, Goldsmith, Dabwali Mandi, District Sirsa.
- (Transferor)

 (2) Shri Parveet Singh S/o Jagjit Singh, V. Tipanwali, Teh. Fazilka, 2. Parhora Singh S/o Gainda Singh, V. BAM, 3. Jasbir Kaur D/o Rajinder Singh, V. Tipanwali Teh. Fazilka, 4. Tejinder Singh S/o Surat Singh V. Patti, Distt. ASR.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2341 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-3-1984,

(1) Shri Balbir Singh S(o Waryam Singh Gill Patti District Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Jagseer Singh, Lakhbir Singh SS|o Jang Singh V. Gill Paatti District Bhatinda.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5296.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the inconse-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as pe rschedule situated at Gill Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Bhatinda on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2371 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely 1...

Date: 19-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 13th March 1984

A.P. No. /5263.- Wheeras, I, Ref. No. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration. sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Rakesh Pujare S/o Charan Dasa Mikhtiar Khas of Narinder Kumar Chander S/o Roshan Lal R/o House No. 10 New Vijay Nagar, Jalandhar Mikhtiar-ai-am of Sadhu Singh s/o Atma Singh DR-88 Kot Lakhpat Rai, Patel Chowk. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Dr. Ashok Gupta S/o Chander Gupta r|o 105 Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

interested in the property)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property House No. 123 situated in Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2509 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:--

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. AP., No. /5264 - Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

41—36 GI[84

(1) Shri Sanjay Sharma S/o Kasturi Lal Mukhtiar-khas of Narinder Kumar Chander S/o Roshan Lal r/o H. No. 10, New Vijay Nagar Jalandhar Mukhtiar-am of Sadhu Singh S/o Atma Singh, 88-Kot Lakhpat Rai, Patel Chowk, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Dr. S. L. Chawla S/o Dial Chand and Mrs. Krishna Chawla Wjo Dr. S. L. Chawla, R/o 24-Vijay Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 123 situated in Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed No. 2563 of July, 83 of the Registering Authoritly, Jalandbar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No./5265.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Jalandhar

tand more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kamlesh Pujara S/o Charan Dass Mukhtiar-Khas of Narinder Kumar Chander S/o Roshan Lal ro H. No. 10 New Vijay Nagar, Jalandhar Mukhtiaram of Sadhu Singh S/o Atma Singh, DR-88 Kot Lakhpat Rai, Patel Chowk, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Dr. Ashok Gupta S/o Chander Gupta R/o 105, Shahee'l Udham Singh Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/6 House No. 123 situated in Shaheed Udham Singh, Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the regd. sale deed No .2741 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No.5266.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amarjit Goel S/o Kulwant Rai Mukhtiar-Khas of Narinder Kumar Chander S/o Roshan Lal r/o H. No. 10, New Vijay Nagar, Jalandhar Mukhtiar-am of Sadhu Singh S/o Atma Singh r|o DR-88-Kot Lakhpat Rai, Patel Chowk, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Dr. S. L. Chawla S/o Dial Chand and Smt. Krishna Chawla W/o Dr. S. L. Chawla r/o 24-Vijay Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 125 situated in Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered Sale Deed No. 2775 of July, 1983 of the Registered Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5267.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Naresh Pujara s/o Charan Dass r/o EQ-102, Pucca Bagh, Jalandhar Mukhtiar-Khas of Narinder Kumar Chander s/o Roshan Lal r/o H. No. 10, New Vijay Nagar, Jalandhar Mukhtiar-am of Sadhu Singh S/o Atma Singh, DR-88-Kot-Lakhpat Rai, Patel Chowk, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Dr. Ashok Gupta s/o Chander Gupta r/o 105-Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/6 House No. 123 situated in Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentiond in the registered sale deed No. 2834 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5268—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beading No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jalandhar on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yash Pal s/o Mohan Lal, Mukhtiar-Khas of Narinder Kumar Chander s/o Roshan Lal r/o H. No. 10, New Vijay Nagar, Jalandhar Mukhtiar-am of Sadhu Singh s/o Atma Singh, DR-88 Kot Lakhpat Rai, Patel Chowk, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Dr. S. L. Chawla s/o Dial Chaud and Mrs. Krishna Chawla w/o Dr. S. L. Chawla r/o 24-Vijay Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) as No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/6 House No. 123 situated in Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar and Persons as mentioned in the Registered sale deed No. 2639 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5269—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the improvable property having a fair market value

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kashmiri Lal s/o Bhamar Singh alias Bawa Singh r/o W.N. 237, Basti Danishmandan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Kashmiri Lal, Mehtab Ram, Gulab Chand, Hira Lal ss/o Malook Chand r/o W.N. 152, Basti Danishmandan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 237 situated in Basti Danishmandan, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2703 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. 5270.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the inability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

 Shr Ballabh Dass S/o Siri Ram Mukhtiare-am of Madan Lal S/o Murari Lal C/o H. No. 2083-C-3, Birla Mill Colony, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Shambhu Nath Navetia S/o Shri Nagar Mal Navetia, Coal Agents, H. No. 2083-C-3, Birla Mill Colony, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2009 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5271.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 369B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on July, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ballabh Dass S/o Siri Ram Mukhtiare-am of Sh. Madan Lal S/o Murari Lal C/o H. No. 2083-C-3, Birla Mill Colony. Bhatinda

(Transferor)

(2) Shrimati Rakmani Devi W/o Shambhu Nath Navetia, H. No. 2083-C-3, Birla Mill Colony, Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registerating sale deed No. 2042 of July, 1983 of the Registering Authority. Bhatinda.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5272.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bnatinda

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42-36GI|84

 Shri Tehal Singh, Kartar Singh Se/o Lal Singh
 Sh. Maghar Singh, Gurbachan Singh S/o Jangir Singh
 Sh. Nirmal Singh
 S/o Sh. Mukhtiar Singh
 C/o S. R. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh S/o Mukand Singh, Mukand Singh S/o Kehar Singh Vill. Sukhna Ablu.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

may be made in writing to the undersigned :-

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2387 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-3-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5273,-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

(1) Shri Pritam Singh S/o Kirpal Singh Kothi Amarpura, Joganand Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Raksha Devi Goel W/o Bhan Dass Goel C/o S. R. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2124 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inpecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5274.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritam Singh S/o Kirpal Singh Kothi Amarpura, Joganand Road, Bhatinda

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishan S/o Mehar Chand Jastu Mandi.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used beroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2129 of July 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5275.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Des Raj S/o Shanker Dass Loha Mandi, Phagwara,

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal S/o Des Raj Industrial Area-14, Phagwara.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 910 of July. 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14 3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1984

Ref No. A.P. No. 5276.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Sutehn, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on July, 1933

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Wattan Singh
 Haveli, P. S. Mahilpur,
 Hoshiarpur,
 A. of Jagtar Singh his son.

(Transferor)

(2) Shrimati Charan Kaur W/o Pritam Singh Court Road, Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1594 of July, 1983 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-3-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5277 —Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Sutehii, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Wattan Singh
 Haveli, P.S. Mahilpur,
 Distt. Hoshiarpur,
 G. A. of Jagtar Singh his son.

(Transferor)

(2) Shrimati Charan Kaur W/o Pritam Singh R/o Court Road, Hoshiarpur and Sh. Ravi Shanker S/o Gurcharen Dass Bassi Khuaza, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2535 of August, 1983 of the Registering Authority, Hoshlarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-3-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5278.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at

Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Angrej Singh S/o Kapur Singh R/o Hazoora Kapoora Colony, New Rose Garden, Bhatinda,

(Transferor)

(2) Shri Karta Ram S/o Ram Rattan R/o Vill. Punjgrain Kalan, Teh. Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovshle property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2089 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Jalandhar

Date: 15-3-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5279.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding movable property, havings, 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Angrej Singh Slo Shri Kapur Singh R/o Hazoora Kapoora Colony, New Rose Garden, Bhatinda,

(Transferor)

(2) Shri Sewak Chander S/o Karta Ram Vill. Punjgraln Kalan, Teh, Faridkot.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2090 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

Date: 15-3-1984

Soal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5230.---Whereas. 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Shankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shahkot on July, 1983

on apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Sardari Lal Shahket

(Transferor)

(2) Shrimati Janak Dulari W/o Jugal Kishore Shahkot.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1074 of July, 1523 of the Registering Authority. Shahkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43-36 GI|84

Date: 15-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5281,—Whereas, I, J. I.. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Shahkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shahkot on July, 1983

for un apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Sardari Lal, Banwari Lal, Tilak Raj SS/o Shadi Ram V. Shahkot.
- (2) Shri Jugal Kishore S 'o Banarsi Dass, Shahkot
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1052 of July, 1983 of the Registering Authority Shahkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-3-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th Murch 1984

Ref. No. A.P. No. 5282.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under

the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the C Authority at Jalandhar on July, 1983 in the Office of the Competent

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

- (1) Shri Ram Chand S/o Manak Chand R/o 135/11, Central Town, Jalandhar.
- (Transferor) (2) Shri Surjit Singh S/o Khan Singh R/o NN 375, Gopal Nagar, Jalandhar.

(Transferee) (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and perfsons as mentioned in the Registration sale deed No. 2325 of 7/83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-3-1984.

(Transferee)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1983

Ref. No. A.P. No. 5283.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Chand S/o Manak Chand R/o 135/11, Central Town, Jalandhar.
- (2) Shri Harbhajan Singh S/o Khan Singh R/o NN-375, Goptal Nagar, Jalandhar.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2686 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5284.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on August 1983 for an apparent consideration which is Iess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Shri Ram Chand S/o Manak Chand R/o 135/11, Central Town Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh S/o Khan Singh R/o NN-375 Gopal Nagar Jalandhar.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3238 of August 1983 of he Registering Authority, Jalandhar.

THE SCHEDULE

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1984.

(Transferee)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5285.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Sher Singh S/o Bhagwan Singh R/o Kothi No. 3-A, Green Model Town, (Mithapur) Road, Jalandhar.
- (Transferor) (2) Shri Ram Sarup Kohli S/o Babu Ram Kohli & Nirmala Rani Kohli W/o Ram Sarup Kohli R/o 415 Mota Singh Nagar, Jalandhar.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

faxPlanation '-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3238 of August 1983 of he Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date; 15-3-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1984

Ref.: Rej/IAC (Acq.) 2359.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 48 situated at Jalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 5-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. N. Bhattnagar, S/o Shri lute Hari norainji R/o Sanjay Colony Nehru Nagar, Jaipur (Transferor)

(2) Rujendra Sharma, S/o Shri Ami lal Sharma R (a) Kondi garuka Bhaeroji Ka Rasta, Chowkti Ghat Gate Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No-48 A-3, situated at Sanjay Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1485 dated 5-7-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 15th March 1984

Ref No. Rej/IAC (Acq.) 2358.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot-A-2 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur. on 5-7-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. N. Bhattnagar, S/o late Shri Hari Narain Bhattnagar, R/o Sanjay Colony, Nehru Nagar, Jaipur. Basti Sitarampura, Jaipur.

(Transferor)

(2) Harash Kumar Slo Shri Rajender Sharma (Minor) Thro. Matha Smt. Indira Kumari Sharma, R/o Bhiroji Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 48-A-2, situated at Basti Sitarampura, Sanjay Colony Nehru Nagar, Jaipur, and more fully described in the Sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1488 dated 5-7-63.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1984

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2357.—Whertas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Plot No. 48 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 5-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:---

44-36 GI|84

- Shri P. N. Bhatnagar S/o Shri Hari Narain Bhatnagar R/o Sanjay Colony, Nehru Nagar, Jaipur Basti Sitarampura, Jaipur.
- (2) Shrimati Indira Kumari Sharma W/o Shri Rajender Sharma R|o Ganga Gopalji Ka Mandir Near Givind deoji Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 48, Part situated at Sanjay Colony, Nehru Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 1477 dated 5-7-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority aspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Raj/IAC(Acq.) 2356.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11 situated at Jaspur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 5-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Dalip Singh S/o Shri Mandata Singh, Rajput R/o Jamma Lal Bajaj Marge, C Scheme, Jaipur.
- (2) Shri Om Dutt Sharma S/o Shri B. S. Sharma, R/o Plot No. 10-11 'Devi Sadan' Jamna Lal Bajaj Marge, Jaipur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11, situated at Jaman Lal Bajaj Marge, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by thhe S.R. Jaipur, vide registration No. 1521 dated 5-7-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-3-1984

Shri Raghubir Singh S/o Shri Mandata Singh, Rajput R/o Jamna Lal Bajaj, Marge, Jaipur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej./IAC(Acq.)2355.-Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 10 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 5-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Om Dutt Sharma S/o Shri B. S. Sharma Plot No. 10 11, Devi Sadan' Jamna Lal Bajaj Marge, Jaipur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as nre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 10, situated at Chomu House, Jamna Lal Bajaj, Marge, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 1524 dated 5-7-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1984

(1) Shri Hanuman Parsad S/o Late Shri Roop Narain Goyal House No. 1658, Thatero a Rasta, Jaipur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kamal Kishore Dhamani & Sons H.U.F. R/o Thakur Sumer Kaman Ki Gali Ramganj Bazar, Jaipur.

(fransferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2354.—Whereas I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. P-8 situated at Jaipur,

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jaipur on 2-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act; in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. P. 48 situated at Dhabhi Ji Ka Khura Ram Ganj Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1609 dated 2-7-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-3-84.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/fAC(Acq.) 2353.—Whereas I, MOHAN SINGH.

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. Plot No. D-4 situated at Jaipur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of
1908) in the office of the Registring Officer at

Jaipur on 21-7-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jogender Singh S/o Shri Partap Singh R/o 572/6 Rajapark, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mali Ram Soni S/o Shri Bhura Ram R/o Post Ajeetgarh, Srimadhopur (Sikar). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b' by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-4, situated at Amba Bari, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1598 dated 21-7-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2352.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 984 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 21-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mussamet Sayara Bogam Wd/o Abhdual Jalil, Mssamet, Rukasna, R/o Subji Mandhi, Johari Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Salam S/o Shri Hazi Mohd. Yakub Khan R/o Chowkari Top Khana Hazoori Rasta Thakar Geej Garh Mohalla Mahawathan, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 984, situated at Tripolia Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1559 dated 21-7-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-3-1984.

(1) Shri Goyind Singh S/o Shri Bahadur Singh Rajput R/o House No. 31 A. Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Hera Lal S/o Shri Bhuralal R/o Tijara Bhawan. District Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2351.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Plot E-25 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-23, situated at Amba Bari, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1525 dated 5-7-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2350.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. C-44 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Jaipur on 21-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitatin gthe reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Sanjay Kumar, S/o Sri Bhaktawar mal R/o Saraya, Bomb iy.

(Transferor)

(2) Shrimati Savitri Devi, W/o Shri Damodarji Agarwal R/o Plot No. C 41 Amba Bari,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-44, situated at, Amba Bari, Jaipur, and more fully described in te sale deed registered by the S. R. Jaipur, vide registration No. 1601 dated 21-7-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-3-1984.

Shri Kishori Raman Bhargava, 3/0 R. R. Bhargava C-62, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subhash Kumar Jain H.U.F. D/275 Hani Park Jaipur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2349.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.
B-Portion situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-7-1983.

with the Competent Authority under Section 269AB in his Office at Bangalore under Document No. 242 on 29-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part B-Portion 140 Sqr. Mrt. situatd at Yatiji Ki Bagichi, Ram bag Road, Jaipur, and morefully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1629 dated 22-7-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-45-36 GI|84

Date: 14-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2348.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 16 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.

Jaipur on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tola Ram, S/o Late Shri Jetha Nand R/o Plot No. 4, Janta Colony, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Pushpa Devi, W/o Shri Vasudeo R/o House No 9, Gurunanak Nagar, near Tal Katora, Jaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 46, situated at Nehru, Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1667 dated 22-7-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-3-1984.

(1) Shri Tola Ram, S/o Shri Jetha Nand Sindhj R/o Plot No. 9, 4, Janta Colony, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shr Vasdeo S/o Jetha Nand Sindhi R/o House No. 9 Gurumanak Nagar, near Talkatora, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2347.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovtible property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 46 situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jaipur on 22-7 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/es

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 46, situated at, Neru Bazar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1668 dated 22-7-1983.

MOHAN SINGII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(1) Shri Pras Chand Dharamchand S/o Shri Sukh Lal

R/o Gheewalo Ka Rasta, Jaipur.

(2) Shri Abdul Latif, S/o Rahemi Bux, R/o A-2 Deepak Marge, M. D. Road, Jaipur, (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2346.--Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A-2 situated at Juipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jaipur on 1-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persous. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-2, situated at, M. D. Road, Deepak Marge, Jaipur and more fully described in he sale deed registration by th S. R. Jaipur vide registration No. 1740 dated 1-8-83.

> MOIIAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1984.

W

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2345.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing property situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 22-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mukund Singh, R/o Village Sirsa Distt. Hissar (Haryana).

(Transferor)

(2) M/s Gulabi Nagar Properties P/o Shri Girish Chandra Agarwal, S/o Shri Har Parsad Chaudhary R/o Industrial Aerea Plot No. 4 Jhatwara Road, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Nohra, situated at in which Dalmill Garrie behind Baiji Ka Mandir Topkhana Hazoori, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1642 datd 22-7-1983.

MOHAN SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th March 1984

Rcf. No. Rej/IAC(Acq.)2344.—Whereas, 1, MOHAN SINGH.

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 22 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 21-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely-

(1) Smt. Laxmi Devi, W/o Shri Haman Dass ji R/o B-34, Sikar House, Haji Colony, Jaipur.

(2) Shri Kailesh Chand Agarwal, S/o Shri Ram-chandraji Agarwal R/o H. No. 1072, Gopalji Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22 situated at Katla Purohitji (New Katla), Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vid registration No. 1582 dated 21-7-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipa

Date: 14-3-1984.

(1) Shri Shri Ram S/o Shri Badridas Agarwal GPA Mukana Ram S/o Nenu Ram Suthar, Jangid, 12th Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Mohanlal S/o Sh. Rikabchand Oswal Chajer, 101, Sector A, Section 4. Masuria, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACOUISITION RANGE, JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service, of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jaipur, the 8th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2343.—Whereas, I. MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the competence of the competen property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 101 situated at

lodhour (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Jodhpur on 14-7-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

property, within 45 days from the tate of the publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immovable

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 101, Sector A, Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide Registration No. 127/2036 dated 14-7-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Copymissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date : . 8-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2341,—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 161 situated at

Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Madan Singh Solanki S/o Sh. Mohan Singh Dak Tar Colony, Flat No. 5, Quarter No. 1, Section "B" Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rita W/o Sh. Dineshkumar Rai 2Kh/51, Chopeani Housing Board Quarter Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 161, Shanti Priya Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd. Cheergath Road, Shastri Nagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide Registration No. 121/2020 dated 13-7-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 8-3-84

FORM LTNS. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2342.—Whereas, I, MOHAN SINGH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedingly Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 101 situated at

Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jodhpur on 14-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initialte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45-36 GI 84

(1) Sh. Ram S/o Sh. Badridas Agarwal GPA Mukana Ram S/o Nenuram Suthar, Jangid, 12th Road, Sardarpura, Jodhpur,

(Transferor)

(2) Sh. Mohanlat S/o Sh. Rikabchand Oswal Chajer, 101, Sector A, Section 4, Masuria, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 101. Sector A, Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide Registration No. 63/2035 dated 14-7-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 8-3-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2340.-Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 161 situated at Iodhour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sh. Madan Singh Solenki S/o
Sh. Mohan Singh, Dak Tar Colony,
Flat No. 5, Quarter No. 1,
Section 'B', Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla, W/o Sh. Shivkaran 2Kha/51, Chopsani Housing Board Quarter, Jodhpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 161, Shanti Priya Grib Nirman Sahkari Samiti Ltd. Cheergarh Road Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide Registration No. 57 /2019 dated 13-7-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 8-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2339.—Whereas, J, MOHAN SINGH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing plot No. 34 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Jodhpur on 15-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen were cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sudhir Dhadha, S/o Sh. Ghetanmal Oswal, R/o Johri Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh, Balweer Singh S/o Sh, Jaisingh Kumbhat Oswal, R/o Bagai, Distt. Gujrat residing at present Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 26, Power House Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide Registration No. 97/2049 dated 15-7-83.

MOHAN SINGH
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-84 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1984.

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2338.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- ad bearing bearing No. Plot No. 34 situated at Jodhour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 6-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Akal Kanwar Bhandari W/o Sh. Mahipal Bhandari, 22-Vijay Mahal, D-Road, Church Gate, Bombay-400020.

(Transferor)

(2) M/s Sujata Properties Private Ltd. Diners House, IIIrd Floor, 50-Veer Nariman Road, Fort, Bombay-400023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

Plot No. 34, Tathagat, E-Sector, Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide Registration No. 35/1914 dated 6-7-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2337.—Whereas, J, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 102 situated at

Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer-at Jodhpur on 4-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

- (1) Sh. Ahmed S/o Sh. Mahboob Khan Khanio ka Mohalla, Nai Sarak, Jodhpur. (Transferor)
- Sh. Lal Singh, Mohan Singh, Narayan Singh, 102, Mosuria 4-G, Shastri Nagar, Jodhpur.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereiv are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 102, Masuria 4-G, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide Registration No. 17/1850 dated 4-7-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Kanaram S/o Sh. Birbal Ram Jat, Village-Maisali, Tehsil-Rajgarh, Distt-Churu. (Transferor)
- (2) Smt. Dayawanti W o Tarachand Through M/s Tarachand Jagdish Rai, Hanumangarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2336.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing House in Plot No. 12 situated at Hanumangarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hammangarh on 29-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of residential house constructed in Plot No. 12, Sector 1, Near Government Hospital, Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Hanumangarh vide Registration No. 1625 dated 29-7-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-84 Seal:

Seat

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2335.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961° (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House in Plot No. 12 situated at Hanumangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 29-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh, Kanaram S/o Birbalram Jat Village Bhaisali Tehsil-Rajgarh, (Churu). (Transferor)
- (2) Smt. Seema Devi W/o Sh. Jagdish Rai
 C/o M/s Tarachand Jagdish Rai, Hanumangarh.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Residential House constructed in Plot No. 12, Sector 1, near Government Hospital, Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Hanumangarh vide Registration No. 1624 dated 29-7-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th March 1984

Ref. No. ASR/83-84/309.—Whereas, I C. S. KAHLON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at T. P. Scheme No. 53 Amritsar (and more fully described in the Schedule appared hards)

One property situated at T. P. Scheme No. 53 Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on July, 1983

S. R. Amiliar on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kewal Kumar Khanna S/o Shri Shambhu Nath, R/o Khoo Suniarian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Narinderpal Singh S/o Shri Sewa Singh, R/o 170/5, Katra Mit Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at . No. 2 & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at T.P. Scheme No. 53, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5430 dated 14-7-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Anritsar.

Date: 6-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th Match 1984

Ref. No. ASR/83-84/310.—Whereas, I.C. S. KAHLON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property situated at Ajit Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on July, 1983

for an apparent consideration which is less han the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 47—36 GI'84

(1) Shri Bharat Kumar S/o Shri Dhani Ram r/o Inside Sultanwind Gate, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Khurinder Singh So Sh. Sawaran Singh, r/o Inside Chowk Manna Singh. Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 tenants if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Abadi Ajit Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5057 dated 6-7-1983 of registering authority. Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date: 6-3-1984.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th March 1984

Ref. No. ASR/83-84/311.—Whereas, I C. S. KAHLON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

One property situated at Ajit Nagar, Amritsar has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sunil Kumar S/o Shri Bharat Kumar R/o Inside Sultanwind Gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Ravinder Kaur W/o Shri Khutinder Singh R/o Chowk Manna Singh, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 tenants if any.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Abadi Ajit Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5071 dated 6-7-1983 of registering authority. Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritaar.

Date: 6-3-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

Amritsar, the 13th March 1984

Ref No. ASR/83-84/312.—Whereas, I C. S. KAHLON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One properly situated at G.T. Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S. R. Amritsar on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ing persons, namely:—

(1) Shri Dalbir Singh S/o Shri Balwant Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kumar Amritsar, Presently, Gali-Fazilka, Fazilka, Distt. Ferozepur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a perold of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at G. T. Road, Amritsar, as mentioned in the sale-deed No. 2633 dated 27-7-983, of registering authority Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritgar.

Date: 13-3-1984.

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

Amritsar, the 12th March 1984

Ref. No. ASR/83-84/313.--Whereas, I

Rel. No. ASR/85-84/513.—whereas, 1

C. S. KAHLON
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
One puroperty situated at Azad Nagar, Putlighar, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at S.R. Amritsar on July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Kamla Mehra W/o Kidar Nath, R/o 13/1, Rani-ka-Bagh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sarup Krishan S/o Sh. Balkrishan, 2929/21, Gali No. 1, Azad Nagar, Putlighar, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 tenants if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Azad Nagar, Putlighar, Amrit-sar, as mentioned in sale deed No. 5868 dated 27-7-1983 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar.

Date*: 12-3-1984. Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

> > Amritsar, the 12th March 1984

Ref. No. ASR/83-84/314.—Whereas, 1, C. S. KAHLON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. One property situated at Azad Nagar, Putlighar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amrsatr on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jewan Mehra S/o Sh. Kidar Nath, R/o 13-1, Rami-ka-Bagh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sarup Krishnan S/o Shri Balkishan, R/o 2929/21, Gali No. 1 Azad Nagar, Putlighar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 tenants if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Azad Nagar, Putlighar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5763 dated 25-7-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th March 1984

Ref. No. ASR/83-84/315.-Whereas, I,

C. S. KHALON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19671 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and, bearing No. One property situated at Azad Nagar, Putli-

ghar, Amritsay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sham Sunder S/o Sh. Kidar Nath, R/o 13-1, Rani-ka-Bagh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sarup Krishan S/o Shri Balkrishan, R/o 2929/21, Gali No. 1, Azad Nagar, Putlinagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Azad Nagar, Putlinagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5869 dated 27-7 1983 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritear.

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION- 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT C INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

> > Amritsar, the 13th March 1984

Ref. No. ASR/83-84/316.--Whereas, I, C. S. KHALON, IRS,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and

bearing No. One property situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S. R. Amritsar on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.:-

(2) Shri Rajinder Singh S/o Shri Mehar Singh, R/o Rani-ka-Bagh,

(Transferor)

9443

(2) Shri Nirmal Singh S/o Shri Gurbakhsh Singh, Cheel Mandi, Amritsar; Shri Gurbhinder Singh S/o Shri Ladha Singh, Chowk Moni, Amritsar; Shri Gulzari Lal So Shri Achraj Ram, Braham Nagar, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S, No. 2 tenants if any, and the

following occupants:—
(1) Shri Ram Saran S/o Sh. Ram Pat.

45 Rani-ka-Bagh, Amritsar.

(2) Shri Vijay Kumar S/o Sh. Ram Pat.

45 Ranl-ka-Bagh, Amritsar. (3) Shri Behari Lal S/o Sh. Raj Dutt.

Rani-ka-Bagh, Amritsar.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar, measuring about 400 sq. yds., as mentioned in sale deal No. 4868 dated 1-7-1983 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Annitsar.

Date: 13-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramprakash S/o Lala Motiram Kapoor, R/o 2422, Luniapura, Mhow.

(Transferor)

(2) Shri Kishanchand S/o Longmal Sindhi. R/o 2517, Gokulganj, Mhow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4302.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, Garden No. 106-A situated at Luniapura, Indore Road, Mhow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Mhow on 21st July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to the property and I have the property as aforesaid to the property and I have the property as aforesaid to the property and I have the property as aforesaid to the property as aforesaid to the property and I have the property as a forest the property and I have the property as a forest the property and I have the property as a forest the property and I have the property a said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Garden No. 106-A situated at Indore Road, Luniapura Mbow.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhopal

Date: 23-2-1984. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaki property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4303.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. House No. 7, Ward No. 9 situated at Sagod Road, Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ratlam on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer will, the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

48-36GI/84

(1) Dr. Smt.) Madhuri Sharma W/o Shri Suryadeoji Sharma

Suryadeo S/o Hardayal Sharma
 Nardev S/o Hardayal Sharma R/o House No. 7, Ward No. 9, Sagod Road,

(Transferor)

1. Shri Haji Moh, Hussain S/o Moh, Tayabali
 2. Haji Sugrabai W/o Smi Mohd, Hussain R/o House No. 7, Sagod Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7, Ward No. 9 situated at Sagod Road, Ratlam.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 23-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4304.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.
Property No. 2, situated at Rao Raja Park, Mahatma Gandhi

Marg, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemore said exceeds the apparent consideration therefor by than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the 'ollowing persons, namely :--.

- (1) Sou. Danshila Iady Kanchanbai Trust, Indore Tarfe Trustee Shij Raja Bahadur Singh Kasliwal S/o Shij Seth Rajkumar Singh ji Kasliwal R/o 3, Mahatma Gandhi Marg, 'Indra Dhawan', Indore.
- (Transferor) (2) Smt. Veena W/o Shri Pramod Kathucia, R/o Saket Nagar, Indore. 2. Shri Darshanlal S/o Shri Amichandji Dabur, R/o 73, Kanchanbag, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publleation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of the property No. 2 situated at Rao Raja Park, Mahatma Gandhi marg, Indore. This comprises of the land and building. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferees.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-2-1984.

Sepl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1984

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/4305.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Bhawan No. 2, situated at Mahatma Gandhi Marg, Rao Raja Park, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Indore in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Sau: Danshila Lady Kanchanbai Trust Indoro Tarfe Trustee Shri Rajabahadur Singh S/o Shri Seth Rajkumar Singh ji Kasliwal R|o 3, Mahatma Gandhi Marg, 'Indra Bhawan', Indore,
- (2) Shii Deepak Kumar S/o Shri Darshanlal n Dabar, R/o 73, Kanchanbag, Indore.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) 1. Jalam Singh Palam Singh
 - 2. Nathuji Verji
 - 3. Rajaram Kishanji 4. Raba Sirah Ram Sira
 - 4. Babu Singh Ram Singh 5. Shanker Ial Kishan Ial
 - Rajaram Kishan lal
 Rajaram Kishan lal
 - 8. Ganesh Mohan Ganga Ram
 - 9. Maganlal Gurdharilal
 - 10. Anadilal Lalchand
 - 11. Anandilal Lalchand
 - 12. Sumerchand Pannalal.

(Person(s) in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of the property No. 2 situated at Rao Raja Park, Mahatma Gandhi Marg, Indore. This comprises of the land and building. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transfeee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building T. I. Nagar.
Bhonal

Date: 23-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Chandrashekhar S/o Shri Bhanwarlal ji Dagdi, R/o Radhanagar Colony, Indore.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Shri Rasikial Dave S/o Trikamji Dave,
 Smt. Saraswati Ben W/o Trikam Dave,
 R/o 20/2, Ravji Bazar, Indore.

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4307.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. One storied House on Plot No. 47 situated at Indira Gandhi Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Indore on 15th July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the tramfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One storied house constructed on plot No. 47 situated at Indira Gandhi Nagar, Iindore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 23-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4308.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Municipal No. 98, situated at Dhan Mandi, Mahatma Gandhi Marg, Badnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

- Shri Phoolchand S/o Javarchandji
 Mu. Sunderbat W/o Phoolchand
 Soubhagmal S/o Phoolchand
 Lalitkumar S/o Soubhagmalji

 - 5. Nirbhaykumar S/o Soubhagmalji R/o Indote. (Transferor)
- (2) I. Shri Abdul Sattar Mohd Isaq Sons of Hahibuksh, Rlo Badnagar, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 98 situated at Dhan Mandi, Mahatma Gandhi Marg. Bad Nagar.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-3-1984

(1) Shri Balkrishanrao S/o Chhotuji Jadhav, R/o 27. Kamthipura, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Shyamlal S/o Gopilalji Khati, R/o Kamthipura, Indore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX D. Nath 8x8x20 Dt. 10-5-84. J. 36G1/84. P. 197-211. Fr.21 ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4309.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Land: S. No. 96 situated at Village Kumredi Distt. Sanwer

Distt. Sanwer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanwer in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 96 situated at Kumredi Village, Distt. Sanwer.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 23-2-1994.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4310,-Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 99 situated at Gram Kumredi,

Distt. & Teh. Sanwer.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Sanwer in 23rd July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt, Manoramabai W/o Shankerrao, Rajendrarao, Shankerrao, Jadhav R/o 27, Kamathipura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramswaroop S/o Gopalji Khati, R/o Kaheet Khedi, Indore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 99 situated at Village Kumredi Teh. Sanwer.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-2-1984.

FORM ITNS....

(1) Shri Chandrasenrao Chinotuji Jadhav, R/o 27, Kamathipura, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mohanral Gopilalji Khati, R/o Kabeet Khedi, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acon/Bpl/4311.Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 96 99 situated at Village Kumtedi Teh, Sanwer.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sauwer on 23rd July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the data of publication of this soties in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 96, & 99 situated at Village Kumredi Teh. Sanwer,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building T. T. Napar,
Bhopal.

Date: 13-3-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Manikrao S|o Chhotuji Jadhav R/o 27, Kamathipura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ganeshlal Gopilalji Khati, R/o Kabectkhedi, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4312.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Land Kh. No. 98, 99 situated at Village Kumredi Teh. Sanwer. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanwer on 23rd July, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing Kh. No. 98, 99 situated at village Kumredi Teh. Sanwer.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-2-1984.

Scal:

49-36GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th February 1984

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/4313.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Civil Lines, Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

of 1908) in the office of the Registering officer at Khandwa on 11th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Afzal Ahamad 2. Sultan Ahamad R/o Khadakpura, Khandwa.
- (Transferor)
 (2) Shri Seth Kedarmal S/o Ramlalji Khanelwal
 Mahajan, R/o Kallanganj,
 Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Civil Lines, Khandwa. This is the immovable property of which all the details are furnished in Form No. 37 and verified by the transferec.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 24-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4315.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot No. 82 & a house constructed thereon Indore situated at Indore Vikas Pradhikaran Yojna Kramank 31, Sarvodaya Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30th July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Premkumar S/o Tekchandji Moolchandani R/o 82, Sarvodaya Nagar, Indore.

(Transferor)

Shri Shivbhagwan S/o Anantmalji Parwal,
 Rameshkumar S/o Shivbhagwan Parwal,
 R/o S-82, Sarvodaya Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house constructed on Plot No. S-82 comprising 4 rooms 1 Kitchen & 1 Garage situated at Indore Vikas Pradhikaran Yojana Kramank 31, Sarvodaya Nagar, Indore

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotrl Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 24-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th February 1984

Ref. o. IAC/Acqn/Bpl/4316.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House-Municipal No. 12, situated at Old Palasia, Indore.

House-Municipal No. 12, situated at Old Palasia, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29th July, 1983.

officer at indore on 29th July, 1905, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dilipsingh Rathore S/o Shri Srimant Rana Saheb Bhimsinghji Rathore, R/o H. No. 12/3, Old Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Dr. Mohammad Ashfaq Ahmad S/o M. A. Rajjak Retired Justice, R/o 105, Saketnagar, Khajrana tarfe Adhikrat Aum Mukhtiyar Mohammad Iqbal S/o M. A. Rajjaq R/o 105, Saket Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House bearing Municipal Corpn. No. 12 situated at Old Palasia, 2-C, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 24-2-1984.

Dewas.

FORM ITNS

.(1) Shri Sattar beg S/o Chhotu beg Musalman, R/o Khari Bawadi, Dewas.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4317.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land Kh. No. 863 situated at Dewas Junior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Amit Nagar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Dewas M.P. th.rough President Shri

Rajendra Kumar Upadhyay R/o Bank Note Press,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 863 situated at Dewas Junior.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 24-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4318.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority

Officer at Dewas on July, 1983.

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Survey No. 857 situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sattarbeg S/o Chhotubeg Musalman, R/o Khari Bawadi, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Amit Nagar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Deswas M.P. Registration No. S.P.D. 366/12-8-81 tarfe President Shri Ranjendrakumar Upadhyay R/o Bank Note Press Colony, Dewas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 857 situated at Dewas Junior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 24-2-1984.

(1) Shri Hariram S/o Nirmaldas Maryani R/o 3/2, North Harsidhhi, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Daulatram S/o Shri Sachanand Karmoni R/o Bada Ganpati (M. G. Road) 27, Sarla Nagar, Mehar Distt. Satna.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 24th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4319.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on Plot No. 94 situated at Jai Jagatnagar Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28th July, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 94 situated at Jui Jagat Nagar Colony, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Acquisition Range Bhopal.

Date: 24-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4320.—Whereas, J, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 65, situated a Lala Lajpatrai Co. Housing Society, Govindpura, Bhopal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering.

Officer at Bhopal on 1st July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sukhdeo Boolchandani S/o Daryanomal R/o Bairagarh, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh kumar S/o Kedarnath R/o Sonargiri, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 65 situated at Laia Lajpatrai Co. Op. Housing Society, Govindpura, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Acquisition Range
Phopal.

Date: 25-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4321.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. 41, situated at Lala Lajpatrai Co. Op. Housing
Co., Shahpur, Bhopal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 21st July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transferi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 4

50-36GI/84

(1) Shri Ramgopal S|o Shri Nandram R/o 3, Shimla Road, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri L. S. Agarwal S/o Shri Gopinath, R/o 3, Shimla Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-- .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 41, situated at Lala Lajpatrai Housing Co., Shahpur, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T Nagar, Bhopal..

Date: 25-2-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th March 1984

Ref. No. IAC/Acqri/Bpl/4322.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land: Kh. No. 130149 situated at Lukhali C. E.

Jand: Kh. No. 130 49 situated at Lakholi, G. E.

Road, Rajnandgaon.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering

Officer at Rajnandgeon on 15th July, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-r

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Prabhakarrao S/o Dawajirao Aum Mukhtiyar Tarfe, Smt. Rukmani Devi W/o Pandharirao Mohte., 2. Dattajirao 3. Narayanrao Both sons of Shri Madhavrao Mohite, R/o 29, Ganis Pet, Poona, No. 2, Maharashtra.

(Transferor)

(2) Shri Neeraj Kumas S/o Shri Devendrakumat Patel, R/o G. E. Road, Rajnandgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the samt meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 130|49 situated at Village Lakholi Distt. Rajnandgaon.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-3-1984.

(1) Shri Ramgopal S/o Tularam R/o Korbo.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ghanshyamdas S/o Manikmel, Rlo Korba.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4323.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Double storied house and Land Kh. No. 497/28 situated at Main Road, Korba. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Korba on 26th July, 1908 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 497/28 and double storied house situated at Mouja Korba. This is the immovable property details of which are described in form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:---

Date: 5-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th March 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4324.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Land situated at Mouja Telibandha, Teh. Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Raipur on 4th July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ramoti Joje Chaitu Kalar Kastkar, R|o Gram Telibandha, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Srikanta Kothari Joje Shri Shankerdas Kothari, R/o Civil Lines, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Telibandha Teh. Raipur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 5-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Annapurna Anna Kshetra Trust Board Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Shyamsunder So Badrinarayan Rathi. R/o Do Batti, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpi/4327,-Whereas, 1,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House: Municipal No. 14|85 situated at Freeganj, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering
Officer at Ratlam on July, 1983.
for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the follow-

ing persons, namely :---

THE SCHEDULE

A part of House-Municipal No. 14/85 situated at Freegani. Ratlam.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar

Date: 7-3-1984.

(1) Shri Annapurna Anna Kshetra, Trust Board, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Naval Kishore S/o Shri Narayanji Rathi, R/o Do Batti, Ratlam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVÉRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4328.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of House-Municipal No. 14|85 situated

at Freeganj, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ratlam on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Part of house-Municipal No. 14/85 situated at Freeganj, Ratlam. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transfree.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhoapl.

Date: 7-3-1984.

Seal ¹

(1) Shri Sushil Jain S/o Shri Rajmalji Jain, R/o 81, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4329.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing House Constructed on Plot No. 97 simulated at Saket Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule armexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Indore on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Sarveshkùmar Garg S/o Maniklalji Garg, R/o 89, Jaora Compound, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 97 situated at Saket Nagar, Indore (A part of house).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building T. F. Nagar,
Bhoapl.

Date: 13-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4330.—Whereas, I, D. P. PANTA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
I.and: Kh. No. 133, 134|3, 134|4, 135|2, 135|3 situated at Mauja Khapabhatt Chhindwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering
Officer at Chhindwara on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor I than infteen per cent of such apparent consideration the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said in of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Laxmidevi Sarkar Joje W/o Shri Manish chandra Sarkar, R/o Shyam Talkies, Narsinghapur Road, Chhindwara.

(Transferor)

(2) Shri Ganesh Karmachari Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Khapabhatt, Chhindwara through President Shri S. R. S. Raghuvanshi Office—Assistant Registrar Co. Op. Societies, Civil Lines, Chhindwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

IPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Kh. No. 133, 134|3, 134|4, 135|2, 135|3, situated at Mouja Khapabhatt, Chhindwara. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transfree.

D. P. PANTA
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhoapl.

Date: 7-3-1984,

 Shri Somnath Minocha S/o Shri Pyarelal Minocha, R/o Chhota Bazar, Chhindwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ganesh Kermachari Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit Chhindwara, through Chairman.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P. Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4331.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land: Kh. No. 134|1, 135|1,

situated at Mouja Khapabhatt, Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Chhindwara on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

51--36GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same useaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 134/1, 135/1 situated at Mouja Khapabhatt, Chhindwara. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1984

FORM ITNS----

 Smt. Laxmidevi Sarkar W/o Manish Sarkar, Shyam Talkies, Narsinghpur Road, Chhindwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

9470

(2) Shri Ganesh Karmachari Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Khapabhatt, Chhindwara.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 7th March 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4332.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land: Kh. No. 133, 134/3, 134/4, 135/2, 135/3, situated at Mouja Khapabhatt, Chhindwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 133, 134|3, 134|4, 135|2, 135|3 situated at Monja Khapabhatt, Chhindwara. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. JAC Acqn Bpl 4333.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land: Kh. No. 134|1, 135|1, structed at Movie Khershhat. Chhindrens

situated at Mouja Khapabhatt, Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Chhindwara on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Sheelabai Raghuvanshi W/o Shri Ramsingh Raghuvanshi, R/o Sivni Road, Chhindwara.

(Transferor)

Ganesh Karmachari Grih Nirman Sahkari (2) Shri Samiti Maryadit, Khapabhatt, Chhindwara.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 134/1, 135/1 situated at Mouja Khapabhatt, Chhindwara. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferec.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4334.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding is. 25,000/- and bearing fouse No. 438/D/1 constructed on Plot No. 197/1

situated at Manmohan Nagar, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereo), has been transferred

of the Registering Officer at

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Jabalpur on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Badri Vishal Tandon S/o late Ram Mohandas Tandon R/o 33, Dayanand Marg, Allahabad through Mukhtiyare Aum M. L. L. Khanna S/o Shri S. L. Khanna R/o 56, Rani Mandi, Allahabad at present Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sadhna w/o Shri Manoharlal Agarwal, R/o Bhanu Tallaiya, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by anyy other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and house No. 438/D/1 constructed on Plot No. 197/1 situated at Manmohan Nagar, Jabalpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferec.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1984

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4335.—Whereas, I, D. P. PANTA,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 438|A|1 on Plot No. 137|1 situated at Manmohan Nagar, Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jabalpur on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harimohandas Tandon So late Shri Lala Manmohan Tandon Ro Rani Mandi, Allahabad Through Mukhtiyare Aum M. L. L. Khanna S/o Shri S. L. Khanna R|o 56, Rani Mandi, Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Devi W/o Shri Kishanlal Agarwal, R/o Bazar Ward Patan, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and house No. 438|A|1 on Plot No. 137|1 situated at Manmohan Nagar, Jabalpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1984

PORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4336.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 438|A|2 on Plot No. 137|2

situated at Manmohan Nagar, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Harimohandas Tandon So late Lala Manmohandas Tandon R|o Rani Mandi, Allahabad. Through Mukhtiyare Aum M. L. L. Khanna S/o Shri S. L. Khanna Rlo 56, Rani Mandi, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramratan Chourasiya So late Sukhalal Chourasiya, R/o Dikshitpura Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and house No. 438|A|2 on Plot No. 137|2 situated at Manmohan Nagar, Jabalpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T, T, Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4337.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing House No. 438/D/2 on Plot No. 197/2 situated at Manmohan Nagar, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

(1) Shri. Badrivishal Tandon So late Rammohandas Tandon Rlo 33, Dayanand Marg, Allahabad. Through Mukhtiyare Aum Shri M. L. L. Khanna S/o Shri S. L. Khanna R/o 56, Rani Mandi, Allahabad

(Transferor)

(2) Smt. Nonibai Wlo Shri Chbotelal Agarwal, Bazar Ward, Patan, Jabalpur. 2. Smt. Vimaladevi W/o Shri Kishanlal ji Agarwal, R/o Patan, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and house No. 438|D|2 on Plot No. 197|2 situated at Manmohan Nagar, Jabalpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4338.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 402 constructed on plot No. 4/1 situated at South Civil Lines, Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering officer at Jabalpur on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Padma Binani Family Trust, Estate Raja Gokuldas Palace, Hanumantal, Jabalpur through trustee Shri Chandramohan s/o Manmohandas, Hanumantal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Lt. Col. Sharadkumar Verma S/o Shri K. D. Verma R/o Military Hospital Silchar, Napier Town, Opposite Bhanwartal Garden. Jabalpur.

(Transferce)

M/s. Ceat Tyres, H. No. 401, South Civil Lines, Jabalpur,

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 402 constructed on Plot No. 41, Block No. 33 situated at South Civil Lines, Jabalpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T, T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4339.—Whereas, I.

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of House No. 401, Plot No. 4/1 sifuated at Civil Lines, Jabalpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Labelpur on July 1983

Jabalpur on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

52-36GI 84

(1) Padma Binani Family Trust, Estate Raja Gokuldas Palace, Hanumantal, Jabalpur through Shri Chandramohandas Hanumantal, Jabalpur,

(Transferee)

(2) Smt. Chandra Srivastava, R/o Generalgani, Jabalpur.

(Transferee)

(3) Shri K K. Trivedi, H. No. 401, South Civil Lines, Jabalpur.

(Person(s) in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 401 constructed on Plot No. 411, Block No. 33 situated at South Civil Lines, Jabalpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building,
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1984

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAI'S

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4340.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. House No. 1309/A situated at Wright Town, Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

In the Registering officer at Jabalpur on July, 1983 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 1860 are represent as a positive and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer much the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Dr. M. P. Gupta S/o Harprasad Gupta, R/o Napier Town, Javalpur.

(2) Sh. Dev Ashish Gupta Minor S/o Shri Dr. M. P. Gupta, 1309|A, Wright Town, Jabalpur through mother Guardian Smt. Usharani Gupta W/o Dr. M. P. Gupta.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd interest in House No. 1309/A situated at Wright Town, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building. T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4341.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing

Plot No. 71 situated at Anoop Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chanderani woo late Shri Nagendralalji Pabbi, R/o House No. 10, Maharani Road, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Shantilal Patel So Shri Narayanjibhai, R/o 17, Diamond Colony, Indore.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 71 situated at Anoop Nagar, Indores

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building.
T. T. Nagar, Bhipal.

Date: 8-3-1984

Soul :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4342.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/r and bearing

Plot No. 34 situated at Anoop Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishanlal Mukundlalji Khanna R/o 85, Vallabh Nagar, Indore.
- (Transferor)
 (2) Shri Ashok Kumar s|o Shri Harvanshlal Chopra,
 R/o 10, Janki Nagar, Annex, Indore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34 situated at Anoop Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,. ACQUISITION RANGE-I

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4343.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House,—Muncl. No. 4, situated at Maharani Road, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramnivas 8/o Shri Laduramji Sharma, R/o 28, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

- Shri Ishwardas.
 Shri Jitendrakumar So Shri Mewaldas Sadhwani,
 - 3. Tulsibal w/o. Mevaldas.
 - 4. Nitubai w/o Shri Prem Prakash Sadhwani,

R/o 57, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Muncl. No. 4 situated at Maharani Road, St. No. 1, Indore (Land and constructed area).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhipal.

Date: 8-3-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4344.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing House No. 23 situated at Peergali, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concenhment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Shri Vishwanath s/o Balkrishna Bhatt, R|o 23, Peor Gali, Indore.

2. Neelkanth s/o Balkrishna Bhatt. R/o Dambiwali, Distt. Thana Yeshwant s/o Balkrishna Bhatt, R/o Farjat Distt. Raigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Chanda wo Purshottamlal Khandelwal, R/o 212, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23 situated at Peergali, Indore. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4345. Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

House No. 23 situated at Peer Gali, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Shri Vishvanath s/o Balkrishna Bhatt, R/o 23, Peergali, Indore 2. Neelkanth s/o Balkrishna Bhatt, R/o Dombiwali Distt. Thana 3. Yeshwant s/o Balkrishna Bhatt, R/o Farzat Distt. Raigarh.

(Transferor)

(2) Shri Sushilkumar s|o Shri Purshottamlal Khandelwal 2. Shri Pradecpkumar so Shri Purshottamlai Khandalwal. Rlo 212, Mahatma Gandhi Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23 situated at Peergali, Indore. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1984

(1) Smt Soubhagyawati Nathibai w/o Shri Krishnagopalji Gupta, R/o Vidisha.

(Transferor)

(2) Smt. Soubhagyawati Pushpabai w/o Shri Omprakashji Gupta 2. Sou Sunitabai Woo Soyam Prakash Gupta, R/o 65, Ramganj, Indore.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4346.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 313 situated at Mahatma Gandhi Marg. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act,

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House bearing Muncl. No. 313 situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4347.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House constructed on Plot No. 1018 situated at Khatiwala Tank, Indore,

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /ur;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—36GI|84

(1) Sri Sudhakar Vishwashrao Holkar, R/o 3/1, Harsiddhi North, Indore.

(Transferor)

2) Smt, Kamalabai w/o Kailashchandra Garg, R/o 80, Sir Hukumchand Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of House constructed on plot No. 1018 situated at Khatiwala Tank, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 8-3-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT- COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4348.—Whereas J,

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/4548.—whereas 1, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. House on plot No. 1018 situated at Khatiwala Tank, Indore Vikas Pradhikaran Yojna Kramank 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Sudhakar Rao Heikar, R/o 3, Harsiddhi North, St. No. 1, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlabai Garg w/o Shri Kailashchandra Garg, R/o 80, Hukumehand Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 1018 situated at Indore Vikas Pradhikaran Yojna Kramank 44. Khatiwala Tank, Indore, (A part of house).

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4349.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Muncl. No. 11 (Old) No. 7 (New) situated at Malganj, Shahid Bhagat Singh Marg, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrì Gordhan Chouhan s/o Shrì Mukundramji Chouhan House No. 2, Lodhipura, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Soubhagyawati Indirabai w/o Shri Brijmohanji Bhati. R|o House No. 62, Malganj, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Muncl. No. 11 (Old) New No. 7 situated at Shahid Bhagat Singh Merg, Malganj. Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Kishanchand s/o Narsumalji, R/o 112, Katju Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gendalal s/o Shri Hiralalji, R/o 19/1, Mahcsh Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn|Bpl|4350.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 15 situated at Krishi Upaj Mandi (Navin Prangan), Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under, subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as nre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown on ground floor and one coom on first floor constructed on Plot No. 15 situated at Krishi Upaj Mandi (Navin Prangan) Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1984

Rcf. No. 1AC/Acqn/Bpl/4399.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House constructed on plot No. 963 situated at Khatiwala Tank, Scheme No. 44, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Indore on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jamunaprasad S/o Shri Kishandayalji Sahu, R/o 11, Hemson Colony, Indore,

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Samrathmalji Jain R/o Kusba Sanwer Teh. Sanwer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thest Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 963 situated at Khatiwala Tank, Scheme No. 44, Indore (Part of House).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: '8-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4400.—Whereas, I. D. P. ANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of The Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House constructed on Plot No. 5/35 situated at Mahesh Nagar Colony, Indore.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

in Indore in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Sawarmalji 5/o Harkishanji Solanki tarfe Khas Mu. Sitaram S/o Shri Harkishanji Solanki R/o 5/35, Mahesh Nagar, Indore.
- (Transferor)
 (2) Delhi Kanpur Godiya Carrier Registered Sanstha
 Tarfe Partner Ashok Kumar Bhatia S/o Shri
 Ramswaroopji Bhatia R/o 133/219—A, Transport
 Nagar, Kanpur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that; Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 5/35 situated at Mahesh Nagar Colony, Indore (Part of House).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income_tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 8-3-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4401.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House Muncl. No. 6/398, New No. 27 situated at Kamla Nebru Marg, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act. 1922 (1) of 1922) or the said. Act. or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Shantibai W/o Champalalji Mahajan through Mukhtiyare Aum Jiwanlal S/o Pannalal R/o Madhav Nagar, Ujjain,

(Transferor)

(2) Smt. Shardabai w/o Jiwanlal R/o Kamla Nehru Marg, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Muncl. No. 6/398, New No. 27 situated at Kamla Nehru Marg, Freeganj, Ujjaln.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 8-3-1984

(1) Shri Bhogilal s/o Rampratap Agarwal, r/o Budhwariya Hat, Ujjain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arunkumar s/o Bhogilalji Mittal, R/o Dalu Modi Bazar, Ratlam.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/4402.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House Muncl. Corpn. No. 111 situated at Budhwariya Hat, Sati Marg, Ujjain. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at

Ujjain on July 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House bearing Muncl. Corpn. No. 111 situated at Budhwariya Hat, Sati Marg, Ujjain,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1957 (27 of 1957); (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of a aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-3-1984

(1) Garg Ginning & Pressing-factory Dhamnod Partner Shri Vitthaldas S/o Narayanlal Garg, R/o Dhamnod

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4403.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Dhamnod (and more fully described in the Schulderstein).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer

54-36GI|84

at Dharampuri on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namelyObjections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(2) Shri Arunkumar S/o Nandkishore Agarwal, R/o Bus Phatak, Teh. Rajpur.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Dhamnod,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-3-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn. [Bpl|4404.—Whereas, I, D. P. PANTA,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-rnd bearing

No. Plot situated at Dhamnod

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharampuri on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Garg Ginning & Pressing factory Dhamnod Partner Shri Vitthaldas S/o Narayanlal Garg, R/o Dhamnod.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra S/o Gajanand Agarwal, R/o Nigrani Teh, Karabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Dhamnod,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-3-1984.

FORM NO. ITNS-

R/o Dhamnod.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Narmadbai W/o Shivshanker Agarwal, R/o Mundrel.

(1) Garg Ginning & Pressing factory Dhamnod Partner Shri Vitthaldas S/o Narayanlal Garg,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th March 1984

Ref. No. AC/Acqn/Bpl|4405.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Dhamnod

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmpuri on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Dhamnod.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhonal.

Date: 9-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4406.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Dhamuod

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dharmpuri on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Garg Ginning & Pressing factory Dhamnod Partner Shri Vitthaldas S/o Narayanlal Garg, R/o Dhamnod.

(Transferor)

(2) Shri Rajeshkumar S/o Mohanlal Agarwal. R/o Bus Phatak Teh. Rajpuri

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Dhamnod.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Cangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-3-1984.

FORM TINS-

(1) Garg Ginning & Pressing factory Dhamnod Partner Shei Vitthaldas S/o Narayanlal Garg, R/o Dhamnod.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Prahladdas S/o Ramchandra Agarwal, R/o Nimrani Tch, Kasrawad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4407.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Plot situated at Dhamnod
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Dharmpuri on July, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Plot situated at Dhamnod.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4408.---Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Dhammod (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Dharampuri on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Garg Ginning & Pressing factory Dhamnod
Partner Shri Vitthaldas S/o Narayanlal Garg,
R/o Dhamnod.

(Transferor)

(2) Shri Hahavir Prasad S|o Shri Ramswroop Agarwal, R|o Nimrani Teh. Kasrawad,

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Dhamnod,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-3-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4409.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 2698 of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe referred that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Kalidas Marg, Mandsaur

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at

Mandsaur in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) (1) Shri Kurban Hussain Pisran Gulamali Bohra,
 - (2) Shri Rajabali Pisran Gulamali Bohra, (3) Shri Ishaqali Pisran Gulamali Bohra. Rio Mandsauc

(l ransferor)

(2) (1) Shri Kamlakumar So Shri Kesarimalji Talera,
(2) Shdi Surajmal So Shri Kesarimalji Talera,
(3) Shri Sureshchandra So Shri Shantilal Talera,

R|o Mandsaur

(Transferec)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and shop situated at Kalidas Marg, Mandsaur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferce,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagur, Bhopal.

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4410.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Mandsaur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mandsaur on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Shri Kurban Hussain Pisran Gulamali Bohra,

(2) Shri Rajabali Pisran Gulamali Bohra,(3) Shri Ishaqali Pisran Gulamali Bohra,

Rlo Mandsaur

(Fransferor)

(2) (1) Shri Kamlakumar So Shri Kesarimalji Talera,

Shri Surajmat So Shri Kesarimal Talera, (3) Shri Sureshchandra So Shri Shantilal Talera,

R o Mandsaur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated at Mandsaur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4411.—Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land: Kh. No. 377 8, 377 2, 378 4, 379, 386 1 situated at Mahupura, Shajapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Shajapur on July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--55-36GI|84

(1) Shri Hakimuddin S/o Mohd, Hussain Bhai Daudi Bohra Hall R/o Kochin (Kerala State) Gram Mahupura, Shaiapur.

(2) Shri Fakhruddin So Mohd, Hussain Bhai Daudi Bohra, Agra Bombay Road, Mahupura, Shajapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 377/8, 377/2K, 378/3, 378/4, 379, 386 1 situated at Gram Mahupura, Shajapur:

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-3-1984,

FORM ITNS.

(1) 1. Shri Arjunsingh s|o Shri Ratansinghji, 2. Sajjan Kunwarbai w|o Shri Ratan Singhji Rajpoot R/o Dharad, Ratlam.

(I ransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sohanlal s/o Kishanlalji Agarwal R/o Mohalla Dhanmandi, Ratlam.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4412.—Whereas I,

D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land: Kh. No. 772 situated at Gram Dharad Distt. Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at

Ratlam in July, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following חרופות Latuell to(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 772 situated at Gram Dharad Distt. Ratlam. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-3-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P. Bhopal, the 12th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4413.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land: Kh. No. 772 situated at Gram Dharad Distt. Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Arjunsingh s|o Shri Ratansinghji,
 Sajjan Kunwarbai w|o Shri Ratansinghji Rajpoot,
 R/o Dharad, Ratlam.
 - (Transferor)
- (2) Shri Rajkumar (Minor) Guardian father Sohanlal Kishanlalji Aagarwal, Dhanmandi, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Kh. No. 772 situated at Gram Dharad Distt. Ratlam. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhogal.

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4414.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Land Survey No. 772 situated at Gram Harad Teh. Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the acid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Shri Arjunsingh s|o Shri Ratansinghji,
 Sajjan Kunwarbai w|o Ratansinghji,
 R/o Dharad, Ratlam.

(Transferor)

2. Sajjan Kunwar woo Shri Ratansinghji, R/o Dhan Mandifi, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that.

Chapter.

THE SCHEDULE

Land beargin Survey No. 772 situated at Gram Dharad Teh. Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-3-1984

(1) Maksood Ahemad solution Solution Road, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ibrahim Abbashhai Bohra Rawatiwala, Rlo Chandni Chowk, Ratlam.

(Iransferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P. Bhopal, the 13th March 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC Acqui Bpl 4415.—Whereas, I, / D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing.

No. Part of Plot, Plot No. 6 situated at Lokendra Bhawan

Company (Mitta Nivas Boad) Petlam

Compound (Mitra Nivas Road) Ratlam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratiam on July, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of plot, plot No. 6, situated at Lokendra Bhawan Compound (Mitra Niwas Road), Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

(1) 1. Shri Vardman 2. Dhanraj s/o Rakhabchandji Behta, R/o Mohalla Nolaipura, Ratlam.

(Transferor)

2. Shri Dhanraj slo Shri Rakhabchandji Mehta, R/o Mohalla Chandni Chowk, Ratlam,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4416.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaue exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open land Muncl. No. 316 situated at Opp. Nolaipura,

Sukhvalo Ka Vas, Ratlam.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ratlam on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid pdoperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than creeds the apparent consideration interest by hold that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Muncl. No. 316 situated at Mohalla Opp. Nolaipura, Sukhvalo ka Vas, Ratlam,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4417.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land: Kh. No. 6 situated at Gram Itava Teh. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been wruly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madhavsingh so Shri Radhakishan Thakud, R/o Gram Itava, Teh, Dewas.

(Transferor)

(2) Vikram Nagar Grih Nirman Sahkari Saastha Maryadit traffe President Girish Narayan Bajpai, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 6 situated at Gram Itava, Teh. Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4418.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Kh. No. 319/4 situated at Dewas Junior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following respons, namely:—

Shri Purushottam
 Ro Ramachandra Chouhan,
 R/o 59, Khari Bawadi, Dewas.

(Transferor)

- (2) M/s Agarwal Land & Finance Company Tarfe Partners
 - Omprakash s/o Mohanlalji Bansal r/o Dewas
 - Premkumar s/o Satyanarayan Agarwal r/o Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period *xpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 819/4 situated at Dewas Junior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal,

Date: 13-3-1984

- (1) Shri Laxminarayan 5/0 Nandkishoreji, R. o 24/1, Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Palasia Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Balmukund s/o Chhabbalal Jaiswal, R/o Pipariya, Hoshangabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC: Acqn/Bpl / 4419. - Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

House No. 25|1 situated at Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Palasia Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the "mosfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
56—36G184

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 25/1, situated at Dr. Roshansingh Bhandari Marf.fi Palasia Colony, Indore,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Runge
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAI.

Date: 13-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Laxminarayan So Shri Nandkishore, Rlo 26/2, Nanda Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sudhna w/o Balmukund alias Girjabai, Ro 599, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/1420,---Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House constructed on plot on 7 situated at

Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Palasin Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been

transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Indore on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House constructed on Plot No. 7 situated at Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Palasia Colony, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1984

FORM 17N5----

- Harishchandra slo Shri Dhonnalal Gadwal, Shikshal R/o Lalbag Teh, Burhanpur.
 - (Transferor)
- 1. Shti Motilal Bastimal Jain
 2. Shri Jivraj sjo Shri Khemraj Devdai,
 R/o Lalbag, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bbl/1421.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land: Kh. No. 32/2. Sheet No. 26. Plot No. 59,

situated at Gram Labon Jeh, Burhanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Burbanpur on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used begein a re defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential land bearing Kh. No. 32/2. Sheet No. 26, Float No. 59 situated at Gram Lalbag (Mal), Burhanpur.

(D. P. PANTA)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subspection (1) of Section 269D or the said Act to the following mely:—

Date: 12-3-1984,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4422.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House on plot No. 14 situated at Moon Palace Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to: such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Omprakash s/o Shri Chhogalalji Bansal, R/o 7, Teli Bakhal, Indore.
 Shri Radheshyam s/o Shri Mitthulalji Bansal, R/o 33, Daliya Patti, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Babulal s/o Shri Hemuajji Chhajed, R/o 8. Vitheleshrai Market, M.T. Cloth Market, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 14 situated at Moon Palace Colony, Indore (Part of a house).

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 12-3-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th Match 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4423.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House on plot No. 14,

situated at Moon Palace Colony, Indorc.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer wish the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Omprakash s/o Shri Chhogalalji Bansal, R/o 7, Teli Bakhal, Indore. 2. Shri Radheshyam s/o Shri Mitthulalji Bansal, R/o 33, Daliya Patti, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Soubhagyawati Madhukanta Chhajed w/o Shri Babulalji R|o 4|8, Vithleshrai Market, M.T. Cloth Market, Indore.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 14 situated at Moon Palace Colony, Indore (Part of a house).

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1951 (43 OF 1961)

(1) Shri Radheshyam s/o Shri Mitthulalji Bansa, R/o 33, Daliya Patti, Indore. 2. Shri Omprakash s/o Chogalalji Bansal, R/o 7, Teli Bakhal, Indore,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Babulal Chhajed s/o Shri Hemiajji Chhajed, R/ 4/8, Vithaleshiai Market, M.T. Cloth Market, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th March 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4424,---Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House on plot No. 14,

situated at Moon Palace Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House constructed on plot No. 14 situated at Moon Palace Colony, Indore (Part of a house).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1984,

FORM ITNS----

(2) Shri Kaniram 8/0 Jugtam Chouhan Rajpoot, R/o Gram Badiiveda. Teh. Burhanpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Prakash 2. Dilip 3. Srikant 4. Pradip all sons of Shri Shankermo Pathil Leve Pathil R/o Gram Dabhiyarveda Teh. Burhanpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4425.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), nave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Land (New) No. 118 situated at Gram Badirveda Teh. Burhanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registernig Officer at Burhanpur in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 118 (New) situated at Gram Badirveda Teh. Burhanpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferce. This land consists of Well, motor pump and trees.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984.

FORM ITNS----

 Shri Javarchand 3/0 Lalchand Bhabhore, R/0 Shahpur Teh. Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mahajan R.o Shahpur Teh. Burhanpur, (Transferce)

(2) 1. Shri Rajarum 2. Digamber slo Shri Mansaram

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4426.---Whereas 1. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'seid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land: Kh. No. 1468, situated at Gram Shahpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 1468 situated at Gram Shahpur Teh. Burhanpur. This land contains Well, Motor pump pipe line and trees. This is the immovable property detailed of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. 1. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 13-3-1984,

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. 1AC/Acqu/Bpl/4427.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing Land: Kh. No. (new) 100 Gram Nimbola Teh. Burhanpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Burhanpur in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
57—36GI|84

(1) Shri Champalal Slo Shri Kisandas Patidar, R/o Sindipura, Burhanpur.

S/Shri

(2) 1. Sadanand Pawada Balchand Patel,

2. Prabhudas s/o Sadanand Patel,

3. Bhagwandas s/o Sadanand Patel,4. Chandrakant s/o Sadanand Patel,

 Smt. Sou. Shaukuntalabai w/o Sadanand Patel R/o Itwara, Burhanpur, No. 4 (Minor) Guardian father Sadanand s/o Balchand Patel R/o Itwara, Burhanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Kh. No. 100 (New) situated at Gram Nimbola Teh. Burhanpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/4428.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House constructed on Plot No. 783, situated at

Indore Vikas Pradhikaran Kramank 44, Khatiwala Tank,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

(1) 1. Shdi Omprakash s|o Farandas 2. Manjoo w|o Ashok Kumar tarfe khas Ms. Sundeidas Chuharmalji Ro 158, Palsikar Colony, Indore. Sunderdas so

(Transferor)
(2) M|s. Ahilya Mata Sewak Sangh Grih Niman Sanstha Maryadit, 23/3, Jawahar Marg, Indore tarfe Upadhyaksh Damjibhai Pragji r/o Toda North, In-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dats of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of house constructed on plat No. 783 at Khatiwala Tank, Indore Vikas Pradhikaran Youjna Kramank 44, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 13-3-1984.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4429.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land: Kh. No. 532/5, 537/1,537/2, 537/3, situated at Gram Sarvariya Maharaj Pargana Jawad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jawad in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Ratankunwar
 Woo Shri Bhuwanisinghji
 Ro Madhogarh Distt. Jaipur
 Rajasthan Hall Mukam Neemuch Cantt.,
 Pargana, Neemuch.

(Transferor)

(2) Shri Sagarmal S/o Shri Ratanlalji R/o Gram Sarvaniya Maharaj Pargana, Jawad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 532/5, 537/1, 537/2, 537/3 situated at Gram Sarvaniya Maharaj Pargana Jawad. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4430.—Whereas, I, D. P PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land: Kh. No. 532 5, 537 1, 537 2,

537|3, situated at Gram Sarvariya Maharaj Pargana, Jawad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jawad in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Ratankunwar
 Wo Shri Bhuwanisinghji,
 R/o Madhogarh Diatt. Jaipur
 Rajasthan Hall Mukam Neemuch Cantt.,
 Pargana, Neemuch.

(Transferor)

(2) Shri Surajmal S/o Shri Ratanlalji R/o Gram Sarvaniya Maharaj Pargana, Jawad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 532|5, 537|1, 537|2, 537|3 situated at Gram Sarvanya Maharaj Pargana, Jawad. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashok Kumar Slo Shri Diwanchan, Ro Gram Jamtara, Distt, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Ben W/ Shri Davaram Patel. R/o Napler Town, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4431.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bering

Maheshpur Distt, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Jabalpur in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later: pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 41/1-B constructed on Plot No. 41 situated at Maheshpur Distt. Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4432.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

House No. 40/1 on plot No. 40 situated at Mouja Maheshpur, Prem Nagar, Madan Mahal, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Shri Kishankumar
 S/o Shri Diwanchand
 R/o Jamtora Teh. Jabalpur
 through Tyagi Hotel, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shdi Dayaram S|o Shri Nanji Bhai Patel, through Shiv Shakti Saw Mill, Mahananda, Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 40/1 constructed on Plot No. 40 situated at Prem Nagar, Madan Mahal, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar Bhopal

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4351.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Land situated at Shanker Nagar, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 30th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Dheli Bal
W/o Shri Sudharu
2. Smt. Sukhwaribal
W/o Shri Bhukhau
3. Smt. Lalitabal
W/o Shri Pokhan
4. Smt. Champabai
W/o Shri Mohanlal
R/o Darba Distt. Raipur

(Transferor)

(2) Shri Sumatikumar S/o Shri Nathmal, R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Shanker Nagar, Raipur. This is the immovable property, details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43. OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4352.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Shanker Nagar, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 30th August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Dhell Bai W/o Shri Sudharu 2. Smt. Sukhwaribal W/o Shri Bhukhau 3. Smt. Lalitabai W/o Shri Pokhan 4. Smt. Champabai W/o Shri Mohanlal
 - W/o Suri Mohaniai R/o Darba Distt, Raipur.

(Transferer)

(2) Smt. Pyaribai W/o Shri Parasmal R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Shanker Nagar, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 6-3-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4353.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Shanker Nagar, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Raipur on 30th August, 1983

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or, other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---58-36GI 84

(1) 1. Smt. Dheli Bai

W/o Shri Sudharu 2. Smt. Sukhwaribai W/o Shri Bhukhau 3. Smt. Lalitabai

W/o Shri Pokhan
4. Smt. Champabai
W/o Shri Mohanlal R/o Darba Distt, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Rajendrakumar S/o Shri Parmod R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Shanker Nagar, Raipur. This is the immovable property, details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4356.—Whereas, I, D. P. PANTA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Khet No. 202, Kh. No. 5331 situated at Block Belha, under Muncl. Corpn., Bilaspur (and more fully described in schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bilaspur on 29th August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ramadhin Kashyap
 S/o Shri Baldeo Kashyap,
 R/o Telipara, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Dineshkumar Gupta S/o Shri Shivkumar Gupta, R/o Shiv Talkies, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 202, Kh. No. 533/1, Block Belha, under Municipal Corpn., situated at Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4357.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land Form No. 202, Kh. No. 533 1 situated at Block Behal, under Muncl. Corpn., Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 29th August, 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ramadhin Kashyap
 S/o Shri Baldeo Kashyap,
 R|o Telipada, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Munshiram Upveja S/o Shri Ramcharan Upveja, R/o Diparapara, Bilaspur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Farm No. 202, Kh. No. 533/1 (a part) situated at Block Belha, within the Muncl. Corporation, Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nugar, Bhopal

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

50 "大大江河东山东北,东西,大,"他们在江西北西州南部市西州西北西北西北西北西北西北西北西

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Nyas Sarvajanik Ramanand Ashram Gufa Mandir Lalghati, Bhopal through Mahant Narsinghdas Tyagi Shishya Narayandasil Tyagi.

(Transferor)

(2) Smt. Roopadevi W/o Shri Babulal R/o Lalwani Gali, Bhopal.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4359.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. 1, Kh. No. 85, 86, 126 86 situated at
Nayapura, Bhopal

Nayapura, Bhopai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 9th August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Kh. No. 85, 86, 126|86, situated at Nayapura, Bhonal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4360.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Kh. No. 234/1 situated at Gram Goura Teh. Huzur Distt. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 12th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—26GI/84

(1) Shri Prabhudayal S/o Shri Deviram Maina R/o Gram Goura, Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Shakti Bhawan Nirman Samagri Udhogik Sanstha Maryadit Bhopal through President Shri Rambabu Ladumal R/o T.T. Nagar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 234/1 situated at Gram Goura Distt. Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4361.—Whereas, L D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding k's. 25,00/- and bearing No.

Plot No. 22 situated at Lala Lajpatrai Housing

Co.op. Society Ltd., Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhopal on 26th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Sushila Chawla
 W/o Shri V. P. Chawla
 through Mukhtiyare Aum
 Shri V. P. Chawla
 S/o Shri A. N. Chawla
 R/o Rampur Colony, Jabalpur.

(Transferor)

(1) Smt. Tulsabai Gupta W/o Shrl S. L. Gupta, R/o Narsinghpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22 situated at Lala Lajpatrai Co. Housing Society Ltd., Shahpura, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4362.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 15, situated at C Sector, Kohefiza, Bhonal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at

Bhopal on 28th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) sacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ntice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Urdhanlal Mahadik Slo Shdi Radhamohan Mahadik R/o Barah Mahal, Shahajanabad, Bhopal through Mukhtiyarc Aum Smt. Anlta W/o Shri Shankerrao, R/o Barah Mahal, Shahajanabad, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. MayaW/o NandlalR/o Noormahal, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 15 'C' Sector situated at Kohefiza, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangetri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 27th February 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4290.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Land: Kh. No. 20/4, 10, 20/5, 20/6, 20/9, 51, 52 situated at Palda, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act

(in accordance with the procedure prescribed in Rule 48-DD of the Income Tax Rules 1962) and the statement of transact tion which has been registered under section 269-AB of the said Act in the office of Competent Authority at

Bhopal on Sep. 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 12 the following persons, namely:-

- (1) (1) Shri Laxminarayan,
 - (2) Shri Ramnarayan,
 - (3) Shri Badrinarayan, Sons of Pannalel Mahajan, R/o 68, Ushaganj, Main Road, Indore. (Transferor)
- (2) Radhaswami Satsang, BIAS, (Registered Society). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 20|4, 10, 20|5, 20|6, 20|9, 51, 52 situated at Gram Palda, Khandwa Road, Indore. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-EE,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Bhopal
> 4th Floor, Gangotri Building,
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-2-1984

(1) Shri Madhav Gosayi S/o Shri Srinivas Gosavi, R/o 10/2, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Phobal the 15th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4314.--Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 6, situated at Satya Sai Apartment, 10/2, South Tukogari Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been-transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48-DD of the Income Tax Rules 1962) and the statement of transaction which has been deemed to have been registered under section 269 AB of the said Act in the office of Competent Authority at

Bhopal on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for me acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

59 -- 36GI 84

- (2) (1) Dr. N. L. Goyal S/o Late Jeetmal Goyal,
 (2) Smt. Shantibai Goyal W/o Dr. N. L. Goyal,
 (3) Shti R. K. Goyal S/o Dt. N. L. Goyal,
 (4) Smt. Vijya Goyal W/o Shri R. K. Goyal, All R/o 10/2, Murai Mohalla, Sanyopitagani, Indote.

(Transfetce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on Second Floor of the Property at 10/2, South Tukoganj, Indore known as Satya Sai Apartments. This is the immovable property described in the 'Agreement for sale', said to have been signed on 1-7-1983 by th transferor and the transferees, which was submitted alongwith the Form No. 37FF verified by the transferor and the transferees.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Bhopal
> 4th Floor, Gangotri Building,
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 15-3-1984

(1) Shri Jagannath S/o Shri Bhagwanji, R/o Gram Palda Teh. Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Radhaswami Satsang BIAS (Registered Society).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 27th February 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4291.—Whereas, I, D. P. PANTA. heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Undeveloped land Kh. No. 19 situated at Gram Palda.

Khandwa Road, Indore, (and more fully described in the Schedule nunexed hereto) has been transferred under Section 269-AB of the said (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48-DD of the Income Tax Rules 1962) and the statement of transaction which has been registered under section 269-AB of the said Act in the office of Competent Authority at Bhopal on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said now, therefore, in pursuance of section 2000 of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property of the Issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the followig persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undeveloped land bearing Kh. No. 19 situated at Gram Palda, Khandwa Road, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal 4th Floor, Gaugotri Building, T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-2-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 27th February 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4306.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 181/2/2 1 situated at Dosigaon, Ratlam, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under section 269AB of the said Act

(in accordance with the procedure prescribed in Rule 48-DD of the Income Tax Rules 1962) and the statement of transaction which has been registered under section 269-AB of the said Act in the office of Competent Authority at Bhopal on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. H. H. Maharani Prabharanya Laxmi W/o Shri H. H. Maharana Lokendrasinghii, Palace, Ratlam.

(Transferor)

 M/s. Madhoprasad Cawasji & Company, Station Road, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 181: 2/2/1 situated at Gram Dosignon, Ratlam. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-EE verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
4th Floor, Gangotri Building.
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-2-1984

(1) M/s. Suhail Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Errol Albuqueque & Mrs. Maria Imelda Albuqueque.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPICTING ASST, COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 23rd March 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II|37EE-3076|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the trainovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 402, situated at 4th Floor, 44-45 Perry Road, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered U/s. 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 402, 4th floor, 44-45 Perry Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE. 3076|83-84 dated 23-3-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 23-3-1984

(1) M/s. Amir Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Zulekha Moos Haji Adam.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 27th March 1984

Ref No. AR-IV/37EE.1065/83-84,—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding be 25 000/- and

Rs. 25,000/- and Unit No. 15, 4th floor, 'A' Block at Karimi Park Oshivara Garden Road Jogeshwari (West), Bombay-60 and the agreement is registered under section 269AB of the

and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 4th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initially proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 15, 4th floor, in 'A' Block on Plot No. 1, at 'Katimi Park', Oshivara, Garden Road, Jogeshwari (West), Bombay-400060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/37EE/90/83-84 dated 4th July, 1984,

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-J11/2357/83-84.—Whereas, 1,

A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. F-4, Govardhan Nagar L.B.S. Marg, Mulund (W) and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority, and more fully described in the Schedule appeared hearts).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

Bombay on 12th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

· Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Laxmidevi Dhingra and Shri Avinashkumar Dhingra

(2) M/s. Triple Pa Trust.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-4, Goyardhan Nagar, L.B.S. Marg, Opp. C.P. Tool Co., Mulnnd West, Bombay-400080.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/1064/83-84 dated 12-7-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-3-1984

- (1) Harisidh Corporation.
- (2) Smt. Sevarina D'Souza.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 12th March 1984

Ref. No. ARIII/2382/83.—Whereas, I, A. LAHTRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. and the agreement is registered under section 269 AB of the Income Tax Act, 1961 of the Competent Authority, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 12-7-1983

situated at Flat No. 2, 5th floor, Tirupati, Kole Kalyan Vakola, Santacruz (E) Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 5th floor, Tirupati Kole Kalyan, Vakola, Santacruz (E) Bombay. The agreement has been registered by the Authority Bombay under Serial No. ARIII/37EE/1070/83-84 dated 12-7-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1984

Ref. No. AR-IV/565/83-84.—Whereas, I, VIJAY

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 206, 'Shivam Apartments at Versova, Anderi (West), Bombay

situated at Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 19th July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) M/s, K. K. Associates and Mr. Ashok Girdharidas

(Transferor)

(2) Shri Sultanali H. Jairaj and Shri Nadirali H. Jairaj.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within: 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 in the building known as Shivam Apartments at Versova, Andheri (West) Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/76/83-84 dated 19th July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 3-3-1984.

(1) Shri Sohrab P. Wadia

(fransieror)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961) (2) Shri Amalendu Mukerjee and Smt. Saila Rani Mukerjee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-III/2432/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A-16, 3rd floor, Radhakrishna Lime Light CHS Ltd. Swistik Park Chembur Bombay-71 situated at

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-7-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-16, 3rd floor, Radhakrishna Lime Light CHS Ltd., 40-41, Swastik Park, Sion-Trombay Road, Chembur, Bombay-71. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/1076/83-84, dated 12-7-1983.

A, LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
60—36GI[84]

Date: 13-3-1984

(1) M/s. Nikhil Construction Company

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Anuva Arun Mhatre

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No AR-III/2414/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 3, Ground Floor Shreenath Apartment III, Mulund (E) Ltd. situated at Mulund

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Floor, Shreenath Apartments-III, Mulund Fast, Bombay-81. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/1060/83-84, dated 15-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1984

(1) Mrs. Santona Chatterii

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. K. Ghosh

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1984

Ref. No. AR-IV/37EE-562/82-83.--Whereas, I, VIJAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000% and bearing
No. Flat No. 51, 'Sea Glimpse Co-operative Housing Society, Bldg No. 514, Manich Nagar Rombay-58 situated at Andhedi

Bldg. No. 51A, Manish Nagar, Bombay-58 situated at Andhedi

(West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20th July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen apparent consideration therefor by more than fifteen apparent consideration therefor here. than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1-lat No. 51, 'Sea Glimpse Co-operative Housing Society, Building No. 51A, Manish Nagar, Andheri (West), Bombay-58, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/77/83-84 dated 20th July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1984

(1) Dr. S. D. Avidya-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Aga Sayed Alamdas Hussain

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-II|37EE, 3023|83-84.—Whereas, J, S. H.

ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. A-2, situated at Dhawal Ganga, C.-Op. Housing Soc. Ltd., 1st Carter Road, Bandra (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. Λ-2, Dhawal Ganga Co-operative Housing Society Ltd., 1st Carter Road, Bandra (W) Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay underserial No. AR-II/37EE.3023/83-84 dated 1-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12-3-1984

(1) Shri Bhupendra Jadhavji Mehta

(2) Shri Chandauben Mukundrai Sanghrajka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. 1.E.|111|2263|83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 169, Block-7, Milan & Milap Co-op. Hsg. Society Ltd. situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

Plot No. 169, Block-7, 1st floor, Milan—Milap Co-op. Hsg. Society Ltd., Garodia Nagar, Ghatkopar (E) Bombay-77. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/37EE/1047/83-84, dated 14-7-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-1984

(1) M/s. C. R. Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shti Kuberlal U. Sharma

(4) Dr. Phiroze B. Banajee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 3rd March 1984

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-IV|585|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

No. Shop No. 2, situated at 'Unique Industrial Estate, Chakala

Road, Village Chakala, Andheri (E), Bombay.

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed heretot), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1st July 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, 'Unique Industrial Estate, Chakala Road, Village Chakala, Andheri (E), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-JV/74/83-84, dt. 1st July 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-7-1984

(1) Shri Hiranand H. Gangwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bhanu Pratap Ramsamaj Mishra (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. 1-4|895|37EE|83-84,—Whereas, I, VIJAY RANJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop No. 6 Saibaba Dham situated at Ram Nagar, Burivli (West)

Bombay 400092.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay 400092 on 11th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the fransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Saibaba Dham, Ram Nagar, Borivli (West), Bombay 400 092.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV|895|83-84 dated 11th July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

(1) Smt. Sangeeta L. Chawla

(Transferor)

(2) Smt. Salma Abdul Majid & Abdul Majid Såleh Mohamed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AE/4/631/83-84.—Whereas, I VIIAY RANJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No .303 on the 3rd floor Chapelle-A situated at Plot No. 51 of S. No. Village Vulani ,Malad, Bombay-400064.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22 July, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 on the 3rd floor, LA-Chapelle-A situated at plot No. 51, S. No. 46 Village Valuni, Malad, Bombay 400 064.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay Under Serial No. ARIV/631/83-84 dated 22nd July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombav.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1983

Ref. No. A.R.-IV|4|647|83-84.—Whereus, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 1, Dattani Gram situated at Building No. 3, M.G. Road, Kandívili (West), Bombay-400 067

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 2nd July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

61-36GI|84

(1) Shri Gordhandas R. Tank.

(Transferor)

(2) Dr. Bharat Gopaldas Udeshi.

(Transferee)

- (3) M/s. Dattani Construction, Laxmi Shopping Centre V. L. Road, Kandivli (West), Bombay-400 067. (Person in occupation of the property)
- (4) M/s. Dattani Construction, Laxmi Shopping Centre, V. L. Road, Kandivli (West), Bombay-400 067. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Dattani Grøm, Building No. 3, M.G. Road, Kandivli (West), Bombay-400 067.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-IV|647|83-84 dated 2nd July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-84

Seal;

- (1) M/s. Manali Corporation,
- (Transferor)

(2) Golden Dairy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|645|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 12, Manali Building No. 1, Malad (West), Bom-

bay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2nd July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Manali Building No. 1, Malad (West), Bombay-64.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|645|83-84 dated 2nd July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-84,

(1) Shantilal Amritlal Modi Trustee,

(Transferor)

(2) Chhotalal Purshottamdas Mehta and Smt. Sharmishtra-Chhotilal Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|624|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. A-303, 3rd Floor Modinagar Adarsh Co-op, Hsg. Society Ltd., Mathuradas Road, Kandivli (West), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombya on 29th July 1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-303, 3rd floor Medinagar Adarsh Co-op, Hsg. Society Ltd., Mathuradas Road, Kandiyli (West), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|624|83-84 dated 29th July,1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-84,

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Arun International.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Pradip Manilal Mehta.

(Transferee)

(3) Sellord, as building in under construction, (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. ARIV/873/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Flat No. F/2. Saibaba Dham Off S.V. Road, Vorivli (West)

Bombay-400 092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4th July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazètte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. F/2, Saibaba Dham. Off S.V. Road, Borivli (West), Bombay 400 092.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/873/83-84 dated 4th July 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 12-3-84

- (1 Mrs. Bharati Vithal Rao.
- (Transferor)
- (2) Mr. Ajitray D Trivedi.

(3) Transferor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March

Ref. No. AR-III/2362/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 9, 1st floor, Mool Deep Co-op. Hsg. Society Ltd. 175 C&D S.L. Rd. Mulund situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Bombay on 15-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 9, 1st floor, Mool Deep Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 175 C & D, Sevaram Lalwani Road, Mulund West, Bombay-80.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/545/83-84, dated 15-7-1983.

A L.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-84

FORM ITNS——

(1) M/s. Arpit Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gapolkrishnan Nair.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/2385/83-84.—Whereas, I A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sales' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-21, Vasuki, 7th floor, Rajawadi, Vidyavihar, Bombay-77 situated at Vidya Vihar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 6th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPALANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-21, Vasuki, 7th floor, Rajawadi, Vidyavihar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/1049/83-84 dated 6th July, 1983.

A. LIHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Acr, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1984

(1) Mis. Woollen Textile Traders.

(Transferors)

(2) Amritlal Jawaharlal Jain & Mfs. Utsav Amritlal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I | 37EE | 663 | 83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1103, 11th floor & Car parking, Jogani Apartment'

situated at Dungarsee Cross Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 19-7-1983

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1103, 11th floor & Car parking, 'Jogani Apartment 29, Dungarsce Cross Road, Near Dhobighat, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I|565|83-84, dated 19-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistnt Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Date: 13-3-1984

- ಬಕ್ಕ ಜನ್ ಆ

FORM ITNS-

(1) Articye Freight Moves.

(Transferor)

(2) Shri Navin T Thakkar,

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

> > Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/613/83-84.—Whereas, I. R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Office Premises No. 107, 1st floor, Ashirvad Co.op. Housing

Society Ltd. situated at Ahmedabad Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 14-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 107, 1st floor, Ashirvad Co-op. Housing Society Ltd., Ahmedabad Street, Bombay-400 009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-1 590|83-84, deted 14-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

FORM ITNS----

(1) Mis. Rajgir Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Leena Nitinkumar Parekh & Mr. Nitinkumar M. Parekh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

No. AR-I/37EE/723/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Premises No. 43, Rajgir Chambers situated at Shahid

Bhagat Singh Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-7-1983 which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

perty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises No. 43, Rajgir Chambers, 12|14 Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I|654|83-84, dated 21-7-1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

62-36GI|84

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/720/83-84,—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 114 & 115, 1st floor, Bussa Indl. Premises Co-op. Society Ltd. situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Yusufali A Vahanvati.

(Transferor)
(2) M/s. Wallfrin International, (i) Chandrakant
Kalyanji Shah, (ii) Lalit Jeshinglal Shah,
(iii) Niranjan Jashinglal Shah, (iv) Atul Jayantilal
Shah.
(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 114 & 115, 1st floor, Bussa Industrial Premises Co-op. Society Ltd., Elphinstone Road, Worli, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/633/83-84, dated 21-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-3-1984

Jain Adarsh Dugdhalaya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Ramesh & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-I|37EE|603|83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 116, Bussa Udyog Bhavan Ind. Premises Co-op. Society Ltd. situated at Sewri (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the Schedule antiexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 14-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offic al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 116, Bussa Udyog Bhavan Ind. Premises Co-op. Society Ltd., T-J. Road, Sewri (West), Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I | 588-83-84, dated 14-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

ler sube follow- Date: 14-3-1984 Seal;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ratilal B. Mchta (HUF) by Karta Vijaykumar R. Mehta.
 - (Transferor)
- (2) M|s Ramesh Brothers, Prop. Vasa Trust.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-I|37EE|605|83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Unit No. 118, Bussa Udyog Bhavan Ind. Premises Co-op.

Society Ltd. situated at Sewri

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 118, Bussa Udyog Bhavan Ind. Premises Co-op. Society Ltd., T. J. Road, Sewri West, Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I[591]83-84, dated 14-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-3-1984

(1) Smt. Minaben Bharat Mehta.

(Transferor)

(2)1. Shri Shashikant Parmanand Dosni, 2. Shri Uma-Kant Parmanand Doshi & 3 Shri Virendra Parmanand Doshi Chetan C Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Rombay, the 13th March 1984

No. AR-I|37EE|682|83-84.—Whereas, I, R. K. Ref. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Elat No. 1, 1st floor, Bldg. No. 1 of Samrat Ashok Co-op. Housing Society Ltd. situated at Ratifal R Thakkar Marg

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

at Bombay on 21-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair mar ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Building No. 1 of Samrat Ashok Cooperative Housing Society Ltd., 7, Ratiled R Thakkar Marg, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I|598|83-84, dated 21-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Arun M Pandya.

Miss Shebani J Mehta.

Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME_TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/338/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

Flat No. A-1, 3rd floor of GIRI RAJ Co-op. Housing Society Ltd. situated at Altamount Road

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(Transferee) (3) Mr. Shivang J Mehta, Miss Saloni J Mehta &

(2) Mr. Jagdish R. Mehta, 2. Mrs. Shrimati R. Mehta, 3. Mrs. Nirupama R Mazumdar, Mrs. Shrimati R.

Objections, if any, to the acquisiion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-1, on 3rd floor of GIRI RAJ Co-op. Housing Society Ltd., Altamount Road, Cumballa Hill, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I 572 83-84, dated 6-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME_TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/573/83-84.—Whereas, I, R. K. ΒΛQΑΥΑ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises No. 22, Basement, T.V. Industrial Estate situated at Worli Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

nas been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lasome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Miss. Madhavi G. Jhangiani, Mr. Vivek G. Jhagiani.

(Transferor)

- (2) M/s. South India Watch Industries Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 22, Basement, T.V. Industrial Estate, 248, Worli Road, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-1/549/83-84, dated 4-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-3-1984

(1) Mr. Sunder J. Uttamsing. Mrs. B. S. Uttamsing & Miss Chitra S. Uttamsing

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rashmikant Bhagwandas Shah & Mrs. Vandana Rashmikant Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-I|37EE|742|83-84.-Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 6-D, 'CRYSTAL' Co-op. Housing Society Limited. situated at Altamount Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-D. 6th floor, 'CRYSTAL' Co-op. Housing Society Ltd., 36 Altamount Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under scrial No. Acqn. Range-I 535 83-84. dated 22-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1984.

(3) Transferee.

FORM ITNS-

(i) Shri Alison Kader Officewala 2 .Smt. Jeani Alison Officewala.

(Transferor)

(2) Smt. Swati. Subhashchandra Surve.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/2244/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 3, Gr. floor, 'Shivalik' situated at Century Bazar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
63—36GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. floor, 'Shivalik', A. S. Marathe Marg, Opp. Mafatlal Kalyan Kendra, Century Bazar, Bombay-400 025. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-I|Deemed.25|83-84, dated 25-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 14-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/580/83-84.---Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 8, Ratan Abad Co-op. Housing Society Ltd. situated at Tukaram Javji Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Sunanda Murlidhar Bhandare & Shri Murilidhar C. Bhandare.

(Transferor)

(2) Kolhapur Zilla Shetkari Vinkari Sahakari Soot Girani Limited.

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Ratan Abad Co-op. Housing Society Ltd., Tukaram Javji Road (Sleater Road) Bombay-400 007. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. ACQN.RANGF-I/508/83-84, dated 5-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 14-3-1984,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-1/37EE/617/83-84.—Whereas I,

R. K. BAQAYA,

k. k. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gala No. 334, 3rd Floor, Kalaindas Udyog Bhavan Premises situeted at Prabhadevi, Bombay-400 025 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Deekay Enterprises.

(Transferor)

(2) Ms. Selective Arts.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee firm & partners.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 334, 3rd floor, Near Century Bazar, Prabhadevi. Bombay-400 025. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/603/83-84, dated 8-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 14-3-1984

(1) Smt. Radhibai W/o Shawani Kishinchand Parsram. (Transferor)

(2) Mrs. Usha Arunbhai Pandya & Mr. Arunbhai M. Pandya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 **BOMBAY**

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/595/83-84.--Whereas I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 26, 4th floor, Sita Mahal Co-op. Hsg. Soc. Ltd. situated at Bomanji Petit Road, Bombay-400 036.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-7-1983

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearance. property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 4th floor, Sita Mahal Co-op. Housing Society Ltd., Bornanji Petit Road, Bombay-400 036. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/516/83-84, dated 6-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/583/83-84.—Whereas I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 71, 7th floor Prem Milan in the Prem Milan Co-op-Housing Soc. Ltd.

situated at 87-B, Nepean sea Road, Bombay-400 006.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Charuben Profulchandra Patel.

(Transferor)

(2) 1. Sureshchandra Chimanlal Shah

2. Bankimchandra Chimanlal Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 71, 7th floor in Prem Milan in the Prem Milan Co-op. Housing Society Ltd., 87-B, Nepean Sea Road, Bombay-400 006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/505/83-84, dated 5-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 13-3-1934

(1) Mrs. Ushaben A. Pandva

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pratima G. Shah & Gopal C. Shah, (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/675/83-84.--Whereas, I,

R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 53-A, Belle View Co-op. Housing Society Ltd.
situated at Bhulabhai Desai Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-7-1983, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53-A, Belle View Co-op. Housing Society Ltd., 85, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. ACQN.RANGE-I/561/83-84, dated 21-7-83.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bomnay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-1/37EE/593/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 15, Evershine Apts No. 2, Jai Prakash Rd., Andheri (W), Bombay-58.

situated at Andheri(W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority on 4th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. M. T. I. Lakdawala

(Transferor)

(2) 1. Mr. C. T. Advani2. Mrs. H. C. Advani3. V. I. Mansharamani

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property mayy be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Evershine Apts. No. 2, Jai Prakash Road, Andheri (W), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV/37EE/83-84, dated 4th July, 1983

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bomoay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|573|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28-A Haridevibai Co-op Hsg. Society, Hill Road. Jogeshwari (E), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2nd July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwan Shaygin Kurom Biwal.
- (Transferor)
- (2) M. H. Balakrishna Prebhu.

(Transferce)

- (3) Not accepted under construction.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Canera Bank, Goregaon Branch, Bombay.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Saham Apartment, 28-A, Haridevibai Co.op. Hsg. Society, Hill Road, Jogeshwari (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|87|83-84 dated 2nd July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|643|83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. G|12, 3rd floor, Saibaba Dham, Off. S. V. Road, Borivli (West), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the feduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M|s. Arun nternation.

(Transferor)

(2) Sh. Prakash Giadharidas Talreja and Mr. Ashok Girdharidas Telreja.

(Transferee)

(3) Seller, as building is under construction. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G|12, 3rd Floor, Saibaba Dham Off. S. V. Rd., Borivli (West), Bombay 400 092.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV 643 83-84 dated 16th July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: 64-36GI 84

Date: 12-3-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|572|83-84.---Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 40 B, Flat No. 305, Manish Nagar,

J. P. Road, Andheri (West), Bombay 58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22nd July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Dosabhai Kherahedji Bhathena and Mrs. Khushtoo D. Bhathena.

(Transferor)

(2) Yogesh Kumar Marawala and Mrs. Geeta Yogeshkumar Murawala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

40|B, Flat No. 305, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|88|83-84, dated 22nd July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref No. AR-IV|621|83.—Whereas,I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Soap No. 5 Dattani Gram
Building No. 3 M.G. Road, Maukalani Cross Road, No. 3,
Kandivli (West), Bombay-67,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under

section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons. namely :---

(1) Shri Gordhandas R. Tank.

(Transferor)

- (2) Shri Suryakant Ramniklal Udeshi.
- (Transferee) (3) M/s. Dattani Construction, 2nd floor, Laxmi Shop-ping Centre. Kandiyli (West), Bombay-07. (Person in occupation of the property).
- (4) M/s. Dattani Construction, 2nd Floor, Laxmi Shopping Centre, Kandivli (West), Bombay-67. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5. Dattani Gram Building No. 3, M. G. Road, Heukalani Cross Road, No. 3, Kandivli (West), Bombay-67. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV 621 83-84 dated 2nd July 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9.3-1984

(1) Mls. Geeta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sarita Harita Harigopal Joshi.

(Trunsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|592|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) \(\text{(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 15, 4th Floor, Ganga Niwas 2, SinJhu Society, situated at Jogeshwari (E), Bombay-60.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4th July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this noitee in the Official Gazette or, a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Acl, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 15, 4th Floor, Ganga Niwas 2, Sin'hu Societ). Jogeshwari (E), Bombay-60.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|89|83-84 dated 4th July, 1984.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1984

(1) Shri K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Bipin Ramdas Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the

March 1984

Ref. No. AI-IV|37EE|651|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 404 G. Patel Nagar, situated at M. G. Cross Road No. 4, Kandivali (West), Bombay-400 068.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1941 in the office of the Competent Authority at Bombay 8th July 1983 has been transferred Bangalore on 8th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ..- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, G. Patel Nagar, M. G. Cross Road No. 4, Kandivuli (West), Bombay-400 067.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|651|83-84 dated 8th July, 1984.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-3-1984

FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the

March 1984

Ref. No. AR-IV|640|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No.
No. Shop No. 4, Pankanj Apartments, situate/ at Shankar Lane, Kandivali (West) Bombay-400 067, (and more fully described in the Schedule annexed bereto),

has been transferred

nas been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16th July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tajubhai Nourmohmod Badarpura,

(Transferor)

(2) Shri Kishore Vallabhdas Mandalia.

(Transferee)

(3) Shri Tajubhai N. Badarpura.

(Person in occupation of the property). (4) No body

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Pankaj Apartments, Shankar Lane, Kandivali (West), Bombay-400 067.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-IV|640|83-84 dated 16th July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: Seal:

March 1984

(1) Sh. Jankilal H. Bohra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Durgadevi R. Daga.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|625|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. A|15 Mahesh Nagar situated at S. V. Rond Goregaon

(West), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Bombay-62 and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay, at Bombay on 18th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undesrigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A6|15 Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV| 625|83-84 dated 18th July 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisinion Range-IV. Bombay.

Date : 9-3-1984

(1) Mr. R. M. Bhat

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Joshna Shankar Chandan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-III|2343|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Flat No. 10, Ground floor, 'Shreyas' Building. V. P. Road, situated at Mulund West, Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Ground floor, 'Shreyas', V.P. Road, Mulund West, Bombay-80. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III 1963|83-84, dated 12-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-3-1084

(1) Mr. Yashvant K. Shah

(Transferor)

(2) Mr. Kishor N. Savla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-III|2228|37EE|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 16, J.S.S.S. Gruha Nirman Sanstha Maryadit V.P. Road situated at Mulund (W) Bombay and the under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

Agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1983

Tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, J.S.S.S. Gruha Nirman Sanstha Maryadit, Plot No. 212B, Vithalbhai Patel Road, Mulund West, Bombay-80. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III 1068 83-84, dated 12th July, 1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-65-36 GT 84

Date: 12-3-1984

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) Shri R Krishnaswamy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Viswanathan Transferee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE--III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II|37EE|2433|83-84.—Whereas I. LAHIRI,

being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 1, 'Sagar', Jai Jatin Co.-op. Housing Society Ltd.
Off Vallabh Baug Lane, situated at Ghatkopar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Falt No. 1, 'SAGAR', Jai Jatin Co-op H.sg. Soc .Ltd., Plot No. 353 B-19, Off Vallabh Baug Lane, Ghatakopar (E), Bombay-77. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. AR-III 37EE|1048|83-84, dated 13-7-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IIII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-3-84

(1) Shri Minoo B. Mistry

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) 1141

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE. 583|83-84.—Whereas I, VIJAY, RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gala No. B-14, 2nd floor, Ghanshyam Ind. Estate, Veera Desal Road, Andheri (West), Bombay 58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 11th July, 1933

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M|s. Olymipa Industries

(Transfeice)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. B-14, 2nd floor, Ghanshyam Industrial Estate, Veera Desain Road, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|37EE|82|83-84 dated 11th July 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date ; 9-3-1984.

(1) M|s. Amir Constructions,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE. 590|83-84.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Unit No. 1, 1st floor, 'C' Block plot No. 1 Karimi Park, Jogeshwari (W) Bombay-60 situated at Jogeshwari (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act., 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the soresaid property by the issue of this notice under subposition (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— •

(2) Mr. Mohammed Umer Dongarwala &

Mrs. Hazrabai Mohammed.

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1 on 1st floor in 'C' Block, on Plot No. 1 at Karimi Park, Oshivara Garden Road, Jogeshwari (West) Bombay-60. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|37EE|81|83-84 dated 25th July, 1983.

VIJAY RANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometex.
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-III|2402|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. C-16, Bhaveshwar Deep C Ltd. 21st Road, situated at Chembur Deep Co-op. Housing Society

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Krishnambal Naryanan

(Transferor)

(2) Smt. Usha Ratilal Patil

(Transferce)

(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-16, 118 Bhaveshwar Deep Co-op. Housing Society Ltd., 21st Road, Chembur, Bombay-71. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-III 1074 83-84, dt. 16-7-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Connassioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-3-1984

(1) M/s. Yasmin Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Zehara Taibeali Amrawatiwala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-II|3082|83-84.---Whereas, I, S. H. ABBAS, ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 401, Gazadar Apats. 'B' Juha Tara Road, Juha, Bombay 400 049, situated at Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Autority, at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ummov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, Gazdar Aparaments 'B', CTS No. 865, 865|1 to 865|9, Juha Tara Road, Juhu, Bombay 400 049. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II[37EE. 3082|83-84 dt. 15-7-1983

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1984

PORM ITNS --

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-II|37EE. 3081|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 402 Gazdar Apartments 'B', Juhu Tara Road, situated at Juhu, Bombay-400 049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement registered uls 269AB of the Income-tatx Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bomhbay on 15-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Naseem Abbashhoy Akolawala & Mrs. Rashida Abbashhai Akolwala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Gazdar Aparaments 'B' Juhu Tara Road, Juhu, Bombay 400 049. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II | 37EE | 3081 | 83-84 dt. 15-7-83.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tatx Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1984

(1) Mr. Vijaykumar D. Mchta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Alif Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|559|83-84.—Whereas, I, VIJAY, RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Indl. Unit No. 30, 3rd phase of Shivshakti Indl. Estate, Off. Andheri Kurla Road, Andheri East, Bombay-59 situated at Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 30, Ground floor, 3rd Phase of Shivshakti Industrial Estate, S. No. 79, Off. Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV/75/83-84 dt. 5th July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-3-1984

(1) Mr. Naranji Karsandas Thakkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gokaldas Keshavji Palan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HF BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-III/2356/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 10, 'SMITA' Co-op. Housing Society Ltd.

situated at Dr. Ambedkar Road, Mulund, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

66-36 GJ/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 115, Smita Apartments, Dr. Ambedkar Road, Muland, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/1069/83-84, dated 12-7-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-II 37EE. 3497 83-84.5 - Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a foir market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 8, 3rd floor, Mahran Co-op. Hsg. Society Ltd., Samarth Ramdas Road, Opp. United Commercial Bank, JVP D. Scheme, Bombay-49 situated at Juhu and the agreement is registered u/s, 269AB of the IT. Act. 1961 in the Office of the Competent Authority.

Office of the Competent Authority, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

of the registering officer at Bombay, on 25.7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pulsons namely:—

(1) Shri Ram Issardas Gehani

(Transferor)

(2)Smt. Savita Wlo Sudarshankumar Luthra

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 3rd floor, Mabran Co-operative Housing Society Ltd. Samarth Ramdas Road. Opp. United Commercial Bank, J.V.P.D. Scheme, Bombay-49.
The agreement has been registered by the Compentent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE. 3497|83-84, dated 25-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-3-1984

(1) Shri K. S. Shankarnarayana Iyer

(Transferoi)

(2) Shri Ramesh N. Raval

(3) Transferor

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/2425/83.—Whereas, I.

A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 13, Sathyam, Jaimangal Co.op.Hsg. Soc., Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77 and the agreement is registered uls. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compentent Authority, and situated at Gordia Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afousaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Plot No. 1.61, Sathyem, Jaimangal Co-op Hsg. Society, Garodia Naga, Ghatkopar (East), Bombap-77 The agreement has been registered by the Compent-Authority, Bombay under serial No. AR-III[37EE, 1052 83-84, dated 13th July, 1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Date: 5-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AE-III|2247|83-84.-Whereas, I. A. LAHIRI-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 83 A together with building thereon Muhub Rd. Chembur, Bombay 74 and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compenent Authority situated at Chembur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Bombay on 16-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objet of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Anandram Totaldas Rajani
- (2) Shri Desraj angararam Sharma

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 73-A together with building thereon situate at Collector Colony, Mahul Road, Chembur, Bombay-74. The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under Serial No. AR-III/1073/83-84, dated 16-7-83

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-3-1984

(1) Harasidh Corporation

(Transferor)

(2) Shri Vasantlal Mansukhlal Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AE-III|2257|83-84.--Whereas 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 2, 3rd floor, TJRUPATI Bldg.., Kohe Kahyan, and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compentent Authority and situated at Vakola

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Rajkot on 12-7-1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor, 'TIRUPATT Bldg. 'B' Kole Kalyan Vakola, Santacruz East, Bombay-55. The Agreement has been registered by the Compoutent under Serial No. AR-III]1066|83-84 dated 12-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-3-1984

(1) Smt. K. K. Parvati Ammal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushama John

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-III|2327|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B-45, Bldg. No. B, Madhugiri Co-op. Housing Society Ltd. situated at Chembur and the Agreement is registered under section 269AB, of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. B-45, Gr. floor, Bldg. No. B, Madhughi Co-op.Housing Society Ltd. 408, V. N. Purav Marg, Chembur, Bombay-71. The Agreement has been regitsered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III 1078 83-84, dated 15-7-1983.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-3-1984

(1) Smt. Chandrika Sudhir Thakkar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Smt. Shantibai Jamnadas Anam.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-III/2358/83-84.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2500 -

bearing No. Flat No. 23, 5th floor 'NEETA APARTMANTS' situated at Mulund

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Mulund Necta Co-op. Housing Society Ltd., M.G. Road, Mulund, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/1061/83-84, dated 15/7/83.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-3-84

(1) Mrs. Arijani H. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meena Bipin Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombny, the 12th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EF558(82-83,—Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 65, B-1, Building Panchvati situated at Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(3) Mrs. Shahcen Mohmed Ali Mukadam.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 65, B-1, Building, Panchvati Apartment, Juhu Lane, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-IV|37EF, 69|83-84 dated 16th July, 1983

VIJAY RANJAN, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III 2249 83-84.—Whereas, I. A. I.AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Mathura, Flat No. 102, First floor, S-16, Hissa No. 16, C.T.S. No. 12, Govandpada Road, Mulund (E), Bombay-40081, situated at Bombay, and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961 of the Competent Authority

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
67-36GI|84

(1) Patel Corporation.

Transferor)

(2) Samuel Danihl Shelke.

(Transferee)

(3) Transferce,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Mathura, Flat No. 102, First Floor, S-16, Hissa No. 16, C.T.S. No. 12. Govandpada Road, Mulund (E), Bombay-400 081.

The Agreement has been degistered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR|III|37EF|105483-84 deted 12-7-1933

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 5-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. N. AR-I|37EE|576|83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

bearing No. Flat No. 9, 4th floor, Al-Aali Premises

Co-op. Soc. Ltd. situated at Nagdevi Street

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement has been registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Officer at Bombay on 4-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mr. Shabby Chaibn T, Lekhandwala.

(1) Mohamed Ismail Abur Rehaman Bhoira.

(Transferee)
(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 4th floor, Al-Aali Premises Co-op. Society Ltd., 152, Nagdevi Street, Bombay-400 003. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1511/83-84, dated 4-7-83.

R. K. BAQAYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dote: 13-3-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-II|37EE.3084|83-84.—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 112-A on 11th floor, 'Purshottam Towers TPS IV Mahim area, Off Gokhale Rd. (S) Dadar, Bombay-28. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement has been registered under section 269AB of the I. T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India; Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Sulochana Ram Gokhale as Managing Trustee of Rahul Trust.
- (2) Mr. Rajendra Krishnarao Shinde, and Mr. Mahendra Krishnarao Shinde.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- ANATION:—The terms and expressions used Serein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112-A on 11th floor, 'Purshottam Towers' TPS IV, Mahim area, Off Gokhale Road (South) Dadar, Bombay-28. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.3084[83-84 dated 15-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-3-84

(1) Smt. Vijkorben Devchand Mehta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmalaben Jayantilal Gala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2318|83-84.---Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 21 of Neelkanth Darshan Co-op
Housing Society Ltd., 5th floor, Dr. Rajendra Prasad Rd.,
Mulund (West), Bombay-400 080

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transfrred

and the Agreement is registered under Sec. 269 AB of the Income-tax Act 1961 of the Competent Authority

at Bombay on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may, be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 of 5th floor, Neclkanth Darshan, Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (West), Bombay-400 080.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Script No. AR[III]37EE]1029[83-84 dated 13-7-1983.

A. LAHIRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date 12-3-1984

(1) Smt. D. M. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. M. K. Gandhi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR. III/2261/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Flat No. 4, 3rd floor, B wing Damodar Park, L.B. S. Marg. Ghatkopar (W) Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redhltion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4. 3rd floor, B-Wing. Damodar Park, L.B.S. Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR:III|37EE|1059|83-84 dated 12-7-83.

L. LAHİRJ.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-III|2218|83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bharati Flat No. 325, 3rd floor.

Amrut Nagar, Ghatkopar (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Bharati' flat No. 325 3rd floor, Amrut Nagar, Ghatkopar (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-III|37EE|1058|83-84 dated 12-7-83.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-3-84

(1) 1. Dorothy Mendos 2. Mary Fernandes 3. John Miranda & 4. Albert Miranda.

(Transferon)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Golden Construction Co.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-III 2404 83-84. - Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

CTS No. 5685 adm. about 2036 sq. mts. along with structures standing thereon situated at Vakola (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section (69D) of the said Act, to the following ing persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing C.T.S. No. 5685, adm. about 2036 sq. mts. alongwith structure standing thereon, situated at Kole Kalyan, Vakola, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III [1067] 83-84 dated 12-7-1983.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-3-1984

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|627|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. E|8 SAIBABA DHAM Off. S.V. Road,
Borivli (West), Bombay, 400 092
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 12-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) king tran international

(Transferor)

(2) T. R. Balasubramanian and Smt. Lakshmi Balasubramanian,

(Transferee)

(3) Sellers, as building is under construction. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. El8, Saibaba Dham, Off. S.V. Road, Road, Borivli

(West), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV 627:83-84 dated 23rd July 1983.

> VIJAY RANJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-3-84

- (1) Shree Guru Ashish Construction.
- (Transferor)
- (2) Mr. Swapnila Sunil Raul and Mr. Sunil Tukaram Raul.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (4) Om Guru Pradhanaya Co-op. Hsg. Society Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. SE-4|37EF|667|83-84.—Whereas, I, VIJAN RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and

bearing No. Flat No. B-3, on the 3rd floor in the building and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred

Alshay Apartment Dashisar, Bombay.

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-3 on the floor in the building Alsay Apartment Dahisar. Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV|667|83-84 dated 8th July, 1983.

VIJAY RANJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—68—36°CF/84

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-III 2433 83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.T.S. No. 840 Nahur Village

situated at Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income os any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M s Khichi Construction Co.

(Transferor)

(2) Moreshwar Narshar Borkar.

(Transferee)

Dhondibai R. Khidu 2. Motilal R. Khidu
 Smt. Shardabai M. Khidu 4. Deepak Khidu
 Archana M. Khidu 6. Shilpa M. Khidu
 Vandana M. Khidu & 8. Sandeep M. Khidu.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 840, Nahur Village, Mulund, Bombay-80. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III 1062 83-84, dated 12-7-83.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-3-1984

FORM ITN9

(1) Smt. Padma Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shivgopal Damani H.U.F.

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Padma Agarwal. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|620|83-84.—Whereas, I, VIJAN RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 14 Building No. A-2 Mahesh Nagar, S.V. Road, Goregoan (West), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1st July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-Rs. 2500|- and

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 14, Building No. A-2, Mahesh Nagar, S.V. Road, Goregaon (West), Bombay-62.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV[620]83-84 dated 1st July, 1983.

VIJAY RANJAN, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-3-84

(1) Smt. Bimla Devi Roia.

(Transferor)

(2) Ghansham Lai Pasri.

(Transferee)

(3) Transferor.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. ARIV|915|83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Ganpati Niwas Co.Op. Hsg. Society, Bangar Nagar, Goregaon (West), Bombay-90 situated at Bombay

and bearing No. Flat No. 15, Building No. N-10 and the Agreement is registered under section 269AB of the (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22nd July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Building No. N-10, Ganpati Niwas Co.Op. Hsg. Society, Bangar Nagar, Goregaon (West), Bombay-92. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV 915 83-84 dated 22nd July 1983.

VIJAY RANJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-3-84

- (1) Sint. Vijaylaxmi Natrajan
- (2) Shri Mukesh Anantrai Shah.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV/622/83-84,--Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Embee Geejay Co-op, Hsg. Society, B-10, Block-16, 4th floor, Saibaba Nagar, Off. S.V. Road, Borivli (West),

situated at Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Authority at Bombay on 23rd July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value o fitte property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Embee Geejay Co. Op. Hsg. Society, B-10, Block-16, 4th floor, Saibaba Nagar, Off. S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|622|83-84 dated 23rd July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Shivshakti Builders.

(Transferor)

(2) Sterling Automobiles.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|569|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Indl. Shed No. 62, Ground floor Phase No. 3 of Scivshakti Indl. Estate, S. No. 79 Off. Marol Village, Andheri- Kurla, Parethers 60.

Bombay-59

situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of

the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent

Authority, at

Bombay on 11-7-1983

and /or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 62, Ground 'floor, Phase No. 3, of Shivshakti Indl. Estate, Off. Marol Village, Andheri-Kurla Road, Andheri, Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|37EE|78|83-84 dated 16th July, 1983,

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984

(1) M/s. Indico Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. R. Krishna & Shri A. Shriniwasan, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|587|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 307, 3rd floor, Vidyadini Co-op. Housing Society,
Sahar Village, situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persent, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd floor, Vidyadini Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|37EE|587|83-84 dated 11th July, 1983,

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-3-1984

(1) M|s. S. G. Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Parekh Plastics.

(Transferee)

3OVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 7th March 1984

Ref. No.: AR-IV|37EE|566|83-84.—Whereas, I. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Unit No. 35, Indl. Gala No. 2nd floor 'F' Bldg. Marol Nanddham Udhyog Premises Co.op. Hsg. Soc 112 Marol Maroshi

Rd., Marol Village, situated at Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269Ab the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, figurely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 35, Indl. Gala No. 2nd floor 'F' Bldg. Marol Nandham Udhyog Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Marol Maroshi Road, Marol Village, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|71|83-84 dated 19th July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

.Ref. No. AR-IV[652]83-84.---Whereas, I, VIIAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 3. Dattani Nagar, S.V. Road,

situated at Borivli (West),

Bonibay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

*Bombay on 10-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iffstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--69-36GT /84

(1) Mic. Dattani Enterprises,

(Transferor)

(2) Shri Shriram Chinteman Damle and Mis. Shashikala Shriram Damle.

(Transferee)

(3) M/s. Dattani Enterprises, Kandivli (West), Bombay-92,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Dattani Nagar, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR-IV[652]83-84 dated 8th July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav

Date: 9-3-1984

Scal:

FORM ITNS---- .-

(1) Mts. Sabri Builders.

(Transferor)

(2) Deepak Naraindas Duma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV[37EE, 556]83-84.-Whereas I, VIJAY

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 6, situated at Ground floor, Ganga-Jamuna Apartments. Yari Road, Versova (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11th July, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the utoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, it the following nersons, namely;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imagevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Ganga-Jamuna Apartment. Yari Road, Versova.

The agreement has been registered by2 the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-IV/37EE.86/83-84. dated 41th July, 1983.

> VUAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-II/3042/83-84.- Wheeras I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Shop No. 37, Shyam Kamal, 'B' Bldg., Agarwal Market Vile

Shop No. 37, Shyam Kamal, B' Bldg., Agarwal Market Vile Parle (E), situated at Bombay-57

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Anthority, at Bombay on 3-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(I) H. R. Chheda

(Transferor)

(2) Shri P. A. Jain (Singbyi).

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, and shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 37, Shyam Kamal, 'B' Building, Agarwal Market Vile Parle (East). Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE, 3042|83-84 dated, 3-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-3-1984

(Person in occupation of the property)

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Bhalchandra M. Branme.

(3) Transferor.

(Transferor)

(2) Shii Rajanikant Govind Nerurkar, Smt. Supriya Rajanikant Nerurkar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-II|37EE.3051|83-84.---Whereas, 1, S H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 23, Bidg. No. 2, 1st floor, Madhavi Saha Nivas, Mogal Lane, Mahim, Bomoay-16, situated at Mahim

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Building No. 2, 1st floor, Madhavi Saha Nivas Mogal Lane, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. AR-II|37EE.3051|83-84 dated 5-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Ram Meghashyam Gokhale, and Mrs. Solochana Ram Gokhale.

(Transferor)

(2) Mrs. Satyabhama Krishnarao Shinde & Mr. Sachin Krishnarao Shinde.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE.3085/83-84,-Whereas, 1. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 111-A. 'Purshottam Towers' at Thakor Premises, TPS. IV, Mahim, Gokhale Rd. (5) Dadar, Bombay-28 situated at Dadar,

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 111-A, 11th floor, 'Purshottam Towers' T.P.S. 1V, Mahim area, Off. Gokhale Road (South) Dadar, Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Authority. Bombay under serial No. AR-II[37EE, 3085[83-84 dt. 15-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-3-1984

(1) M|s. Ajay & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) I. Shri Sushil Prakash.
 - 2. Smt. Urmila S. Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-II]37EE. 3077]83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 501, The Ark, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054 situated at Santacruz (W)

(and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent authority at Bombay on July, 1983

on 15th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 'The Ark', S. V. Road, Santaeruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE.3077|83-84 dated 15-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-3-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1983

Ref. No. AR-II|3541|83-84.—Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No 204, 2nd floor, T.P.S.V., F.P. No. 32, Santacruz

(East). Rombay-54 situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 20-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the *aid Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Jay Development Corporation.

(Transferor) (2) (1) Nagji M. Rambhia and (2) Mrs. Indira N. Rambhia.

·(Transferer)

to be interested in the property.)

(3) Mr. S. M. Malubhoy. (Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Final Plot No. 32, TPS.V. at Santacruz (East) Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II[3541[83-84] dated 20-7-83.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 14-3-1984.

(1) Mrs. Poonam S. Bhaya,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Esmayeel Shroff.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSUT, COMMISSIONER OF INCOMETAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1983

Ref. No. AR-II/37EE/3046/83-84.--Whereas, I. S. H.

ABBAS ABIDI, ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

B-1 on Hnd floor of 'B' Building, Jolly High Rise Apartments, Pali Mala Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed heret)o, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 3-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); B-1 on 2nd floor of 'B' Building, Jolly High Rise Apartments, Pali Mala Road, Bandra, Bombay-50,

The agreement has registered by the competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.3046|83-84 dated 3-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the followpersons, namely :-

Date: 14-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACJUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 14th March 1983

Ref. No. AR-II/37EE.3542/83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 406, 4th floor, Final Plot No. 32, TPS.V, Santacruz

(East) Hombay-54 situated at Santacruz (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of at Bombay on 20-7-1983

the Competent Authority,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersona. namely :---70-36GI/84

(1) Mls Jay Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Kamini Gurmukhdas Masand.

(Transferee)

(3) Mr. S. M. Malubhy,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, Final plot No. 32 TPS. V, Santacruz (E), Bombaq-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-II 37EE.3542 83-84 dated 20-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-3-1984.

(1) Ms. Gundecha Builders

(2) Shri Sunder H. Sanchanandani.

(Transferor)

(Transferee)

HOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-II|37EE.3202|83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 32, 3rd floor, 'SONAL' Guzdar's Private Scheme, Santacruz, Bombay situated at Santacruz

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreemeni ts registeerd under

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, 'Sonal' Guzdar's Private Scheme, Santacruz, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.3202|83-84 dated 1-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-3-1984.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

Shri Subhash D. Kandalkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Rcf. No. AR-II 37EE 3109 83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5 LA-Blane Co-op Hsg. Society, 2nd floor, Juhu Colony Road, Juhu, Bombay 400 049 situated at Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 23-7-1983

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Shri Nana E. Kapadi,

(Transferee)

(Person in occupation of the property) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LA-Blanc Co-operative Housing Society, 2nd floor, Juhu Colony Road, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR II 37EE 3109 83-84 dated 23-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-3-1984

(1) Smt. Kalaben R. Bhavsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanji P. Manzi & other.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-III/2403/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 15 3rd floor 'Asha' Ghatkopar Asha Bindu Coop Her Sec Ltd. Ghatkopar (East) Barbay 27 digner.

Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Ghatkopar (East), Bombay-77 situated at Ghatkopar (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 15, 3rd floor, 'Asha' Ghatkopar Asha Bindu Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III[37EE[1077]83-84 dated 12-7-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqn. Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombny, the 13th March 1984

Ref. No. AR-III 2367 83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Flat No. 3, 1st Floor, 'ABHILASHA ÀFARTMENTS (A),' J. N. ROAD, situated at Mulund (W),

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay.

Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I here'by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mantri Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Ravindra Dattatray Chavan.

(Transferec)

(3) Mantri Development Corporation.

(Person in occupation of the property).

Ms. Balmer Lawrie. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, 'ABHILASHA APARTMENTS (A)' Off J. N. Road, Mulund (West) Bombay-80.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-III 1072 83-84, dated 15/7/1983.

> LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-3-1984

(1) M.s. Arun International.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukul Bhupendra Trivedi and Mrs. Anasuya Bhupendra Trivedi. (3) Seller, as building is under construction.

(Person in occupation of the property).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AE-IV|629|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.

I-lat No. B|13 Saibaba Dham, situated at Off. S. V. Road,
Borivli (West), Bombay-92.

and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been tibusferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compstent Authority at Bombay.

Bombay on 8th uly 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Flat No. B|13 Saibaba Dham, Off. S. V. Road, Borivli (West) Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|629|83-84 dated 8th July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date -: 12-3-1984

FORM ITNS.----

(1) M/s. Crown Enterprises,

(Transferor)

(2) Mr. Jagdish K. Sharma.

in the property).

(4) M/s, K, R, Hotels & Estates Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INSOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AE-II|37EE|3042|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 302, 'Samudragupta' Military Road, Juhu, Bombay-400054 situated at Juhu

(and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(Person whom the undersigned knows to be interested

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 'Samudragupta', Military Road, Juhu, Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|3042|83-84, dated, 3-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|646|83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 10, Dattani Nagar, situated at Building No. 2, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay, on 2-7-1983

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ranchoddes Govindji Vasant and Mrs. Manglaben Putshottam Vasant.

 (Transferor)
- (2) Damodhar Shamji.

- (Transferee)
 (3) M/s, Dattani Futerprises, Kandivli (West), Bombay67.
- (4) M|s. Dattani Enterprises, Kandivli (West), Bombay-67.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Dattani Nagar, Building No. 2, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|646|83-84 dated 2nd July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984

ical

- (1) Shri Satyaprakash Agarwal.
- (Transferor)
- (2) Sharda Shivgopal Damani.
- (Transferee)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Shri Satyaprakash Agarwal.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. ARIV/619/83-84.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. A-2/13 Mahesh Nagar, situated at S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay.

Officer at Bombay on 1st July, 1983

- r for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Secton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

71-36G|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-2/13 Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/619/83-84 dated 1st July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984,

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. A-E/4/656/83-84.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000]- and bearing No.
Flat o. C/8, 2nd floor Saibaba Dham, situated at S. V Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay.

Officer at Bombay on 8th July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M|s. Arun International.

(Transferor) (2) Smt. Bhanumati Bhadrikprasad Zaveri and Shri Bhadrikprasad Mangaldas Zaveri,

(Transferee)

(3) Seller, as building is under construction. (Person in occupation of the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/8, 2nd floor, saibaba Dham, Off. S V. Road, Borivli (West). Bombay-400 092,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/656/83-84 dated 8th July, 1983.

VUAY RANIAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1984.

- (1) Shri Raghunath Ramchandra Joshi
- (Transferor)
- (2) Shi Hasmukhlal Vithaldus Madani

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the

March 1984

Ref. No. AE-4/37EE/649/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. 8/A/7, Alti Apartments, Off. S. V. Road, Saibaba Nagar, Borivli (West), Bombay-400 092: (and more fully described in the scheduled annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay.

Officer at Bombay on 26th July, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and the consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and the con parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

8 A 7, Elfee Apartments, Off. S. V. Road, Saibaba Nagar, Borivli (West), Bombay 400 092. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV 649 83-84 dated 26th July, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: -3-1984.

(1) Shri Gobind K. Daryanani

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Munir Ismail Fakih

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1984

Ref. No. AR-IV|377EE|577|83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value mo sam Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Flat No. 423, 4th floor, 'J' Sheetal, 7 Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay. situated at Andheri (and more fully described in All More fully described

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay, on 30th July, 1983,

for an upparent consideration which is less than the fair ror an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 423, 4th floor, 'J' Sheetal, 7 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV 64 83-84 dated 30th July, 83.

(h) facilitating the concealment of any income or any nachitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1984.

Sep1:

(1) Shri Ramlal Chobdar.

(Transferor)

(2) Smt. Usha M. Jogani. Ramlal Chobdar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. ARIV 982 83-84.—Whereas, I. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 5 Building No. A-7, Balratana Co. Op. Housing Soclety Ltd, S. V. Road, Goregaon (West) Bombay-62. situated at (W) Bombay-62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay. on 22nd July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fromthe service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Building No. A-7, Balratana Co. Op. Housing Society Ltd. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. ARIV|982|83-84 dated 22nd July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay

Seal:

Date: 13-3-1984.

FORM ITNS----

(1) M/s. Hanjer Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sarwari Begam Ibrahim Shaikh

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE.567|83-84.--Whereas, 1, VIIAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 3, Bldg, 'C', Ground floor, Mogra Village, Andheri (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 11th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said incomovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Bldg C. Hanjer Nagar, Mogra Village, Andheri (East), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sl. No. AR-IV[67]83-84 Date. 11th July, 1983,

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-JV. Bombay

Date: 7-3-1984.

(1) M's, Nirman Developers.

(Transferor)

(2

(2) Smt. P. J. Iyeagar.

(Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE.586|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 303, 'A' Wing, Nirman Park, at Jeejamata Rd., Pump House, Andheri(E) Bombay-93. situated at Andheri (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay. on 11th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 'A' Wing Nitman Park, at Jeojamata Rd., Pump House, Andheri (E), Bembay-93. The Agreement has been registered by the Council Authority, Bombay under Serial No. AR-II 66 83-84 Date 11th July, 1983.

VII Y RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 7-3-1984.

FORM I.T.M.S.---

(1) Shri Sadharia D. Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. JEC Engineering Co.

('Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE.594|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Indl. Estate Unit No. 35, 3rd phase of Shiv Shakti Indul. Estate, Andheri Kurla Rd. Andheri (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay, on 4th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Estate Unit No. 35, 3rd Phase of Shiv Shakti Industrial Estate, Andheri Kurla Rd., Andheri (E), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.IV|37EE.62|83-34 dated 4th July, 1983.

VIIAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984.

FORM LT.N.S.-

(1) M/s. Alpana Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Shantaram P. Gadiyar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-IV|37EE.595|83-84.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafer referred to as the 'said \(\lambda\ct'\)), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. B, 3rd floor, Alka Apartments, Jogeshwari, Bombay, situated at Jogeshwari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay. on 19th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—
72—36GI|84

Date: 12-3-1984.

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B, 3rd floor, Alka Apartments, Jogeshwari, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|37EE-70|83-84 dated 19th July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

FORM LT.N.S .--

(1) Shri Harinderkumar Singla

(Transferor)

(2) Shri Subhash N. Maniar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Rcf. No. AR-4|2892|83-84.—Whereas, I, VIIAY RANJAN,

vilAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 17, 4th floor, Saibaba Nagar, interest of the Results.

situated at Borivili

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Bombay.

on 20th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th floor, Estee Gajee Co. Op. Hsng Society Ltd. Saibaba Nagar, S. V. Road, Borivili, Bombay-92, The agreement has been registered in the Office of the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR4|2992|83-84 dated 20|9|1983.

> VUAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 13-3-1984.

Scal:

(1) Shri Chandulal Pancha Nagaria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harilal Bhimshi Gala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. ARIV|678|83-84.—Whereas I, VIJAY RANJAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Shop No. 1, Gala Apartment, Jitendra Road, Malad (East), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay.

on 7th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within .45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gala Apartment, Jitendra Road, Malad (East), Bombay-64.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV|678|83-84 dated 30th

July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 9-3-89

Scal:

FORM TINS-

(1) M|s. Sabri Builders

(Transferor)

(2) Shri Khemchand K. Dama

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV-37EE.560|82-83.—Whereas, I VIJAY RANJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|1 and bearing

Shop No. 7, Ground floor, Ganga-Jamuna Apartment, Yuri Rd. Versova, situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor Ganga-Jamuna Apartment, Yari Road, Versova, Andheri. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV 68 83-84 dated 11 July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date 9-3-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III.
BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. A.E. [III]2428|83-84.—Whereas, I A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000; and bearing

Rs. 25,000; and bearing No. Block No. 3 Green Views Apts. Co. operative Hsg. Soc. Ltd. Govind Nagar, Nari Seva Sadan Road, Ghatkopar (West), Bombay-86 and situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 6th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) o Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Panji Karan Varkey Kuriakose

Transferor(s)

(2) Sreedhran Muthuthayan

Transferec(s)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLA—ATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Blocck No. 3, Plot No. B-12 Green View Apartments Co.op. Hsg. Society Ltd., Govind Nagar, Nati Seva Sadan Road, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III|37EE.1050|83-84 dated 6th July, 1983.

A. LAHIRI
VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref No. AR-III|2373|83-84.—Wheareas I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat 14|189 Shriniketan 3rd floor, Garodinagar, Ghatkopar (E). Bombay 77 situated at Ghatkopar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax, 1961 in the office of the Competent Authority At Bombay. on 13th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Shanta S. Nair
- (2) Smt, R, Sivakary Amal.

(Transferor)

(Transferce)

(3) Transferce (Person in the occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXTLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. 14|189 Shriniketan, 3rd floor, Garodianagar, Gnatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay 13-7-83. under serial No. AR-III 1053 83-84 dated

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 5-3-1984

- (1) M|s. Racchana Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Krishnambal Narayanan & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-II|2392|83-84.--Whereas, I

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Bungalow No. D-1 Plot No. 3 Near Amar Theatre, Rs. 25,000]- and bearing No. Deona, Bombay-88, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax, 1961 in the office of the

Section 269 AB of the Income-tax, 1961 in the office of the Section 269 AB of the Income-tax, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15th July 84 Deonar for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration that the consideration for such transfer with the object of the consideration and that the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration that the object of the consideration are transfer with the object of the consideration and that the consideration are transfer with the object of the consideration and that the consideration are transfer with the object of the consideration and that the consideration are transfer with the object of the consideration and that the consideration are transfer with the object of the consideration and that the consideration are transfer with the consideration and that the consideration are transfer with the consideration and that the consideration are transfer with the consideration and that the consideration are transfer with the consideration and that the consideration are transfer with the consideration and that the consideration are transfer with the consideration and that the consideration are transfer with the consideration and that the consideration are transfer with the consideration and the consideration are transfer with of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. D-1, on Plot No. 3, near Amar Theatre. Deonr, Bombay-400088.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III[37EE:1071[83-84 dated 15-7-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated 19-3-1984. Seal:

(1) Ms Navjivan Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shashikant Ganpatrao Patkar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AE-4|37EE|924|83-84.—Whereas, I VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 101|B on 1st Floor Kaustubha Nagar, Ramchandra Road Extension, Malad (West), Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19th July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires rater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 B on 1st floor, Kaustubha Nagar, Ramchandra Road, Extension Malad (West), Bombay-64.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. ARIV|924|83-84 dated 19th July, 1983

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 12-3-1984

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-III|2233|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Area 5043 sq. mtr. old Survey No. 22 situated at Kaniur Murg Kurla Taluka Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement has been registered with the Competent Authority Bombay under section 269AB of the I.T. Act 1961

on 12-7-1983, on 12-7-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans er; and /or

(b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have which ought to be disclosed by the transcence for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesadi property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—73—36GI/84 Shri Lalchandra S. Singh & Shri U. K. Singh S. B. J. Singh, Smt. R. J. Singh, Smt. S. C. Singh Smt. S. S. Singh.

(Transferor)

(2) Dr. Subhash R. Prakash & Dr. Ashok V Dandekar Park Parteners of M/s. Ankur Maternity & Surgical Nursing Home.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 5043.8 sq. mts. bearing C.S. No. 1253|1 to 17 Old Survey No. 22, Kanjur Marg, Kurla Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority vide serial No. ARIII 1080 83-84 dated 12-7-198

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-3-194,

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Gajra Anand Harish Chandra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Lalji Ramji Tanna 2. Or. Smt. Lata L. Tanna

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. ARIII|2311|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Flat No. B-9, West Nandavan Society, situated at Mulund Bombay-80.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, under section 269 AB of the I.T. Act 1961 on 12-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Society, Plot No. 1028, Bawa Pradumna Cross Road Mulund Bombay, The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. ARIII,1079/83-84 dated 12-7-1983. Flat No. B-9, 2nd floor, West Nandanvan Co. Op. Hsng.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 14-3-1984.

Scal;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5286.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated

at V. Jassi Panwali, Bhatinda

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in July 1983 for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely-:-

(1) Shri Jagjit Singh S/o Mukhtiar Kaur D/o Jaimal Singh, Vill. Jassi Panwali, Teh. Bhatinda.

(Transferor)

Shri Balwinder Singh, Sukhmandar Singh, SS/o Amar Singh V. Jassi Panwali, Bhatinda. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2003 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-3-1984.

Seal:

33

275

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION OCTOBER, 1984

New Delhi, the 28th April, 1984

No. F.8/12/83-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 21st October, 1984, for admission to the undermentioned courses:

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

- (1) Indian Military Academy, Dehra Dun (79th Course commencing in July, 1985) 150 [Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].
- (2) Naval Academy, Cochin Course commencing in July, 1985
 - (a) General Service
 [Including 6 reserved for NCC 'C'
 Certificate (Naval Wing) holders].
 - (b) Naval Aviation
- (3) Air Force Academy AFAC, Coimbatore [Pre-Flying Training Course for 138th F(P) Course commencing in July, 1985] [Includes 4 reserved for NCC 'C' Certificate (Air Wing) holders].
- (4) Officers' Training School, Madras [42nd SSC (NT) course commencing in October, 1985]

N.B. (i)—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference and for no other course(s).

No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

- N.B. (ii)—The left-over candidates of IMA/Naval Academy/Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions:—
 - (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC (NT) Course; and
 - (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admissionto the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.
- NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing) / (Senior Division Air Wing)/(Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/ Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg. 6 (SP) (c), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first candidates by 1st July, 1985.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA|Naval Academy|Air Force Academy Courses on the last date for receipt of applications in the Commission's office.

Note II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/ Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

- NOTE:—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawi, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati). Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT ADIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 21st September, 1984, will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality:-

A candidate must either be-

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal. or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the Intention of permanently settling in India,

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

- (b) Age limits, sex and marital status:---
 - For IMA—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1961 and not later than 1st July 1966 only are eligible.
 - (ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1963 and not later than 1st July, 1966 are only eligible.
 - (iii) For Officer's Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd July, 1960 and not later than 1st July, 1966 are only eligible.

Note: Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA/Navy and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview for the purposes of verification by the Selection Staff.

- (c) Educational qualifications:-
 - For I.M.A. Naval Academy and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.
 - (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other than physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview, to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg. 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date falling which their candidature will stand cancelled:—

For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 1st July, 1985.

(ii) For admission to officers' Training School, Madras on or before 30th September, 1985.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

- Note I: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination, delay in declaration of results or any other ground whatsoever.
- NOTE II: Candidates who are debatred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- Note III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.
- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Application not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.
- 5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January. 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and has migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 6, HOW TO APPLY.—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services hammination October, 1784 appended to the Notice will be extermined. Completed applications should be sent to the Secretary.

Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- (Rupees Two) at the counter in the Commission's office.
- (iii) Free of charge from nearest Military Area/Sub-Area Headquarters, Naval and Air Force Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertaking or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (viz) Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Umon Public Service Commission, Dholpur House, New Deint-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 25th June, 1984 (9th July, 1984, in tease of caudidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Piadesh, Mizoram, Mampur, Nagaland, Tripura Sikkin, Ladakh Division of Jak Sinte, Lahaul and Spiti District of

Himachal Pradseh, Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 25th June, 1984, and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 25th June, 1984.

- Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- NOTE (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION

(A) By all candidates:--

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Tribes candidates] through crossed Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.
- Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the Candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner. Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head '051 Public Service Commission—examination fee' and the receipt attached with the application

(li) Certificate of age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in a extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which

extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age is recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE I:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSI-QUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority, (i.e. University or other examining body) awarding the marticular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain

its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as a officient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree or equivalent examination submitted by a candidate competing for the Air Force Academy in support of his educational qualification does not indicate the subjects of the examination, he must submit in addition to the attested/certified copy of University certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/ Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with Physics and/or Mathematics, as subjects of examination. If however, the candidate has passed his depree or equivalent examination with subjects other than Physics and/or Mathematics, he must, in addition to attested/certified copy of degree or equivalent certificate, submit an attested/certified copy of the University/Board certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination. In such a case, if the attested/certified copy of the University/ Board certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern)/12th Standard Examination (under the 10+2 pattern of school education) does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal concerned showing that the candidate has passed the examination with Mathematics and Physics as subjects of the examination, must also be submitted.

- (iv) Attendance sheet (attached with the application Form) duly filled.
- (v) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:—
 Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.
 - (C) By candidates claiming remission of fee:-
 - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
 - (ii) An attested certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate:—

- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan:
 - (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.
- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriates from Sri Lanka:

High Commission for India in Sri Lanka.

(e) Repatriates from Burma:

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

- (d) Displaced persons from erstwhile West Pakistan:
 - (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- (D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing) /(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders compained for the vacancies reserved for them in the I.M.A., Air was seen to course and Naval Academy Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Sen'or Division Air Wing Naval Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination.

Note:—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

9. REFUND OF CEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—

- (i) A refund of Rs. 15% (Rupees fifteen) [Rs. 4%-(Rupees four) in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will-not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date no refund of fee will be made to that candidate.
- (ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in October, 1983 or in May, 1984, and is recommended for admission to any of the courses on the results of any of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination October 1984 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 1st April, 1985.
- 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.—Every application including late one, received in the Commission's Office, is acknowledged and Application Registration No, is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipso-facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or after or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If

the there is any inaccuracy or any discrepancy between two or n the more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of-

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instruction issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (h) to be debarred either permanently or for a specified period.—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; and
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) If he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this paragraph shall be imposed except after—.

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed, to him, into consideration.

14. OBIGINAL: CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ Rtg. 6(SP)(e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sens Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011: in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 1st July, 1985 [30th September, 1985 in case of SSC (NT) only). Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.

15. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGIS-TRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION MAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are reduced, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particular, mentioned in paragraph 15.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS, ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG.6(SP)(e)(ii). WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022, AND AIR HQ (PO3) VAYU BHAWAN, NEW DELHI-110011, FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the metter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDI-DATES OUALTYYU.C IN THE C'RITTEN EXAMINA-TION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG 6(SP)(e)(ii) Wes Btlock 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 and Air Headquarters (PO3) Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles.

- (a) Passport size photographs in white shirt-6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

N.B.:—In case a candidate does not get the interview call for SSB interview for IMA by 1st week of April 1985, and by 4th week of July, 1985, for OTS, he should write to Army Headquarters/Rtg. 6(SP) (c) West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110066, regarding non-receipt of the call up letter.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in March/April, 1985 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1985.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner

of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Multary Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical litness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

Note: Every candidate for the Air Force and Naval Aviation is given Pilot Aptitude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission for the F(P) Branch of the Indian Air Force and Naval Aviation.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Services Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack Officer like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer like qualities will not be considered fod grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.)

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/gram of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS OURTH AND ING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy. The candidates who resign from IMA/NA/AFA may be considered for induction into OTS on their merits provided there is shortfall on that particular course.

22. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110011, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

M. BALAKRISHNAN Dy. Secy.

APPENDIX 1

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises :--
 - (a) written examination as shown in para 2 below;
 - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.
- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—
- (a) For admission to Indian Military Academy:

 Duration	Maximum Marks
2 Houses	100
2 Hours	100
2 Hours	100
	. 2 Houses

(b) For Admission to Naval Academy;

Subject	Time allowed	Maximum Marks
COMPULSORY	-	
1. English	2 Hrs. 2 Hrs.	100 100
GPTIONAL		
*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics . *4. Mathematics or Physics .	mentary will take their 4th Candidates mentary Ph	100 150 offering Ele- Mathematics Physics as paper and offering Ele- ysics will take cs as their 4th

(c) For Admission to Officers Training School

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	. 2 Hours	100
2. General Knowledge .	. 2 Hours	100
(d) For Admission to Air Fo	orce Academy:	
Subject	Duration	Maximun Marks
		100
1. English	. 2 Hours	100
English Generatl Knowledge .	. 2 Hours . 2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

- '3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX, V.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination,
- 7. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the

SYLLABUS

ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidates understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary metod—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclide algorithm

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressons and con ditional identities. Laws of Indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^{\circ} \leq \times \leq 90^{\circ}$

Values of sin x, cos x and tan x, for $x=0^{\circ}$, 30°, 45°, 60° and 90°.

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of hights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circle and its properties containing tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and sylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

- (a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS units, scalars and vectors, Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force Units of Force. Mass and weight.
- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces, Centre of Gravity. States of equalibrium. Simple Machines, Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane Screw and Gears, Friction angle of frictions coefficient of friction. Work, Power and energy Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of fluids.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedies principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedies principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation. Measurement of pressure exerted by a gas, Boyle's Law, Air pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles Law: specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization, SVP humidity, dew point and relative humidity
- (c) Light.—Rectifinear Propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidlascope, telescope. Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.
- (f) Sound.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law, P.D., Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule, Measuring instruments.—Galvanometer, Ammeter. Voltmeter. Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating, Electromagnetic induction. Faraday's Laws, Basic AC & DC-generator.

PHYSICS (Code No. 06)

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple, barmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, totced and free vibrations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats, stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone. talkies and loudspeakers.

3. Heat and Themodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Vander Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefraction of gases; Heat engines; Cornot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanonictis. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons, Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

MATHEMATICS (Code No. 04)

1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix inversion of matrices. rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles clipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis) Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential Calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation Rolle's theorem, Mean value theorem; Maclaurine and Taylor series

eproor not needed) and their approxuons. Blackhai expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions, interminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable geometrical applications such as tangent, normal, subtangent subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope; Partial differentiation. Eullers theorem for homogeneous functions.

integral calculus—Standard methods of integration Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpsons rule for numerical integration.

Differential equations.—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients, Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be ased)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent torces. Moments, Couples Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of metion equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newtons law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion, Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous) density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—binomial Distribution, definition, mean and variance, skewness. limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesls; Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error, Simple application of the normal, t, chi^a and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note:—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

Physical Standards for Condidates for Combined Defence Services Examination

Note.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

- 1 .A candidate recommended by the Services Board of Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
 - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
 - (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.
 - (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhes and individuals belonging to hills of North Eastern regions India, Garhwal and Kumaon the minimum acceptable height will be 5 cms. less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

Height and Weight Standards

T Lake 1	C1-4-1		Weight in Kgs.					
Height in (with	out sho		18 years	20 years	22 years			
152	•••	•	44	46	47			
155			46	48	49			
157			47	49	50			
160		,	48	50	. 51			
162			50	52	5:			
165			52	53	5			
168		•	53	55	5			
170			55 -	57	5			
173			57	59	6			
175			59	61	6			
178			61	62	6			
180			63	64	6			
183			65	67	6			
185			67	69	7			
188			70	71	7			
190			72	73	7			
193			74	76	7			
195			77	78	7			

(1i) at 30 cm

A+10% (±0 Kg. for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad built as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on ment.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind, X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear as a distance of 610 cms. in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.
- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vesseles. Blood pressure should be normal.
- (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (j) Un-oprated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and heeling is completed.
- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards:---

Colour vision . . . CP-1 by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Occular Muscle Balance
Hetrophora with the Maddox Rod test must not exceed:

(i) at 6 meter . . . Exophoria 8 prim dioptres Esophoria 8 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres

> Exophoria 16 prism dioptres Esophoria 06prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres

- (o) 'The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 theeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.
- 2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of A'r Force candidates only:—
 - (a) Antropmetric measurements acceptable for Air Force are as follows:—

Height . . . Min. 81 · 5 cms. & Max 96 cms

- (b) X-ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying:—
 - (i) Granulomatous disease of Spine
 - (ii) Arthritis/Spondylosis
 - (iii) More than mild kyphosis/Lardosis. Scoliosis More than 15° by Cobb's method will be cause for rejection.
 - (iv) Spondylolisthesis, spondylolysis
 - (v) Herniated Nuclens Pulposus
 - (vi) Compression faracture of Vertebra
 - (vii) Scheurman's Disease
 - (vii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory difficit
 - (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.
- (c) X-Ray Chest is compulsory.
- (d) Vision

Distant Vision 6/6 6/9 Correctable to 6/6.

Near vision N-5 each eye
Colour Vision CP-I (MTL)

Manifest Hypermetropia....must not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed:
(i) at 6 metres . . . Exophoria 6 prism

dioptres.

Esophoria 6 prism diopares.

Hyperphoria 1 prism dioptres.

(ii) at 33 cms.

Esophoria 16 prism dioptres

only

Esophoria 6 prism dioptres

Hyperphoria 1 prism dioptres

Myopai Nil Astigmatism + 0 ·75D

Binocular Vision-Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and depth)

(e) Hearing Standards

(i) Speech test

Whispered hearing 610 cms each ear

(ii) Audiometric test

Audiometric loss should not exceed + 10 db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz

- (f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.
- 3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.
- 4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.
- 1. Before the Candidate joins the Indian Military academy—
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tution, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen-

cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, hoarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The perent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant. Indian Military Academy, Dehra Dun,

- 4. Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.
 - (b) For items of clothing and equipment—Rs. 800.00

Total: Rs. 1250.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them:—

Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month Rs. 450,00

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:—
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- 6 An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—
 - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
 - (b) if he is not granted a commission refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns white under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 7. No. candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army 11Q. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.
- 9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

Rank			Pay Scale	Rank	Pay Scale
			Rs,		Rs.
2nd Lieut	•	•	750 —7 90	Lt. Colonel (Time scale)	1900 fixed
Liout .			83 0 950	Colonel	1950-2175
Captain .			1100-1550	Brigadier	22002400
Major	•	•	14501800	Maj. General	2400—125/2 2750
Major (Selection	n G	rade	;		
Pay) .			18005019	900	
Lt. Colonel (By Selection	Α.			Lt. General	3000 tp. m.
(by beiterion	.y		1750—1950	Lt. General (Army Co	
Lt. Colonel (Se Grade Pay)	lecti	on	2000-50-210	0	

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m. 75—36GI/84

(lii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances---

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs, 75/- p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving Ex-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance.
- (d) Separation allowance: Married officers posted to nan-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p.m.
- (c) Outfit Allowance:—Initial outfit allowance is Rs. 2100/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(f) Free rations provided upto the level of Colonel in the Army.

(iv) **POSTING**

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

by time scale

Lt.	•	-	•	2	years of	Commissioned	Service
Capt.	ŗ.			6	years of	Commissioned	Service
Major				13	years of	Commissioned	Service
Lt. Co	l. from	Maj	JE,	25	yours of	Commissioned	Service
(if no	t prou	oted	by		•		
Selecti	on)						

by selection

Lt. Col.			16	years	of	Commissioned	Service
Col	,		20	years	of	Commissioned	Service
Brigadier .	•					Commissioned	
Maior Gen	١.		25	years	of	Commissioned	Service
Lt. Gen						Commissioned	
General .		_	No	restric	tion		

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies:

Captain .				3 years
Major .				5 years
Lt. Colonel				61 years
Colopol .	-		-	81 years
Brigadior				12 years
Major General				20 years
Lt. General				25 years.

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN

- 1. (a) Candidates, finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge Naval Academy, Cochin.
- (1) Candidates not applying for government than that aid ;
 - (i) Pocket allowance for five months @Rs. 45.00 per month . . . Rs. 225.00
- (2) Candidates applying for Government financial aid 1
 - (i) Pocket allowance for two months
 (Br. 45.00 per month)
 (Rs. 90.00
- (b)(i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval_Ships_and Establishments_as under 1 ,

 - (b) Midshipment a float Training 6 onths

 - (d) Sub-lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi:

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy understal concession similar to those admissible at the Academy vide sub para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the authorn provided free by the Covernment cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadeta applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.
- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the pay are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.
- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.
- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

D	•					Pay Scale	
Rank						General Service	e
(1)						(2)	
Midshipman						Rs. 560	
Ag. Sub. Lieut.						Rs. 750	
Sub. Lout.						Rs. 830870	
Lieut						Rs. 1100-1406	0
Edout, Cdr.						Rs. 1450-1800)
Commander (B	y Solo	etio	n)			Rs. 1750—1950)
Commander (B						Rs. 1900 fix	od
Captain .			í			Rs. 1950-2400	
•		·				(Commodo	rο,
						receives pay	to
						which entiti	ied
						according	to
						seniority	as
						Captain).	
Roar Admiral						Rs. 2500—125/2	2-
	-	-	•	•	•	2750	
/ice-Admiral						Rs. 3000.	

3) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allow-

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (lil) When officers are serving outside India expatriation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 140 p.m. is admissible to-
 - (a) married officers serving in non-family station; and
 - (b) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) (a) Outfit Allowance; Initial Outfit Allowance is Rs. 2.400/-
 - (b) Renewal Outfit allowance is Rs. 2,100/-
- (vi) Free rations for the period they remain in the ships away from the base ports.
- (vii) Free rations are provided upto the level of Captain (IN) in the Navy.
- Note I:—In addition certain special concessional like hardlying money sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.
- NOTE II:—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances,

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipman to Ag. Sub. Llcut. . 1/2 year

Ag. Sub. Lieut, to Sub Lieut , 1 year

Sub. Lieut. to Lieut. . . . 3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture

of soniority).

Lieut. to Leiut Cdr. . . 8 years seniority as Lieut.

(b) By Selection

Lelut, Cdr. to Cdr. . . 2-8 years senioriry as Lieut Cdr.

Cdr. to Capt. . . 4 years seniority as Cdr.

Capt. to Rear Admiral and above. No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

Note.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS

- 1. Before the candidate joins the Officers' Training School Madras—
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, falls to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. 'Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 90.00 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officers' Training School, MADRAS along with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for ten months at Rs. 90.00 per month

Rs. 900.00

(b) For items of clothing and equipment

Rs. 500,00

Total

Rs. 1400.00

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned in them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.
- 7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.

- 10. Terms and conditions of Service
- (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated any time valether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of Appointment, and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay 2/Lt. and Lelut. are:

- (i) Second Lieut. . . Rs. 750--790 p.m.
- (ii) Lieut. . . . Rs. 830—950 p.m. plus other allowances as laid down for regular officers.
- (c) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibid.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
 - (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
 - (ii) on account of medical unfitness; or
 - (iii) if his services are no longer required; or
 - (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration
- (ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00;

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or upto the ago of 40 years whichever is carlier.

- (i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.
 - (D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE \land CADEMY
- 1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).
 - (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.
 - (b) NCC Entry.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ. Eligible candidates are directed to report to AFSB3 for tests and interview.
- 2. Detailing for Training.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.
- 3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

Conditions governing Financial Assistance:

(i) While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all Sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant, Air Force Administrative College, Red Fields, Coimbatore.

- (ii) Candidate's finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.
 - (b) For items of clothing and equipment Rs. 525.00 Total: Rs. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned:—

Pocket allowance for the five months at Rs. 90.00 per month=Rs. 450.00.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/p.m. which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Ra	 Flying Branch			
		•		Rs.
Pli Oifr, .				825865
Flg. Offr	•			910-1030
Fit. Lt				11501550
Sgn, Ldr.	•			14501800
Wg. Cdr				1550-1950
Gp. Capt.				1950—217 5
Air Comde.				2200-2400
Air Vice Mars	hal			2500—2750
Air Marshal				3000

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India. Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

Wg. Cdr. and below		-	Rs. 750 ·00	P.M.
Gp. Capt. and Air Comde	•		Rs. 660 ·00	P.M.
Air Vice Marshal and above			Rs. 600 ·00	P.M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/-, and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units/ Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

Outfu Allowance.—Rs. 2,100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which at officer has to possess: Rs. 1,800/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Gr. Captain in the Air Force.

6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave.-60 days a year.

Casual Leave. -20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children, family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. Pensionary Benefits

Retiring Rank (Substantive)		Minimum le of qualify service	ongth Standard rate ing of Retiring Pension
Plt. Offr./Fg. offr		20 years	575 00 P.M.
Flt Lt.		20 years	800 · 00 P.M.
Sqn. Ldr. , ,		22 years	925 · 00 P.M.
Wg. Cdr. (Time Scale)		26 years	975 · 00 P.M.
Wg. Cdr. (Solective) .		24 years	1000 · 00 P.M.
Gp. Capt		26 years	1150 ·00 P.M.
Air Comde		28 years	1250 ·00 P.M.
Air Vice Marshal		30 years	1425 ·00 P.M.
Air Marshal VCAS and	•	30 years	1375 ·00 APM.
AOSC-in-C		30 years	1475 ·00 P.M.
Air Chief Marshal :		30 years	1700 ·00 P.M.

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President is as under:—

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1½ month's pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs. 1200/- less ‡ month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 164 times of the emoluments not exceeding Rs. 36,000/-is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) Two months pay, if death occurs in the first year of service:
- (b) six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years;
- (c) Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical nid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to	certify	that	Shri -	age/town	<u> </u>		eon
State/Union	in	Dist	rict/Div	ziston≖ —		of	the

Caste/Tribe* which is recognised as a
Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1956*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territory) Order, 1951*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay Reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967*
the Constitution (Gos, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order, 1970*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*
me Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*
2. Shri and/or* his family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory of
Signature
**Designation
State/Union Territory*
(with seal of office)
Place

"Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 80 of the representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates:

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

f(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (m) Kevenue Officers not below the rank of Tehsiidar.

- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

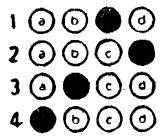
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your responses on the answer sheet. Responses marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each them, circular spaces marked, a. b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circle on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT--

- 1. You should bring and use only good quality HB 'pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, crase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner at to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to enclose some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may loose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to sup, Remain in your seat and wait till the invigilator collect all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the exemination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: *denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far-

3. (Agriculture)

- In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below
- (a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting in the correct season

4. (Chemistry)

The anhydride of H, VO, is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂O₃
- •(d) V₂ O₅

(Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when a

- (a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue products are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittibity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0$$
 is given by

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y=aex+be^{-x}$
- (d) y=ao x-d
- 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4—3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be (a) 42

- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) --5 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- (b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was highly formalised and pretentions religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stuges in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the athoistic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism, Nyäya, Cärväka, Mimämsä
- (b) Nyāyā Vaisesika, Jainism and Buddhism Cārvāka
- (c) Advaitā, Vedanta, Samkhya, Cár váka, Yoga
- (d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsá Cárvākā

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organization,
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

(Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.
- NOTE: -- Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.